छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा 10

हिंदी'अ'(002)

शैक्षिक वर्ष 2022-23

केंद्रीय विद्यालय संगठन एर्णाकुलम संभाग

मुख्य संरक्षक

श्री सेंदिल कुमार
उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
एर्णाकुलम संभाग

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती दीप्ति नायर,
सहायक आयुक्त,
केंद्रीय विद्यालय संगठन
एर्णाकुलम संभाग

श्री संतोष कुमार एन
सहायक आयुक्त,
केंद्रीय विद्यालय संगठन
एर्णाकुलम संभाग

श्री एस अजय कुमार
सहायक आयुक्त,
केंद्रीय विद्यालय संगठन
एर्णाकुलम संभाग

मार्गदर्शक एवं प्रभारी

डॉ एस डी रानी
प्राचार्य के वि पय्यन्नूर

आर सेन्दिल कुमार
उपायुक्त
R. Senthil Kumar
Deputy Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
क्षेत्रीय कार्यालय, एरणाकुलम

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
REGIONAL OFFICE,
ERNAKULAM,
KOCHI – 682 020

Ph. No.0484- 2205111(DC)
Website: www.roernakulam.kvs.gov.in
Email : dcernakulamregion@gmail.com

F.31/Acad/KVS(EKM)

दिनांक: 30.08.2022

सन्देश

मुझे कक्षा दसवीं की (हिन्दी) अध्ययन सहायक सामग्री प्रस्तुत करते हुए अत्यधिक हर्ष हो रहा है | प्रस्तुत अध्ययन सामग्री सी बी एस ई द्वारा पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में 2022-23 में किए गए बदलाव के अनुरूप है |मुझे पूर्ण विश्वास है प्रस्तुत अध्ययन सहायक सामग्री सभी केन्द्रीय विद्यालयों के कक्षा दसवीं के छात्रों के लिए अत्यंत सहायक होगी |

प्रस्तुत सामग्री छात्रों को बोर्ड परीक्षा की अच्छी तैयारी कराने में सहायक रहेगी तथा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा का सामना कराने के लिए उन्हें सक्षम बनाएगी |प्रस्तुत सामग्री अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों द्वारा तैयार की गई हैं | इसमें छात्रों की आवश्यकता के अनुसार सभी पहलुओं का ध्यान रखा गया हैं |

मुझे पूर्ण विश्वास हैं कि प्रस्तुत सहायक सामग्री छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा उपयोग की जाएगी| मैं प्रस्तुत सहायक सामग्री एवं निर्माण सामग्री के प्रभारी प्राचार्या डॉ एस डी रानी एवं निरंतर प्रयत्नशील शिक्षको का आभार व्यक्त करता हूँ जिनके अतुलनीय योगदान से ही यह कार्य संपन्न हुआ हैं |कठिन परिश्रम , प्रभावी समय नियोजन एवं कार्यनिष्ठा से युक्त यह योजना छात्रों को अवश्य सफलता दिलाएगी|

आर सेंदिल कुमार
उपायुक्त

सहायक सामग्री निर्माण समिति

	पाठ/प्रकरण	प्रभारी /सदस्य	केन्द्रीय विद्यालय
1	अपठित गद्यांश	श्री बलराम	के वि नं 1 नेवल बेस कोच्चि
2	अपठित पद्यांश	श्रीमती इन्दुमोल आई	के वि एस ए पी पेरूरकडा
3	रचना के आधार पर वाक्यभेद	श्रीमती दीप्ति	के वि एस ए पी पेरूरकडा
4	वाच्य	श्रीमती लता रामानुजन	के वि केल्ट्रोन नगर
5	पदपरिचय	श्रीमती षैना	के वि कन्नूर
6	अलंकार	श्री राजू पॉल	केन्द्रीय विद्यालय कड़वन्द्रा
7	नेताजी का चश्मा	श्रीमती सुधर्मा	केन्द्रीय विद्यालय कन्नूर
8	बालगोबिनभगत	श्रीविनोद कुमार महवार	केन्द्रीय विद्यालय एनटीपीसी कायमकुलम
9	लखनवी अंदाज़	श्रीमती सिन्धुमोल अय्यप्पन	के वि अड़ूर पारी -1
10	एक कहानी यह भी	श्री संजीव मेनोन	केन्द्रीय विद्यालय नं1पालक्काड
11	नौबतखाने में इबादत	श्रीमतीश्रीरंजिनी	के वि ओट्टप्पालम
12	संस्कृति	श्रीमती पिंटू सुगतन	के वि कडुथुर्थी
13	सूरदास के पद	श्रीमती स्मिता प्रशांत	केन्द्रीयविद्यालय कन्नूर
14	राम लक्ष्मण परशुराम संवाद	श्री वेलायुधन	केन्द्रीय विद्यालय एज़िमला
15	आत्मकथ्य	श्रीमती अनीता ओ	केन्द्रीयविद्यालय के वि पट्टम-1
16	उत्साह,अटनहींरहीहैं	श्री सदानंदन टी	केन्द्रीयविद्यालयनं2कालीकट
7	यह दंतुरित मुस्कान,फसल	श्रीमती राधिका नायर	केन्द्रीयविद्यालय आक्कुलम

18	[illegible]गतकार	श्रीउन्निक्कृष्णन	केन्द्रीय विद्यालय त्रिशूर
19	माताकाआँचल	श्रीमतीजिजीमोल	केन्द्रीय विद्यालय एर्णाकुलम,कड़वन्द्रा
20	साना साना हाथ जोड़ि	श्रीमती बीना फ्रांसिस	केन्द्रीय विद्यालय नं2 कोच्चि
21	मैं क्यों लिखता हूँ?	श्रीमतीअनुबाला	केन्द्रीयविद्यालय नं 1 नेवलबेस कोच्चि
22	अनुच्छेद लेखन	श्रीमती सुनीता एस	केवि पांगोड
23	पत्रलेखन	श्रीमती अनीता सी	केन्द्रीयविद्यालयओट्टप्पालम
24	स्ववृत्त ,ईमेल लेखन	श्री हरिदासन	के वि ओट्टापालम
25	संदेश लेखन	ए के गीता	केन्द्रीय विद्यालय एनएडीआलुआ
26	विज्ञापनलेखन	श्रीमतीसुनीताके	केन्द्रीय विद्यालय कड़वन्द्रा
27	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र1	श्रीमती शीबा एन	केन्द्रीय विद्यालय नगर
28	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र2	श्रीमान रशीद	केन्द्रीय विद्यालय त्रिशूर
29	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 3	श्रीमती रेणु ठाकुर	केन्द्रीय विद्यालय रबड़ बोर्ड कोट्टयम
30	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 4	श्री अनंत कुमार	केन्द्रीय विद्यालय पट्टम
31	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र	सी बी एस ई	
32	संकलन एवं संपादन	हिन्दी विभाग	के वि पय्यन्नूर

क्रम संख्या	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1)	अपठित गद्यांश अपठित पद्यांश • व्याकरण - • रचना के आधार पर वाकया भेद • वाच्य • पद परिचय • अलंकार	10-62
2)	• गद्य खंड • पद्य खंड • कृतिका भाग 2	63-185
3)	रचनात्मक लेखन • अनुच्छेद लेखन • पत्रलेखन • स्ववृत्त और ईमेल लेखन • सन्देश लेखन विज्ञापन लेखन	186-223
4)	• आदर्श प्रश्नपत्र1 • आदर्श प्रश्नपत्र2 • आदर्श प्रश्नपत्र3 • आदर्श प्रश्नपत्र4 • सी बी एस ई का प्रतिदर्श प्रश्नपत्र	224-293
• सी बी एस ई द्वारा प्रदत्त प्रश्न पत्र को मानक रूप में लें और आवश्यक सुधार यदि अन्य प्रश्नपत्र में चाहिए तो उस हेतु शिक्षक छात्रों को मार्गदर्शन दें ।		

हिंदी पाठ्यक्रम -अ (कोड सं. 002)

कक्षा 10वीं हिंदी - अ परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2022-23

- **प्रश्नपत्र दो खंडों, खंड 'अ' और 'ब' में विभक्त होगा।**
- **खंड 'अ' में 49 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।**
- **खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।**
- **भारांक-{80(वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+20 (आंतरिक परीक्षा)**

निर्धारित समय- 3 घंटे **भारांक-80**

वार्षिक बोर्ड परीक्षा हेतु भार विभाजन				
खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)				
	विषयवस्तु		**उप भार**	**कुल भार**
1	अपठित गद्यांश व काव्यांश पर चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न।			10
	अ	एक अपठित गद्यांश लगभग 250 शब्दों का। (1x5=5) (विकल्प के बिना)	5	
	ब	एक अपठित काव्यांश लगभग 120 शब्दों का। (1x5=5) विकल्प सहित	5	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषयवस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/ संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न। (1x16) (कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)			16
	व्याकरण			
	1	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	2	वाच्य (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	3	पद परिचय (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	4	अलंकार- (शब्दालंकार : श्लेष) (अर्थालंकार : उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण) 4 अंक (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
3	**पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग - 2**			
	अ	**गद्य खंड**	7	
		1 क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषयवस्तु का ज्ञान, बोध, अभिव्यक्ति आदि पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x5)	5	

		2	क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
	ब		**काव्य खंड**	7	14
		1	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1x5)	5	
		2	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
	खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)				
	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग - 2 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग - 2				
1	अ		**गद्य खंड**		
			क्षितिज से निर्धारित पाठों में से विषयवस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएँगे।(विकल्प सहित- 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)	6	
	ब		**काव्य खंड**		20
			क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित-25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)	6	
	स		**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग - 2**		
			कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे । (4x2) (विकल्प सहित-50-60 शब्द-सीमा वाले 3 में से 2 प्रश्न करने होंगे)	8	
2	**लेखन**				
	i		विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत-बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन	6	20
	ii		अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र	5	
	iii		उपलब्ध रिक्ति के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लेखन अथवा विविध विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में औपचारिक ई-मेल लेखन	5	

	iv	विषय से संबंधित लगभग 60 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन अथवा संदेश लेखन लगभग 60 शब्दों में (शुभकामना, पर्व-त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)	4	
		कुल		**80**
		आंतरिक मूल्यांकन	**अंक**	20
	अ	**सामयिक आकलन**	5	
	ब	**बहुविध आकलन**	5	
	स	**पोर्टफ़ोलियो**	5	
	द	**श्रवण एवं वाचन**	5	
		कुल		**100**

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट - निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे-

क्षितिज, भाग - 2	काव्य खंड	• देव- सवैया, कवित्त (पूरा पाठ) • गिरिजाकुमार माथुर - छाया मत छूना (पूरा पाठ) • ऋतुराज - कन्यादान (पूरा पाठ)
	गद्य खंड	• महावीरप्रसाद द्विवेदी - स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन (पूरा पाठ) • सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- मानवीय करुणा की दिव्य चमक (पूरा पाठ)
कृतिका, भाग - 2	• एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! (पूरा पाठ) • जार्ज पंचम की नाक (पूरा पाठ)	

अपठित गद्यांश, पद्यांश एवं व्याकरण

अपठित गद्यांश को सरलता पूर्वक हल करने की विधि को सावधानी पूर्वक पढ़ें।

- सर्वप्रथम पूरे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें। एक बार समझ में न आए तो पुनः पढ़ें।
- मुख्य बिंदुओं को रेखांकित कर लें।
- तत्पश्चात नीचे लिखे प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- प्रश्नों के उत्तर गद्यांश में जहां-जहां मिलते जाएं, वहां-वहां उन्हें चिह्नित करते जाएं।
- यदि किसी प्रश्न का उत्तर समझ में न आए तो गद्यांश का भाव समझकर प्रश्न का उत्तर लिखने का प्रयास करें।
- प्रश्नों का उत्तर लिखते समय काल का विशेष ध्यान रखें।
- शीर्षक का चुनाव करते समय गद्यांश के भाव को ध्यान में अवश्य रखें।
- गद्यांश का शीर्षक प्रायः गद्यांश की प्रथम पंक्ति या अंतिम पंक्ति में ही मिल जाता है।
- शीर्षक संक्षिप्त, सार्थक तथा भावपूर्ण होना चाहिए।
- गद्यांश को ध्यानपूर्वक व सतर्कता से पढ़कर उसके अर्थ व भाव को समझने का प्रयत्न करें।

अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश की शब्द सीमा 100-150 तक होती हैं।

परीक्षा में एक गद्यांश देकर उससे वस्तुनिष्ठ प्रकार के कुल 5 अंकों के लिए प्रश्न पूछे जाते है। विद्यार्थियों को गद्यांश के आधार पर उत्तर देना होता है।

यहां इस प्रकार के गद्यांशों का कुछ उदाहरण दिया गया है-

(1)

परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है । जीवन में सफलता पुरुषार्थ सेही प्राप्त होती है। कहा भी गया है - उद्योगी को सब कुछ मिलता है और भाग्यवादी कोकुछ भी नहीं मिलता, अवसर उनके हाथ से निकल जाता है। कठिन परिश्रमका ही दूसरा नाम भाग्य है । प्रकृति को ही देखिए; सारे जड़ चेतन अपने काम में लगे रहते हैं, चींटी को पलभर चैन नहीं, मधुमक्खी जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूँद- बूँद मधु जुटाती है। मुर्गेको सुबह बांग लगानी होती है,फिर मनुष्य को बुद्धि और विवेक मिला है वहसिर्फ सफलता की कामना करता क्यों बैठा रहे? विश्व में जो देश आगे बढ़े हैं उनकी सफलता का रहस्य कठिन परिश्रम ही है।जापान को दूसरे विश्वयुद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था । उसकी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्नहो गई थी लेकिन दिन-रात परिश्रम करके आज वह विश्व का प्रमुख औद्योगिक और विकसित देश बन

गया है । चीन भी अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ा है । जर्मनी ने भी युद्ध की विभीषिका झेली पर परिश्रम के बल पर ही संभल गया। परिश्रम का महत्व वे जानते हैं जो स्वयं अपने बल पर आगे बढ़े हैं । संसार के इतिहास में अनेक चमकते सितारे केवल परिश्रम के ही प्रमाण हैं । हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम परिश्रम और मनोबल से ही देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए उनका कहना था- "भाग्य के भरोसे बैठने वाले को उतना ही मिलता है जितना मेहनत करने वाले छोड़ देते हैं"। हमारे बड़े-बड़े धन कुबेर व्यापारी टाटा, बिरला, अंबानी यह सब परिश्रम के ही उदाहरण है निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प हमारे लक्ष्य को हमारे करीब लाता है । गरीब परिश्रम करके अमीर हो जाता है और अमीर शिथिल बनकर असफल हो जाता है। भारतीय कृषक के परिश्रम का ही फल है कि देश में हरित क्रांति हुई। अमेरिका के सड़े गेहूँ से पेट भरने वाला भारत आज मजबूरी नहीं, बल्कि मजबूती से खड़ा है तो इसके पीछे इसके पीछे कठोर परिश्रम और धैर्य ही है । हमारे कारखाने दिन रात उत्पादन कर रहे हैं, विकासशील देशों में पिछड़े माने जाने वाले हम भारतवासी आज विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । अगर हम कहीं पिछड़े हैं तो उसका कारण परिश्रम का अभाव ही होगा। परिश्रम के बिना जीवन में कुछ नहीं मिलता | किसी ने सही कहा है- सकल पदार्थ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं| यदि विद्यार्थी जीवन से ही परिश्रम की आदत पड़ जाएगी तो हम जीवन में कभी असफल नहीं हो सकते । विद्यार्थी जीवन तो परिश्रम की पहली पाठशाला है तो न सिर्फ हमारी शिक्षा बल्कि हमारा भविष्य भी सुरक्षित और मजबूत हो जाता है।

(I)उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा -

(क) भाग्य बलवान होता है (ख) आलसी जीवन

(ग) परिश्रम का महत्व (घ) इनमेंसे कोई नहीं

(II)जीवन में सफलता पाने का सबसे बड़ा माध्यम क्याहै?

(क) पैसा (ख) विद्वत्ता

(ग)चालाकी (घ) पुरुषार्थ

(III)जापान, जर्मनी, चीन जैसे देश विपरीत परिस्थितियों से बाहर कैसे निकले?

(क) युद्ध से (ख) व्यापार से

(ग) विदेशनीति से (घ) परिश्रम से

(IV)हमारे लक्ष्य को हमारे करीब कौन लाता है?

(क) परिश्रम और दृढसंकल्प (ख) पैसा और शिक्षा

(ग) सिर्फ पैसा (घ) राजनीति

(V) आज हमारा देश बड़े-बड़े देशों के सामने किस रूप में खड़ा है?

(क) याचक के रूप में (ख) प्रतिस्पर्धी के रूप में

(ग) शत्रु के रूप में (घ) इनमें से कोई नहीं

(2)

निदा की ऐसी ही महिमा है। दो-चार निंदको को एक जगह बैठकर निंदा में निमग्न देखिए और तुलना कीजिए, दो चार ईश्वर भक्तों से जो रामधुन गा रहे हैं। निंदको की-सी एकाग्रता, परस्पर आत्मीयता, निमग्नता भक्तों में दुरलभ है। इसलिए संतों ने निंदको को आंगन कुटी छवाय पास रखने की सलाह दी है कुछ मिशनरी' निंदक मैने देखे हैं। उनका किसी से बैर नहीं, धूप नहीं । वे किसी का बुरा नहीं सोचते पर चीबीस घंटे वे निंदा-कर्म में वात पवित्र भाव से लगे रहते हैं कि ये प्रसंग आने पर अपने बाप की पगड़ी भी उसी आनंद से उछालते हैं, जिस आनंद से अन्य लोग दुश्मन की। निंदा इनके लिए टॉनिक होती है। इयां-ट्वेष से प्रेरित निंदा भी होती है। वह ईया - वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निदा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है। ऐसा निदक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भोकता है। ईष्य्या दूवेष से प्रेरित निंदा करने वाले को कोई दंड देने की जरूरत नहीं है। वह निंदक बेचारा स्वयं दंडित होता है। जाप चैन से सोझा और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दंड चाहिए निरंतर अच्छे काम करते जाने से उसका दंड भी सख्त होता जाता है; जैसे-एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईष्यंग्रस्त निदक की कष्ट होगा अब अगर एक और अच्छी कविता लिख दी, तो " उसका कष्ट दुगुना हो जाएगा।

1- निंदको की सी एकाग्रता, आत्मीयता व निमग्नता किसमें दुर्लभ है?

(क) साधारण लोगों में (ख) ईश्वर भक्तों में

(ग) शिक्षितों में (घ) नास्तिकों में

2- निंदको को पास रखने की सलाह किसने दी है

(क) संतों ने (ख) साथियों ने

(ग) भाग्यवान ने (घ) पड़ोसियों ने

3- निंदा - कर्म से पवित्र भाव से कौन लगा रहता है।

(क) निंदक (ख) पड़ोसी

(ग) अपने रिश्तेदार (घ) मिशनरी निंदक

4- ईर्ष्या, द्वेष, की आग में जलने वाला शांति का अनुभव कैसे करता है

(क) कार्बन डाइऑक्साइड से (ख) मिट्टी डालकर

(ग) निंदा का जल छिड़ककर (घ) भगवत भजन करके

5- कवि की अच्छी कविता पर ईर्ष्याग्रस्त निंदक कैसा अनुभव करता है

(क) कष्ट का (ख) सुख का

(ग) खुशी का (घ) प्रसन्नता का

(3)

"साहित्य का आधार जीवन है। इसी आधार पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियां, मीनार और गुंबद बनते हैं। लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दवी पड़ी है। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है जिनसे वह इधर-उधर नहीं जा सकता। मनुष्य जीवनपर्यंत आनंद की खोज में लगा रहता है। किसी को यह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चीड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है। उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है, उसी आनंद को दर्शाना वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है।"

1- साहित्य और जीवन में गहरा संबंध है क्योंकि

(क) जीवन का मुख्य आधार साहित्य है। (ख) साहित्य जीवन की मजबूत दीवार है।

(ग) साहित्य का आधार जीवन है। (घ) साहित्य का आनंद जीवन से ऊंचा है।

2- मनुष्य किसकी खोज में जीवन भर लगा रहता है

(क) परमात्मा की (ख) आनंद की

(ग) साहित्य की

(घ) रत्न द्रव्य भरे पूरे परिवार लंबे चौड़े भवन एवं ऐश्वर्य को पाने की

3- मानव के लिए जीवन एक लंबी मृत्यु कब बन जाता है।

(क) बीमारी में (ख) सुख में

(ग) हर्ष में (घ) इच्छाओं के बढ़ने से

4- लेखक ने आंतरिक जगत में काम करने का गणित किसे कहा है

(क) भक्ति करने को (ख) इच्छा न करने को

(ग) विनम्र रहने को (घ) कष्ट भोगने को

5- लालसा शब्द के दो पर्यायवाची हैं

(क) इच्छा, आकांक्षा (ख) इच्छा, बल

(ग) बल, आकांक्षा (घ) आकांक्षा, निराशा

3- साहित्य के आनंद का आधार है।

(क) सुंदर और सत्य को पाना (ख) जीवन

(ग) रत्न और ऐश्वर्य पाना (घ) परमात्मा

4- परिमिति का अर्थ है

(क) सीमित (ख) दबा हुआ

(ग) विस्तृत (घ) फंसा हुआ

5- 'लंबे चौड़े भवन में' वाक्य में लंबे चौड़े व्याकरण की दृष्टि से क्या है

(क) क्रियाविशेषण है (ख) संज्ञा है

(ग) क्रिया है (घ) विशेषण है

(4)

निदा की ऐसी ही महिमा है। दो-चार निंदको को एक जगह बैठकर निंदा में निमग्न देखिए और तुलना कीजिए, दो चार ईश्वर भक्तों से जो रामधुन गा रहे हैं। निंदको की-सी एकाग्रता, परस्पर आत्मीयता, निमग्नता भक्तों में दुर्लभ है। इसलिए संतों ने निंदको को आंगन कुटी छवाय पास रखने की सलाह दी है कुछ मिशनरी' निंदक मैने देखे हैं। उनका किसी से बैर नहीं, धूप नहीं । वे किसी का बुरा नहीं सोचते पर चीबीस घंटे वे निंदा-कर्म में वात पवित्र भाव से लगे रहते हैं कि ये प्रसंग आने पर अपने बाप की पगड़ी भी उसी आनंद से उछालते हैं, जिस आनंद से अन्य लोग दुश्मन की। निंदा इनके लिए टॉनिक होती है। इयां-ट्वेष से प्रेरित निंदा भी होती है। वह ईया - वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निदा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है। ऐसा निदक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भोकता है। ईष्य्या दूवेष से प्रेरित निंदा करने वाले को कोई दंड देने की जरूरत नहीं है। वह निंदक बेचारा स्वयं दंडित होता है। जाप चैन से सोझा और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दंड चाहिए निरंतर अच्छे काम करते जाने से उसका दंड भी सख्त होता जाता है; जैसे-एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईष्यंग्रस्त निदक की कष्ट होगा अब अगर एक और अच्छी कविता लिख दी, तो " उसका कष्ट दुगुना हो जाएगा।

1- निंदको की सी एकाग्रता, आत्मीयता व निमग्नता किसमें दुर्लभ है?

(क) साधारण लोगों में (ख) ईश्वर भक्तों में

(ग) शिक्षितों में (घ) नास्तिकों में

2- निंदको को पास रखने की सलाह किसने दी है

(क) संतों ने (ख) साथियों ने

(ग) भाग्यवान ने (घ) पड़ोसियों ने

3- निंदा - कर्म से पवित्र भाव से कौन लगा रहता है।

(क) निंदक (ख) पड़ोसी

(ग) अपने रिश्तेदार (घ) मिशनरी निंदक

4- ईर्ष्या, द्वेष, की आग में जलने वाला शांति का अनुभव कैसे करता है

(क) कार्बन डाइऑक्साइड से (ख) मिट्टी डालकर

(ग) निंदा का जल छिड़ककर (घ) भगवत भजन करके

5- कवि की अच्छी कविता पर ईर्ष्या ग्रस्त निंदक कैसा अनुभव करता है

(क) कष्ट का (ख) सुख का

(ग) खुशी का (घ) प्रसन्नता का

(5)

"सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। मनुष्य किसी भी कारणवश जब किसी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है, तब जिस सुख को वह अनुभव करता है, वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा देनेवाला होता है। जिस भी कार्य को करने के लिए मनुष्य में कष्ट, दुःख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, उन सबसे उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है उदाहरण के लिए दान देनेवाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक विशेष साहस रखता है और वह है धन-त्याग का साहस । यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह से किया गया दान कहा जाएगा उत्साह आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है। उत्साह में किसी-न-किसी वस्तु पर ध्यान अवश्य केंद्रित होता है। वह चाहे कर्म पर, चाहे कर्म के फल पर और चाहे व्यक्ति या वस्तु पर हो। इन्हीं के आधार पर कर्म करने में आनंद मिलता है। कर्म-भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं क्योंकि उनमें साहस की अधिकता होती हैं। सामान्य व्यक्ति कार्य पूरा हो जाने पर जिस आनंद का अनुभव करता है, सच्चा वीर कार्य प्रारंभ होने पर ही उसका अनुभव कर लेता है। आलस्य उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलस्य से भरा होगा, उसमें काम करने के प्रति उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता । उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता रहता है। उत्साही व्यक्ति सदा दृढनिश्चयी होता है। "

1- उत्साह का प्रमुख लक्षण है।

(क) जोश (ख) साहस

(ग) आनंद (घ) आनंद और जोश

2- सच्चे वीर वे होते हैं

(क) जो फल पाने के लिए उत्साह दिखाते हैं। (ख) जो कर्म भाव से उत्साह दिखाते हैं।

(ग) जो आनंद विनोद के लिए उत्साह दिखाते हैं। (घ) जो निष्काम भाव से उत्साह दिखाते हैं।

3- उत्साह के मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट है

(क) दुख (ख) निराशा

(ग) वैराग्य (घ) आलस्य

4- 'सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने केलिए प्रेरणा देता है।' उपवाक्य का प्रकार है।

(क) प्रधान उपवाक्य (ख) विशेषण उपवाक्य

(ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य (घ) संज्ञा उपवाक्य

5- केंद्रित और अधिकता में क्रमशः प्रत्यय इस प्रकार है।

(क) द्रित, ता (ख) ईत, आ

(ग) इत, ता (घ) ईत, ता

(6)

विद्यार्थी जीवन ही वह समय है जिसमें बच्चों के चरित्र, व्यवहार, आचरण को जैसा चाहे, वैसा रूप दिया जा सकता है। यह अवस्था भावी वृक्ष की उस कोमल शाखा की भाँति है, जिसे जिधर चाहो मोड़ा जा सकता है। पूर्णतः विकसित वृक्ष की शाखाओं को मोड़ना संभव नहीं। उन्हें मोड़ने का प्रयास करने पर वे टूट तो सकती हैं पर मुड़ नहीं सकतीं। छात्रावस्था उस श्वेत चादर की तरह होती है, जिसमें जैसा प्रभाव डालना हो, डाला जा सकता है। सफेद चादर पर एक रंग जो चढ़ गया, सो चढ़ गया, फिर से वह पूर्वावस्था को प्राप्त नहीं हो सकती। इसीलिए प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को स्वीकार किया गया है। इसी अवस्था से सुसंस्कार और सद्वृतियाँ पोषित की जा सकती हैं। इसीलिए प्राचीन समय में बालक को घर से दूर गुरुकुल में रहकर कठोर अनुशासन का पालन करना होता था।

1- व्यवहार को सुधारने का सर्वोत्तम समय होता है

(क) प्रौढ़ावस्था (ख) युवावस्था

(ग) वृद्धावस्था (घ) छात्रावस्था

2- छात्रों को गुरुकुल में छोड़ा जाता था

(क) कठोर अनुशासन के लिए (ख) घर से दूर रखने के लिए

(ग) इनमें से कोई नहीं (घ) अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए

3- छात्रावस्था कि उपयुक्त तुलना की गई है।

(क) विकसित वृक्ष से (ख) सफेद चादर से

(ग) अविकसित वृक्ष से (घ) वृक्ष की विकसित शाखा से

4- इनमें से किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं किया गया है

(क) महत्त्व (ख) सुसंस्कार

(ग) अनुशासन (घ) अविकसित

5- प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है

(क) चरित्र और व्यवहार (ख) कठोर अनुशासन

(ग) विद्यार्थी जीवन (घ) छात्र एक वृक्ष

(7)

भारतीय मनीषी हमेशा ही इच्छा और अनिच्छा के बारे में सोचता रहा है। आज जो कुछ हम हैं उसे एक लालसा में सिमटाया जा सकता है। यानी जो कुछ भी हम है वह सब अपनी इच्छा के कारण से हैं। यदि हम दुखी हैं, यदि हम दास्ता में हैं, यदि हम अज्ञानी हैं, यदि हम अंधकार में डूबे हैं, यदि जीवन एक लंबी मृत्यु है तो केवल इच्छा के कारण से ही है। क्यों है यह दुख? क्योंकि हमारी इच्छा पूरी नहीं हुई। इसलिए यदि आपको कोई इच्छा नहीं है तो आप निराश कैसे होंगे? यदि कहीं आप निराश होना चाहते हैं तो और अधिक इच्छा करें, यदि आप और दुखी होना चाहते हैं तो अधिक अपेक्षा करें, अधिक लालसा करें और अधिक आकांक्षा करें, इससे आप और अधिक दुखी हो ही जाएंगे। यदि आप सुखी होना चाहते हैं तो कोई इच्छा न करें। यही आंतरिक जगत में काम करने का गणित है। इच्छा ही दुख को उत्पन्न करती है।

1- भारतीय मनीषी के चिंतन का विषय क्या है

(क) जीवन मृत्यु (ख) जीवन आत्मा

(ग) इच्छा अनिच्छा (घ) प्रकृति पुरुष

2- इच्छा का जीवन में क्या प्रभाव पड़ता है।

(क) आनंद देती है (ख) सुख देती है

(ग) लालसा बढ़ाती है। (घ) कार्य क्षमता बढ़ाती है।

3- मानव के लिए जीवन एक लंबी मृत्यु कब बन जाता है।

(क) बीमारी में (ख) सुख में

(ग) हर्ष में (घ) इच्छाओं के बढ़ने से

4- लेखक ने आंतरिक जगत में काम करने का गणित किसे कहा है

(क) भक्ति करने को (ख) इच्छा न करने को

(ग) विनम्र रहने को (घ) कष्ट भोगने को

5- लालसा शब्द के दो पर्यायवाची हैं

(क) इच्छा, आकांक्षा (ख) इच्छा, बल

(ग) बल, आकांक्षा (घ) आकांक्षा, निराशा

(8)

जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत जान ली वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय-सारणी अथवा तालिका बनाकर उसका पूरी दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्यार्थी ने समय का सही उपयोग करना सीख लिया उसके लिए कोई भी काम करना असंभव नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कोई काम पूरा न होने पर समय की दुहाई देते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस को वे समय की कमी के बहाने छिपाते हैं। कुछ लोगों को अकर्मण्य रह कर निठल्ले समय बिताना अच्छा लगता है। ऐसे लोग केवल बातूनी होते हैं। दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव कार्यव्यस्तता में जीवन बिताया है। उनकी सफलता का रहस्य समय का सदुपयोग रहा है। दुनिया में अथवा प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित है। समय बीत जाने के बाद कार्य फलप्रद नहीं होता।

1- विद्यार्थी को सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है

(क) समय की दुहाई देना (ख) समय की कीमत समझना

(ग) समय पर काम करना (घ) दृढ़ विश्वास बनाए रखना

2- कुछ लोग समय की कमी के बहाने क्या छुपाते हैं

(क) अपनी अकर्मण्यता और आलस्य (ख) अपना निठल्लापन

(ग) अपनी विभिन्न कमियां (घ) अपना बातूनीपन

3- दुनिया के सफलतम व्यक्तियों की सफलता का रहस्य क्या है

(क) समय का पालन (ख) समय का प्रयोग

(ग) समय की कीमत (घ) समय का सदुपयोग

4- कार्य किस स्थिति में फलप्रद नहीं होता

(क) समय न आने पर (ख) समय कम होने पर

(ग) समय बीत जाने पर (घ) समय अधिक होने पर

5- अकर्मण्यता शब्द में मूल शब्द एवं उपसर्ग अलग करके लिखिए

(क) अकर्मण्य+ता (ख) अ+कर्मण्यता

(ग) अकर्मण्यता (घ) अकर्म +ण्यता

(9)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में उसके मित्र भी होते हैं, शत्रु भी, परिचित भी, अपरिचित भी । जहाँ तक शत्रुओं, परिचितों और अपरिचितों का प्रश्न है, उन्हें पहचानना बहुत कठिन नहीं होता, किंतु मित्रों को पहचानना कठिन होता है। मुख्यतः सच्चे मित्रों को पहचानना बहुत कठिन होता है यह प्रायः देखा गया है कि एक और तो बहुत से लोग अपने-अपने स्वार्थवश सम्पन्न, सुखी और बड़े आदमियों के मित्र बन जाते हैं या ज्यादा सही यह होगा कि यह दिखाना चाहते हैं कि वे मित्र हैं। इसके विपरीत जहाँ तक गरीब, निर्धन और दुःखी लोगों का प्रश्न है मित्र बनाना तो दूर रहा, लोग उनकी छाया से भी दूर भागते हैं। इसीलिए कोई व्यक्ति हमारा वास्तविक मित्र है या नहीं, इस बात का पता हमें तब तक नहीं लग सकता जब तक हम कोई विपत्ति में न हों। विपत्ति में नकली मित्र तो साथ छोड़ देते हैं और जो मित्र साथ नहीं छोड़ते, वास्तविक मित्र वे ही होते हैं। इसीलिए यह ठीक ही कहा जाता है कि विपत्ति मित्रों की कसौटी है।

1- समाज में किसको पहचानना कठिन है

(क) सच्चे मित्र को (ख) शत्रु को

(ग) सदाशय व्यक्ति को (घ) चालाक व्यक्ति को

2- संपन्न लोगों से लोग कैसा व्यवहार करते हैं

(क) उनसे लोग ईर्ष्या करते हैं (ख) लोग उनके मित्र बन जाते हैं

(ग) लोग उनसे उदासीन रहते हैं। (घ) उनकी छाया भी नहीं छूते

3- सच्चे मित्र की पहचान कब होती है?

(क) विपत्ति की घड़ी में (ख) सुख की घड़ी में

(ग) मिलने जुलने पर (घ) मेलो उत्सव में

4- वास्तविक शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय है।

(क) वास्तव + ईक (ख) वास्तव+इक

(ग) वास्तव+विक (घ) वास्त+विक

5- इस गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए

(क) मनुष्य (ख) समाज

(ग) मित्र (घ) मित्रता

(10)

जो आचरण भ्रष्ट हैं उसे भ्रष्टाचार कहते हैं अर्थात भ्रष्टाचार वह व्यवहार हैं जो घृणित और पतित हैं । भारत आज इस प्रकार के भयानक नैतिक संकट से गुज़र रहा हैं । नैतिकता के ह्रास का ही दूसरा नाम भ्रष्टाचार हैं । आज़ादी के बाद हमारे राष्ट्र ने काफी प्रगति की हैं । परंतु जितनी पूंजी व प्रयास इस उद्देश्य से किया गया उतनी अनुपात में राष्ट्र विकसित नहीं हुआ ! क्यों? भ्रष्टाचार ही इसका मूल कारण हैं । वर्तमान समय में भ्रष्टाचार ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी जड़ें जमा ली हैं । धार्मिक ,आध्यात्मिक ,राजनीतिक ,सामाजिक आर्थिक ,सरकारी तथा गैर सरकारी सभी स्थानों पर भ्रष्टाचार का बोलबाला हैं ।कहीं भी चले जाइए बिना रिश्वत और पहुँच के आप का कोई सामान्य काम भी नहीं हो सकता । जिस ओर भी दृष्टि जाती हैं भ्रष्टाचार फलता फूलता दिखाई देता हैं ।

जब देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे मंत्री भ्रष्टाचार द्वारा अकूत संपत्ति अर्जित करते हैं तो बेचारा क्लर्क क्यों पीछे रहे । भ्रष्टाचार रूपी वृक्ष का रूप ही अनोखा हैं । इसकी जड़ें ऊपर की ओर और शाखाएँ नीचे की ओर बढ़ती हैं इसकी विषाक्त शाखाओं पर बैठकर ही मानव मानव का रक्त चूस रहा हैं ।

अब तो भ्रष्टाचार से सरकारें बनाई बचाई और गिराई जाती हैं । भारत में भ्रष्टाचार व्यवस्था का अनिवार्य अंग बन चुका हैं । लेकिन नामुमकिन कुछ भी नहीं हैं । अगर इरादा बुलंद हो तो समाज को , देश को ,किसी भी बुराई से बचाया जा सकता हैं ।

1)समाज और देश को किसी भी बुराई से बचाया जा सकता हैं बेशर्ते कि -

(क)सबको नष्ट भ्रष्ट करो　　ख) अगर इरादा बुलंद हो

ग) सबके साथ समान व्यवहार हो　　घ) सहिष्णुता से रहो

2)भ्रष्टाचार का दूसरा नाम हैं -

क)अनैतिकता का बोलबाला　　ख) अध्यात्मिक रुझान

ग) धार्मिक मैत्री　　घ) परस्पर सद्भाव

3)सामाजिक में मूल शब्द हैं ।

क)सामाज　　ख) माजिक

ग) समाज　　घ) इक

4)भ्रष्टाचार रूपी वृक्ष का रूप ही अनोखा हैं । इसकी जड़ें ऊपर की ओर और शाखाएँ नीचे की ओर बढ़ती हैं इसका आशय हैं -

क)भ्रष्टाचार हर कहीं नहीं हैं　　ख) भ्रष्टाचार एक वृक्ष के जैसे हरा हैं ।

ग) भ्रष्टाचार शाखाओं के सहारे रहते हैं　　घ) उच्च पदाधिकारियों में जड़ जमाकर निम्न श्रेणी तक फैले हुए हैं ।

5)नामुमकिन का अर्थ हैं

क)संभव　　ख) असफल

ग) असंभव　　घ) सफल

उत्तर- 1) (ग)　2)(घ) 3) (घ) 4) (क) 5) (ख)

2) उत्तर- 1-ग, 2-ग, 3-ग, 4-घ, 5-ग

3)- 1- ग, 2-ख, 3- क, 4- क, 5घ

4) 1-ग, 2-ग, 3-ग, 4-घ, 5-ग

5) 1 घ, 2 ख, 3-घ, 4-ख, 5-ग

6) 1 घ, 2-क, 3-ख, 4-क, 5-ग

7) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-ख, 5-क

(8) 1ख, 2क, उघ, 4ग, 5ख

(9) 1क, 2ख, 3क, 4ख, 5ग

(10)1 ख 2 क 3) ग 4) घ 5) ग

अपठित पद्यांश

सर्जन के पथ पर बढ़ता चल ।
निज संस्कृति पर अर्पित हो जा, जीवन सारा कर अरे होम ।
हर कर्म बना दे तू समिधा जिससे सुरभित हो उठे व्योम ।
उस सुरभि को भर सांसो में ओ पथिक! उसी पर बढ़ता चल ।।

फिर से विघटन की आरी से कटता जाता है सकल अंग ।
निज भेदभाव के विषधर फिर , कर रहे देश का एकता भंग ।
तू प्रेम- स्नेह समरसता से, हर नई दरार को भरता चल ।।

जो देश जगत को मुट्ठी में, करने का लेते हैं सपना ।
वे द्वंद्व मचाते घूम रहे, हैं देख रहे बस हित अपना ।
ऐसी आखेटक आंखों में सुख- शांति का सपना गढ़ता चल ।।

जो वीर खड़े निज पांवों पर वे ही नौका खे पाएंगे ।
सज्जन समर्थ ही भारत का भाग्य उदय कर पाएंगे ।
जो पाया है मां धरती से वह मातृभूमि हित चल ।।

1.कवि क्या प्रेरणा दे रहा है?
(क).आत्म विकास की (ख) लक्ष्य प्राप्ति की
(ग).नव- निर्माण की (घ).आनंद विलास की

2.सुरभि का आशय है-
(क) गाय (ख) पवित्रता
(ग).गंगा (घ)सुगंध

3.कवि किस दरार को भरने की बात कर रहा है?
(क)अलगाव की (ख)देशद्रोह की
(ग)जाति- पांति की (घ)लाभ- हानि की

4.आखेटक आंखों से क्या आशय है-
(क) लक्ष्य-प्रेरित आंखें (ख)शिकार होने वाली आंखें

(ग) द्वेषपूर्ण आंखें (घ)आक्रामक

5.भारत का भाग्य बनाने के लिए क्या शब्द-प्रयोग हुआ है?

(क)नौका को खेना (ख)सज्जनता

(ग)निज पाँवों पर खड़ा होना (घ)मातृभूमि हेतु समर्पण

२. लोहे के पेड़ हरे होंगे , तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी जरूर, आंसू के कण बरसाता चल ।
सिसकियों और चीत्कारों से हो चाहे जितनी भरी धरा
कंकालों का हो ढेर , खप्परों से चाहे हो पटी धारा ।
आशा के स्वर का भार , पवन को लेकिन लेना ही होगा ,
जीवित स्वप्नों के लिए मार्ग, मुर्दों को देना ही होगा ।
रंगों के सातों घट ऊँडेल, यह अंधियाली रंग जाएगी,
ऊषा को सत्य बनाने को, जावक नभ पर छितराता चल ।
लोहे के पेड़ हरे होंगे , तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी जरूर, आंसू के कण बरसाता चल ।

1.लोहे के पेड़ किसे कहा गया है?

(क)लोहे से बने पेड़ों को (ख)मशीनी युग के कठोर हृदय मानव को

(ग)लोहे जैसी भावना शून्य लोगों को (घ)साहसी और निर्मम मनुष्य को

2. खप्परों से चाहे हो पटी धारा से क्या आशय है?

(क) युद्धों के विनाश से भरी धरती (ख) शिवजी का तांडव नृत्य

(ग)आतंकवाद का असर (घ) जमीन पर खप्पर पडे रहना

3. रंगों के सातों घट से क्या अभिप्राय है?

(क) रंगों भरा जीवन (ख)आशा और खुशियों से भरा जीवन

(ग) सात रंगों के सात घड़े (घ) रंगों की वर्षा

4.जावक शब्द का क्या अर्थ है?

(क)लाल (ख) टेसू

(ग)महावर (घ)लहू

5.जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दा को देना ही होगा में किस भाव की ओर संकेत है?
(क) पुरानी रूढ़ियों को नए युग के लिए हटना पड़ेगा
(ख)जीवित व्यक्तियों के लिए मुर्दे हटाने पड़ेंगे
(ग)मुर्दा कायरों को हटना पड़ेगा (घ). नए लोगों के आने की व्यवस्था ।

३.नदी को रास्ता किसने दिखाया,
सिखाया था उसे किसने
कि अपनी भावना के वेग को
उन्मुक्त बहने दे,
कि वह अपने लिए खुद खोज लेगी
सिंधु की गंभीरता
स्वच्छंद बहकर ?
हम पूछते आए युगों से,
और सुनते भी युगों से आ रहे उत्तर नदी का
मुझे कोई कभी आया नहीं था राह दिखलाने,
बनाया मार्ग मैंने आप ही अपना।
बढ़ी संपन्नता के साथ
और अपने दूर तक फैले हुए
साम्राज्य के अनुरूप
पहुँची जहाँ सागर खड़ा था
फेन की माला लिए मेरी प्रतीक्षा में।

(1) नदी से क्या प्रश्न किया जा रहा है?
(क) उसे रास्ता किसने दिखाया? (ख) मार्ग बनाना किसने सिखाया?
(ग) बहना किसने सिखाया? (घ) भावना किसने सिखाई ?

2.नदी ने क्या उत्तर दिया?
(क).उसका मार्ग समुद्र ने बताया । (ख)उसने स्वयं मार्ग बनाया ।
(ग) पर्वतों ने उसे मार्ग बताया । (घ) मनुष्य ने मार्ग बनाया ।

3.नदी का साम्राज्य कैसा है?

(क).दूर तक फैला हुआ (ख)पर्वतों पर फैला हुआ

(ग)सभी नदियों को मिलानेवाला (घ)सागर के भीतर

4.संपन्नता का विलोम क्या है?

(क)सज्जनता (ख)अक्षमता

(ग)विपन्नता (घ).वीरता

5.नदी की प्रतीक्षा कौन कर रहा है?

(क)समुद्र (ख)वृक्ष

(ग)मनुष्य (घ)पशु

4. कहो तुम्हारी जन्मभूमि का कितना विस्तार?
भिन्न-भिन्न यदि देश हमारे तो किसका संसार ?
धरती को हम काटें _छाँटें, तो उस अंबर को भी बांटें,
एक अनल है, एक सलिल है, एक अनिल संचार ।
कहो तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार ?

एक भूमि है, एक व्योम है,
एक सूर्य है, एक सोम है,
एक प्रकृति है, एक पुरुष है, अगणित रूपकार ।
कहो तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार ?

अलग-अलग है सभी अधूरे,
सब मिलकर ही तो हम पूरे,
एक दूसरे का पूरक है एक मनुज परिवार ।
कहो तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार ॥

1.कवि ने किस को काटने-छाँटने की बात कही है?

(क)अंबर (ख)धरती

(ग)व्योम (घ)अनल

2.अनल का पर्यायवाची है -

(क)अग्नि (ख) पृथ्वी

(ग)अनिल (घ) जल

3.कवि ने किस-किस को एक बताया है?

(क)व्योम (ख)सलिल

(ग) सूर्य (घ)उपर्युक्त सभी

4.काव्यांश का शीर्षक निर्धारित कीजिए-

(क)एकता (ख) एक मनुज परिवार

(ग) जन्मभूमि (घ) संसार

5.अंतिम पद में कवि ने क्या संदेश दिया है?

(क)एकता में बल है । (ख)एक मनुज परिवार ।

(ग)हम सब एक हैं । (घ)उपर्युक्त सभी ।

५.रेशमी कलम से भाग्य लेख लिखने वालों,
तुम भी अभाव से कभी ग्रस्त हो रोए हो ।
बीमार किसी बच्चे की दवा जुटाने में,
तुम भी क्या रात भर पेट बांधकर सोए हो ?
असहाय किसानों की किस्मत को खेतों में,
क्या अनायास जल में बह जाते देखा है ?
क्या खाएंगे ? यह सोच निराशा से पागल,
विचारों को नीरव रह जाते देखा है ?
पर तुम नगरों के लाल अमीरी के पुतले,
क्यों व्यथा भाग्य-हीनों की मन में लाओगे ?
जलता हो सारा देश , किंतु होकर अधीर,
तुम दौड़-दौड़ कर क्यों यह आग बुझाओगे ?

1.रेशमी कलम से भाग्य लिखनेवाले हैं_

(क)धनिक एवं सत्ताधारी लोग (ख)सामान्य जनता
(ग)परमेश्वर (घ)मज़दूर वर्ग

2.पेट बांधकर सोना से तात्पर्य है_
(क)पेट को बांधकर सो जाना । (ख)खाली एवं भूखे पेट सो जाना ।
(ग)पेट में दर्द होना । (घ)पेट-दर्द की दवा खाना ।

3.किसानों को असहाय कहा गया है क्योंकि-
(क)उनके खेत नहीं होते हैं । (ख)वह बहुत गरीब और असहाय होते हैं ।
(ग)उनकी खेती किस्मत पर निर्भर होती है। (घ)उनकी किस्मत सदा खराब बनी रहती है।

4.नीरव शब्द का अर्थ है-
(क)शांत (ख)गरीब
(ग)भूखा (घ) रोना

5.किसानलोग क्या सोचकर निराशा से पागल हो जाते हैं _
(क)नौकरी न मिलने से । (ख)त्योहार न मनाने के कारण ।
(ग)रिश्तेदारों से न मिलने से । (घ) खाने-पीने के लिए कुछ न मिलने से ।

उत्तर कुंजी
अपठित पद्यांश-1
1.ग 2.घ 3. क 4.घ 5.क
अपठित पद्यांश-2
1.ख 2.क 3. ख 4.ग 5.क
अपठित पद्यांश-3
1.घ 2.ख 3. क 4.ग 5.क
अपठित पद्यांश-4
1.ख 2.क 3. घ 4.घ 5.घ
अपठित पद्यांश-5
1.क 2.ख 3. ग 4.क 5.घ

रचना के आधार पर वाक्य भेद

वाक्य - वाक्य सार्थक शब्दों का वह समूह है, जो व्यवस्थित हो और पूरा आशय प्रकट कर सके।

उदाहरण

- गीता पढ़ती है।
- शीला गाना गा रही है।
- मोहन बाज़ार जा रहा है।

वाक्य के अंग -

वाक्य के दो मुख्य अंग है - कर्ता और क्रिया। कर्ता और क्रिया के विस्तार को उद्देश्य और विधेय कहा जाता है।

उद्देश्य - वाक्य में जिसके बारे में कुछ बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते है।

विधेय - उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते है।

उदाहरण - विद्यार्थी फुटबॉल खेल रहे है।

महात्मा गांधी हमारे प्रिय नेता है।

इन वाक्यों में 'उद्देश्य' विद्यार्थी, महात्मा गांधी और 'विधेय' फुटबॉल खेल रहे है, हमारे प्रिय नेता है।

रचना की दृष्टि से वाक्य भेद -

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं-

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र वाक्य

1.सरल वाक्य - जिस वाक्य में केवल एक उद्देश्य (कर्ता) और एक विधेय हो, उसे सरल या साधारण वाक्य कहते हैं। इन वाक्यों में मुख्य क्रिया एक ही होती है।

उदाहरण - बालक रोता है।

बिजली चमकती है।

वर्षा हो रही है।

2.संयुक्त वाक्य - जिस वाक्य में दो या से अधिक सरल या मिश्रित वाक्य किसी योजक द्वारा जुड़े हो उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।

- संयुक्त वाक्य में प्रयुक्त होने वाले योजक है - और, या, अथवा, किंतु, परंतु, इसलिए, अन्यथा, नही तो।

उदाहरण -

वह प्रात: अपने घर गया **और** सायं लौट आया।
आप दूध पी लीजिए **या** खीर खा लीजिए।
प्रथम प्रश्न करो **अथवा** दूसरा प्रश्न करो।
उसने परिश्रम तो किया **किंतु** सफलता नहीं मिली।
रोहन बीमार है, **इसलिए** आ नही सका।
उसने समझाया था **परंतु** मैं न समझ सका।
तुम मान जाओ **अन्यथा** पिटोगे।
बरसात आ गई **वरना** मैं जीत जाता।

3.मिश्र वाक्य - जिस वाक्य की रचना एक से अधिक सरल वाक्यों से हुई हो, जिनमें एक प्रधान वाक्य एवं अन्य आश्रित उपवाक्य होते है, उसे मिश्र वाक्य कहते है।
प्रधान वाक्य - इसकी क्रिया मुख्य होती है।
आश्रित उपवाक्य का आरंभ कि, जो, जिसे, यदि, क्योंकि आदि से होता है।
उदाहरण -
राम ने कहा कि आज मुझे घर जाना है।
जो मेहनत करता है, उसे अवश्य सफलता मिलती है।
जब मुकेश मेरे पास आया, तब लगभग तीन बजे थे।

उपवाक्य के भेद -

मिश्र वाक्य में प्रयुक्त होने वाले गौण उपवाक्य तीन प्रकार के होते है -

1.संज्ञा उपवाक्य

2.विशेषण उपवाक्य

3.क्रियाविशेषण उपवाक्य

1.संज्ञा उपवाक्य - जो उपवाक्य प्रधान वाक्य की किसी संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त हुआ हो, उसे संज्ञा उपवाक्य कहते है।

•सामान्य रूप से संज्ञा उपवाक्य 'कि' से आरम्भ होते हैं।

उदाहरण -

उसने कहा **कि** हम लड़ाई नहीं चाहते।

अंग्रेज जान गए थे **कि** भारत को स्वतंत्रता देनी पड़ेगी।

मैंने उसे पुकारकर कहा **कि** अभी उधर मत जाओ।

2. विशेषण उपवाक्य - जो आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेषण उपवाक्य कहते है।

•विशेषण उपवाक्य का प्रारंभ सर्वनाम 'जो' या इसके किसी रूप (जिसने, जिसे, जिससे, जिनको, जिनके लिए) से होता है।

उदाहरण -

जो छात्र परिश्रम करते है, वे ही जीवन में सफल होते है।

वह, **जो** सामने खड़ा है, मेरा बेटा है।

वह अध्यापक था, **जो** कल यहां आया था।

3.क्रियाविशेषण उपवाक्य - जो आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य की क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रियाविशेषण उपवाक्य कहते है।

उदाहरण -

जब वह खेल चुका **तब** वह पढ़ने लगा।

बच्चे **वैसे** करते है **जैसे** उन्हें सिखाया जाता है।

तुम उस जगह खड़े हो जाओ **जहां** बस रुकती है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चनकर लिखिए -

1.निम्नलिखित वाक्य में उद्देश्य है -

•मेरा भाई राकेश मित्र के घर जाता है।

(क) भाई (ख) मित्र के घर जाता है

ग) मेरा भाई राकेश (घ) घर जाता है

2.मैने एक आदमी को देखा जो बहुत बीमार था।(सरल वाक्य में बदलिए)

क) एक आदमी बीमार था और मैने उसे देखा। ख) मैंने एक बहुत बीमार आदमी देखा।

ग) मुझे एक बीमार आदमी दिख गया। घ) मैंने एक आदमी देखा जो बहुत बीमार था।

3.चुनाव में कौन जीता - यह सूचना सबको दी गई। (प्रधान उपवाक्य लिखिए)

क) चुनाव में कौन जीता ख) सबको दी गई

ग) कौन जीता - यह सूचना घ) यह सूचना सबको दी गई

4.मुझे विश्वास है <u>कि रीना अवश्य उत्तीर्ण होगी</u> - रेखांकित उपवाक्य का नाम लिखिए।

क) संज्ञा उपवाक्य ख) विशेषण उपवाक्य

ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य घ) प्रधान उपवाक्य

5. हम कल शाम छः बजे आएंगे और सात बजे चल देंगे।

क) सरल वाक्य ख) संयुक्त वाक्य

ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य घ) मिश्र वाक्य

6. निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य चुनिए-

क) ज्यों ही पुलिस आई, चोर भाग गया।

ख) उसने श्रम नहीं किया और परीक्षा में फेल हो गया।

ग) खेत में चर रही गाय राहुल की थी|

घ) आकाश में उड़ते हुए बाज़ ने चिड़िया पकड़ी।

7. वह अपने घर गया। वह अपने काम में लग गया। - दिए गए दो सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए।

क) वह अपने घर जाकर अपने काम में लग गया।

ख) वह अपने घर गया और अपने काम में लग गया।

ग) जैसे ही वह घर गया वह अपने काम में लग गया।

घ) वह घर पहुंचते ही अपने काम में लग गया।

8. निम्नलिखित में से सरल वाक्य चुनिए-

क) गली में शोर हुआ और सब लोग बाहर आ गए।

ख) वह, जो दो दिन गांव में रहा, सबका प्रिय हो गया।

ग) वहां स्थित एक छोटे-से गांव के चारों ओर जंगल था।

घ) वह काली भैंस, जो खेत में चर रही थी, राघव की थी।

9. भारत शांतिप्रिय देश है। इसमें अनेक संप्रदायों के लोग निवास करते है - मिश्र वाक्य बनाइए।

क) शांतिप्रिय भारत में अनेक संप्रदायों के लोग निवास करते है।

ख) भारत ऐसा शांतिप्रिय देश है जिसने अनेक संप्रदायों के लोग निवास करते है।

ग) भारत शांतिप्रिय देश है और इसमें अनेक संप्रदायों के लोग निवास करते है।

घ) भारत में अनेक संप्रदायों के लोग निवास करते है।

10. वह जहां भी जाता है, एक नई समस्या खड़ी कर देता है - रेखांकित उपवाक्य का नाम लिखिए।

क) संज्ञा उपवाक्य ख) विशेषण उपवाक्य

ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य घ) प्रधान उपवाक्य

11. सत्य बोलो किंतु कटु सत्य न बोलो।(वाक्य भेद लिखिए)

क) सरल वाक्य ख) संयुक्त वाक्य

ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य घ) मिश्र वाक्य

12. ज्यों ही वह घर पहुंचा, उस पर उसके पिता बरस पड़े। (सरल वाक्य में बदलिए)

क) वह घर पहुंचा और उसके पिता बरस पड़े।

ख) वह घर पहुंचा तो उसके पिता बरस पड़े।

ग) उसके घर पहुंचते ही पिताजी उस पर बरस पड़े।

घ) वह जैसे ही घर पहुंचा, वैसे ही उस पर उसके पिता बरस पड़े।

13. जब शेर दहाड़ रहा था, तब उसने हिरण पर हमला किया।

क) सरल वाक्य ख) संयुक्त वाक्य

ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य घ) मिश्र वाक्य

14. जो पुस्तक आप पढ़ रहे थे वह मेरे भाई की है- रेखांकित उपवाक्य का नाम लिखिए।

क) क्रियाविशेषण उपवाक्य　　ख) प्रधान उपवाक्य

ग) संज्ञा उपवाक्य　　घ) विशेषण उपवाक्य

15. आप उससे मिलना चाहते है इसलिए द्वार पर प्रतीक्षा करे - मिश्र वाक्य में बदलिए।

क) यदि आप उससे मिलना चाहते हैं तो द्वार पर प्रतीक्षा करे।

ख) आप उससे मिलने के लिए द्वार पर प्रतीक्षा करे।

ग) आपको उससे मिलना है तो द्वार पर प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

घ) आप उससे मिल लेना परंतु द्वार पर प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

16. वह फल खरीदने के लिए बाजार गया - संयुक्त वाक्य में बदलिए।

क) वह बाज़ार गया क्योंकि उसे फल खरीदने थे।

ख) वह बाज़ार जाकर फल खरीदता है।

ग) उसने बाज़ार जाकर फल खरीदा।

घ) उसे फल खरीदने थे इसलिए वह बाज़ार गया।

17. ठीक से काम करो अथवा नौकरी छोड़ दो।

क) संयुक्त वाक्य　　ख) क्रियाविशेषण उपवाक्य

ग) सरल वाक्य　　घ) मिश्र वाक्य

18. <u>प्रधान न्यायाधीश ने कहा</u> कि फैसला दस दिन बाद सुनाया जाएगा- (रेखांकित उपवाक्य का नाम लिखिए।)

क) संज्ञा उपवाक्य　　ख) प्रधान उपवाक्य

ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य　　घ) विशेषण उपवाक्य

19. रात हुई किंतु चांद नहीं निकला।वाक्य का प्रकार बताइए

क) संयुक्त वाक्य　　ख) सरल वाक्य

ग) मिश्र वाक्य　　घ) प्रधान उपवाक्य

20. जैसे ही सूर्योदय हुआ, तारे अदृश्य होने लगे ।

क) सरल वाक्य　　ख) संयुक्त वाक्य

ग) प्रधान वाक्य　　घ) मिश्र वाक्य

सही उत्तर 1) ग 2) ख) 3) घ 4)क 5)ख 6)क 7)ख 8 ग) 9)ख 10) ग 11) ख 12) ग 13) ग 14) घ 15) क 16) घ 17) क 18) ख 19) क 20) घ

****

कार्य पत्रक

नाम---------- **कक्षा----------** **प्राप्तांक----------**

रचना के आधार पर वाक्य भेद

नीचे दिए गए प्रश्नों का सही उत्तर लिखिए -

1. जिस वाक्य में मुख्य और गौण दो उपवाक्य होते है, उसे क्या कहते है?

क) सरल वाक्य ख) साधारण वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य घ) मिश्र वाक्य

उत्तर _____

2. वाक्य में दो या से अधिक सरल या मिश्रित वाक्य किसी योजक द्वारा जुड़े हो, उसे क्या कहते है?

क) सरल वाक्य ख) मिश्र वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य घ) साधारण वाक्य

उत्तर _____

3. निम्नलिखित में सरल वाक्य लिखिए -

क) जिसने तुम्हें मूर्ख बनाया है,वह यही है।

ख) गली में शोर होने से सब लोग बाहर आ गए।

ग) मैदान में बच्चे और युवक सभी खेल रहे है।

घ) ज्यों ही पुलिस आई, चोर भाग गया।

उत्तर _____

4. जिसने गिलास तोड़ा है, खड़ा हो जाए - वाक्य भेद लिखिए।

क) सरल वाक्य ख) संयुक्त वाक्य

ग) मिश्र वाक्य घ) साधारण वाक्य

उत्तर _____

5. प्रश्न हल हो गए और छात्रों ने काम बंद कर दिया - मिश्र वाक्य में बदलिए।

क) प्रश्न के हल होने पर छात्रों ने काम बंद कर दिया।

ख) जब प्रश्न हल हो गए तब छात्रों ने काम बंद कर दिया।

ग) प्रश्न का हल मिलते ही छात्रों ने काम बंद कर दिया।

घ) प्रश्न हल हो गए एवं छात्रों ने काम बंद कर दिया।

उत्तर _____

6. महात्मा गांधी जी ने कहा कि सदा सत्य बोलो। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

क) संज्ञा उपवाक्य ख) विशेषण उपवाक्य

ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य घ) प्रधान उपवाक्य

उत्तर _____

7. उन्होंने जैसे ही शहनाई बजानी शुरू की, सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

क) उनके शहनाई बजाते ही सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए।

ख) सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए क्योंकि उन्होंने शहनाई बजाई।

ग) उन्होंने शहनाई बजानी शुरू की और सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए।

घ) उनके शहनाई बजाते ही सब मग्न हो गए।

उत्तर _____

8. सफेद कमीज वाले छात्र को यह कलम दे दो। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

क) जिस छात्र ने सफेद कमीज़ पहनी है, उसे यह कलम दे दो।

ख) यह कलम सफेद कमीज़ वाले छात्र को दे दो।

ग) सफेद कमीज़ वाले छात्र को कलम दे दो।

घ) एक छात्र ने सफेद कमीज़ पहनी है और उसे कलम दे दो।

उत्तर _____

9. कैलाश जानता है कि उसका भाई बेईमान है। (रेखांकित उपवाक्य का नाम लिखिए)

क) विशेषण उपवाक्य　　ख) संज्ञा उपवाक्य

ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य　　घ) प्रधान उपवाक्य

उत्तर _____

10. जीवन में कोई क्षेत्र ऐसा नहीं, जहां विज्ञान ने चरण न धरे हो। (वाक्य भेद लिखिए)

क) मिश्र वाक्य　　ख) सरल वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य　　घ) साधारण वाक्य

उत्तर _____

****

वाच्य

वाच्य का अर्थ है- बोलने का विषय

क्रिया का विधान है वाच्य ।

क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता, कर्म या भाव है , उसे वाच्य कहते हैं ।

वाच्य के तीन भेद हैं -

1) कर्तृवाच्य 2) कर्मवाच्य 3) भाव वाच्य

1)कर्तृवाच्य- जहाँ क्रिया का मुख्य विषय कर्ता हो वहाँ कर्तृवाच्य होता है।क्रिया सकर्मक और अकर्मक दोनों हो सकती है ।

2) कर्मवाच्य - क्रिया का मुख्य विषय कर्म हो तो कर्मवाच्य होता है । क्रिया कर्म के अनुसार बदलेगी, कर्ता के अनुसार नहीं । क्रिया सकर्मक होगी|

3) भाववाच्य -जहाँ क्रिया का मुख्य विषय भाव हो तो वहाँ भाववाच्य होता है। क्रिया अकर्मक होगी|

- **कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाने के नियम-**

i)पहले कर्तृवाच्य की मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल में परिवर्तित कीजिए।

- जैसे- पढ़ -से पढ़ा ।
- खेल से खेला
- जा से गया आदि

ii) उस क्रिया के साथ "जाना" क्रिया का काल, पुरुष, वचन, लिंग के अनुसार जो रूप हो, उसे जोडकर साधारण क्रिया को संयुक्त क्रिया में बदलिए।

कर्ता के साथ "से" या "के द्वारा" जोडिए ।

उदाहरण- मैंने पत्र लिखा (कर्तृवाच्य) - मुझसे पत्र लिखा गया (कर्मवाच्य)

कर्तृवाच्य से भाव वाच्य बनाने के नियम-

i)कर्ता के साथ "से" अथवा "के द्वारा "लगाएँ

उदाहरण- बच्चा है तो बच्चे से

बच्चे है तो बच्चों से।

ii) मुख्य क्रिया को सामान्य भूतकाल में बदलना होगा। क्रिया एकवचन पुल्लिंग में ही रहेगी।

iii) अन्य पुरुषवाचक काल जो कर्तृवाच्य की क्रिया का है होगा ।

उदाहरण- i)पढ़ेंगे- पढ़ा जाएगा । ii)सोते हैं- -सोया जाता है ।

iv) विवशता, असमर्थता, निषेधार्थ, अनुमति, आज्ञा प्राप्त करने के लिए भाववाच्य प्रयोग होता है ।

उदाहरण- i) आज मुझसे खडा भी नहीं हुआ जाता ।

ii) अब थोड़ा विश्राम किया जाए।

निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

1) राकेश मिठाई बना रहा था । कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाइए-

क) राकेश से मिठाई बनाई जा रही थी ।

ख) राकेश से मिठाई बनाया जा रहा है।

ग) राकेश से मिठाई बनाई गई।

घ) राकेश से मिठाई बनाई जाती है ।

2) गंगा आम खाती है । वाच्य का प्रकार बताइए|

क)कर्मवाच्य ख) कर्तृवाच्य

ग)भाववाच्य घ)उपर्युक्तसभी

3) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य छाँटिए-

क) माताजी ने पत्र लिखा ख) गीता से बैठा नहीं जाता |

ग) सूसन से कविता लिखी गयी । घ) मैं काम करूँगा|

4) निम्नांकित में भाववाच्य है-

क) राधा सोएगी ।　　ख) उससे काम नहीं किया जाता ।

ग) मुझसे बैठा जाता है ।　　घ) इनमें से कोई नहीं ।

5) कर्तृवाच्य छाँटिए-

क) पिताजी से गाडी चलायी गयी ।　　ख) मामाजी ने मिठाई बनायी

ग) मामाजी से मिठाई बनवायी जाएगी।　　घ) माता जी से चला नहीं जाता ।

6)सीता खाना पकाएगी। वाच्य परिवर्तन कीजिए

क) सीता से खाना पकाया जाएगा　　ख) सीता से खाना पकाया जाता है ।

ग) सीता से खाना पकायी जाएगी　　घ) सीता से खाना पकायी जाती है।

7) बच्चा तैरेगा | वाच्य परिवर्तन कीजिए-

क) बच्चे से तैरा जाएगा　　ख) बच्चा से तैरा जाएगा

ग) बच्चों से तैरा जाएगा　　घ) बच्चे से तैरा जाता है ।

8) आओ, घूमने चले -भाववाच्य में बदलिए

क) आओ, घूमने चला जाए　　ख) आओ , घूमने चले

ग) आओ, घूमने चलेगे　　घ)आओ, घूमने चलते हैं।

9) राकेश ने बाजा बजाया । कर्मवाच्य बनाइए-

क) राकेश से बाजा बजेगा　　ख) राकेश से बाजा बजाया गया

ग) राकेश से बाजा बजाया जाता है　　घ) राकेश से बाजा बजाया जाएगा

10) लड़कियों ने गाया । भाववाच्य में बदलिए

क) लड़कियों से गाया जाता है　　ख) लड़कियों से गाया जाएगा

ग) लड़कियों से गाया गया　　घ)लड़कियों से गाया जा रहा हैं।

11) हिरण घास चर रहे थे। वाच्य परिवर्तन कीजिए

क) हिरणों से घास चरी जा रही हैं　　ख)हिरणों से घास चरी जा रही थी|

ग) हिरणों से घास चरी जा रहे हैं　　घ) हिरणों से घास चरा जा रहा था।

12) शिकारियों से शिकार किया जा रहा था । कर्तृवाच्य में बदलिए

क) शिकारी शिकार कर रहे थे । ख) शिकारियों ने शिकार किया

ग) शिकारी शिकार करेंगे घ) शिकारी शिकार करते हैं

13) छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। वाच्य का प्रकार बताइए

क) कर्मवाच्य ख) कर्तृवाच्य

ग) भाववाच्य घ) उपर्युक्तसभी

14) किस वाच्य में क्रिया पुल्लिंग एकवचन में रहती है?

क) कर्तृवाच्य ख) कर्मवाच्य

ग) भाववाच्य घ) इनमें से कोई नहीं

15) कर्तृवाच्य वाले वाक्य छाँटिए-

क) मुझसे कहानी लिखवाई गयी।

ख) महात्मा गाँधी ने विश्व को शान्ति और अहिंसा का संदेश दिया ।

ग) हमसे इतने सुख सहे नहीं जाते।

घ) मीरा द्वारा कल पत्र लिखा गया ।

16) भाववाच्य वाले वाक्य छाँटिए-

क) मुझसे कहानी लिखवाई गयी।

ख) महात्मा गाँधी ने विश्व को शान्ति और अहिंसा का संदेश दिया ।

ग) हमसे इतने सुख सहे नहीं जाते।

घ) मीरा से सोया गया ।

17) बाढ़ पीड़ितों की सहायता की गई - वाच्य का परिवर्तित रूप हैं -

क)बाढ़ पीड़ितों की सहायता करेगी।

ख)बाढ़ पीड़ितों की सहायता की।

ग) बाढ़ पीड़ितों की सहायता कर रहीहै।

घ))इनमें से कोई नहीं

18) रामचरितमानस तुलसीदास द्वारा लिखा गया ग्रंथ है- वाच्य का नाम है-

क)कर्मवाच्य ख) कर्तृवाच्य

ग)भाववाच्य घ)उपर्युक्त सभी

19) पक्षीआकाश में उड़तेहैं। वाच्य का परिवर्तित रूप है-

क)पक्षियों से आकाश में उडे जाते हैं।

ख)पक्षी से आकाश में उड़ा जाता है।

ग)पक्षी सेआकाश में उड़ा गया।

घ) पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है।

20) राजा द्वारा प्रजा की रक्षा की जाएगी। वाच्य का परिवर्तित रूप है-

क) राजा प्रजा की रक्षा करता है।

ख) राजा प्रजा की रक्षा कर रहा है।

ग) राजा ने प्रजा की रक्षा की।

घ) राजा प्रजा की रक्षा करेगा।

21) अब पढ़ा जाए। वाच्य का नाम है।

क) कर्मवाच्य ख)कर्तृवाच्य

ग)भाववाच्य घ) इनमें से कोई नहीं

22) आजादी छीनी जाती है - वाच्य का नाम है।

क) भाववाच्य ख) कर्मवाच्य

ग) कर्तृवाच्य। घ) इनमें से कोई नहीं

23) किस वाच्य में क्रिया अकर्मक नहीं होती है?

क) कर्तृ वाच्य में ख) कर्म वाच्य में

ग) भाव वाच्य में घ) कर्तृ वाच्य और कर्म वाच्य में

24)निम्नांकित में से कौन- सा वाक्य कर्तृवाच्य का नहीं है

क) मालती ने पानी पिया ख) रीना ने चित्र खरीदा

ग) विहान पत्र लिखेगा घ) चारु से काम करवाया जा रहा है।

25) निम्नांकित में से कौन सा वाक्य कर्म वाच्य का नहीं है

क)माला से पान खाया गया। ख) विहान पत्र लिखा जाएगा ।

ग)चारु से काम करवाया जा रहा है। घ) चाँदनी से गर्म पानी में नहाया जाता है ।

उत्तर

1) क) राकेश से मिठाई बनाई जा रही थी ।
2) ख) कर्तृवाच्य
3) ग) सूसन से कविता लिखी गयी ।
4) ग) मुझसे बैठा जाता है ।
5) ख) मामाजी ने मिठाई बनायी
6) क) सीता से खाना पकाया जाएगा
7) क) बच्चे से तैरा जाएगा
8) क) आओ, घूमने चला जाए |
9) ख) राकेश से बाजा बजाया गया
10) ग) लड़कियों से गाया गया |
11) ख) हिरणों से घास चरी जा रही थी |
12) क) शिकारी शिकार कर रहे थे ।
13) ख) कर्तृवाच्य
14) ग) भाव वाच्य
15) ख) महात्मा गाँधी ने विश्व को शान्तिः और अहिंसा का संदेश दिया ।
16) घ) मीरा से सोया गया ।
17) ख) बाढ़ पीड़ितों की सहायता की।
18) क)कर्म वाच्य
19) घ) पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है।
20) घ) राजा प्रजा की रक्षा करेगा।
21) ग) भाव वाच्य
22) ख) कर्म वाच्य
23) ग) भाव वाच्य में
24) घ) चारु से काम करवाया जा रहा है।
25) घ) चाँदनी से गर्म पानी में नहाया जाता है ।

कार्य पत्रक

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक----------

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1) निम्नांकित वाक्यों में से कर्म वाच्य छाँटिए-

क) माताजी ने पानी पिलाया। ख) हमने निबन्ध नहीं लिखा ।

ग) हमसे काम करवाया गया घ) रचना हँस रही है।

उत्तर- ----------

2) कर्तृवाच्य का उदाहरण ----

क) प्रधानाचार्य जी से पुरस्कार बाँटे गए । ख) माताजी से बैठा नहीं जाता ।

ग) हम सबने खाना खाया । घ) पिताजी से रहा न गया ।

उत्तर----------

3)क्रांतिकारियों ने भगतसिंह के बलिदान का बदला जनरल डायर को मार कर लिया। इसमें कौन सा वाच्य है?

क) कर्म वाच्य, ख) भाव वाच्य

ग) कर्तृवाच्य घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर----------

4) उमेश हँसता है।(भाव वाच्य वाक्य बनाइए-)

क) उमेश से हँसा जाता है। ख) उमेश से हँसा गया

ग) उमेश से हँसा नहीं गया घ)उमेश से हँसा जा रहा है ।

उत्तर----------

5) किस वाच्य में क्रिया केवल अकर्मक होती है --

क)कर्म वाच्य में ख) भाव वाच्य मे

ग) कर्तृवाच्य में घ)कर्तृवाच्य में और कर्म वाच्य में।

उत्तर----------

6)लड़कियों द्वारा रात भर पढ़ा गया। (कर्तृवाच्य बनाइए)

क) लडकी ने रात भर पढ़ाई की।

ख) लड़कियों द्वारा रात भर पढ़ा ।

ग) लड़कियों द्वारा रात भर की जाती है।

घ)लड़कियों ने रात भर पढ़ा ।

उत्तर----------

7)भाववाच्य वाले वाक्य छाँटिए-

क) लता ने गीत गाया

ख) लता से गीत गाया गया

ग) नीरज से खेला गया ।

घ) नीरा से खाना खाया गया ।

उत्तर----------

8) नानी कहानी सुनाएगी- कर्म वाच्य में बदलिए-

क) नानी से कहानी सुनी जाती है ।

ख) नानी से कहानी नहीं सुनी जाती ।

ग) नानी से कहानी सुनायी जाएगी ।

घ) नानी से कहानी सुनायी जा रही है।

उत्तर----------

9) वह खुशी से चिल्लाया--- भाववाच्य छाँटिए

क) उससे खुशी से चिल्लाया गया

ख)उससे खुशी से चिल्लाया नहीं गया ।

ग) उसने खुशी से चिल्लाया

घ) उससे खुशी से चिल्लायी गयी ।

उत्तर----------

10) यहाँ तो खड़ा भी नहीं हुआअ जाता । (वाच्य का नाम बताइए)

क) कर्म वाच्य

ख) भाव वाच्य

ग) कर्तृवाच्य

घ) इनमें से कोई नहीं ।

उत्तर----------

पद परिचय

शब्द एवं पद

एक या एक से अधिक वर्णों से बनी स्वतंत्र, सार्थक इकाई को शब्द कहते हैं |
शब्द जब व्याकरणानुसार वाक्य के लिंग, वचन, कारक आदि के नियमों से अनुशासित हो जाता है तो यह पद बन जाता है | वाक्य में प्रयुक्त शब्दों को पद कहलाते हैं |
वाक्यों में पदों का परिचय देना अर्थात उनकी स्थिति बताना,उनका लिंग, वचन, कारक भेद तथा अन्य पदों से संबंध बताना पद-परिचय कहलाता है |
दूसरे शब्दों में वाक्य के अंतर्गत किसी शब्द की सभी भूमिकाओं का परिचय देना पद -परिचय कहलाता है |

पद -परिचय के आवश्यक पहलू

संज्ञा - संज्ञा का पद-परिचय देते समय निम्नलिखित बातें अपेक्षित है : भेद - व्यक्ति वाचक, जाति वाचक,भाव वाचक, लिंग - पुल्लिंग,स्त्रीलिंग , वचन- एक वचन, बहु वचन, कारक- कर्ता,कर्म,करण,संप्रदान,अपादान,संबंध,अधिकरण, सम्बोधन, क्रिया के साथ संबंध
उदाहरण- गंगा हिमालय से निकलती है |
गंगा - व्यक्ति वाचक संज्ञा , एकवचन ,स्त्रीलिंग , कर्ता कारक
हिमालय से - व्यक्ति वाचक संज्ञा , एकवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

सर्वनाम - सर्वनाम का पद-परिचय देते समय निम्नलिखित बातें अपेक्षित है : भेद - पुरुष वाचक,निश्चय वाचक, अनिश्चय वाचक, संबंध वाचक, प्रश्न वाचक, निज वाचक, लिंग- पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, वचन- एक वचन, बहु वचन, कारक, क्रिया के साथ संबंध
उदाहरण : मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ |
मैं : पुरुष वाचक सर्वनाम ,उत्तम पुरुष , एक वचन, पुल्लिंग , कर्ता

विशेषण - विशेषण का पद-परिचय देते समय निम्नलिखित बातें अपेक्षित है : भेद - गुण वाचक, संख्या वाचक , परिमाण वाचक, सार्वनामिक , लिंग- पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, वचन- एक वचन, बहु वचन, विशेष्य का निर्देश
उदाहरण: मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ |
दसवीं - संख्या वाचक विशेषण , क्रम सूचक, स्त्रीलिंग , एकवचन, कक्षा विशेष्य

क्रिया -क्रिया का भेद, अकर्मक, सकर्मक, लिंग, वचन,पुरुष,काल, वाच्य, कर्ता और कर्म का संकेत|
उदाहरण : मैं रोज धीरे- धीरे चलता हूँ |
चलता हूँ - अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग , एक वचन , वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

क्रिया विशेषण -भेद - रीति वाचक ,काल वाचक,स्थान वाचक,परिमाण वाचक,जिस क्रिया की विशेषता बताई जा रही है उसका निर्देश |
उदाहरण : मैं रोज धीरे- धीरे चलता हूँ |
रीति वाचक क्रिया विशेषण, चलता हूँ क्रिया का विशेषण
समुच्चय बोधक - भेद ,किन पदों या वाक्यों को मिला रहा है, निर्देश
उदाहरण : गांधीजी ने कहा कि सदा सत्य बोलो |
कि - व्याधि करण समुच्चय बोधक
संबंध बोधक - भेद जिससे संबंध दर्शा रहा है उसका निर्देश
उदाहरण : विद्यालय के पीछे बाग है |
के पीछे - संबंध बोधक अव्यय
विस्मयादि बोधक - किस भाव (विस्मय, हर्ष, शोक , घृणा ,भय, क्रोध आदि) को प्रकट कर रहा है |
उदाहरण - वाह ! भारत मैच जीत गए | विस्मयादि बोधक , हर्ष सूचक

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1 आज हमारी परीक्षा होनी है - में 'आज' का पद परिचय है
(क) काल वाचक क्रिया विशेषण, होनी है क्रिया की विशेषता
(ख) स्थान वाचक क्रिया विशेषण, होनी है क्रिया की विशेषता
(ग) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण, होनी है क्रिया की विशेषता
(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं

2 मैं लाल रंग की कमीज़ पहनता हूँ | 'मैं' का पद परिचय है
(क) निज वाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(ख) निश्चय वाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(ग) उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं

3 मैं धीरे- धीरे गाता हूँ | इस वाक्य में रेखांकित पद है -

(क) क्रिया विशेषण, रीति वाचक, मैं विशेष्य |

(ख) क्रिया विशेषण, रीति वाचक, गाता हूँ विशेष्य |

(ग) क्रिया विशेषण, परिमाण वाचक, गाता हूँ विशेष्य |

(घ) क्रिया विशेषण, परिमाण वाचक, मैं विशेष्य |

4 राधा मंदिर में रहती है | इस वाक्य में रेखांकित पद है -

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक |

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक |

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक |

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक |

5 वाह! कितना सुंदर उपवन है | इस वाक्य में रेखांकित पद है -

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, दुख बोधक

(ख) अव्यय, विस्मयादिबोधक, व्यंग्य बोधक

(ग) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्ष बोधक

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रश्न बोधक

6 कितने सुगंधित फूल है! इस वाक्य में रेखांकित पद है -

(क) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, फूल विशेष्य

(ख) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, फूल विशेष्य

(ग) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, फूल विशेष्य

(घ) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, फूल विशेष्य

7 प्रधानाचार्य ने आपको बुलाया है | इस वाक्य में रेखांकित पद है -

(क) मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(ख) निज वाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ग) मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(घ) उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

8 मैं उससे आगरा में मिलूँगा 'में वाक्य में रेखांकित का पद परिचय होगा-

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक

9 राम ने रावण को वाण से मारा ।" रेखांकित पद का परिचय है?
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक ।
(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

10 पेड़ पर कुछ बंदर बैठे थे।
(क) विशेषण, अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य- बंदर
(ख) विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य- बंदर
(ग) विशेषण, निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य- बंदर
(घ) विशेषण, निश्चित परिमाण वाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य- बंदर

11 हम फिल्म देखने गए|
(क) सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(ख) सर्वनाम, मध्यम पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(ग) सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(घ) सर्वनाम, उत्तम पुरुष, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

12 माँ बाहर चली गई ।
(क)क्रिया विशेषण, रीति वाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता
(ख)क्रिया विशेषण, स्थान वाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता
(ग)क्रिया विशेषण, काल वाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता
(घ)क्रिया विशेषण, परिमाण वाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता

13 बुरे लोगों से दूर रहो ।
(क) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य
(ख) विशेषण, गुण वाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य
(ग) विशेषण, परिमाण वाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य
(घ) विशेषण, सार्वकालिक , पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य

14 वह बहुत <u>जोर से</u> हँसता है ।

(क) अव्यय, क्रिया विशेषण, रीति वाचक, 'हँसता है' क्रिया की विशेषता

(ख) अव्यय, क्रिया विशेषण, स्थान वाचक, 'हँसता है' क्रिया की विशेषता

(ग) अव्यय, क्रिया विशेषण, काल वाचक, 'हँसता है' क्रिया की विशेषता

(घ) अव्यय, क्रिया विशेषण, परिमाण वाचक, 'हँसता है' क्रिया की विशेषता

15 <u>यह</u> पुस्तक राम की है ।

(क) विशेषण, संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, बहुवचन, 'पुस्तक' विशेष्य

(ख) विशेषण,सार्वकालिक , 'स्त्रीलिंग , एकवचन, 'पुस्तक ' विशेष्य

(ग) विशेषण, संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, एकवचन, 'पुस्तक' विशेष्य

(घ) विशेषण, संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, बहुवचन, 'पुस्तक' विशेष्य

16 <u>मजदूरों ने</u> हड़ताल कर दी ।

(क) संज्ञा भाववाचक स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(ख) संज्ञा व्यक्तिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(ग) संज्ञा व्यक्तिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(घ) संज्ञा जातिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

17 <u>सौम्या</u> पत्र लिखती हैं ।

(क) संज्ञा जातिवाचक पुल्लिंग एकवचन, कर्ता कारक

(ख) संज्ञा जाति वाचक पुल्लिंग एकवचन, कर्ता कारक

(ग) संज्ञा व्यक्ति वाचक स्त्रीलिंग एकवचन, कर्ता कारक

(घ) संज्ञा भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

18 पक्षी आकाश में <u>उड़ रहे हैं</u> ।

(क) क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(ख) क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल, कर्मवाच्य

(ग) क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, भविष्यत काल, कर्तृ वाच्य

(घ) क्रिया, बहुवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

19 आज तुमने <u>थोड़ा सा</u> ही दूध क्यों पिया?

(क) निश्चित परिमाण वाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग दूध विशेष्य

(ख)अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग दूध विशेष्य
(ग) अनिश्चित संख्या वाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग दूध विशेष्य
(घ) अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग दूध विशेष्य

20 <u>छात्र</u> पत्र लिख रहा है |
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ग) व्यक्ति वाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

उत्तर 1) क 2) ग 3) ख 4) क 5) ग 6) ख 7) ग 8) क 9) घ 10) ख

11) क 12) ख 13) ख 14) क 15) ख 16) घ17) ग 18) क 19) ख 20) क

****

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक----------

1 अमीर पत्र लिखता है |

क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
ख)व्यक्तिवाचक संज्ञा ,पुल्लिंग,एकवचन कर्ता कारक
ग) संज्ञा भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
घ))जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

उत्तर ----------

2 गीतिका दसवीं कक्षा में पढ़ती है |

-क)जातिवाचक , स्त्रीलिंग, एक वचन , अधिकरण कारक
ख) विशेषण, संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक
ग)) संज्ञा व्यक्तिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
घ) संज्ञा जातिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

उत्तर ----------

3 हम मैदान में गए परंतु वहाँ कोई नहीं मिला |

क) विशेषण,सार्वकालिक , 'स्त्रीलिंग , एकवचन,
(ख) विशेषण, संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, एकवचन,
(ग) विशेषण, संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, बहुवचन, '
घ)-व्यधिकरण समुच्चय बोधक

उत्तर ----------

4 वे लड़कियाँ बाजार से पुस्तकें लाई |

-क) सार्वनामिक विशेषण,बहुवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य लड़कियाँ
ख) सार्वनामिक विशेषण,बहुवचन, पुल्लिंग , विशेष्य लड़कियाँ
ग) सार्वनामिक विशेषण,एक वचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य लड़कियाँ
घ) सार्वकालिक विशेषण,बहुवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य लड़कियाँ

उत्तर ----------

5 आकाश यहाँ रहता है |

क)कालवाचक क्रिया विशेषण ,पुल्लिंग एकवचन
ख)परिमाण वाचक विशेषण ,पुल्लिंग बहुवचन
-ग)स्थानवाचक क्रियाविशेषण, रहता है क्रिया का विशेषण
घ)विशेषण पुल्लिंग बहुवचन

उत्तर ----------

6 वह क्या पढ़ रहा है?

क)-अन्यपुरुष सर्वनाम,पुल्लिंग ,एकवचन, कर्ता कारक
ख)उत्तम पुरुष ,पुल्लिंग ,एकवचन, कर्ता कारक
ग)मध्यमपुरुष स्त्रीलिंग एकवचन, कर्ता कारक
घ) सार्वनामिक विशेषण पुल्लिंग ,एकवचन, कर्ता कारक

उत्तर ----------

7 मैं कल बीमार थी इसलिए स्कूल नहीं गई |

क) अव्यय समानाधिकरण एकवचन
ख) अव्यय ,व्यधिकरण समुच्चय बोधक
ग)विशेषण ,सार्वनामिक स्त्रीलिंग ,एकवचन
घ)अव्यय ,क्रिया विशेषण स्त्रीलिंग ,एकवचन

उत्तर ----------

8 मैंने उसे एक कविता सुनाई |

क) अकर्मक क्रिया बहुवचन , स्त्रीलिंग
ख)सकर्मक क्रिया ,एक वचन, स्त्रीलिंग । भूतकाल
ग) क्रिया विशेषण ,बहुवचन स्त्रीलिंग
घ) संज्ञा ,बहुवचन , स्त्रीलिंग ,भूतकाल

उत्तर ----------

9 वर्षा ऋतु में जनजीवन अस्त व्यस्त हो जाता है |

क)भाव वाचक संज्ञा ,पुल्लिंग ,एकवचन अधिकरण करक

-ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एक वचन ,अधिकरण कारक

ग) जाति वाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एक वचन ,अधिकरण कारक

घ)विशेषण ,पुल्लिंग बहुवचन करता करक

उत्तर ----------

10 जल्दी चलो गाड़ी छूट जाएगी |

क)विशेषण ,बहुवचन पुल्लिंग कर्ताकरक

ख) भाववाचक ,बहुवचन पुल्लिंग ,कर्मकारक

ग)जातिवाचकसंज्ञा स्त्रीलिंग, एक वचन, कर्ता कारक

घ) क्रिया विशेषण ,पुल्लिंग एकवचन ,अधिकरण करक

उत्तर ----------

****

अलंकार

अलंकार - शाब्दिक अर्थ "आभूषण"

अलंकार का अर्थ - अलंकृत करना, सजाना । अतः वह वस्तु जो सुंदर बनाए या सुंदर बनाने का साधन हों । यह सुंदर वर्णों से बनते हैं और यह काव्य की शोभा और सौंदर्य बढ़ाते हैं । काव्य का निर्माण शब्द और अर्थ द्वारा होता है । अतः दोनों शब्द और अर्थ के सौंदर्य की वृद्धि होनी चाहिए । इस दृष्टि से अलंकार के दो भेद होते हैं :-

(1) शब्दालंकार (2) अर्थालंकार

(I)शब्दालंकार: जहाँ काव्य में शब्दों के विशिष्ट प्रयोग से कविता में सौंदर्य और चमत्कार उत्पन्न होता हैं, वहाँ शब्दालंकार होता है । हिन्दी के प्रमुख शब्दालंकार है - अनुप्रास, यमक, और श्लेष ।

- **श्लेष अलंकार**

श्लेष का अर्थ है 'चिपका हुआ' या 'मिला हुआ' । जब काव्य में किसी शब्द का प्रयोग एक ही बार किया जाता है लेकिन उससे अर्थ कई निकलते हैं तो तब वहाँ श्लेष अलंकार होता है ।

जैसे

(1) दे रहा हो कोकिल सानंद
सुमन को ज्यो मधुमय संदेश ।

यहाँ 'सुमन' तथा 'मधुमय' दोनों पर 'श्लेष' अलंकार है -
'सुमन' शब्द के दो अर्थ है - सुंदर मन तथा पुष्प
'मधुमय' का अर्थ है - मधुर तथा वसंत ऋतु

(II)मधु वन की छाती को देखो, सूखी कितनी इसकी कलियाँ ।
यहाँ 'कलियाँ शब्द पर श्लेष अलंकार है । इसके दो अर्थ हैं -
(i)कलि (फूल बनने से पहले की स्थिति)
(ii)यौवन आने से पहले की दशा ।

(III)'मगन को देखि पट देत बार-बार है ।'
यहाँ श्लेष अलंकार है, क्योंकि 'पट' शब्द के दो अर्थ है -
पट - (1) वस्त्र
(2) दरवाज़ा

पंक्ति का पहला अर्थ है - माँगनेवालों (भिखारियों) को देखकर बार-बार 'पट' दरवाज़ा बंद कर लेती है तथा दूसरा अर्थ है - भिखमंगों को देखकर उन्हें बार-बार 'वस्त्र' दान में देती है ।

(IV)'सुबरन' को ढूंढत फिरत, कवि, व्यभिचारी, चोर'

पंक्ति का अर्थ है कि कवि, व्यभिचारी तथा चोर तीनों ही 'सुबरन' अर्थात् सुवर्ण को ढूँढते फिरते हैं ।

यहाँ 'सुबरन' शब्द में श्लेष अलंकार है और इसके तीन अर्थ इस प्रकार हैं -
(i)कवि के संदर्भ में - सुबरन - सुंदर वर्ण या अक्षर
(ii) व्यभिचारी के संदर्भ में - सुबरन - रंगवाली सुन्दरियाँ
(iii)चोर के संदर्भ में - सुबरन - सुवर्ण या सोना

(2) अर्थालंकार

- **उत्प्रेक्षा अलंकार**

यहाँ उपमेय में उपमान की संभावना की जाती है । उत्प्रेक्षा अलंकार के वाचक शब्द है - मानो, जानो, जनु मनु । जैसे -

सोहत औढ़े पीत पट श्याम सलोने गात ।
मानो नीलमणि सैल पर आतप परयो प्रभात ।

यहाँ श्रीकृष्ण के श्यामल शरीर पर पीताम्बर ऐसा लग रहा है मानो नीलम पर्वत पर प्रभात काल की धूप शोभा पा रही हो ।

- **अतिशयोक्ति अलंकार**

जब किसी की अत्यंत प्रशंसा करते हुए बढ़ा-चढ़ाकर बात की जाए तो अतिशयोक्ति अलंकार होता है ।

जैसे : हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग ।

लंका सगरी जरि गई, गए निशाचर भाग ।

इस काव्यांश में हनुमान की पूँछ में आग लगाने के पहले ही सारी लंका का जलना और राक्षसों का भाग जाने का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया गया है अतः अतिशयोक्ति अलंकार है ।

- **मानवीकरण अलंकार**
-

जब प्राकृतिक वस्तुओं जैसे पेड़, पौधे, बादल आदि में मानवीय भावनाओं का वर्णन हो यानी निर्जीव चीज़ों में सजीव होना दर्शाया जाए तब वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है । जैसे

(i) फूल हँसे कलियाँ मुसकाई

दिए गए उदाहरण में फूल हँस रहे हैं एवं कलियाँ मुस्करा रही है । हम जानते हैं कि हँसने और मुस्कराने की क्रियाएँ केवल मनुष्य ही कर सकते हैं, प्राकृतिक चीज़ें नहीं । यह सच में संभव नहीं है और हम यह भी जानते हैं कि सजीव भावनाओं का वर्णन चीज़ों में किया जाता है तब मानवीकरण अलंकार होता है ।

(ii) मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के ।

(iii) उषा सुनहरे तीर बरसाती, जल लक्ष्मी-सी उदित हुई ।

****

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक----------

निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए :-

1)जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय ।
बारे उजियारो करै बढ़े अंधेरो होय ।

क) यमक

ख) मानवीकरण

ग) श्लेष

घ) उत्प्रेक्षा

उत्तर ----------

2)रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून

क) श्लेष

ख)मानवीकरण

ग)यमक

घ)उत्प्रेक्षा

उत्तर ----------

3)मिटा मोदु मन भए मलीने
विधि निधि दीन्ह लेत जनु छीन्हें

क) श्लेष

ख)मानवीकरण

ग)यमक

घ)उत्प्रेक्षा

उत्तर ----------

4)आए महंत बसंत

क) मानवीकरण

ख) श्लेष

ग) उत्प्रक्षा

घ) यमक

उत्तर ----------

5)लो यह लतिका भी भर लाई

मधु मकुल नवल रस गागरी

क) मानवीकरण

ख) श्लेष

ग) उत्प्रक्षा

घ) यमक

उत्तर ----------

6)उस काल मारे क्रोध के तनु कांपने उनका लगा ।

मानो हवा के ज़ोर से सोता हुआ सागर जागा ।

क) मानवीकरण

ख) श्लेष

ग) उत्प्रक्षा

घ) यमक

उत्तर ----------

7)देख लो साकेत नगरी है यही ।

स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही ।

क) मानवीकरण

ख) श्लेष

ग) उत्प्रक्षा

घ) अतिशयोक्ति

उत्तर ----------

8)आगे नदिया पड़ी अपार, घोडा कैसे उतरे पार ।

राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार ।

क)अतिशयोक्ति

ख)श्लेष

ग) उत्प्रक्षा

घ) यमक

उत्तर ----------

9)तारा सो तरनि धूरि धारा में लागत जिमि,

धारा पार पारा परावार यो हलत है ।

क)उत्प्रेक्षा

ख) मानवीकरण

ग) श्लेष

घ) अतिशयोक्ति

उत्तर ----------

10)कार्तिक की एक हँसमुख सुबह

नदी-तट से लौटती गंगा नहाकर

क) अतिशयोक्ति

ख) श्लेष

ग) उत्प्रक्षा

घ) मानवीकरण

उत्तर ----------

गद्य खंड

पाठ:नेताजी का चश्मा- स्वयं प्रकाश

पाठ का सारांश

हालदार साहब हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम से उस कस्बे से गुजरते थे। कस्बे में कुछ पक्के मकान, एक छोटा सा बाजार, बालक बालिकाओं के दो विद्यालय, एक सीमेंट का कारखाना, दो खुली छत वाले सिनेमाघर तथा एक नगरपालिका थी। इसी कस्बे के मुख्य बाजार में मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक संगमरमर की मूर्ति लगी हुई थी।मूर्ति पर चश्मा नहीं था। हालदार साहब को पान वाले से यह जानकारी मिली कि कैप्टन चश्मे वाले को नेताजी की बिना चश्मे वाली मूर्ति अच्छी लगी नहीं लगती थी। इसलिए वह मूर्ति पर चश्मा लगा दिया करता था। एक दिन जब हालदार साहब उसी उसी कस्बे से निकले तो उन्होंने देखा कि बाजार बंद था और मूर्ति के चेहरे पर कोई चश्मा भी नहीं था कैप्टन मर गया था। अगली बार जब हालदार साहब उधर से निकले, तो उन्होंने देखा कि मूर्ति पर किसी बच्चे ने सरकंडे का बना हुआ चश्मा लगा दिया था। हालदार साहब भावुक हो उठे।

1. नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1.जैसा कि कहा जा चुका है मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊंची, जिसे कहते हैं बस्ट,और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ कुछ मासूम और कमसिन।फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो... वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज की कसर थी, जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आंखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था।

i) मूर्ति किस चीज से बनी थी?

क)संगमरमर ख)लकड़ी

ग)ग्रेनाइट घ)लोहा

ii) टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक ऊंचाई कितनी थी?

क)आठ फीट ख)तीन फीट

ग)दो फीट घ)सात फीट

iii) बस्ट किसे कहते हैं?

क)मूर्ति के सिर से सीने तक के भाग को
ख)मूर्ति के सरवाले भाग को
ग)मूर्ति के बांहों को
घ)उपर्युक्त कोई नहीं

iv)मूर्ति किसकी थी?
क)नेहरू जी की
ख)गांधी जी की
ग)नेताजी की
घ)शास्त्री जी की

v)मूर्ति में क्या कमी थी?
क)मूर्ति के कोट में बटन नहीं था
ख)मूर्ति सुंदर नहीं थी
ग)मूर्ति पर चश्मा नहीं था
घ)उपर्युक्त सभी

2. हालदार साहब को पान वाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक रह गए। एक बेहद बूढ़ा, मारियल सा, लंगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आंखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी सी संतूकची और दूसरे हाथ में एक बांस पर टांगे बहुत से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बांस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है?लेकिन पान वाले ने साफ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठ कर चले गए।

i)कैप्टन का मज़ाक किसने उड़ाया और बुरा किसे लगा?
क)हालदार साहब ने। पान वाले को
ख))पान वाले ने। हालदार साहब को
ग)चश्मे वाले ने। हालदार साहब को
घ))हालदार साहब ने। चश्मे वाले को

ii)कौन कैप्टन को देखकर अवाक रह गए?
क)सुभाष चंद्र बोस
ख)चश्मे वाला
ग)छोटा बच्चा
घ)हालदार साहब

iii)वह चश्मे किस तरह बेचता था?
क)दुकान में बैठकर बेचता था
ख)फेरी लगाकर बेचता था
ग)मधुर स्वर में गाकर बेचता था
घ)उपयुक्त सभी

iv)कैप्टन के सिर पर कैसी टोपी था?

क)आर्मी वाली　　ख)क्रिकेट वाली

ग)गांधीजी वाली　　घ)इनमें से कोई नहीं

v)हालदार साहब के मन में क्या प्रश्न उठ रहे थे?

क)कैप्टन मूर्ति को चश्मा क्यों पहनाता है?　　ख)कैप्टन की आजीविका कैसे चलती है?

ग)क्या चश्मे वाला धनी आदमी है?　　घ)चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते हैं?

उत्तर 1)i क) ii ग) iii क) iv ग) v ग)

2) i ख) ii घ) iii ख) iv ग) v घ)

II एक एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

i)कैप्टन देखने में कैसा था?

उत्तर:कैप्टन देखने में बूढ़ा,मरियाल सा आदमी था।

ii) मूर्ति की कौन सी कमी देखने की खटकती थी?

उत्तर: मूर्ति की आंखों पर संगमरमर से बना चश्मा नहीं था।

iii) हालदार साहब की समझ में कौन सी बात नहीं आई थी?

उत्तर:हालदार साहब की समझ में यह बात नहीं आई थी कि नेता जी की मूर्ति पर मूर्तिकार द्वारा बनाई गई असली चश्मा कहां चला गया।

iv) कैप्टन कौन था?

उत्तर:कैप्टन एक चश्मा बेचने वाला था।

v) मूर्ति देखने में कैसी लग रही थी?

उत्तर: मूर्ति देखने में बहुत सुंदर लग रही थी। vi)मोतीलाल कौन था?

उत्तर:मोतीलाल कस्बे के हाई स्कूल का ड्राइंग मास्टर था।

vii) ' बत्तीसी दिखाना' का क्या अभिप्राय है?

' बत्तीसी दिखाना' का अभिप्राय है हंसते हुए बोलना

viii)हालदार साहब को कौन सी आदत पड़ गई थी?

उत्तर: हालदार साहब जब भी कस्बे से गुजरते तो चौराहे पर रुक कर पान खाते और मूर्ति को ध्यान से देखते।

ix) 'नेताजी का चश्मा' पाठ किसके बारे में है?

उत्तर:नेता जी की मूर्ति पर लगे चश्मे के बारे में है।

x)मूर्ति के नीचे क्या लिखा था?

उत्तर: मूर्ति के नीचे 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' लिखा था|

III दो या दो से अधिक वाक्यों में उत्तर लिखिए।

i)सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?
उत्तर:चश्मे वाले को लोग कैप्टन कहते थे क्योंकि चश्मे वाला सुभाष चंद्र बोस का सम्मान करता था। वह सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर रोज़ चश्मा लगा दिया करता था। उसकी इस देशभक्ति की भावना को देखकर लोग व्यंग्य से उसे कैप्टन कहते थे।

2)हालदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे?
उत्तर:हालदार साहब मायूस हो गए थे, क्योंकि वे सोच रहे थे कि कस्बे के चौराहे पर मूर्ति तो होगी, लेकिन उसकी आंखों पर चश्मा नहीं होगा।

3) मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?
उत्तर:मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा यह उम्मीद जगाता है कि हमारा देश देश- भक्तों से रहित नहीं है। लोगों के अंदर की देशभक्ति की भावना मरी नहीं है। देश में देश प्रेम एवं देश भक्ति समाप्त नहीं हुई है। अतः देश का भविष्य सुरक्षित है।

4)हालदार साहब इतनी सी बात पर भावुक क्यों हो उठे?
उत्तर: यह बात इतनी सी नही थी। बहुत बड़ी थी। हालदार साहब सोच रहे थे कि कैप्टन के न रहने से नेता जी की मूर्ति पर चश्मा नहीं होगा। परंतु जब उन्होंने देखा की मूर्ति की आंखों पर सरकंडे का चश्मा लगा हुआ है, तो उनकी निराशा आशा में बदल गई। उन्हें यह विश्वास हो गया कि देशभक्ति की भावना भावी पीढ़ी के मन में पूरी तरह भरी हुई है।

5)आशय स्पष्ट कीजिए|

" बार- बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर- गृहस्ती- जवानी- जिंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हंसती हैं और अपने लिए बिकने के मौके ढूंढती हैं।"

उत्तर: देश के लिए अपने घर, परिवार, जवानी यहां तक कि अपने प्राण भी देने वालों पर कुछ लोग हंसते हैं, उनका मजाक उड़ाते हैं। लोगों में देशभक्ति की ऐसी घटती भावना जरूर निंदनीय है। ऐसे लोग एक हद तक स्वार्थी होते हैं कि उनके लिए अपनी स्वार्थ ही सर्वोपरि होता है। वे अपने स्वार्थ की सिद्धि के लिए देशद्रोह करने तक को तैयार रहते हैं।

iv) पान वाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर:पनवाला एक काला मोटा और खुशमिजाज व्यक्ति था। उसकी तोंद निकली हुई थी। वह हमेशा पान चबाता रहता था। इस कारण से उसके दांत लाल काले हो रहे थे।वह जब हंसता था तो उसकी तोंद थिरकती थी। वह मजाकिया इंसान था।

v)" वह लंगड़ा क्या जाएगा फौज में। पागल!" कैप्टन के प्रति पान वाले की टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

उत्तर: कैप्टन के प्रति पान वाले की यह टिप्पणी व्यंग्यात्मक और अनैतिक है। किसी अपंग और देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अनुचित है। हमें ऐसे व्यक्तियों को कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए तथा उनके प्रति सहानुभूति रखना चाहिए।

****

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक --------

। सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।

हालदार साहब को हर पंद्रहवे दिन उस कस्बे से गुजरना पड़ता था।कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाजार कहा जा सके वैसा एक ही बाजार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल,एक लड़कियों का स्कूल,एक सीमेंट का छोटा सा कारखाना,दो ओपन एयर सिनेमा घर और एक ठो नगरपालिका भी थी तो कुछ न कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाब घर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार शहर के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी।

i)जिसे पक्का मकान कहा जा सके, कस्बे में वैसे-

क)कुछ ही मकान थे ख)बहुत सारे मकान थे

ग)सारे मकान थे घ)एक भी मकान नहीं था

उत्तर ----------

ii)नगर पालिका कौन सा काम नहीं कर पाती थी?

क)स्कूल खुलवाती थी ख)सड़क पक्की करवाती थी

ग)पेशाब घर बना बनवाती थी घ)कबूतरों की छतरी बनवा देती थी

उत्तर----------

iii)कस्बे में क्या नहीं था?

क)लड़कों का स्कूल ख)लड़कियों का स्कूल

ग)सीमेंट का छोटा सा कारखाना घ)मॉल

उत्तर----------

iv)नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति कहां लगवाई गई थी?

क) शहर के बीचो-बीच ख)शहर के एक कोने पर

ग)शहर के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर घ)नगरपालिका की इमारत के सामने

उत्तर----------

v) हालदार साहब को उस कस्बे से गुजरना पड़ता था-

क)हर महीने ख)हर हफ्ते

ग)हर पंद्रहवें दिन घ)हर रोज

उत्तर----------

प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

i)कैप्टन मूर्ति का चश्मा बार-बार क्यों बदल देता था?

उत्तर----------

---

ii)चश्मे वाले को नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति बुरी क्यों लगती है?

उत्तर----------

---

iii) मास्टर जी कौन थे? उन्होंने मूर्ति को कितने समय में बनवाने का विश्वास दिलाया?

उत्तर----------

---

iv)किसी एक स्वतंत्रता सेनानी का परिचय दीजिए।

उत्तर----------

---

v)इस पाठ के द्वारा लेखक क्या संदेश देता है?

उत्तर----------

****

बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

पाठ का सारांश -

बालगोबिन भगत मझोले कद के गोरे - चिट्टे आदमी थे। उनकी उम्र साठ वर्ष से उपर थी। खेत से जो भी उपज होती सिर पर लादकर कबीरपंथी मठ ले जाते और प्रसाद स्वरूप जो भी मिलता उसी से गुजर - बसर करते।

वे कबीर के पद का बहुत मधुर गायन करते। उनकी संगीत साधना का चर्मोत्कर्ष तब देखा गया जिस दिन उनका इकलौता बेटा मरा, शौक से उन्होंने अपने बेटे की शादी करवाई थी, बहू भी बड़ी सुशील थी। उन्होंने मरे हुए बेटे को आंगन में चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से ढक रखा था तथा उस पर कुछ फूल बिखरा पड़ा था। बालगोबिन जमीन पर आसन जमाए गीत गाए जा रहे थे और बहू को रोने के बजाय उत्सव मनाने को कह रहे थे चूंकि उनके अनुसार आत्मा परमात्मा के पास चली गई है। उन्होंने बेटे की चिता को आग भी बहू से दिलवाई। बहू के भाई को बुलाकर उसके दूसरा विवाह करने का आदेश दिया।

वे हर वर्ष गंगा स्नान को जाते। गंगा तीस कोस दूर पड़ती थी फिर भी वे पैदल ही जाते थे। एक दिन संध्या में गाना गाया परन्तु भोर में किसी ने गीत नहीं सुना , जाकर देखा तो पता चला बालगोबिन भगत नहीं रहे।

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बेटे के क्रिया - कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती - मैं जाऊंगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा , बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूं, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूंगा - यह थी उनकी आखरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

१ भगत जी के समक्ष पतोहू की विवशता का कारण क्या था ?
(क) भगत जी का बीमार होना
(ख) पति का मर जाना

(ग) भगत जी का निर्णय

(घ) दूसरी शादी

२ बालगोबिन भगत ने पतोहू के भाई को क्यों बुलाया था?

(क) पतोहू को मायके भेजने के लिए

(ख) अपने बेटे की चिता को आग देने के लिए

(ग) पतोहू की दूसरी शादी कराने के लिए

(घ) क्योंकि वे बीमार थे

३ श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर बालगोबिन भगत ने क्या कहा ?

(क) अपने घर चले जाने के लिए

(ख) दूसरी शादी करने के लिए

(ग) भाई को बुलाने को

(घ) कुछ दिन और रुकने को

४ बालगोबिन भगत की पतोहू अपने मायके क्यों नहीं जाना चाहती थी ?

(क) बालगोबिन भगत की सेवा करने के लिए

(ख) दूसरी शादी करने के लिए

(ग) क्योंकि वो अपना घर नहीं छोड़ना चाहती थी

(घ) वो अपने भाई के साथ नहीं जाना चाहती थी

५ बालगोबिन भगत के बेटे की चिता को किसने आग दिया ?

(क) बालगोबिन भगत ने

(ख) बालगोबिन भगत के भाई ने

(ग) पतोहू के भाई ने

(घ) बालगोबिन भगत की बहु ने

2 निम्नलिखित गद्यान्श को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बालगोबिन भगत की संगीत - साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह ! कुछ सुस्त और बोदा - सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में एसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध

से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है , इसकी खबर रखने की लोगों को कहां फुरसत ! किन्तु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

१ बालगोबिन भगत के अनुसार कैसे लोग निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं ?

(क) अच्छे लोग (ख) शारीरिक रुप से अक्षम

(ग) जिन्हें मौत आनी हो (घ) जिसकी शादी हो

२ बीमार और मृत्यु की खबर में क्या अन्तर देखा जाता है ?

(क) बीमारी ध्यान आकर्षित करती है (ख) मृत्यु बिना बताए आती है

(ग) बीमारी में लोग मिलने नहीं आते (घ) मृत्यु ध्यान आकर्षित करती है

३ बालगोबिन भगत की संगीत साधना का उत्कर्ष किस दिन देखा गया ?

(क) पुत्र की मृत्यु के दिन (ख) पुत्र की शादी के दिन

(ग) पुत्र के जन्म पर (घ) बहु के आने पर

४ घर का पूरा प्रबंध कौन करता था ?

(क) बालगोबिन भगत के पुत्र (ख) बालगोबिन भगत की बहु

(ग) बालगोबिन भगत (घ) गांव वाले

५ बालगोबिन भगत का पुत्र कैसा था ?

(क) नालायक (ख) बहुत तेज

(ग) बहुत सुस्त और बोदा (घ) किसी काम का नहीं

3 निम्नलिखित गद्यान्श को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बालगोबिन भगत खेती - बाड़ी करते थे। उनके पास एक साफ - सुथरा मकान भी था जिसमें वह अपने बेटे और बहु के साथ रहते थे। लेकिन वो आचार, विचार, व्यवहार व स्वभाव से साधु थे। वो संत कबीर को अपना आदर्श मानते थे। कबीर के उपदेशों को उन्होंने पूरी तरह से

अपने जीवन में उतार लिया था। वो कबीर को "साहब" कहते थे और उन्हीं के गीतों को गाया करते थे। वो कभी झूठ नहीं बोलते थे। सबसे खरा व्यवहार रखते थे। दो टूक बात कहने में संकोच नहीं करते थे लेकिन किसी से खामखाह झगड़ा मोल भी नहीं लेते थे। किसी चीज को कभी नहीं छूते थे और ना ही बिना पूछे व्यवहार में लाते।

१ बालगोबिन भगत अपने घर में किसके साथ रहते थे ?

(क) बेटे और बहू के साथ (ख) पत्नी के साथ

(ग) अपने भाई के साथ (घ) अकेले रहते थे

२ बालगोबिन भगत किसे अपना आदर्श मानते थे ?

(क) कबीर को (ख) अपने पिता को

(ग) रामानंद को (घ) किसी को भी नहीं

३ बालगोबिन भगत साहब किसे कहते थे ?

(क) कबीरपंथी अनुयायियों को (ख) कबीर को

(ग) भगवान को (घ) रामानुजाचार्य को

४ भगत किसके गीतों को गाया करते थे ?

(क) मीरा के (ख) नरसी के

(ग) कबीर के (घ) इन सभी के

५ भगत लोगों के साथ कैसा व्यवहार रखते थे ?

(क) खरा व्यवहार (ख) बुरा व्यवहार

(ग) ऊपर के दोनों (घ) इनमें से कोई भी नहीं

4 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बालगोबिन भगत लगभग साठ वर्ष के एक मंझोले कद (मध्यम कद) के गोरे चिट्टे आदमी थे। उनके सारे बाल सफेद हो चुके थे। वे बहुत कम कपड़े पहनते थे। कमर में सिर्फ एक लंगोटी और सिर में कबीरपंथियों के जैसी कनफटी टोपी। बस जाड़ों में एक काली कमली ऊपर

से ओढे रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन , औरतों के टीके की तरह , शुरु होता। गले में तुलसी की जड़ों की बेडौल माला बांधे रहते।

१ बालगोबिन भगत की उम्र कितनी थी ?

(क) तीस वर्ष (ख) चालीस वर्ष

(ग) पचास वर्ष (घ) साठ वर्ष

२ बालगोबिन भगत सिर पर क्या पहने रहते थे ?

(क) कबीरपंथियों के जैसी कनफटी टोपी (ख) काली टोपी

(ग) रामानंदी टोपी (घ) इनमें से कोई भी नहीं

३ बालगोबिन भगत जाड़ों में क्या ओढ लेते थे ?

(क) चादर (ख) नीला कंबल

(ग) काली कमली (घ) शाल

४ रामानंदी चंदन का टीका कौन लगाता था ?

(क) कबीरदास (ख) तुलसीदास

(ग) रामानंद (घ) बालगोबिन भगत

५ बालगोबिन भगत गले में किसकी माला पहनते थे ?

(क) मोतियों की (ख) तुलसी की जड़ो की

(ग) हीरों की (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर 1)- १ (ग) भगत जी का निर्णय

२ (क) पतोहू को मायके भेजने के लिए

३ (ख) दूसरी शादी करने के लिए

४ (क) बालगोबिन भगत की सेवा करने के लिए

५ (घ) बालगोबिन भगत की बहु ने

उत्तर 2) १ (ख) शारीरिक रुप से अक्षम

२ (घ) मृत्यु ध्यान आकर्षित करती है

३ (क) पुत्र की मृत्यु के दिन

४ (ख) बालगोबिन भगत की बहु

५(ग) बहुत सुस्त और बोदा

उत्तर 3) १ (क) बेटे और बहू के साथ

२ (क) कबीर को

३ (ख) कबीर को

४(ग) कबीर के

५ (क) खरा व्यवहार

उत्तर 4) १ (घ) साठ वर्ष

२ (क) कबीरपंथियों के जैसी कनफटी टोपी

३३(ग) काली कमली

४(घ) बालगोबिन भगत

५ (ख) तुलसी की जड़ो की

5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए -

1.बालगोबिन भगत को आप कैसा भक्त मानते हैं ?

(क) सच्चा संत (ख) ढोंगी बाबा

(ग) नारी - विरोधी (घ) लापरवाह बाबा

2.बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू को वापस मायके क्यों भेज देते हैं ?

(क) उससे मुक्ति पाने के कारण (ख) पुत्रवधू कि इच्छा के कारण

(ग) लोगों के आरोपों से बचने के कारण (घ) पुत्रवधू का पुनर्विवाह कराने के कारण

3.लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी जी बालगोबिन भगत की किस विशेषता पर अत्यधिक मुग्ध थे ?

(क) पहनावे पर (ख) व्यवहार पर

(ग) मधुर गान पर (घ) कर्य कुशलता पर

4.बालगोबिन भगत बेटे की मृत्यु पर क्या कर रहे थे ?

(क) रो रहे थे (ख) गीत गा रहे थे

(ख) कभी रो रहे थे , कभी गा रहे थे (घ) गुमसुम होकर बैठे थे

5.भगत पुत्र की मृत्यु पर पतोहू को क्या करने के लिए कह रहे थे ?

(क) रोना बंद करने को (ख) रोने के बदले उत्सव मनाने को

(ग) अन्तिम कर्म की तैयारी करने को (घ) धीरज धरने को

6.भगत की दृष्टि में पुत्र की मृत्यु आनंद की बात थी , क्योंकि-

(क) पुत्र को घोर कष्ट से मुक्ति मिली थी (ख) आत्मा परमात्मा से जा मिली

(ग) क तथा ख दोनों (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7.भगत ने पतोहू के भाई को क्या आदेश दिया ?

(क) उसे कुछ दिनों बाद वापस पहुंचा जाने का (ख) उसकी दूसरी शादी कर देने का

(ग) उसे कहीं आने - जाने से रोकने का (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8.भगत की पतोहू भाई के साथ जाने को क्यों तैयार हो गई ?

(क) भगत का घर अच्छा नहीं लगने के कारण

(ख) भगत का खुद घर छोड़कर चले जाने की धमकी देने के कारण

(ग) भाई द्वारा वहां से चलने की जिद करने के कारण

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9.भगत जी की बहू उन्हें छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहती थी ?

(क) सामाजिक मर्यादा के कारण (ख) संपत्ति के लोभ में

(ग) पति से प्रेम होने के कारण (घ) ससुर की चिंता के कारण

10.बालगोबिन भगत को साधु क्यों कहा गया है ?

(क) वह साधु के समान दिखते थे (ख) वह मोह - माया से दूर रहते थे

(ग) वह किसी से झगड़ा नहीं करते थे (घ) वह अपना कार्य स्वयं करते थे

11.लोगों को बालगोबिन भगत की किस आदत पर आश्चर्य होता था ?

(क) गीत गाते रहने पर

(ख) झगड़ा न करने पर

(ग) बिना पूछे किसी की चीज को व्यवहार में नहीं लेने पर

(घ) किसी से कोई मतलब न रखने पर

12 बालगोबिन भगत कबीर के आदर्शों पर क्यों चलते थे ?

(क) कबीर उनके मित्र थे (ख) कबीर के जीवन से प्रभावित थे

(ग) कबीर भगवान का रुप थे (घ) कबीर के गीत गाया करते थे

13.भगत अपनी फसल को सर्वप्रथम सिर पर लादकर कहां पहुंचाते थे ?

(क) घर में (ख) मंदिर में

(ग) कबीरपंथी मठ में (घ) गरीबों के पास

14. बालगोबिन भगत का संगीत कैसा था ? उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए -

(क) उनका संगीत मनोरंजक था

(ख) उनका संगीत ह्रदय को शान्ति देने वाला था

(ग) उनका संगीत थोड़ा सुर से हटकर था

(घ) उनका संगीत भक्ति - भावना से युक्त आत्मा को परमात्मा से मिलाने वाला था

15.बालगोबिन भगत मुख्यतः क्या गाया करते थे ?

(क) बिहारी जी के पद (ख) लोकगीत

(ग) स्वयं रचित पद (घ) कबीर जी के पद

उत्तर1) (क) सच्चा संत

2)(घ) पुत्रवधू का पुनर्विवाह कराने के कारण

3)(ग) मधुर गान पर

4)(ख) गीत गा रहे थे

5)(ख) रोने के बदले उत्सव मनाने को

6) (ख) (ख) आत्मा परमात्मा से जा मिली

7)(ख) उसकी दूसरी शादी कर देने का

8) (ख) भगत का खुद घर छोड़कर चले जाने की धमकी देने के कारण

9) (घ) ससुर की चिंता के कारण

10)(ख) वह मोह - माया से दूर रहते थे

11)(ग) बिना पूछे किसी की चीज को व्यवहार में नहीं लेने पर

12) (ख) कबीर के जीवन से प्रभावित थे

13) (ग) कबीरपंथी मठ में

14)(घ) उनका संगीत भक्ति - भावना से युक्त आत्मा को परमात्मा से मिलाने वाला था|

15) उत्तर - (घ) कबीर जी के पद

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 -30 शब्दों में दीजिए -

1."उनका बेटा बीमार है , इसकी खबर रखने की लोगों को कहां फुरसत ?" पंक्ति में आधुनिक युग के मानव की किस मानसिकता पर व्यंग्य किया गया है ?
उत्तर - इस पंक्ति द्वारा लेखक ने मानव की उस स्वर्थी प्रवृत्ति की मानसिकता पर व्यंग्य किया है जिसमे उसे अपने सिवाय दूसरा कोई नजर ही नहीं आता। वर्तमान समय में व्यक्ति अपने क्रियाकलपों में ही इतना व्यस्त हो गया है कि दूसरे के बारे में सोचने का उसके पास वक्त भी नहीं है। इस प्रकार की प्रवृत्ति मनुष्य की संवेदनहीनता की परिचायक है।

2.बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की दो विशेषताएं लिखिए।

उत्तर - बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की दो विशेषताएं
(१) गृहस्थ होते हुए भी साधुओं वाला जीवन
(२) सांसारिक वस्तुओं से मोह न होना , संतोषी प्रवृत्ति

3.गांव का सामाजिक - सांस्कृतिक परिवेश आषढ चढते ही उल्लास से क्यों भर जाता है ? बालगोबिन भगत पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर - ग्राम्य जीवन अधिकांशतः कृषि आधारित जीवन है। सूखे पड़े खेतों को देख शांत पड़े कृषकों को वर्षा की प्रतीक्षा रहती है । वर्षा न होने तक कृषक उदासीन रहते हैं। आषाढ मास में जैसे ही आकाश बादल से घिर जाते हैं , वैसे ही उदासीन मन प्रफुल्लित हो उठते हैं। इसी महीने में किसान धान की रोपनी करते हैं और बरसात धान की फसल के लिए बहुत जरुरी है ।जैसे ही रिमझिम बारिश होती है , सूखी धरती की प्यास बुझती है , वैसे ही संपूर्ण ग्राम्य जीवान उल्लास से भर जाता है। आषाढ की फुहार के साथ ही सारा गांव खेत में दिखाई देने लगता है।

4'बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई' कथन को सोदाहरण स्प्ष्ट कीजिए।

उत्तर - प्रायः मनुष्य के मन में अपने जीवन के अंत तक एक चिंता बनी रहती है कि बुढापे में उसके दिन कैसे कटेंगे परन्तु भगत के मन में इस प्रकार के विचार कभी नहीं आए। बुढापे में भी उनके नेम-वृत , संध्या - स्नान चलते रहे। खेती का काम करना , दोनों वक्त नियम

से गीत ध्यान करना उन्होंने कभी नही छोड़ा। बुखार आने पर भी गंगा स्नान के लिए गए। यहां तक कि अपने अंत समय में भी उन्होंने संध्या समय कबीर के पद गाए और अपने पंजर को छोड़कर चले गए। इस प्रकार मृत्यु का भय भी उन्हें अपने कर्मों से विचलित नहीं कर पाया। अतः यह कहना उचित है कि उनकी मृत्यु उनके ही अनुरूप हुई।

5 बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ?

उत्तर - बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण इसलिए थी क्योंकि वे सुबह उठकर दो मील दूर नदी में स्नान करने जाते थे। किसी भी मौसम का कोई भी असर उन्हें रोक नहीं पाता था। दोनों समय ईश्वर के गीत गाना , ईश्वर की साधना में लगे होते हुए भी गृहस्थी के कार्यों से वे कभी भी विरत नहीं हुए। प्रत्येक वर्ष गंगा स्नान के लिए जाना और संत - समागम में भाग लेना उन्होंने अंत समय तक नहीं छोड़ा।

6. हर वर्ष गंगा स्नान जाते समय भगत के मन में क्या विचार होते थे ?
उत्तर - हर वर्ष गंगा स्नान जाते समय भगत के मन में निम्नलिखित विचार होते थे -
(१) भिन्न विचारधारा को अपने अंदर धारण करना।
(२) तीस कोस तक पैदल चलना।
(३) भिक्षा नहीं मांगना।
(४) पांच दिन तक केवल पानी ही पीकर रहना।
(५) संत- समागम को ही प्रमुखता देना।

7.गर्मियों की उमस में भगत का आंगन शीतलता प्रदान करता था कैसे ?

उत्तर - गर्मी की उमस भगत जी के स्वरों को निढाल नहीं कर पाती थी , बल्कि उनके संगीत से वातावरण शीतल हो जाता था। अपने घर के आंगन में आसन जमा बैठते। गांव के कुछ संगीत प्रेमी भी उनका साथ देते। खंजड़ी और करतालों की संख्या बढ जाती। एक पद गोविंद जी कहते , पीछे उनकी मंड़ली उसे दूसरी बार बोलती जाती। एक निश्चित ताल , एवं निश्चित गति से धीरे - धीरे स्वर ऊंचा होने लगता। उस ताल - स्वर चढाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे- धीरे मन तन पर हावी हो जाता अर्थात लोगों के मन के साथ - साथ उनका शरीर भी झूमने लगता। एक क्षण ऐसा भी आता जब भगत जी नाच रहे होते

तथा सभी उपस्थित लोगों का मन भी झूम रहे होते । सारा आंगन नृत्य और संगीत से भरपूर हो जाता तथा गर्मी की उमस भी शीतल प्रतीत होने लगती।

8.लड़के के देहांत के बाद बालगोबिन भगत ने पतोहू को किस बात के लिए बाध्य किया ? उनका यह व्यवहार उनके किस प्रकार के विचार का प्रमाण है ?

उत्तर - लड़के के देहांत के बाद जैसे ही श्राद्ध की अवधि समाप्त हुई वैसे ही बालगोबिन भगत ने पतोहू के भाई को बुला भेजा और उसे यह आदेश दिया गया कि वह पतोहू का पुनर्विवाह करवा दे। उन्होंने अपनी इसी इच्छा के साथ पतोहू को उसके भाई के साथ मायके भेज दिया। यह व्यवहार उनकी रुढिवादी प्रगतिशील विचारधारा का परिचायक होने के साथ - साथ विधवा विवाह के समर्थक होने पर भी बल देता है।

9.बालगोबिन भगत मौत को दुःख का कारण नहीं मानते थे। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - बालगोबिन भगत अपने इक्लौते बेटे के देहांत के बाद अपनी पतोहू को रोने के बदले उत्सव मनाने की बात कहते हैं। उनका विचार था कि उनके बेटे की आत्मा परमात्मा के पास चली गई है। विरहिणी अपने प्रेमी से जा मिली है। अब इससे बढकर और अधिक आनंद की बात क्या हो सकती है ? उनका मानना था कि मृत्यु दुःख का कारण नहीं है बल्कि मृत्यु आत्मा परमात्मा का अंश है। वह सदा परमात्मा से मिलने के लिए तड़पती है। जब व्यक्ति मरता है तो आत्मा परमात्मा से मिल जाती है उसकी तड़पन समाप्त हो जाती है। इसलिए भगत जी अपनी पतोहू से शोक न मनाकर उत्सव मनाने की बात कहते हैं।

10.मोह और प्रेम में अंतर होता है। बालगोबिन भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन को सत्य सिद्ध करेंगे ?

उत्तर - मोह और प्रेम में अंतर होता है । मोह में व्यक्ति स्वार्थी हो जाता है जबकि प्रेम में व्यक्ति के लिए अपने प्रेमी का हित - चिंतन ही सर्वोपरि होता है। इसे भगत के जीवन के आधार पर इस प्रकार समझा जा सकता है -

(१) भगत अपने बेटे से प्रेम करते थे मोह नहीं इसलिए उसकी मृत्यु पर वे मोही व्यक्ति के समान विलाप नहीं करते क्योंकि उनका पुत्र इस सांसारिक बंधन से मुक्त हो गया। उनके अनुसार यह प्रसन्न्ता का अवसर है।

(२) अपने पुत्र के श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर भगत पुत्रवधू के भाई को बुलाकर उसके पुनर्विवाह का आदेश देते हैं । यदि वे मोही होते तो बुढापे में अपनी देखभाल के लिए वे अपनी पुत्रवधू को उसके भाई के साथ नहीं भेजते और न ही उसे पुनर्विवाह का आदेश देते। यहां अपने प्रिया का हित - चिंतन उनके लिए सर्वोपरि था और यही उनके प्रेम की अंतहीन सीमा थी।

11. लेखक बालगोबिन भगत को गृहस्थ साधु क्यों मानते थे ? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - बालगोबिन भगत घर - परिवार वाले आदमी थे। उनके परिवार में उनका बेटा और पतोहू थे । उनके पास खेतीबारी और साफ - सुथरा मकान था। इसके बाद भी बालगोबिन भगत साधुओं की तरह रहते और साधु की सारी परिभाषाओं पर खरा उतरते थे। इसलिए लेखक बालगोबिन भगत को गृहस्थ साधु माना।

12. भगत अपनी सब चीज साहब की मानते थे , उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - बालगोबिन भगत अपनी सब चीज साहब की मानते थे , इसका उदाहरण यह है कि उनके खेत में जो कुछ भी पैदा होता था , उसे सिर पर लादकर 'साहब' के दरबार में ले जाते थे। उस दरबार अर्थात मठ में उसे भेंट स्वरूप रख लिया जाता और उन्हें जो कुछ प्रसाद स्वरूप दिया जाता , उसी में गुजारा करते थे।

****

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक---------

1बेटे की मृत्यु के पश्चात बालगोबिन भगत का आखिरी निर्णय क्या था ?

(क) पतोहू का पुनर्विवाह करवाना

(ख) पतोहू का शिक्षा दिलवाना

(ग) पतोहू को घर से निकालना

(घ) पतोहू से घृणा करना

उत्तर ----------

2.बालगोबिन भगत के गीतों को सुनकर सभी लोग क्या करते थे ?

(क) उठकर चले जाते थे

(ख) झुम उठते थे

(ग) साथ में गाने लगते थे

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर ----------

3.बालगोबिन भगत का व्यवसाय क्या था ?

(क) खेती करना

(ख) दुकानदारी

(ग) पुस्तक विक्रेता

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर ----------

4. भगत जी गाते समय क्या बजाते थे ?

(क) ढोल

(ख) ढपली

(ग) गिटार

(घ) खंजड़ी

उत्तर ----------

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 -30 शब्दों में दीजिए -

1.भगत जी सामाजिक मर्यादाओं को चुनौती देने की हिम्मत रखते थे कैसे ? सिद्ध करें।

---

2 पतोहू की चारित्रिक विशेषताएं बताएं।

3बालगोबिन भगत की उन तीन विशेषाताओं का वर्णन कीजिए जिनके कारण उन्हें 'भगत' कहा जाने लगा ?

लखनवी अंदाज़ (यशपाल)

पाठ का सारांश -

'लखनवी अंदाज़' यशपाल का व्यंग्यात्मक रचना है। इसके द्वारा लेखक उस सामंती वर्ग पर कटाक्ष करते हैं जो वास्तविकता से बेखबर एक बनावटी जीवन शैली का आदी है। यहाँ नवाब साहब, दिखावा करने वाले उस सामंती वर्ग का प्रतीक है, जो खीरा सूँघकर पेट भरने का बहाना करते हैं। यह रचना नए कहानिकारों को यह चेतावनी भी देती है कि बिना कथ्य, पात्र, घटना आदि के एक अच्छी कहानी नहीं लिखी जा सकती।

I. ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिल्कुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफर करता देखे। .... अकेले सफर का वक्त काटने के लिये ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफ़ेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ? हम कनखियों से नवाब साहब की ओर देख रहे थे। नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की से बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे।

'ओह', नवाब साहब ने सहसा हमें संबोधित किया, 'आदाब-अर्ज़, जनाब, खीरे का शौक फरमाएँगे?

1.कौन नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे?

क) यशपाल
ख) स्वयंप्रकाश
ग) नागार्जुन
घ) रामवृक्ष बेनीपुरी

2.नवाब ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीद लिया था?

क) लेखक के कहने पर
ख) महंगी होने से
ग) सस्ता होने के विचार से
घ) ताकि उन्हें कोई न देखें

3. नवाब क्यों नहीं चाहते थे कि कोई उन्हें मँझले दर्जे में सफर करता देखें?

क) वे अकेले सफर करना चाहते थे
ख) उनकी नवाबीपन पर आंच आ सकती थी
ग) वे खीरे का शौक फरमानेवाले थे
घ) ख और ग दोनों

4. नवाब ने लेखक को कैसे संबोधित किया?
क) विनम्रता से
ख) मर्यादा-रहित
ग) द्वेष के साथ
घ) प्यार से

5. लेखक ने नवाब साहब को कनखियों से क्यों देखा?
क) नवाब साहब के प्रति नपसंदी से
ख) नवाब की करतूत जानने हेतु
ग) अपने आत्मसम्मान बचाने हेतु
घ) तीनों कारणों से

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निःश्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होंठों तक ले गए। फाँक को सूंघा। स्वाद के आनन्द में पलकें मूँद गईं। मुँह में भर आए पानी का छूट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए। नवाब साहब ने खीरे की सब फाँकों को खिड़की के बाहर फेंककर तौलिए से हाथ और होंठ पोंछ लिए और गर्व से गुलाबी आँखों से हमारी ओर देख लिया, मानो कह रहे हों यह है खानदानी रईसों का तरीका!

1. नवाब साहब ने खीरे की फाँकों को कैसे देखा?
क) बड़े ध्यान से
ख) बड़े प्रेम से
ग) बड़ी इच्छा से
घ) घूरता हुआ

2. फाँकों का रसास्वादन उन्होंने कैसे किया?
क) फाँकें बनाकर
ख) नमक-मिर्च छिड़ककर
ग) होठों तक लाकर
घ) वासना से

3. नवाब के मुँह में पानी क्यों आए?
क) नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखने से
ख) खीरा का शौक करने की इच्छा से
ग) वासना से उत्तेजित इच्छा से
घ) तीनों कारणों से

4. नवाब ने फाँकों को खिड़की के बाहर क्यों फेंका ?

i) वे उसे खाने नहीं चाहते थे

ii) एक सफ़ेदपोश के सामने खाना नहीं चाहते थे

iii) वह खानदानी रईसों का तरीका नहीं था

iv) अपने दिखावे की प्रवृत्ति से बाज़ न आ पाए

क) i, ii, iii, iv

ख) ii, iii, iv

ग) iii, iv

घ) iii, iv

5. नवाब की करतूत असल में किस कोटि में आता है?

क) सच्चाई

ख) उनकी औकात की

ग) नवाबी तरीके की

घ) अभिनय

उत्तर संकेत : ।

1.ख) स्वयंप्रकाश

2.ग) सस्ता होने के विचार से

3.घ) ख और ग दोनों

4.क) विनम्रता से

5.घ) तीनों कारणों से

II. 1. ग) बड़ी इच्छा से

2. घ) वासना से

3. घ) तीनों कारणों से

4. ख) ii, iii, iv

5. घ) अभिनय

पाठ्य पुस्तक के प्रश्न अभ्यास-

1. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

उत्तर- जब लेखक सेकंड क्लास के डिब्बे में चढ़ा तो देखा उसमें एक नवाब साहब पहले से बैठे थे। लेखक को देखकर नवाब साहब की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया । उन्होंने लेखक से बातचीत नहीं की और वे खिड़की से बाहर की स्थिति पर गौर करते रहे। इन सब हाव-भावों को देखकर लेखक ने जान लिया कि नवाब साहब उनसे बातचीत करने के इच्छुक नहीं हैं।

प्रश्न 2. नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सँधकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?

उत्तर-नवाब साहब ने यत्न पूर्वक खीरा काटकर नमक-मिर्च छिड़का और सँधकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। उनका ऐसा करना उनकी नवाबी नखरे को दिखाता है। वे लोगों के कार्य व्यवहार से हटकर अलग कार्य करके अपनी नवाबी और अमीरी को दिखाने की कोशिश करते हैं।

प्रश्न 3. बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?

उत्तर- लेखक का मानना है कि बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है अर्थात विचार, घटना और पात्र के बिना कहानी नहीं लिखी जा सकती है। मैं लेखक के इन विचारों से पूर्णतया सहमत हूँ। वास्तव में कहानी किसी घटना विशेष पर आधारित होता है । इसका कारण क्या था?, यह कब हुआ, परिणाम क्या रहा तथा इस घटना का किन पर प्रभाव पड़ा आदि का वर्णन ही कहमनी है। अतः किसी कहानी के लिए विचार, घटना और पात्र बहुत ही आवश्यक हैं।

प्रश्न 4. आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगे?

उत्तर- मैं इस निबंध को दूसरा नाम देना चाहूंगी -नवाबी नखरा । इसका कारण यह कि पाठ का मूल विषय एक नवाब के अपनी नवाबी दिखाने की चेष्टा है, नवाबी छीन लेने के बाद भी वे उस नखरे से बाहर न आए। अत: 'नवाबी नखरा' मेरे विचार से ठीक होगा।

दो अंक के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर -

1.लेखक क्या सोचकर सेकंड क्लास का टिकट लिया?

उत्तर- लेखक ने भीड़ से बचने केलिए तथा एकांत में नयी कहानी सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखने के लिए सेकंड क्लास का टिकट लिया।

2.लेखक ने क्या सोचकर सेकंड क्लास के डिब्बे में चढ़ा और उनका अनुमान गलत कैसे निकला ?
उत्तर- लेखक ने डिब्बे को खाली समझकर चढ़ा, लेकिन उनके अनुमान के खिलाफ़ एक बर्थ पर नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बैठे थे ।

3.सेकंड क्लास में बैठे सज्जन की स्थिति कैसी थी?

उत्तर- सज्जन बर्थ पर पालथी मारे बैठे थे,उनके सामने दो ताज़े-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे ।

4.लेखक का डिब्बे में घुसने पर सज्जन की क्या प्रतिक्रिया थी?
उत्तर- लेखक का डिब्बे में घुसने पर सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। शायद वे नयी कहानी की सूझ में थे या फिर खीरे जैसे अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में थे । उन्होंने लेखक से संगति करने का कोई उत्साह भी नहीं दिखाया।

5.लेखक ने आत्मसम्मान में आँखें क्यों चुरा लीं?
उत्तर- नवाब साहब ने लेखक से संगति करने का उत्साह नहीं दिखाया तो उन्होंने आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं ।

6.बेकाम बैठते समय लेखक की क्या आदत थी और इस वास्ते उन्होंने क्या किया?
उत्तर- बेकाम बैठते समय कल्पना करते रहने की उनकी पुरानी आदत थी। इस वास्ते वे नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे।

7.नवाब साहब की असुविधा और संकोच के संबंध में लेखक ने क्या-क्या अनुमान लगाए?
उत्तर- नवाब साहब की असुविधा और संकोच के संबंध में लेखक ने ये अनुमान लगाए कि उन्होंने अकेले यात्रा करने के विचार से सेकंड क्लास का अपेक्षाकृत सस्ता टिकट ले लिया होगा। यही नहीं अकेले सफर का वक्त काटने के लिए खीरे खरीदे, लेकिन किसी दूसरे सफ़ेदपोश के सामने उसे खाने में नवाब को शरम अनुभव होने लगा ।

8.नवाब साहब का कौन-सा भाव परिवर्तन लेखक को अच्छा नहीं लगा?

उत्तर- नवाब साहब पहले तो लेखक से संगति के लिए उत्साह नहीं दिखा रहे थे। फिर अचानक लेखक से पूछ बैठे कि क्या आप खीरा खाना पसंद करेंगे ? नवाब साहब का यह भाव परिवर्तन लेखक को अच्छा नहीं लगा।

9.नवाब साहब के भाव-परिवर्तन का कारण लेखक को क्या लगा?
उत्तर- लेखक को लगा कि नवाब साहब अपनी हैसियत को ऊंचा दिखाकर लेखक को मामूली आदमी का दर्जा देने की कोशिश कर रहा है ।

10.खीरे को खाने योग्य बनाने के लिए नवाब साहब ने क्या-क्या किया और उन्हें किस तरह सजाकर रखा? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।
उत्तर- नवाब साहब ने खीरे को खाने योग्य बनाने के लिए पहले उसे अच्छी तरह धोया फिर तौलिए से पोछा। अब उन्होंने चाकू निकालकर खीरों के सिरे काटे और गोदकर झाग निकाला। फिर उन्होंने खीरों को छीला और फाँकों में काटकर करीने से सजाया।

11. लेखक के विचार से कौन खीरे के इस्तेमाल का तरीका जानते हैं और वे किस तरह ग्राहक को पेश करते हैं?
उत्तर- लेखक के अनुसार लखनऊ स्टेशन पर खीरा बेचने वाले खीरे के इस्तेमाल का तरीका जानते हैं। ग्राहक के लिए वे जीरा-मिला नमक और पीसी हुई लाल मिर्च की पुड़िया के साथ ये पेश करते हैं ।

12. खीरे को सजाते समय लेखक ने यह कैसे पहचाना कि नवाब का मुख रसास्वादन की कल्पना में प्लावित हो रहा है?

उत्तर- लेखक ने नवाब की प्रत्येक भाव-भंगिमा और जबड़ों के स्फुरण से समझ लिया कि नवाब का मुख रसास्वादन की कल्पना में प्लावित हो रहा है।

13. नवाब साहब ने खीरे की फाँकों पर नमक-मिर्च छिड़का जिसे देखकर लेखक ललचाया पर उन्होंने खीरे खाने का प्रस्ताव दूसरी बार भी अस्वीकृत क्यों कर दिया?
उत्तर- नवाब साहब ने खीरे की फाँकों पर नमक-मिर्च छिड़ककर लेखक से खाने के लिए आग्रह किया तो लेखक ने मना कर दिया। यद्यपि लेखक खीरे खाना चाहता था फिर भी एक बार मना कर चुकने के कारण अपने आत्मसम्मान को बनाए रखने के लिए उन्होंने खीरे खाने के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया।

14. बिना खीरा खाए नवाब साहब को डकार लेते देखकर लेकर क्या सोचने पर विवश हो गया?

उत्तर-लेखक ने देखा कि नवाब साहब ने खीरों की फाँकों का रसास्वादन किया उन्हें मुँह के करीब ले जाकर सूंघा और बाहर फेंक दिया। इसके बाद नवाब साहब को डकार लेता देखकर लेखक यह सोचने पर विवश हो गया कि क्या इस तरह सँघने मात्र से पेट भर सकता है?

15.लेखक ने ऐसा क्या देखा कि उसके ज्ञान चक्षु खुल गए?

उत्तर- लेखक ने देखा कि नवाब साहब खीरे की नमक-मिर्च लगी फाँकों को सँघकर खिड़की के बाहर फेंकते गए। बाद में उन्होंने डकार करके संतुष्टि दर्शाने का प्रयास किया। नवाब के अनुसार खीरा पेट पर बोझ डालता है। यह देखकर लेखक के ज्ञान-चक्षु खुल गए कि इसी तरह सच्ची बातों से बेखबर नयी कहानी के लेखक भी बिना घटनाक्रम, पात्र और विचारों के कहानी का प्रयास करते हैं ।

16. लखनवी अंदाज़' पाठ में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 'लखनवी अंदाज' नामक पाठ के माध्यम से लेखक यह संदेश देना चाहता है कि हमें दिखावेपन से दूर रहना चाहिए। हमें काल्पनिकता को छोड़कर वास्तविकता को अपनाना चाहिए । एक अच्छे मनुष्य की पहचान उसका अच्छा व्यवहार ही है ।

17. 'लखनवी अंदाज़' पाठ में लेखक को नवाबी साहब में खानदानी तहज़ीब, नफ़ासत और नज़ाकत के क्या सबूत दिखाई दिए । पाठ के आधार पर लिखिए ।
उत्तर: नवाबी खानदान के लोग अपने खानदानी तहज़ीब(शिष्टता) के लिए प्रसिद्ध है। वे बड़ी विनतापूर्वक दूसरों से पेश आते हैं, जैसे कि पाठ में नवाब का लेखक से पूछना कि" 'आदाब अर्ज़', जनाब' खीरे का शौक फरमाएंगे।" नवाब का खीरे की तैयारी व स्वच्छता का प्रयत्न तो उनकी नफ़ाजत(स्वच्छता) का प्रतीक है। खीरे को सूंघकर बाहर फेंकना उनकी नवाबी नज़ाकत(कोमलता) को दिखाता है । इस प्रकार पूरा पाठ नवाबों की बनावटी जीवन-शैली और नखरे का उत्तम सबूत है ।

बहुविकल्पी प्रश्न:-

1.लेखक के किस क्लास का टिकट लिया?

क)फ़स्ट क्लास ख)सेकंड क्लास

ग)थेर्ड क्लास घ)पैसेंजर टिकट

2.लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों लिया?

क)भीड़ से बचने
ख)नयी कहानी के संबंध में सोचने
ग)खिड़की से प्रकृतिक दृश्य देखने
घ)ऊपर दिये सभी कारणों से

3.नवाब कहाँ के थे?
क)हैदराबाद
ख) लखनऊ
ग) दिल्ली
घ) मुफ़स्सिल

4.डिब्बे के संबंध में लेखक का क्या अनुमान था?
क)भरा हुआ
ख) खाली
ग) छोटा
घ) आरामदायक

5.नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बैठे थे । 'सफ़ेदपोश' से क्या तात्पर्य है?
क)सफ़ेद कपड़ा पहना हुआ
ख) गोरा आदमी
ग)भद्र आदमी
घ) बढ़िया आदमी

6.सफेदपोश सज्जन के आगे क्या रखा था?
क)खीरे
ख) पानी
ग) चाकू
घ) फाँके

7. इनमें से गलत कथन कौन-सा है -
क)लेखक का, डिब्बे में प्रवेश करना नवाब को अच्छा नहीं लगा
ख)नवाब साहब अपदार्थ वस्तु का शौक करने जा रहा था
ग)नवाब की आंखों में असंतोष का भाव था
घ)नवाब साहब संगति के लिए उत्सुक था

7.लेखक ने आत्मसम्मान में आँखें क्यों चुरा लीं?
क)नवाब साहब अपदार्थ वस्तु का शौक कर रहा था
ख)नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह न दिखाया
ग)नवाब साहब भी नयी कहानी की सोच में डूबा था
घ)नवाब साहब के एकांत चिंतन में विघ्न न डालना चाहते थे

8.कल्पना करने की किसकी पुरानी आदत थी?
क)लेखक की
ख)नवाब साहब की

ग)खीरा बेचने वाले की घ)टिकट बाबू की

9.नवाब साहब की असुविधा और संकोच का कारण इनमें से कौन-सा नहीं है?

के) अकेले यात्रा करने की इच्छा

ख) लेखक का संगति के लिए उत्साह न दिखाना

ग) किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट लेना

घ) सफ़ेदपोश के सामने खीरा खाना

11. नवाब साहा का सहसा क्या करना लेखक को अच्छा नहीं लगा?

क) साथ बैठना ख) खीरा खाना

ग) भाव-परिवर्तन घ) खिड़की से बाहर देखना

12. 'भाँप लेना' का समानार्थी शब्द है-

क) समझ लेना ख) श्वास लेना

ग) ले लेना घ) फ़रमाना

13. नवाब साहब के भाव-परिवर्तन की वजह क्या थी?

क) लेखक को प्रसन्न करना ख) लेखक को मामूली दिखाना

ग) अपनी औकात दिखाना घ) अपने साथ करना

14. लेखक ने खीरा खाने से क्यों इनकार किया?

क) खीरे के प्रति न पसंदी ख) भूख न होना

ग) आत्मसम्मान बचाने हेतु घ) दूसरों से चीज़ें लेना पसंद न करते थे

15. लखनऊ स्टेशन पर कौन खीरे के इस्तेमाल का तरीका जानते हैं?

क) ग्राहक ख) बिक्री करने बाला

ग) साधारण जन घ) प्रशिक्षित जन

16. किनका मुख खीरे की फाँकों को देखकर प्लावित हो रहा था?

क) यशपाल का ख) नवाब का

ग) यात्रियों का घ) क और ख दोनों का

17. किसने किससे कहा कि "वल्लाह, शौक कीजिए, लखनऊ का वालम खीरा है।"

क) नवाब ने टिकट बाबू से ख) टिकट बाबू ने नवाब से

ग) नवाब ने लेखक से घ) लेखक ने नवाब से

18. नवाब ने चमकती खीरे की फाँकों को कैसे देखा?

क) दीर्घ निश्वास लेकर ख) तिरछी नज़रों से

ग) असंतोष में घ) सतृष्ण आँखों से

19. नवाब ने खीरे का रसास्वादन कैसे किया?

क) देखकर ख)छूकर

ग)सूंघकर घ)पलकें मूँदकर

20. खीरे की फाँकों का नवाब ने क्या किया?

क) खा लिया ख) लेखक को ज़बरदस्ती खिलाया

ग) सजाकर रखा घ) बाहर फेंक दिया

21. इन शब्दों के सही अर्थ विकल्प से चुनिए:

तहज़ीब, नफ़ासत, नज़ाकत

क)बढ़िया, कोमलता, शिष्टता ख)कोमलता, स्वच्छता, बढ़िया

ग)बढ़िया, शिष्टता, कोमलता घ)शिष्टता, स्वच्छता, कोमलता

उत्तर-सूची

1.ग) सेकंड क्लास 2.घ) ऊपर दिये सभी कारणों से 3. ख) लखनऊ 4. ख) खाली 5. ग) भद्र आदमी 6.क) खीरे 7. क) नवाब साहब संगति के लिए उत्सुक था 8.ख) नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह न दिखाया 9. क) लेखक की 10. ख) लेखक का संगति के लिए उत्साह न दिखाना 11. ग) भाव-परिवर्तन 12. क) समझ लेना 13. ख) लेखक को मामूली दिखाना 14. ग) आत्मसम्मान बचाने हेतु 15. ख) बिक्री करने बाला 16. घ) क और ख दोनों का 17. नवाब ने लेखक से 18. घ) सतृष्ण आँखों से 19. ग) सूंघकर 20.बाहर फेंक दिया 21. घ) शिष्टता, स्वच्छता, कोमलता

कार्यपत्रक (लखनवी अंदाज़)

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक---------

1.अपनी हैसियत को ऊंचा दिखाने हेतु नवाब साहब ने क्या किया?

क)शान-बान के साथ बैठे रहे

ख)अपनी रईसी का बखान किया

ग)अकेले वक्त काटने के लिए खीरा खरीदा

घ)लेखक को मामूली इंसान का दर्जा देने की कोशिश की

2.लेखक के 'ज्ञान-चक्षु 'कैसे खुले?

क)खीरे के फाँकें सजाने के तरीके देखकर

ख)नवाब के द्वारा खीरा खाने का प्रस्ताव देने पर

ग)नवाब द्वारा खीरे के फाँकों को बाहर फेंकने पर

घ)नवाब द्वारा सुगंध और स्वाद की कल्पना से पेट भरने और संतुष्टि का अभिनय करने पर

3.नवाब साहब के संतुष्टि के अभिनय द्वारा लेखक किन पर कटाक्ष करते हैं?

क)मामूली लोगों पर

ख)लेखक पर

ग)नए कहानीकारों पर

घ)नए निबंधकारों पर

4. नवाब ने फाँके सूंघकर बाहर क्यों फेंका?

क)झूठी शान का प्रदर्शन

ख)बनावटी रईसी का प्रदर्शन

ग)नवाबीपन के नए तरीके

घ)क, ख, ग तीनों

संक्षेप में उत्तर लिखिए :-

5. 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब के क्रियाकलाप से हमें जिस जीवन-शैली का परिचय होता है क्या आज की बदलती परिस्थितियों में उसका निर्वाह संभव है ? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

उत्तर:.....
.....
.....

6. 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब ने अकेले सफ़र काटने के लिए खीरा खरीदा था। आप अकेले सफ़र का वक्त कैसे काटते हैं?

उत्तर:.....
.....
.....

7. लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब के माध्यम से नवाबी परंपरा पर व्यंग्य है। स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर.....
.....
.....----------

****

एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी

सारांश

एक कहानी यह भी' मन्नू भंडारी द्वारा आत्मपरक शैली में लिखी हुई आत्मकथ्य है। इस पाठ में यह बात बड़े ही प्रभावशाली ढंग से दर्शाई गई है कि बालिकाओं को किस तरह की पाबंदियों का सामना करना पड़ता है। अपने पिता से लेखिका के वैचारिक मतभेद का भी चित्रण हुआ है। प्रस्तुत आत्मकथा में लेखिका मन्नू भंडारी ने सिलसिलेवार आत्मकथा न लिखकर उन व्यक्तियों और घटनाओं का वर्णन किया है जिन्होंने उसके लेखकीय व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने किशोर जीवन से जुड़ी घटनाओं के साथ-साथ अपने पिताजी, कॉलेज की प्राध्यापिका शीला अग्रवाल के बारे में भी लिखा है।जो उनके लेखकीय जीवन से जुड़े है। लेखिका ने बड़े रोचक ढंग से एक साधारण लड़की के असाधारण बनने की पहली पड़ावों का वर्णन किया है। सन् 46- 47 की आज़ादी की आँधी ने मन्नू जी को अछूता नहीं छोडा। छोटा शहर की युवा होती लड़की ने आज़ादी की लड़ाईयों में जिस तरह भागीदारी की, इससे उसका उत्साह, ओज, संघटन क्षमता और विरोध करने की तरीका देखते ही बनता है। इन सब घटनाओं के साथ हो रहे अपने पिताजी के अंतर्विरोधों को भी लेखिका ने बखूबी उजागर किया है।

1 अजमेर आने के बाद लेखिका के पिता ने क्या किया ?

1. शब्दकोश का निर्माण
2. क़र्ज़ चूका देना
3. बच्चों के साथ खुलमिलकर व्यवहार
4.इनमें से कोई भी नहीं

12. पिताजी की सबसे बड़ी दुर्बलता क्या थी

ii धन लिप्सा
2. यश लिप्सा
3. क्रोध
4. अहंकार

Iii पिताजी ने रसोईघर को क्या नाम दिया

1. भंडारशाळा
2. भटियार खाना
3. पाठशाला
4. गौशाला

iv) लेखिका को अपने अस्तित्व का एहसास कब हुआ?

1. आन्दोलन में भाग लेने पर
2. पिताजी से बहस करने पर
3. भाई-बहन की छत्रछाया हटने पर
4. माँ से दूर हो जाने पर

v आज़ादी के आन्दोलन में लेखिका ने क्या किया?

1. जुलूस में भाग लिया
2. भाषण दिए
3. कॉलेज में छात्र-छात्राओं से हड़तालें करवाई
4. उपर्युक्त सभी

16. लेखिका का अपने घर में किस सम्मानित व्यक्ति ने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया ?

1. अंबिका लाल जी
2. अंबा लाल जी
3. श्री कृष्ण लाल जी
4. अंबा देव जी

प्रश्नोत्तर

1.लेखिका के व्यक्तित्व पर किन किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा?

लेखिका के व्यक्तित्व पर उनके पिता और उनकी कॉलेज की हिंदी अध्यापिका शीला अग्रवाल का प्रभाव सबसे अधिक पडा।गोरे रंग के प्रति पिता का आकर्षण तथा साँवले रंग वाली लेखिका की उपेक्षा उसमे हीन भावना उत्पन्न कर शक्की बनाया। पिता के व्यवहार ने लेखिका के मन में आक्रोश, विद्रोह और जागरूकता भरा। शीला अग्रवाल ने उनमें पुस्तकों के चयन और साहित्य में रुचि उत्पन्न की। तत्कालीन राजनीति में भागीदारी केलिए प्रेरित कर उन्होंने लेखिका को एक नया रास्ता दिखाया।

2.इस आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को भटियारखाना कहकर क्यों सम्बोधित किया है?

भटियारखाना' का अर्थ है- ऐसा घर या स्थान जहाँ भट्ठी जलती है अथवा वैसा घर जहाँ लोगों द्वारा लोक-लज्जा का त्याग कर अपशब्दों का इस्तेमाल किया जाता हो। यहाँ लेखिका के पिता रसोईघर को 'भटियार खाना ' कहते हैं। उनके अनुसार रसोईघर की भट्ठी में महिलाओं की समस्त प्रतिभा जलकर भस्म हो जाती है, क्योंकि उन्हें वहाँ से कभी फ़ुर्सत ही नहीं मिलती कि वे अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। उन्हें अपनी इच्छाओं का गला घोंटना पड़ताहै।

3.वह कौनसी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर?

लेखिका और उसके साथियों की नारेबाज़ी और हड़ताल के कारण कॉलेज़ प्रशासन को कॉलेज़ चलाने में कठिनाई हो रही थी। फलत; लेखिका के पिता के पास कॉलेज़ के प्रिंसिपल का पत्र आया, जिसमें लेखिका के क्रिया - कलापों की शिकायत की गई थी। वे आग-बबूला होकर कॉलेज़ गए। परन्तु ; अपनी बेटी के कारनामें जानकर और उसके प्रभाव को देखकर उन्हें मन ही मन गर्व हुआ। लेखिका पिता के डर से अपने पड़ोसी के यहाँ बैठ गई थी। माँ ने जब जाकर बताया कि उसके पिताजी क्रोधित नहीं हैं, तो वह घर आई। पिता की बातें सुनकर और उनकी खुशी देखकर लेखिका को न तो अपनी आँखों पर विश्वास हुआ और न अपने कानों पर।

4.लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए।

लेखिका ने जब से होश संभाला तब से प्राय: किसी न किसी बात को लेकर अपने पिता के साथ उसका टकराव होता ही रहता था। लेखिका के रंग को लेकर पिता ने उसके मन में हीनता भर दी थी। वे लेखिका में विद्रोह और जागरण का भाव भरना तो चाहते थे , परन्तु ; उसे घर की चारदीवारी तक ही सीमित रखना चाहते थे। लेखिका को रंग का भेदभाव पसंद न था, साथ ही पिता का शक्की स्वभाव भी उसे खलता था। वह भी स्वतंत्रता - संग्राम में सक्रिय भागीदार होना चाहती थी। प्राय: इन्हीं मुद्दों पर दोनों में वैचारिक टकराहट होती रहती थी।

5.इस आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आंदोलन के परिदृश्य का चित्रण करते हुए उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजीए।

सन् 1946-47 ई. में समूचे देश में 'भारत छोड़ो आंदोलन' पूरे उफ़ान पर था। हर तरफ़ हड़तालें , प्रभात - फ़ेरियाँ, ज़ुलूस और नारेबाज़ी हो रही थी। घर में पिता और उनके साथियों के साथ होनेवाली गोष्ठियों और गतिविधियों ने लेखिका को भी जागरूक कर दिया था। प्राध्यापिका शीला अग्रवाल ने लेखिका को स्वतंत्रता - आंदोलन में सक्रिय रूप से जोड़ दिया। जब देश में नियम - कानून और मर्यादाएँ टूटने लगीं, तब पिता की नाराज़गी के बाद भी वे पूरे उत्साह के साथ आंदोलन में कूद पड़ीं। उनका उत्साह , संगठन-क्षमता और विरोध करने का तरीक़ा देखते ही बनता था। वे चौराहों पर बेझिझक भाषण, नारेबाज़ी और हड़तालें करने लगीं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भी सक्रिय भूमिका थी।

6.लेखिका ने बचपन में अपने भाइयों के साथ गिल्ली डंडा तथा पतंग उडाने जैसे खेल भी खेले किन्तु लड़की होने के कारण उनका दायरा घर के चार दीवारी तक सीमित था। क्या आज भी लड़कियों के लिए स्थितियां ऐसी ही है या बदल गई है? अपने परिवेश के आधार पर लिखिए।

बचपन में लेखिका ने गिल्ली-डंडा और पतंग उड़ाने जैसे खेल तो खेले, लेकिन उनका दायरा घर की चारदीवारी तक ही सीमित था। इस दृष्टि से आज स्थितियाँ एकदम बदल-सी गई हैं। आज लड़कियाँ घर की चौखट लाँघ कर खेल के मैदानों में पहुँच गई हैं। उन पर लगी पाबंदियाँ क्रमश: कमतर होती जा रही हैं। यही कारण है कि लड़कियाँ केवल खेल में ही नहीं , अपितु अन्य लड़कों की तरह समाज सेवा , नौकरी , व्यापार आदि क्षेत्रों में भी अपना वर्चस्व स्थापित करते जा रही हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि आज लड़कियाँ घर की चारदीवारी में बन्द नहीं हैं।

7.मनुष्य के जीवन में आस पड़ोस का बहुत महत्त्व होता है। बड़े शहरों में रहनेवाले लोग प्राय: पड़ोस कल्चर से वंचित रह जाते है। अपने अनुभव के आधार पर लिखिए।

मनुष्य के जीवन में 'पड़ोस-कल्चर' का बड़ा महत्व है। पड़ोसी प्राय: एक-दूसरे की सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। गाँवों में 'पड़ोस-कल्चर' के आज भी दर्शन होते हैं। परन्तु; दुर्भाग्यवश शहरों में 'पड़ोस-कल्चर' प्राय: है ही नहीं। महानगरों के लोग इससे सर्वथा वंचित रह जाते हैं। आज नगरों में नर - नारी दोनों कामकाजी हैं। वे अपने काम और घर के अलावा कुछ दूसरा सोच ही नहीं पाते। वे स्व - केन्द्रित हो गए हैं। बच्चे भी अपने भविष्य की चिन्ता में खोए रहते हैं। आज लोग पड़ोसी से इतने कटे हैं कि उन्हें अपने पड़ोसी का नाम भी नहीं मालूम होता , फ़िर भला सुख - दुख बाँटने की तो बात ही दूसरी ह

****

कार्य पत्रक

नाम---------- **कक्षा----------** **प्राप्तांक---------**

बहु विकल्पीय प्रश्न

1. एक कहानी यह भी - पाठ की लेखिका का नाम बताइए-

1. उषा प्रियंवदा, 2. मन्नू भंडारी

3. महादेवी वर्मा, 4. सुभद्राकुमारी चौहान

उत्तर ----------

2. मन्नू जी की सम्माननीय प्राध्यापिका का नाम क्या था?

1. मनीषा यादव 2. शालिनी गुप्ता

3. शीला अग्रवाल 4. ज्योति गोयल

उत्तर ----------

3. लेखिका के पति का नाम क्या था?

1. धर्मेन्द्र 2. राजेन्द्र

3. सुरेन्द्र 4. हरेन्द्र

उत्तर ----------

4. अजमेर से पहले लेखिका के पिताजी कहाँ रहते थे?

1. दिल्ली 2. पटना

3. इंदौर 4. आगरा

उत्तर ----------

5. लेखिका के पिताजी इंदौर से अजमेर क्यों आ गए थे?

1. आर्थिक झटका 2. तबादला

3.व्यापार 4. पारिवारिक समस्या

उत्तर ----------

6. लेखिका महानगरों में किस कमी को महसूस करती है?

1. पड़ोस संस्कृति
2. पानी
3. बिजली
4. परिवार

उत्तर ----------

7. लेखिका के अनुसार पड़ोस कल्चर को सबसे अधिक नुक्सान किसने पहुँचाया?

1. स्वार्थ भावना
2. पाशात्य सभ्यता
3.आधुनीकरण की प्रक्रिया
4. महानगरों के फ्लाट संस्कृति

उत्तर ----------

8. मन्नू जी के पिताजी का स्वभाव कैसे था?

1. प्यारा
2. अनुशासनपूर्ण
3. शक्की
4. शिष्ट

उत्तर ----------

9. लेखिका ने अपने पिता के शक्की स्वभाव का क्या कारण बताया?

1. अपनों द्वारा विश्वासघात
2. पत्नी का बुरा व्यवहार
3. बच्चों का बुरा व्यवहार
4. नौकरी छूट जाना

उत्तर ----------

10. मन्नू जी के मन में कौन सी हीं भावना ग्रंथी बन गई थीं?

1. काले रंग का होना
2. छोटे कद का होना
3. चश्मा लगाना
4. पढाई में कमज़ोर होना

उत्तर ----------

नौबतखाने में इबादत लेखक- यतींद्र मिश्र

पाठ परिचय

यह पाठ प्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्ला खाँ पर रोचक शैली में लिखा गया व्यक्ति चित्र है । प्रस्तुत पाठ में बिस्मिल्ला खाँ के परिचय के साथ उनकी रुचियों, उनके अंतर्मन की बुनावट, संगीत की साधना और लगन को मार्मिक भाषा में व्यक्त किया गया है । लेखक को शास्त्रीय संगीत की गहरी जानकारी है जिसका प्रभाव पाठ में दृष्टिगोचर होता है । लेखक का मानना है कि जब तक राम कथा है , इस विदेशी भारतीय साधु को याद किया जाएगा तथा उन्हें हिन्दी भाषा और बोलियों के अगाध प्रेम का उदाहरण माना जाएगा ।

II. निम्नलिखित गद्यांश पढकर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए ।

(क) शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं । सच्चे सुर की नेमत । अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है । लाखों सज़दे , इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं । वे नमाज़ के बाद सज़ते में गिडगिडाते हैं - मेरे मालिक एक सुर बख्श दे । सुर में वह तासीर पैदा कर की आँखों में सच्चे मोती की तरह अनगढ आँसू निकल आएँ । उनको यकीन है , कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा , फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी ।

1.यहाँ बिस्मिल्ला खाँ के लिए कौन सा विशेषण प्रयोग किया गया है?

1.उस्ताद 2. अमीरुद् दीन

3. मंगलध्वनि के नायक 4. मालिक

2. बिस्मिल्ला खाँ नमाज़ के बाद सज़दे में क्या माँगते रहे?

1. यश 2. सुर

3. धन 4. पुत्र

3.बिस्मिल्ला खाँ को क्या विश्वास है?

1.खुदा उनकी प्रार्थना सुन सकता है　　2. खुदा उनकी मुराद ज़रूर पूरी करेगा

3.खुदा उन्हें यश अवश्य देगा　　4.खुदा उनकी प्रार्थना अनसुनी कर सकता है

4. गद्यांश में बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है?

1.आलसी　　2. मिलनसार

3. लोभी　　4. विनम्र

5. निम्न में से कौन सा विकल्प "मुराद" शब्द का समानार्थी नहीं है?

1. कामना　　2. अभिलाषा

3. जिजीविषा　　4. आकांक्षा

(ख) इस दिन खाँ साहब खडे होकर शहनाई बजाते हैं व दालमंडी में फातमान के करीब आठ किलोमीटर की दूरी तक पैदल रोते हुए नौहा बजाते जाते हैं । इस दिन कोई राग नहीं बजता ।राग- रागिनियों की अदायगी का निषेध है इस दिन । उनकी आँखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहदत में नम रहती हैं । आज़दारी होती है । हज़ारों आँखें नम । हज़ार बरस की परंपरा पुनर्जीवित । मुहर्रम संपन्न होता है । एक बडे कलाकार का सहज मानवीय रूप ऐसे अवसर पर आसानी से दिख जाता है ।

1. खाँ साहब किस दिन खडे होकर शहनाई बजाते हैं?

क. ईद के दिन　　ख. बकरीद के दिन

ग. जुमा के दिन　　घ. मुहर्रम के दिन

2. बिस्मिल्ला खाँ उस विशेष दिन पर आठ किलोमीटर तक रोते हुए नौहा क्यों बजाते हैं?

क. इमाम हुसैन और उनके परिवार वालों के प्रति श्रद्धांजलि देने केलिए

ख. इमाम हुसैन और उनके परिवार वालों की याद में

ग. इमाम हुसैन का ऐसा आदेश था

घ. दूसरों को ऐसा करते देखकर

3. "रोते हुए नौहा बजाने" से बिस्मिल्ला खाँ की किस विशेषता का पता चलता है?

क. वे रोते हुए भी शहनाई बजा सकते थे

ख. वे नौहा भी बजा सकते थे

ग. सुप्रसिद्ध कलाकार होकर भी वे परंपराओं का आदर करते थे

घ. वे बहुत परिश्रमी थे ।

4. इनमें कौन सा कथन बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की विशेषता की पुष्टि नहीं करता है?

क. वे श्रेष्ठ कलाकार थे

ख. वे उच्चकोटि के कलाकार होने के साथ अच्छे इंसान भी थे ।

ग. वे संवेदनहीन व्यक्ति थे

घ. वे धार्मिक तथा परंपराओं का पालन करनेवाले थे ।

5. प्रस्तुत पाठ के लेखक का नाम है -

क. स्वयं प्रकाश ख. रामवृक्षबीनी पुरी

ग. यतीद्र मिश्र घ. यश्पाल

(ग) अक्सर कहते हैं - क्या करें मियाँ, ई काशी छोडकर कहाँ जाएँ, गंगा मइया यहाँ, बालाजी का मंदिर यहाँ, बाबा विश्वनाथ यहाँ, यहाँ हमारे खानदान की कई पुश्तों ने शहनाई बजाई है, हमारे नाना तो वहीं बालाजी मंदिर में बडे प्रतिष्ठित शहनाईवाज़ रह चुके हैं । अब हम क्या करें, मरते दम तक न यह शहनाई छूटेगी न काशी । जिस ज़मीन ने हमें तालीम दी, जहाँ से अदब पाई, वो कहाँ और मिलेगी? शहनाई और काशी से बढकर कोई जन्नत नहीं इस धरती पर हमारे लिए ।

1."ई काशी छोडकर कहाँ जाएँ" - वाक्य में बिस्मिल्ला खाँ के मन का कौन सा भाव प्रकट होता है?

क. काशी के प्रति गहरे लगाव का

ख. लालच का

ग. के प्रति संकीर्ण मानसिकता का

घ. इनमें से कोई नहीं

2. निम्न में से क्या काशी में नहीं है?

क. पावन गंगा नदी ख. बाबा विश्वनाथ का मंदिर

ग. मुक्तिदायिनी आश्रम घ. बालाजी का मंदिर

3. काशी से बिस्मिल्ला खाँ का पैतृक लगाव है । यह भाव व्यक्त करनेवाला कथन कौन सा है?

क. वे काशी के मंदिर में रियाज करते थे ।

ख. वे यहीं आइस्क्रीम और कचौडियाँ खाया करते थे ।

ग. उनकी कई पीढियाँ यहाँ पैदा हुई थीं ।

घ.उनकी कई पीढियों ने यहाँ शहनाई बजाई है ।

4. बिस्मिल्ला खाँ ने शहनाई वादन में किस जगह से प्रवीणता प्राप्त की?

क. डुमराँव	ख. काशी
ग. प्रयाग	घ. हरिद्वार

5. बिस्मिल्ला खाँ काशी को क्या मनते हैं?

क. स्वर्ग	ख. मन्नत
ग. मोक्षदायिनी	घ.अमानत

1. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?

उ. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को याद किया जाता है क्योंकि बिहार के डुमराँव गाँव के एक संगीत प्रेमी परिवार में बिस्मिल्ला खाँ का जन्म हुआ । शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे केलिए उपयोगी हैं । शहनाई बजाने केलिए रीड का प्रयोग होता है। यह रीड एक प्रकार की घास से बनाई जाती है । यह घास डुमराँव की महत्ता है, जिसके कारण शहनाई जैसा वाद्य बजता है । उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का जन्म भी यहीं हुआ था । इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ भी डुमराँव निवासी थे ।

2. काशी में हो रहे कौन सा परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

उ.सन 2000 में पक्का महाल (काशी विश्वनाथ से लगा हुआ अधिकतम इलाका) से मलाई बरफ बेचने वाले जा चुके थे । खाँ साहब को इनकी कमी खलती थी । वे शिद् द से यह महसूस करते थे कि देशी घी में भी शुद्धता नहीं रही । गायकों के मन में संगतियों केलिए कोई आदर नहीं रहा । कोई भी घंटों अभ्यास नहीं करता । सांप्रदायिक सद् भावना कम होती जा रही है । एक सच्चे सुर साधक और सामाजिक मान्यताओं को मानने वाले खाँ साहब को काशी में हो रहे यह परिवर्तन व्यथित करते थे ।

3.बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया ?

उ. बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व में अनेक ऐसी विशेषताएँ थी , उनमें से कुछ हैं - संगीत साधना के प्रति पूर्ण निष्ठा, सादा जीवन उच्च विचार, हिन्दु - मुस्लिम एकता के समर्थक , भारतीय संस्कृति के प्रति गहरा लगाव , प्रदर्शन की भावना का न होना , शहनाई को उच्च स्थान दिलाना तथा तमाम तारीफ केलिए ईश्वर की कृपा मानना ।

4. जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति खाँ साहब की आसक्ति क्यों और कैसे हुई?
उ. खाँ साहब जब छोटे थे तब वे रियाज़ केलिए बालाजी मंदिर जाते थे । रास्ते में रसूलन और बतूलन दोनों बहनों का घर था, वे बहुत अच्छा गाती थी । इन्हीं बहनों के गायन से उन्हें संगीत के प्रति लगाव उत्पन्न हुआ ।

5. बिस्मिल्ला खाँ जी के बचपन का नाम क्या था? इनके मामा तथा बडे भाई का परिचय अपने शब्दों में लिखिए ?
उ. बिस्मिल्ला खाँ जी के बचपन का नाम अमीरुद् दीन था । बिस्मिल्ला जी यानी अमीरुद्दीन छह साल की उम्र से और इनके बडे भाई शम्सुद् दीन नौ साल की उम्र से अपने मामा के यहाँ रहते थे । अमीरुद् दीन को राग के बारे में बिलकुल भी जानकारी नहीं थी । इनके मामा अकसर भीमपलासी और मुलतानी राग के बारे में कहते थे । दोनों मामा सादिक हुसैन और अलीबख्श देश के जाने - माने शहनाई वादक थे । वे देश के विभिन्न रियासतों के दरबार में बजाने जाते रहते थे ।

6. बिस्मिल्ला खाँ जी के जीवन से जुडी उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करें, जिन्होंने इनकी संगीत साधना को समृद्ध किया?
उ. बिस्मिल्ला खाँ जी के संगीत साधना को जिन व्यक्तियों ने समृद्ध किया वे हैं -
क. बालाजी मंदिर के जाते हुए रास्ते में दो बहनें रसूलनबाई और बतूलन बाई के गायन को सुनकर खाँ साहब को संगीत के प्रति आसक्ति उत्पन्न हुई ।
ख. खाँ साहब के नाना प्रसिद्ध शहनाई वादक थे । वे छिपकर उन्हें सुनते थे और बाद में शहानाइयों के ढेर में से उस शहनाई को ढूँढते, जो नाना के बजाने पर मीठी धुन छेडती थी ।
ग. खाँ साहब के मामा अलीबख्श खाँ , जब शहनाई बजाते , तो वे जहाँ पर सम आता, तब एक दम से एक पत्थर ज़मीन पर मारते थे ।

7. सुषिर - वाद्यों से क्या अभिप्राय है? शहनाई को सुषिर वाद् यों में " शाह" की उपाधी क्यों दी गई होगी ?
उ. सुषिर वाद्य अर्थात वाद्य , जिनमें नाडी (नरकट या रीड) होती है और जिन्हें फूँककर बजाया जाता है । शहनाई को शाहेनय अर्थात सुषिर वाद् यों में शाह की उपाधि दी गई है । मुरली, वंशी, श्रृंगी आदि में यह सबसे अधिक प्रचलित, प्रसिद्ध व मोहक वाद् य रहा है । अवधी के पारंपरिक लोकगीतों एवं चैती में शहनाई का उल्लेख बार- बार मिलता है । दक्षिण भारत के मंगल वाद्य नागस्वरम की तरह शहनाई प्रभाती की मंगल ध्वनि का संपूरक है ।

8. बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक थे, तर्क सहित उत्तर दीजिए?

उ. बिस्मिल्ला खाँ शहनाई बजाने की कला में निपुण थे । वे कला को साधना मानते थे । वे गंगा - घाट पर बैठकर घंटों रियाज़ करते रहते थे । वे सदा खुदा से सुर बख्शने की माँग करते रहते थे । उन्होंने अपनी कला को कभी कमाई का साधन नहीं बनाया । सर्वश्रेष्ठ कलाकार होने पर भी उन्होंने स्वयं को अधूरा माना । शहनाई वादन पर उनकी तारीफ की जाती थी, तो वे उसे अलहमदुलिल्लाह कहकर खुदा को समर्पित कर देते थे । बचपन में नाना की मीठी शहनाई की खोज से शुरु हुआ सुरों का सफर आजीवन सच्चा सुर खोजने में ही निकला । इससे सिद्ध होता है कि वे कला के अनन्य उपासक थे ।

उत्तर

II. (क)1. मंगलध्वनि के नायक

2. सुर

3.खुदा उनकी मुराद ज़रूर पूरी करेगा

4.विनम्र

5.जिजीविषा

(ख) 1. मुहर्रम के दिन

2.इमाम हुसैन और उनके परिवार वालों के प्रति श्रद्धांजलि देने केलिए

3.सुप्रसिद्ध कलाकार होकर भी वे परंपराओं का आदर करते थे

4. वे संवेदनहीन व्यक्ति थे

5. यतीद्र मिश्र

(ग)1. देश के प्रति संकीर्ण मानसिकता का

2. मुक्तिदायिनी आश्रम

3. उनकी कई पीढियों ने यहाँ शहनाई बजाई है ।

4. काशी

5. स्वर्ग

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक ----------

1.बिस्मिल्ला खाँ काशी छोडकर न जाने केलिए क्या-क्या तर्क देते थे?

2.लेखक बिस्मिल्ला खाँ साहब खुदा से क्या नेमत माँगते थे?

3.किन विशेषताओं के कारण काशी को संस्कृति की पाठशाला कहा गया है?

4.बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

5.बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया? आप इन में से किन विशेषताओं को अपनाना चाहेंगे? कारण सहित किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए|

****

संस्कृति

सारांश

संस्कृति निबंध हमें सभ्यता और संस्कृति से जुड़े अनेक जटिल प्रश्नों से टकराने की प्रेरणा देता है| इस निबंध में भदंत आनंद कौसल्यायन जी ने अनेक उदाहरण देकर यह बताने का प्रयास किया है कि सभ्यता और संस्कृति किसे कहते है,दोनों एक ही वस्तु है अथवा अलग अलग | वे सभ्यता को संकृति का परिणाम मानते हुए कहते है कि मानव संस्कृति अविभाज्य वस्तु है |उन्हे संस्कृति का बांटवारा करने वाले लोगों पर आश्चर्य होता है और दुख भी |उनकी दृष्टि में जो मनुष्य के लिए कल्याणकारी नहीं है , वह न सभ्यता है और न संस्कृति | लेखक दो उदाहरण देता है पहला उदाहरण है आग का आविष्कार और दूसरा सुई-धागे का| लेखक के अनुसार इन दोनों को खोजने की शक्ति या प्रवृत्ति को संस्कृति कहते है और आग तथा सुई-धागे को सभ्यता कहते है,दूसरे शब्दों में प्रवृत्ति और प्रेरणा को संस्कृति कहते है| आविष्कृत वस्तु को सभ्यता कहते है |

।॰निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर उसके अधोलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए (1x5=5)

जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर आग का व व सुई-धोगे का आविष्कार हुआ ,वह है व्यक्ति विशेष की संस्कृति ; और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ ,जो चीज़ उसने अपने तथा दूसरों के लिए आविष्कृत की ,उसका नाम है सभ्यता |जिस व्यक्ति में पहली चीज़ ,जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी ,वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा|

1.उपर्युक्त गदयांश किस पाठ से अवतरित है?

क)एक कहानी यह भी　　ख)संस्कृति

ग)नौबतखाने में इबादत　　घ)स्त्री-शीक्षा के विरोधी कुरतों का खंडन

2.संस्कृति क्या है

क)मनोवृत्ति　　ख)आविष्कार

ग)योग्यता　　घ)ज्ञान

3.संस्कृति और सभ्यता में वही अंतर है जो:

क)आग और सुई धोगे में है　　ख)ज्ञान और शिक्षा में है

ग)सामर्थ्य और क्षमता में है घ)आविष्कार करने और उसका उपयोग करने में है |

4.आग और सुई-धोगे के आविष्कार के पीछे क्या प्रेरणा रही होगी?

क)व्यक्ति विशेष की मनोवृत्ति ख)व्यक्ति विशेष की ज्ञान अच्छा

ग)व्यक्ति विशेष की भौतिक आवश्यकता घ)व्यक्ति विशेष की सहज प्रवृत्ति

5.जिस व्यक्ति ने कोई नवीन आविष्कार किया है वह:

क)सिर्फ सभ्य व्यक्ति है | ख)संस्कृत और सभ्य दोनों है|

ग)न संस्कृत व्यक्ति है न ही सभ्य घ)सिर्फ संस्कृत व्यक्ति है

(2)

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से आनायास ही प्राप्त हो जाती है | जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया ,वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए,संस्कृत नहीं कहला सकता| एक आधुनिक उदाहरण लें| न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया |वह संस्कृत मानव था | आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थि न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही ; लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा | ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सके; पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते |

1. पाठ का नाम बताइए

क)एक कहानी यह भी

ख)नौबत खाने में इबादत

ग)संस्कृति

घ)स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतकों का खंडन

2.संस्कृत का आशय है -

क)एक भाषा ख)सभ्य

ग)आविष्कारक घ)शुभ

3.संस्कृत व्यक्ति वह है,जो-

क) नए आविष्कार करे ख)नए आविष्कारों का ज्ञाता हो

ग)संस्कृत भाषा जानता हो घ)नए आविष्कारों का प्रयोगकर्ता हो

4.अनायास का तात्पर्य है-

क) बिना प्रयास के　　ब)सुविधा से

ग)आराम से　　घ) मेहनत से

5.सभ्य कौन है -

क)जो रहन-सहन के तैर तरीके जनता है　　ख)जिसका पहनावा अच्छा हो

ग)जो नए आविष्कार कर्ता हो　　घ)जो आविष्कारों का ज्ञाता हो

II.अधोलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए (1x2=2)

1.जिस प्रेरणा के बल पर सुई-धागे का आविष्कार हुआ वह व्यक्ति विशेष की क्या है?

क)सभ्यता　　ख)संस्कृति

ग)प्रेरणा　　घ)खोज

2.संकृति का परिणाम क्या है?

क) संस्कृत　　ख) खोज

ग) सभ्यता　　घ)प्रेरणा

3). गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किसने किया?

क) एडिसन　　ख) न्यूटन

ग)गृहमबल　　घ) बाबेज

2.जो व्यक्ति अपने पूर्वज से किसी नई चीज़ को अनायास ही प्राप्त कर लेता है उसे क्या नहीं कह सकते?

क)सभ्य　　ख)संस्कृत

ग)वारिस　　घ)भाग्यवान

III.निम्नलिखित से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए

1.लेखक की दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?
उत्तर .- लेखक की दृष्टि में दो शब्द सभ्यता और संस्कृति की सही समझ अभी भी नहीं हो पाई है; क्योंकि इनका उपयोग बहुत अधिक होता है और वो भी किसी एक अर्थ में नहीं होता है। इनके साथ अनेक विशेषण लग जाते हैं; जैसे - भौतिक-सभ्यता और आध्यात्मिक-सभ्यता इन विशेषणों के कारण शब्दों का अर्थ बदलता रहता है। इससे यह समझ में नहीं आता कि

यह एक ही चीज है अथवा दो| यदि दो है तो दोनों में क्या अंतर है? इसी कारण लेखक इस विषय पर अपनी कोई स्थायी सोच नहीं बना पा रहे हैं।

2॰आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे?

उत्तर - आग का आविष्कार अपने-आप में एक बहुत बड़ा अविष्कार हुआ होगा। क्योंकि उस समय मनुष्य में बुद्धि शक्ति का अधिक विकास नहीं हुआ था। समय की दृष्टि से यह बहुत बड़ी खोज थी।सम्भवत: आग की खोज का मुख्य कारण रोशनी की ज़रुरत तथा पेट की ज्वाला रही होगी। अंधेरे में जब मनुष्य कुछ नहीं देख पा रहा था तब उसे रोशनी की ज़रुरत महसूस हुई होगी, कच्चा माँस का स्वाद अच्छा न लगने के कारण उसे पका कर खाने की इच्छा से आग का आविष्कार हुआ होगा।

3॰वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकना है?

उत्तर- वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति उसे कहा जा सकता है जो अपना पेट भरा होने तथा तन ढंका होने पर भी निठल्ला नहीं बैठता है। वह अपने विवेक और बुद्धि से किसी नए तथ्य का दर्शन करता है और समाज को अत्यंत उपयोगी आविष्कार देकर उसकी सभ्यता का मार्ग प्रशस्त करता है। उदाहरणार्थ न्यूटन संस्कृत व्यक्ति था जिसने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की। इसी तरह सिद्धार्थ ने मानवता को सुखी देखने के लिए अपनी सुख-सुविधा छोड़कर जंगल की ओर चले गए।

4॰न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे कौन से तर्क दिए गए हैं? न्यूटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं ज्ञान की कई दूसरी बारीकियों को जानने वाले लोग भी न्यूटन की तरह संस्कृत नहीं कहला सकते, क्यों?

उत्तर- न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे यह तर्क दिया गया है कि न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत संबंधी नए तथ्य का दर्शन किया और इस सिद्धांत की खोज किया। नई चीज़ की खोज करने के कारण न्यूटन संस्कृत मानव था। कुछ लोग जो न्यूटन के पीढ़ी के हैं वे न्यूटन के सिद्धांत को जानने के अलावा अन्य बहुत-सी उन बातों का ज्ञान रखते हैं जिनसे न्यूटन सर्वथा अनभिज्ञ था, परंतु उन्हें संस्कृत मानव इसलिए नहीं कहा जा सकता है क्योंकि उन्होंने न्यूटन की भाँति किसी नए तथ्य का आविष्कार नहीं किया। ऐसे लोगों को संस्कृत मानव नहीं बल्कि सभ्य मानव कहा जा सकता है।

5.किन महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा?

उत्तर-सुई-धागे का आविष्कार जिन दो महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया गया वे हैं अपने शरीर को शीत और उष्ण मौसम से सुरक्षित रखने के लिए कपड़े सिलने हेतु।
मनुष्य द्वारा सुंदर दिखने की चाह में अपने शरीर को सजाने के लिए क्योंकि इससे पूर्व वह छाल एवं पेड़ के पत्तों से यह कार्य किया करता था।

6. मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है।" किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जब
(क) मानव संस्कृति को विभाजित करने की चेष्टाएँ की गईं।
उत्तर-(क) समय-समय ऐसी कुचेष्टाएँ की गईं जब मानव-संस्कृति को धर्म और संप्रदाय में बाँटने का प्रयास किया गया। कुछ असामाजिक तत्व तथा धर्म के तथाकथित ठेकेदारों ने हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिकता का जहर फैलाने का प्रयासकर मानव संस्कृति को बाँटने की कुचेष्टा की। इन लोगों ने अपने भाषणों द्वारा दोनों वर्गों को भड़काने का प्रयास किया। इनके त्योहारों पर भी एक-दूसरे को उकसाकर धार्मिक भावनाएँ भड़काने का प्रयास किया। वे मस्जिद के सामने बाजा बजाने और ताजिए के निकलते समय पीपल की डाल कटने पर संस्कृति खतरे में पड़ने की बात कहकर मानव संस्कृति विभाजित करने का प्रयास करते रहे।

(ख) जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया।
मानव-संस्कृति के मूल में कल्याण की भावना निहित है। इस संस्कृति में अकल्याणकारी तत्वों के लिए स्थान नहीं है। समय-समय पर लोगों ने अपने कार्यों से इसका प्रमाण भी दिया; जैसे
•भूखे व्यक्ति को लोग अपने हिस्से का भोजन खिला देते हैं।
•बीमार बच्चे को अपनी गोद में लिए माँ सारी रात गुजार देती है।
•कार्ल मार्क्स ने आजीवन मजदूरों के हित के लिए संघर्ष किया।
•लेनिन ने अपनी डेस्क की ब्रेड भूखों को खिला दिया।
•सिद्धार्थ मानव को सुखी देखने के लिए राजा के सारे सुख छोड़कर ज्ञान प्राप्ति हेतु जंगल की ओर चले गए।

7.आशय स्पष्ट कीजिए
(क) मानव की जो योग्यता उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति?
उत्तर-संस्कृति का कल्याण की भावना से गहरा नाता है। इसे कल्याण से अलग कर नहीं देखा जा सकता है। यह भावना मनुष्य को मानवता हेतु उपयोगी तथ्यों का आविष्कार करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसे में कोई व्यक्ति जब आत्मविनाश के साधनों की खोज करता है और उससे

आत्मविनाश करता है तब यह असंस्कृति बन जाती है। ऐसी संस्कृति में जब कल्याण की भावना नहीं होती है तब वह असंस्कृति का रूप ले लेती है।

उत्तर

I॰ 1) ख 2) ग 3) घ 4) घ 5) घ

2) 1) ग 2) ग 3) क 4) क 5) क

II॰ 1) ख 2) ग 3) ख 4) ख

****

.कार्यपत्रक

नाम कक्षा प्राप्तांक

निम्नलिखित से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए (2x3=6)

1.संस्कृति का संबंध किस भावना से है? असंस्कृति क्या है?

2.क्या वर्तमान समाज को संस्कृत कहा जा सकता है? तर्क सहित उत्तर दीजिये?

3.लेखक के अनुसार सभ्यता किसे कहते है?

4.संकृति की परिभाषा बताइए

5सिद्धार्थ ने मानव संस्कृति में किस तरह योगदान दिया?

पद्य खंड

सूरदास-पद

* यहाँ सूर सागर के भ्रमरगीत से चार पद लिए गए है|
* श्रीकृष्ण ने मथुरा जाने के बाद स्वयं न लौटकर उद्धव के ज़रिए गोपियों के पास योग सन्देश भेजा था |
* वेदना में तड़पती गोपियों को योग सदेश कडवी ककडी की तरह लगी |
* गोपियों के दुःख को शांत करने के उद्देश्य से उद्धव को ज्ञान और योग का संदेश लेकर भेजा था
*गोपियाँ ज्ञान मार्ग को नहीं, प्रेम मार्ग को ही पसंद करती थी |

[अ]निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 5

ऊधौ, तुम हौ अति बडभागी |
अपरस रहत सनेह तगा तै , नाहिन मन अनुरागी |
पुरइनि पात रहत जल भीतर ,ता रस देह न दागी |
ज्यों जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौ लागी |
प्रीति-नदी में पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी |
सूरदास' अबला हम भोरी,गुर चाँटी ज्यों पागी |

1. गोपियों ने किसको बडभागी कहा है?

क) कृष्ण को ख) सूरदास को
ग) उद्धव को घ) मथुरावासियों को

2. गोपियों ने उद्धव को किस -किस की तरह माना है?

क)कमल का पत्ता ख) तेल की गगरी
ग) क और ख दोनों घ) क और ख दोनों नहीं

3. 'प्रीति-नदी' में पाऊँ न बोरयौ, में कौन -सा अलंकार है?

क) रूपक ख) उपमा
ग) उत्प्रेक्षा घ) श्लेष

4. गोपियाँ ने उद्धव को बडभागी कहने में क्या व्यंग्य है?

क) कृष्ण के निकट रहकर भी उनके प्रेम रस में न डूब सके

ख) कृष्ण के पास रहने का मौका नहीं मिल गया |
ग) कृष्ण के प्रति उनके मन में प्रेम हो गया |
घ) कृष्ण के सौंदर्य में वह डूब गया |

5. गोपियों ने अपने को किस -किस के समान बताया?
क) अबला ख) भोरी
ग) गुर में पडी चींटी घ) उपर्युक्त सभी

[आ] हमारै हरि हारिल की लकरी |
मन क्रम बचन नंद -नंदन उर ,यह दृढ़ करि पकरी |
जागत सोवत स्वप्न दिवस -निसि ,कान्ह - कान्ह जक री |
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यों करुई ककरी |
सु तौ ब्याधि हमकौ लै आए, देखी सुनी न करी |
यह तौ सूर तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी|

1. गोपियों के लिए कृष्ण किसके समान हैं?
क) सहजन की लकड़ी ख) हारिल की लकड़ी
ग) नीम की लकड़ी घ) इन में से कोई नहीं

2. गोपियों ने किस को उर में कस कर पकड़ा है?
क) कृष्ण को ख) कंस को
ग) उद्धव को घ) बलराम को

3 गोपियों के लिए योग संदेश किसके समान है?
क) कडवी औषधि ख) कडवी निबौरी
ग) कडवी ककडी घ) इन में से कोई नहीं

4. गोपियों ने योग संदेश को किस प्रकार की व्याधि कही है?
क) जिसे देखा नहीं ख) जिसे सुना नहीं
ग) जिसे भोगा नहीं घ) उपर्युक्त सभी

5 गोपियों के अनुसार योग संदेश किसको देना चाहिए?

क) जिनका मन स्थिर है　　ख) जिनका मन चक्र के समान है
ग) जिनका मन उदास है　　घ) इन में से कोई नहीं

[इ]निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1.गोपियों ने उद्धव को बडभागी क्यों कहा?
श्रीकृष्ण के साथ रहकर भी उद्धव के मन में श्रीकृष्ण के प्रति अनुराग नहीं है |उनकी दृष्टि श्रीकृष्ण के सौंदर्य पर नहीं पडी | यहाँ गोपियाँ उद्धव पर व्यंग्य करती है |वास्तव में वे उद्धव को भाग्यहीन कहना चाहती है|

2.गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना किस- किस से की गई है? क्यों ?
गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते से और तेल की गागरी से की है क्योकि पानी में रहकर भी कमल के पत्ते पर उसका प्रभाव नहीं होता वैसे ही तेल की गागरी पर जल की एक बूँद भी नहीं टिकती |

3.गोपियाँ अपनी व्यथा किस बल पर सह रही थी?
गोपियाँ अपनी व्यथा श्रीकृष्णके आने की अवधी को आधार मानकर सह रही थी | उनको विशवास था कि उनके प्रिय कृष्ण एक दिन ब्रज में अवश्य लौट आएँगे |

4. गोपियाँ किस मर्यादा के उल्लंघन की बात कर रही है?
गोपियाँ प्रेम की मर्यादा के उल्लंघन की बात कर रही है | उनको कृष्ण से प्रेम वापस नहीं मिला| कृष्ण ने गोपियों के प्रेम की लाज नहीं रखी |उद्धव के द्वारा योग का सन्देश भिजवाकर प्रेम की मर्यादा तोडी है|

5. गोपियों ने कृष्ण की तुलना हारिल की लकड़ी से क्यों की?
जिस प्रकार हारिल पक्षी लकड़ी को नहीं छोड़ता उसी प्रकार गोपियाँ श्रीकृष्ण को छोड़ना नहीं चाहती |गोपियों ने कृष्ण को मन -वचन - कर्म अर्थात पूरी तरह से कसकर पकड़ रखा है |

6. गोपियों ने योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?
गोपियों ने योग की शिक्षा उन लोगों को देने की बात कही है जिनका मन चक्र के समान घूमता है अर्थात जिनका मन स्थिर नहीं है |गोपियों के मन में श्रीकृष्णके प्रति एकनिष्ठ प्रेम है |

7. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए?

गोपियों के अनुसार राजा का धर्म है प्रजा की रक्षा करना | प्रजा को न सताना|

उत्तर अ 1)ग) उद्धव को

2)ग) क और ख दोनों

3)क) रूपक

4)क) कृष्ण के निकट रहकर भी उनके प्रेम रस में न डूब सके

5)घ) उपर्युक्त सभी

आ 1)ख) हारिल की लकड़ी

2)क) कृष्ण को

3)ग) कडवी ककडी

4)घ) उपर्युक्त सभी

5)ख) जिनका मन चक्र के समान है

****

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक---------

अ)निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्न पढ़कर उचित उत्तर चुनिए|4*1=4

1. गोपियाँ किस मार्ग को पसंद करती थी?

क)ज्ञान मार्ग ख) योग मार्ग

ग) प्रेम मार्ग घ) वैराग्य मार्ग

उत्तर ----------

2.उद्धव मथुरा से क्या सन्देश लेकर आए?

क)ज्ञान संदेश ख) योग संदेश

ग) क और ख दोनों सही है घ) दोनों सही नहीं

उत्तर ----------

3.सूरदास के पद किस ग्रन्थ से लिए गए है?

क)सूरसागर ख)साहित्यलहरी

ग) सूर सारावली घ) इनमें से कोई नहीं |

उत्तर ----------

4. 'हारिल की लकड़ी' में 'हारिल' पक्षी किसका प्रतीक है?

क)उद्धव का ख) गोपियों का

ग) कृष्ण का घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर ----------

आ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 3*2=6

1.श्रीकृष्ण के मथुरा जाने के बाद गोपियों की मनोदशा का वर्णन कीजिए?

2.राजनीति पढने के बाद गोपियों को श्रीकृष्ण में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई दिए?

3.गोपियों के योग साधना के प्रति दृष्टिकोण व्यक्त कीजिए |

****

राम- लक्ष्मण- परशुराम संवाद- तुलसीदास

राम लक्ष्मण परशुराम संवाद का यह अंश रामचरितमानस के बालकाण्ड से ली गई हैं। बालकाण्ड में भगवान राम के जन्म से लेकर राम-सीता विवाह तक के प्रसंग आते हैं।

यह प्रसंग उस समय का हैं जब राजा जनक ने अपनी पुत्री माता सीता के विवाह के लिए स्वयंवर का आयोजन किया था। जिसमें देश विदेश के सभी राजाओं को आमंत्रित किया गया। स्वयंवर की शर्त के अनुसार जो भगवान शिव का धनुष तोड़ेगा, माता सीता उसी को अपने पति के रूप में वरण करेंगी।शर्त के अनुसार भगवन राम ने शिव का धनुष भंग कर दिया |

माता सीता ने भगवान राम को अपना पति स्वीकार कर उन्हें वरमाला पहनाई। लेकिन जब भगवान राम ने भगवान शिव का धनुष तोडा तो , उसके टूटने की आवाज तीनों लोकों में सुनाई दी | परशुराम जो भगवान शिव के अनन्य भक्त थे। जब उन्होंने धनुष टूटने की आवाज सूनी तो वो बहुत क्रोधित हुए। और तुरंत राजा जनक के दरबार में पहुँच गए।शिव-धनुष को खंडित देखकर मुनि परशुरामजी अत्यंत क्रोधित हो जाते है | यह प्रसंग क्रोधित परशुराम और भगवान राम और उनके भाई लक्ष्मण के बीच हुए संवाद का है। प्रभु राम के विनय करने और विश्वामित्र केसमझाने पर तथा राम की शक्ति की परीक्षा लेकर अंततःमुनिपरशुराम जी का क्रोध शांत हो जाता है |

पाठ का उद्देश्य-श्रीरामचंद्रजी के विनय लक्ष्मण की वीर रस भरी व्यंग्योक्तियों व व्यंजना शैली की सरस अभिव्यक्ति तथा मुनि परशुरामजी के स्वभाव का परिचय कराकर यह साबित करना कि हमें जीवन में गुरुभक्ति, नीति,स्नेह,शील,विनय,अहंकार त्याग आदि आदर्शों का पालन करना चाहिए|

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद- रामचरितमानस के किस कांड से लिया गया है?

(क) लंका कांड

(ख) बाल कांड

(ग) सुन्दर कांड

(घ) अयोध्या कांड

2. मुनि परशुरामजी के गुरु कौन थे?

(क) भगवान शिव

(ख) भगवान विष्णु

(ग) आचार्य द्रोण

(घ) भगवान श्रीकृष्ण

3. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में- किस भाषा का प्रयोग हुआ है?

(क) अवधी

(ख) व्रज

(ग) राजस्थानी

(घ) खड़ीबोली

4. सहस्रबाहु की भुजाओं को किसने काट डाला था?

(क) इंद्र ने

(ख) रावण ने

(ग) मुनि परशुरामजी ने

(घ) श्रीरामचंद्रजी ने

5. सीता स्वयंवर के अवसर पर मुनि परशुरामजी के क्रोध का मूल कारण क्या था?

(क) लक्ष्मणजी द्वारा व्यंग्य बाण चलाना

(ख) शिवधनुष का टूटना

(ग) राजा जनक द्वारा शिव धनुष को सभा में लाना

(घ) श्रीरामचन्द्रजी द्वारा शिव धनुष का अपमान करना

6. मुनि परशुरामजी ने सेवक किसे कहा है?

(क) जो सम्मान करे

(ख) जो कुछ भी न करे

(ग) जो आज्ञा का पालन करे

(घ) जो सेवा करे

7. 'हे नाथ! शिवधनुष को तोड़ने वाला तुम्हारा ही कोई दास होगा।" यह शब्द किसने? किससे? कहा है?

(क) राजा जनक ने मुनि परशुरामजी से

(ख) श्रीराम चन्द्रजी ने मुनि परशुरामजी से

(ग) लक्ष्मणजी ने श्रीराम चन्द्रजी से

(घ) हनुमान ने राजा जनक से।

8. मुनि परशुरामजी के सिर पर अभी किसका ऋण बाकी (शेष) है?

(क) माता का

(ख) पिता का

(ग)गुरु का

(घ) भाई का

9. मुनि परशुरामजी के वचन किसके समान कठोर है?

(क) लोहे के

(ख) वज्र के

(ग) पत्थरके

(घ) इस्पात के

10. "भृगकुलकेतु"शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

(क) मुनि परशुराम के लिए

(ख) महर्षि विश्वामित्र के लिए

(ग) लक्ष्मणजी के लिए

(घ) महर्षि वसिष्ठ के लिए

11. राम-लक्ष्मण-परशुराम- संवाद में किस रस की प्रधानता है?

(क) करुणा रस

(ख) हास्य रस

(ग) वीर रस

(घ) रौद्र रस

12. मुनि परशुरामजी ने "कौशिक" कहकर किसे संबोधित किया है?

(क) राजा दशरथ को

(ख) राजा जनक को

(ग) महर्षि वसिष्ठ को

(घ) महर्षि विश्वामित्र को

13. “गर्भन्ह के अर्भक दलन” – पंक्ति में ‘अर्भक’ शब्द का क्या अर्थ है?

(क) घोडा

(ख) शत्रु

(ग) बच्चे

(घ) गधा

14. देवता, ब्राह्मण, भक्त और गाय पर किस कुल में वीरता नहीं दिखाई जाती थी?

(क) रघुकुल में

(ख) यादवकुल में

(ग) भृगकुल में

(घ) आर्यकुल में

15. मुनि परशुरामजी ने 'सूर्यवंश का कलंक' किसे कहा है?

(क) श्रीरामचन्द्रजी को

(ख) महर्षि विश्वामित्र को

(ग) लक्ष्मणजी को

(घ) सीताजी को

उत्तर माला

प्रश्न संख्या उत्तर

1ख, 2क, 3क ,4ग, 5ख, 6घ, 7ख, 8ग, 9ख, 10क, 11ग, 12घ, 13 ग, 14 क,15ग

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1)राम और लक्ष्मण सीता स्वयंवर में किस मुनि के साथ आए?

राम और लक्ष्मण सीता स्वयंवर में मुनि विश्वामित्र के साथ आए |

2. “राम लक्ष्मण परशुराम संवाद” किस ग्रंथ से लिया गया है?

. “राम लक्ष्मण परशुराम संवाद” रामचरितमानस ग्रंथ से लिया गया है|

3. “राम लक्ष्मण परशुराम संवाद”- में मुनि परशुरामजी ने शिव धनुष तोड़नेवाले को अपना शत्रु बताता है और उसकी तुलना किससे की है?

“राम लक्ष्मण परशुराम संवाद”-में मुनि परशुरामजी ने शिव धनुष तोड़नेवाले को अपना शत्रु बताता है और उसकी तुलना सहस्रबाहु की है|

4. सहस्रबाहु सम सो रिपु मोरा-इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए-
. सहस्रबाहु सम सो रिपु मोरा-इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार उपमा है|

5. लक्ष्मण के अनुसार वीर पुरुष युद्ध-भूमि में शत्रु को सामने पाकर क्या नहीं करते है?
लक्ष्मण के अनुसार वीर पुरुष युद्ध-भूमि में शत्रु को सामने पाकर अपनी वीरता की प्रशंसा स्वयं नहीं करते है वे रणभूमि में अपनी वीरता दिखलाते है|

6 लक्ष्मण. के अनुसार मुनि परशुरामजी के वचन किसके समान कठोर है?
लक्ष्मण के अनुसार मुनि परशुरामजी के वचन वज्र के समान कठोर है|

7. ‘महीपकुमार’ किसे कहा गया है?
‘महीपकुमार’ लक्ष्मण को कहा गया है |

8. बालकों के गुण-दोषों पर कौन अधिक ध्यान नहीं देते है?
बालकों के गुण-दोषों पर साधू लोग अधिक ध्यान नहीं देते है|

9. मुनि परशुरामजी गुरु ऋण से किस प्रकार उऋण होना चाहते थे?
शिवधनुष तोड़नेवाले का वध करके मुनि परशुरामजी गुरु ऋण से उऋण होना चाहते थे|

10. ‘का छति लाभु जून धनु तोरें’ -यहां ‘जून’ शब्द का क्या अर्थ है?
‘का छति लाभु जून धनु तोरें’-यहां ‘जून’ शब्द का अर्थ पुराना है

11)लक्ष्मणजी ने परशुरामजी को अपने कुल की किस परंपरा का बोध कराया?
उत्तर . लक्ष्मणजी ने परशुरामजी को अपने कुल की परंपरा का बोध कराते हुए कहा-रघुकुल के लोग देवता, ब्राह्मण,भगवान के भक्त और गाय पर प्रहार नहीं करते | ये चारों उनके लिए पूजनीय है | इन्हे मारने से पाप लगता है और इनसे हारने पर अपयश मिलता है|

12)इहाँ कुम्हड़बतिया कोऊ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं॥-इस उक्ति के द्वारा लक्ष्मणजी परशुरामजी से क्या कहना चाहते है?

कुम्हड़े का फूल जो आकार में बहुत छोटा और कोमल होता है | तर्जनी को देखते ही वह मुरझा जाता है | लक्ष्मणजी यह कहना चाहते है कि वे भी कुठार और धनुष-बाण देखकर डरनेवाले सामान्य बालक नहीं है | वे सूर्यवंशी है और वीर है |

13)लक्ष्मणजी ने मुनि परशुराम की क्रोधपूर्ण बातों को चुपचाप सहन करने का क्या कारण बताया ?

लक्ष्मणजी ने मुनि परशुराम की क्रोधपूर्ण बातों को चुपचाप सहन करने का यह कारण बताया कि मुनि परशुराम भृगुवंशी है और यज्ञोपवीत(जनेऊ) धारण करनेवाले ब्राह्मण है | यदि आप मुझे मारें तो भी मै आपके चरण ही पकडूँगा |

****

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा---------- प्राप्तांक---------

।।।. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (2x3=6)

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतिया कोऊ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं॥
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी॥
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई॥
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा॥
जो बिलोकि अनुचित कहेउँ छमहु महामुनि धीर।
सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर।

1. इहाँ कुम्हड़ बतिआ कोउ नाहीं-पंक्ति से क्या आशय है?
(क) यहाँ मूर्ख की तरह बातें करने वाला कोई नहीं |
(ख) यहां कोई भी कुम्हड़े की बतिया के समान (निर्बल) नहीं है|
(ग) यहां कोई भी कुम्हार के घड़े के समान नहीं है|
(घ) यहां कोई भी मेरे जैसा शूर-वीर नहीं है |

2) लक्ष्मणजी ने मुनि परशुरामजी के किस स्वभाव पर व्यंग्य किया है?
(क) चाटुकारिता (ख) आलसीपन
(ग) मधुर(घ) बड़बोलापन

3) कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।- अलंकार पहचान कर लिखिए?
(क) उपमा और अनुप्रास अलंकार (ख) पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार
(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार (घ) यमक

4) किसके वश में आकर लक्ष्मण के मुंह से होशपूर्वक बातें नही निकल रहे है?
(क) मोह (ख) काल
(ग) लोभ (घ) डर

5) राम- लक्ष्मण- परशुराम संवाद- में किस छन्द का प्रयोग हुआ है?

(क) सवैया (ख) दोहा और चौपाई

(ग) सोरठा (घ) रोला

2)निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर शब्दों में लिखिए 3 x 2 = 6

१)राम लक्ष्मण परशुराम संवाद के आधार पर राम और लक्ष्मण के चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए |

_____

_____

_____

_____

२)परशुराम के क्रोध का क्या कारन हैं ?

_____

_____

_____

_____

_____

३)राम लक्ष्मण परशुराम संवाद के आधार पर तुलसी की भाषा शैली पर विचार कीजिए |

_____

_____

_____

_____

आत्मकथ्य कवि : जयशंकर प्रसाद

सारांश

आत्मकथ्य जयशंकर प्रसाद जी द्वारा छायावादी शैली में लिखी गई कविता है। जिसमें कवि ने जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति की है। प्रसाद जी के मित्रों और प्रशंसकों ने उनसे आत्मकथा लिखने का अनुरोध किया था। परन्तु वे उनसे सहमत नहीं थे। इसी असहमति के तर्क से पैदा हुई यह कविता है जिसमें कवि कहता है कि यह जीवन नश्वर है। हर जीवन एक दिन मुरझाई पत्ती-सा झड़कर गिर जाता है। इस संसार में असंख्य लोगों ने अपने-अपने जीवन के इतिहास लिखे हैं। कवि को लगता है कि यदि उसने सच कहना शुरु कर दिया तो उसके मित्र जन ही स्वयं को अपराधी और दोषी मानने लगेंगे। कवि सदा सरलता का जीवन जिया है। उन्हें लगता है कि यदि वे आत्मकथा लिखेगा तो लोग उनकी सरलता का मज़ाक उड़ाएँगे। वे अपनी भूलों और मित्रों से खाए धोखों के बारे में दूसरों के सामने प्रकट नहीं करना चाहते थे| उसने जीवन में प्रेम के जो उजले क्षण जिए है उसके बारे में कैसे कुछ लिखें। वह अपनी प्रिया को कभी पा नहीं सका। उसका प्रेम मिलते मिलते रह गया। आज वे उन मधुर स्मृतियों के सहारे ही अपने जीवन को बिता रहा है। मित्र लोग आत्मकथा लिखवाकर उसकी कटु स्मृतियों को क्यों उधेड़ना चाहते हैं? अपनी कथा सुनाने से तो यही अच्छा हैं कि वह औरों के जीवन की कथाएँ मौन होकर सुनता रहे। उसकी भोली आत्मकथा सुनकर कोई क्या करेगा। वह नहीं चाहता है कि आत्मकथा लिखकर वह अपनी भूली हुई पीड़ाओं को फिर से जगाएँ।

विशेष:

- छायावादी काव्य-शैली का मनोरम प्रयोग हुआ है
- तत्सम शब्दावली से युक्त सहज खड़ीबोली का प्रयोग हुआ है।
- कवि ने जीवन की नश्वरता का यथार्थ उल्लेख किया है ।
- कवि ने व्यक्तिगत जीवन के मधुर पलों की छुअन का मार्मिक चित्रण किया है।
- अनुप्रास, मानवीकरण रूपक, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार की छटा विद्यमान है।
- प्रेम व वेदना के भावों की प्रमुखता के कारण माधुर्य गुण प्रधान है।
- मुहावरेदार प्रयोग - ``कंथा की सीवन को उधेड़ना' '
- आत्मकथात्मक शैली
- प्रेम की भावनाओं की अभिव्यक्ति के कारण वियोग श्रृंगार रस दर्शनीय है।

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गंभीर अनंत- नीलिमा में असंख्य जीवन- इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य - मलिन उपहास
तब भी कहते हो - कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती ।
तुम सुनकर सुख पाओगे देखोगे यह गागर रीती ।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

1 “आत्मकथ्य” कविता में, कवि ने संसार को क्या माना है?

i नश्वर ii अनश्वर

iii अनंत iv सुंदर

2 कवि ने खाली घड़े से किसकी ओर इशारा किया है?

i खाली घर ii सूखी नदी

iii असफल जीवन iv उपर्युक्त सभी

3 कविता में कवि ने "मधुप" किसे कहा है?

i तन को ii मित्रों को

iii मन को iv प्रिया को

4 कवि ने मुरझाकर गिरने वाली पत्तियों के माध्यम से क्या संकेत किया हैं?

i जीवन क्षणभंगुर है ii पेड़ से पत्तियाँ गिर जाती है

iii जीवन आशापूर्ण है iv जीवन अमर है

5 ``मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी'' - इसमें कौन - सा अलंकार है?

i उपमा ii अनुप्रास

Iii यमक IV श्लेष

(ख) यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।

भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की ।
अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की।
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की ।

1. कवि अपने किस स्वभाव को दोष नहीं देना चाहता है?

i सरल स्वभाव को ii उग्र स्वभाव को
iii स्वार्थता को iv उपर्युक्त सभी

2. कवि ने किसके साथ सुखपूर्वक जीवन जीने की कल्पना की थी?

i माता-पिता के साथ ii. अपनी पत्नी के साथ
iii दादा जी के साथ iv. मामा जी के साथ

3. कवि ने अपनी "प्रेयसी के गालों की लालिमा" की तुलना किससे की है?

i उषा काल की लालिमा से ii. लाल किरणों से
iii. सायंकाल की लालिमा से iv. इनमें से कोई नहीं

4. कवि ने थका पथिक किसे कहा है?

i स्वयं को ii. मित्रों को
iii. लोगों को iv. कवियों को

5. कवि ने "मधुर चांदनी रात" किसे कहा है?

i सुहावनी चाँदनी रात को ii अपने जीवन की मीठी यादों को
iii जीवन की खुशी को iv आनंददायक दिन को

प्रश्नोत्तर

1. जयशंकर प्रसाद जी ने अपनी कविता का शीर्षक 'आत्मकथा' न लिखक 'आत्मकथ्य' क्यों रखा है?

उत्तर- आत्मकथा में जीवन के आरंभ से लेकर लिखने के समय तक का वर्णन होता है। आत्मकथ्य का अर्थ है-स्वयं के बारे में कहने योग्य | प्रस्तुतकविता में कवि ने संपूर्ण जीवन वृत्तांत न बताकर, अपने जीवन के बारे मे बहुत संक्षेप में उन्हीं पक्षों को स्पष्ट किया है, जिन्हें वह कहने योग्य समझता है।

2. आत्मकथा लिखने में कवि को क्या कठिनाइयाँ आ रही हैं?

उत्तर- मित्रों के विश्वासघात का जिक्र करना पड़ेगा, प्रेमिका के साथ बिताए मधुर पलों को सार्वजनिक करने की कठिनाई तथा स्वभावगत सरलता के कारण धोखा खाने का वर्णन करने की समस्या| |

3. 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' – कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर- कवि यह कहना चाहता है कि निजी प्रेम के मधुर क्षण सबके सामने प्रकट करने योग्य नहीं होते। प्रसाद जी का वह प्रेम असफल भी था जीवन के कुछ अनुभवों को गोपनीय रखना ही उचित होता | अतः वे इस बारे में कुछ कहने में से बचना चाहते थे।

4. स्मृति को `पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?

उत्तर - `पाथेय' का अर्थ होता है संबल या सहारा | कवि जीवन रूपी सफर में अत्यधिक थका हुआ अनुभव करता है | वे अपने प्रेम की मधुर यादो के सहारे अपनी ज़िंदगी बिता रहे हैं |

5. भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुन्दर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में |
उत्तर - कविता -आत्मकथ्य
कवि - श्री जयशंकर प्रसाद

कवि की प्रेमिका अतीव सुन्दर थी। उसके गाल इतने लाल, मतवाले और मनोरम थे कि प्रेममयी भोर अपनी मधुर लालिमा उसके गालों से लिया करती थी। अतः कवि की प्रेमिका का मुख-सौन्दर्य उषाकालीन लालिमा से भी बढ़कर था।

उत्तर :-

(क) (1) i नश्वर , (2) iii असफल जीवन, (3) iii मन को,
(4) i जीवन क्षणभंगुर है (5) ii अनुप्रास

(ख) (1) i सरल स्वभाव को, (2) ii. अपनी पत्नी के साथ,
(3) i उषा काल की लालिमा से, (4) i स्वयं को,
(5) ii अपने जीवन की मीठी यादों को

****

कार्यपत्रक

नाम---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक----------

1.नीचे दिए गए काव्यांशों को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म - कथा ?
अभी समय भी नहीं थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।

1. कवि अपनी आत्मकथा लिखने के बजाय क्या करना चाहता है? (1)

i रोना चाहता है। ii खुश रहना चाहता है।
iii हँसना चाहता है। iv दूसरों की आत्मकथा सुनना चाहता है।

उत्तर .....

2. `छोटे से जीवन' से कवि का क्या आशय है? (1)

i कवि स्वयं को अत्यंत महान व्यक्ति समझता है। ii कवि की आयु अभी काफी कम है।
iii कवि का जीवन बहुत सामान्य -सा है। iv तीनों सही है ।

उत्तर .....

3. `अभी समय भी नहीं' से कवि का क्या आशय रहा होगा? (1)

i कवि अपने कार्य में इतना व्यस्त है कि उनके पास आत्मकथा लिखने के लिए समय नहीं है।

ii अभी कवि के जीवन में ऐसा कोई महान अवसर नहीं आया जिसके बार में जानकर लोगों को कोई प्रेरणा मिल सके।

Iii अभी कवि के मन की व्यथा थकी सोई पड़ी है।

(iv) (ii) और (iii) दोनों उत्तर सही है ।

उत्तर .....

4. कवि के जीवन के सारे दुःख-दर्द और अभाव अब कैसे हैं? (1)

i मौन ii अधिक

iii कम iv इनमें से कोई नही

उत्तर .....

5. "कंथा" शब्द का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है? (1)

i तन के लिए ii अंतर्मन के लिए

iii कविता के लिए iv पुरानी यादों के लिए

उत्तर .....

2 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) कवि अपनी आत्मकथा क्यों नहीं सुनाना चाहता है? (2)

उत्तर ----------

(ख) कवि प्रसाद जी के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषतयाएँ लिखिए | (2)

उत्तर----------

(ग) `गंभीर अनंत - नीलिमा' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? (2)

उत्साह - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

बादलों को संबोधित करके लिखी गई उत्साह कविता एक आह्वान गीत है | बादल निराला जी का प्रिय विषय है | इस कविता में बादल उत्साह के प्रतीक के रूप में व्यक्त हुआ है | कवि बादलों का आह्वान करते हैं कि वे सारे आकाश में छा जाएँ और काले काले घुंघराले बालों की भाँति सजकर ह्रदय में विद्धुत छवि को धारण कर लें | वे किसी क्रांतिकारी कवि की भाँति जन-जीवन में उत्साह का संचार कर दें तथा ताप और पीड़ा से व्यथित संसार पर शीतल जल की वर्षा कर दें |

मुख्य बिंदु : -

•कविता-उत्साह - कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - आधुनिक काल - छायावाद |
•उत्साह कविता एक आह्वान गीत है | कवि बादल में क्रांति का स्वर सुनते हैं । वे उसके गडगडाते स्वर पर मुग्ध हो जाते हैं |
•कवि बादल को पौरुष का प्रतीक मानते हुए घोर गर्जना-तर्जना द्वारा आकाश को घेर लेने का आह्वान करते हैं |
•कवि बादलों का आह्वान करके कहते हैं कि अपने काले घुंघराले बालों से संसार पर छा जाए |
•कवि बादलों को क्रांतिकारी कवि के रूप में संबोधित करते हुए अपनी नूतन और क्रांतिकारी कविता से समूचे संसार में जोश तथा पौरुष के संचार करने का आह्वान करते हैं |
•कवि चाहते हैं कि तप्त और पीड़ा से व्यथित संसार को अपने जल से शीतल कर दें |
•'घेर-घेर घोर गगन में', 'ललित ललित काले घुघराले', 'कवि नव जीवन' में अनुप्रास अलंकार है |
•बाल कल्पना के से पाले' - में उपमा अलंकार है|
•'बादल गरजो, - में मानवीकरण अलंकार है |
•काव्य गुण - ओज
•काव्य शैली - उद्बोधन शैली
•छंद मुक्त कविता है |
•भाषा - संस्कृत निष्ठ खडी बोली

काव्यांश से बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

क]बादल गरजो-
घेर घेर घोर गगन, धराधर ओ !

ललित ललित काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्‌धुत छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो -

1] कवि बदल को किसका प्रतीक मानता है?

[क] विप्लव का [ख] युद्‌ध का
[ग] शांति का [घ] हरियाली का

2] 'बादल गरजो' में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त है?

[क] अनुप्रास [ख] उपमा
[ग] मानवीकरण [घ] रूपक

3] किसके उर में विद्‌युत छवि है?

[क] गगन के [ख] सागर के
[ग] पर्वतों के [घ] बादलों के

4] 'बाल कल्पना के-से पाले' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार कौन-सा है?

[क] उपमा [ख] उत्प्रेक्षा
[ग] रूपक [घ] यमक

5] कविता की भाषा कौन-सी है?

[क] अवधी [ख] व्रज
[ग] खड़ीबोली [घ] मराठी

उत्तर: 1.[क], 2.[ग], 3.[घ], 4.[क], 5.[ग]

प्रश्नोत्तर

1कवि बादल से क्या आह्‌वान करते हैं?
कवि बादल से घेर-घेर कर घोर गर्जना करने का आह्‌वान करते हैं |

2.कवि बादल को कवि के रूप में क्यों संबोधित करते हैं?

कवि ने बादल को कवि के रूप में संबोधित किया है | वे चाहते हैं कि जिस प्रकार कवि अपनी कविता द्वारा लोगों के ह्रदय में जोश, पौरुष एवं क्रांति का भाव जगा देता है, उसी प्रकार बादल अपनी घोर गर्जना से लोगों में जोश, पौरुष, एवं क्रांति का भाव जगा देता है |

3.काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए |

[क] बादलों के माध्यम से कवि सामाजित जीवन में क्रांति लाना चाहते हैं | लोगों में जोश, पौरुष तथा क्रांति का भाव जगाना चाहते हैं |

[ख] 'घेर-घेर घोर गगन' में, 'ललित ललित काले घुँघराले', 'कवि नव जीवन' में अनुप्रास अलंकार है |

[ग] 'घेर घेर', एवं 'ललित ललित' में पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार है |

[घ] 'बाल कल्पना के-से पाले' में उपमा अलंकार है |

[ङ] 'बादल गरजो' - मानवीकरण अलकार है |

[च] छंद मुक्त कविता है |

[छ] ओजगुण प्रधान कविता है एवं कविता की शैली उद्बोधन है ||

[ज] भाषा - संस्कृत निष्ठ खडी बोली है |

[झ] रस - वीर रस |

अभ्यास हेतु अतिरिक्त प्रश्न

1.बादलों के न बरसने से लोगों तथा धरती की क्या दशा हो रही थी?

बादलों के न बरसने से लोगों में बेचैनी एवं व्याकुलता बढ़ गई थी | भीषण गर्मी के कारण सारी धरती जलती-सी प्रतीत हो रही थी | पृथ्वी पर चारों ओर नीरसता तथा उदासीनता व्याप्त है |

2. कवि बादलों से क्या अनुरोध करते हैं और क्यों?

कवि बादलों से जोर से वर्षा करने का अनुरोध करते हैं | भयंकर गर्मी के कारण मनुष्य तथा धरती के अन्य प्राणी व्याकुल हो रहे हैं | बादलों के जोर से बरसने से धरती की गर्मी कम होगी | लोगों को तपन और बेचैनी से राहत मिलेगी |

3.कवि ने बादलों को 'अनंत के घन' कहकर संबोधित किया है, क्यों?

[1] बादलों का कोई अंत नहीं है | ये अंतहीन है |

[2] बादलों की सर्वव्यापकता की ओर इशारा किया है|

[3] बादल अनंत [ईश्वर] की कृति है |

4. बादल किसका प्रतीक है?

बादल क्रांति का प्रतीक है | समाज में क्रांति रूपी बादल के आगमन से भीषण गर्मी रूपी कठिनाइयाँ समाप्त होगी और सब कहीं उमंग एवं सुखकारी वातावरण छा जाएगा अर्थात क्रांति के बाद नए समाज का सृजन होगा|

5.वर्षा के बिना लोगों की अवस्था कैसी हो गई? उनके लिए कवि बादलों से क्या अपेक्ष करता है ?

वर्षा के बिना सारे लोग गर्मी से व्याकुल हो गए हैं | इस व्याकुलता के कारण उनका मन कहीं एक जगह टिक नहीं पा रहा है | अज्ञात दिशा से आए अंतहीन बादलों से कवि यह अपेक्षा करता है कि वे बरस जाएँ | जिससे गर्मी से जल रही धरती शीतल हो जाए और व्याकुल लोगों को राहत मिल सके |

6.नई चेतना की काव्य रचना करने वाले कवियों से किस तरह की कविता करने का आह्वान किया गया है ?

नई चेतना की काव्य रचना करने वाले कवियों से यह आह्वान किया गया है कि घनघोर बादलों को देखकर उनमे काले घुंघराले सुन्दर बालों की कल्पना कर आनंदित होते हुए भी उनमे छिपी हुई बिजली की छवि को अपने ह्रदय में धारण करें | उस विद्युत छवि का ध्यान करते हुए वे भी वैसा ही विप्लव का स्वर भरते हुए क्रांति चेतना से युक्त नई कविता लिखें |

7. 'उत्साह' कविता से कवि निराला के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?

'उत्साह' कविता से निराला का पौरुष प्रकट होता है | निराला बहुत जोशीले और गर्वीले कवि थे | वे करुणावान थे | वे बादलों की तरह घुमड़-घुमड़कर जन- जन के कष्टों पर छा जाना चाहते थे|

8.उत्साह' कविता में बादलों के द्वारा कवि ने क्या सन्देश दिया है?

'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों के द्वारा जनसामान्य को संदेश दिया है कि बादलों की गरज सुनकर वे सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्साहित हों तथा नए समाज के सृजन के लिए विप्लव मचाने को तत्पर रहें

अभ्यास हेतु बहुविकल्पी प्रश्न

1.पृथ्वी पर लोगों में बेचैनी का क्या कारण है?

[क] कष्ट रूपी गर्मी से [ख] दुःख रूपी गर्मी से

[ग] उपरोक्त दोनों [घ] रोग से

2. कविता में विकल और उन्मन कौन था?

[क] पक्षी [ख] मानव

[ग] पेड़-पौधे [घ] सभी

3. कवि बादलों को गरजने के लिए क्यों कहता है?

[क] क्योंकि मानव गर्जन से उत्साहित होता है

[ख] बादल क्रांति का प्रतीक है

[ग] बादल नूतन कविता का प्रतीक है

[घ] उपरोक्त सभी

4. बादलों को किसकी उपमा दी गई है?

[क] गरजते बादल की [ख] विप्लव बादल की

[ग] काले बदल की [घ] काले घुँघराले बालों की

5. कविता में निराला जी किसके माध्यम से उत्साह लाना चाहते हैं?

[क] हवा के माध्यम से [ख] बदल के माध्यम से

[ग] नदी के माध्यम से [ग] पर्वत के माध्यम से

6. बादल अपनी गर्जन-तर्जन से किसे घेर लेते है?

[क] आकाश को [ख] समुद्र को

[ग] पृथ्वी को [घ] वनों को

7. कविता में नवजीवन वाले किसे कहा गया है?

[क] बादलों को [ख] कवि को

[ग] पेड़ों को [घ] वर्षा को

8. कवि बादलों के माध्यम से मानव को क्या प्रदान करना चाहता है?

[क] जीवन की नई-नई प्रेरणाएँ [ख] आध्यात्मिक सोच

[ग] प्राकृतिक सुंदरता [घ] करुणा एवं दया का भाव

9. 'उत्साह' किस प्रकार का गीत है?

[क] आह्वान [ख] प्रेम

[ग] विरह [घ] वात्सल्य

10. कवि ने बादलों के हृदय की छवि कैसी बताई है?

[क] सुनहरी [ख] सफ़ेद

[ग] विद्युत [घ] काली

उत्तर :1.[ग], 2.[घ], 3.[घ], 4.[घ], 5.[ख], 6.[क], 7.[क], 8.[क], 9.[क], 10.[ग]

****

अट नहीं रही है

कविता का सार

इस कविता में फागुन महीने की मादकता का मनोहारी वर्णन है | फागुन की सुन्दरता इतनी अधिक है कि वह समा नहीं पा रही है, इसलिए वह बाहर छलक-छलक पड़ती है | कहीं सुगन्धित हवाएँ है कहीं रंग-बिरंगे फूल खिले हैं | कहीं आकाश में पक्षियों की टोलियाँ कलरव करती हुई उड़ान भर रही हैं , कहीं वृक्षों पर नए-नए पत्ते उग आए हैं| इस प्रकार जगह-जगह सौन्दर्य की छवि बिखरी पड़ी है |

मुख्य बिंदु

•कविता - अट नहीं रही है | कवि - सूर्य कांत त्रिपाठी निराला

•आधुनिक काल, छायावाद

•फागुन मास की सुन्दरता इतनी अधिक है कि अपने आप में समा नहीं पा रही है, बाहर छलक पड़ती है उसके कारण लोगों के चेहरों पर खुशी झलक उठती है |

•फागुन महीने के खुलकर साँस लेना अपनी शोभा को खुलकर प्रकट करने का परिचायक है |

•फागुन मास में तरह-तरह के पक्षी पंख फड़फडाकर उड़ते हैं उसी प्रकार की उमंग लोगों के मन में उठती हैं |

•कवि की आँख फागुन की शोभा से हट नहीं रही है वह उसे अपलक देखते रहता है|

•फागुन मास में प्रकृति सुहावनी हो उठी है, चारों ओर मादक हवाएँ चल रही हैं | पेड़ की डालियाँ पत्तों और फूलों से लद गए हैं | फूलों की गंध चारों दिशाओं में व्याप्त है, इस प्रकार फागुन की शोभा समा नहीं पा रही है |

•भाषा - सरल, सरस, मनोरम, खडी बोली एवं मुहावरेदार [आँख हटाना, अट न पाना] है |

•काव्य गुण - माधुर्य

•अलंकार - अनुप्रास, पुनरुक्तिप्रकाश, मानवीकरण

•शैली - वर्णनात्मक

•रस - शांत

•छंद - मुक्तक छंद

1) कवि की आँखें किससे नहीं हट रहीं है और क्यों?

कवि की आँखें फागुन माह की शोभा से नहीं हट रही है क्योंकि फागुन मास की शोभा अत्यंत मनोरम, सुहावनी लगने लगती है| चारों तरफ मादक हवाएं चलने लगती हैं | पक्षी

आकाश में पंख फडफडाकर उड़ते हैं| इन सुहावने दृश्यों के कारण फागुन माह की शोभा से आँखें हट नहीं रही हैं |

2)'कहीं साँस लेते हो' यह किस स्थिति के परिचायक है ?

फागुन महीने का खुलकर साँस लेना अपनी शोभा को खुलकर प्रकट करने के परिचायक है | इसका एक अर्थ है सुगंधित हवाओं का चलना |

3).काव्य सौदंर्य स्पष्ट कीजिए |

* भाव सौन्दर्य - फागुन महीने के प्राकृतिक सौदंर्य का मनोहारी वर्णन |

* शिल्प सौन्दर्य - 'घर घर भर', 'पर पर कर देते हो' में 'र' ध्वनि की आवृत्ति - अनुप्रास अलंकार|

'घर घर भर', 'पर पर कर देते हो' में घट-घर, पर-पर शब्द की आवृत्ति - पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार |

'कहीं साँस लेते हो' - मानवीकरण अलंकार |

भाषा सरल, सरस, प्रवाहपूर्ण खड़ीबोली है |

काव्य गुण - माधुर्य

छंद - मुक्तक छंद

2] वसंत ऋतु में पेड़-पौधों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

डालियाँ पत्तों से और लाल-हरी कोंपलों से भर जाती है |

3] वसंत ऋतु में किस प्रकार के फूल खिलते हैं और वे कैसे प्रतीत होते हैं?

वसंत ऋतु में विविध रंग के धीमी-धीमी सुगंधीदार फूल खिलते हैं | वे खिले फूल ऐसे प्रतीत होते हैं मानो प्रकृति के ह्रदय पर फूलों की माला शोभायमान हो रही हो |

4] 'पाट-पाट शोभा-श्री' का क्या अर्थ है?

जगह-जगह प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर है |

1.'फागुन की साँस' से कवि का क्या तात्पर्य है? संसार पर उसका क्या प्रभाव पड रहा है ?

फागुन की साँस से कवि का तात्पर्य तेज और मादक फागुनी हवा के चलने से है | कवि के अनुसार फागुन की मतवाली हवा इतनी तेज चल रही है जैसे फागुन लंबी-लंबी साँस भर रहा

हो | उस हवा का प्रभाव अत्यधिक गहरा है, अर्थात धरती के कोने -कोने में फागुन की मादक हवा का असर है |

2. 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन की मस्ती का वर्णन कीजिए |

'अट नहीं रही है' कविता में फागुन की मस्ती और शोभा का वर्णन हुआ है | फागुन में कहीं सुगंधित हवाएं है, कहीं फूलों की शोभा है, कहीं पक्षियों की उन्मुक्त उड़ाने है| कहीं वृक्षों पर रंग-बिरंगे फूल, पत्ते उग आए हैं सब जगह मानो शोभा ही शोभा बिखरी हुई है |

3.फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाक़ी ऋतुओं से भिन्न होता है ?

फागुन माह में प्रकृति के साथ-साथ मानव में भी एक प्रकार की मादकता और मस्ती छा जाती है | फागुन में वसंत का आगमन होता है | मौसम अत्यधिक सुहावना होता है | प्रकृति सौन्दर्य से भर जाती है | पेड़-पौधों में नए कोपलें फूटने लगती हैं | वे हरे-लाल पत्तों से लद जाते हैं | चारों ओर रंग-बिरंगे सुगंधित फूल खिले होते हैं | फागुन में शीतल, मंद, सुगंधित बयार चलती है जिससे संपूर्ण वातावरण में मस्ती और मादकता व्याप्त हो जाती है |अन्य ऋतुओं में कभी ठिठुरन होती है, कभी गर्मी से संपूर्ण प्राणी जगत व्याकुल होते हैं और वर्ष ऋतु में हर ओर कीचड़-ही-कीचड़ होती है |

अभ्यास हेतु कविता से बहुविकल्पी प्रश्न

1.फागुन मास के आते ही वृक्ष कैसे लगने लगते हैं?

[क] सूखे [ख] हरे-भरे

[ग] पत्तों विहीन [घ] बर्फ से लदे

2. 'पाट-पाट' में कौन-सा अलंकार है?

[क] पुनरुक्ति प्रकाश [ख] उत्प्रेक्षा

[ग] मानवीकरण [ग] श्लेष

3. पत्तों से लदी डाल पर कौन-कौन से रंगों की छटा बिखरी हुई है?

[क] हरी-काली [ख] लाल-पीली

[ग] पीली-भूरी [घ] हरी- लाल

4. 'अट नहीं रही है' कविता में कवि की आँख कहाँ से नहीं हट रही है?

[क] बादल [ख] क्रांतिकारी पुरुष

[ग] प्राकृतिक सुंदरता [घ] सूर्य

5. 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने किस मास की मादकता का वर्णन किया है?

[क] सावन [ख] आषाढ़

[ग] कार्तिक [घ] फागुन

6. फागुन मास कौन-सी ऋतु में होती है?

[क] वसंत [ख] वर्षा

[ग] हेमंत [घ] शिशिर

7. 'शोभा-श्री' से आशय क्या है?

[क] जगह-जगह [ख] सुहावना मौसम

[ग] भर जाना [घ] सौन्दर्य से भरपूर

8. फागुन की शोभा में क्या नहीं होता है?

[क] चारों ओर दुःख ही दुःख [ख] चारों ओर मंद पुष्प गंध

[ग] आकाश में पक्षियों का उड़ना [घ] चारों ओर हरे-भरे पेड़ -पौधे

9.पक्षी आकाश में पंख फडफडाते हुए उड़ने के लिए क्यों आतुर हो उठते हैं?

[क] वातावरण की मादकता के कारण [ख] बारिश होने के कारण

[ग] आँधी आने के कारण [घ] भोजन की खोज के कारण

10. 'अट नहीं रही है' कविता किस युग की है?

[क] भारतेंदु युग की [ख] द्विवेदी युग की

[ग] छायावाद युग की [घ] प्रगतिवाद युग की

उत्तर :1.[ख],2.[क] ,3.[घ] , 4.[ग], 5.[घ], 6.[क], 7.[घ], 8.[क] 9.[क], 10.[ग]

कार्य पत्रक

नाम ---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक ----------

। रिक्त स्थान में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए

1] 'उत्साह' नामक कविता में कवि ने बादल को किस रूप में प्रस्तुत किया है?

2] 'अट नहीं रही है' नामक कविता के आधार पर फागुन महीने की मादकता का चित्रण कीजिए |

3] 'उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए |

-II निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए -

1] 'अट नहीं रही है' कविता में कवि किसकी सुंदरता देखता है?

[क] नदी की [ख] फागुन की

[ग] पतझड़ की [घ] बसंत की

2] बादलों के ह्रदय में किसकी शोभा छिपी हुई है?

[क] प्रकृति की [ख] फागुन की

[ग] बिजली की [घ] वर्षा की

3] 'कहीं साँस लेते हो' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

[क] रूपक [ख] अनुप्रास

[ग] मानवीकरण [घ] यमक

4] 'उत्साह' कविता में किस काव्य गुण की प्रधानता है ?

[क] माधुर्य [ख] ओज

[ग] प्रासाद [घ] कोई नहीं

****

यह दंतुरित मुस्कान- नागार्जुन

कविता का सार

नागार्जुन द्वारा रचित इस कविता में छोटे बालक की मनमोहक मुस्कान देखकर कवि के मन में जो जो भाव उमड़ते हैं ,उन्हें कविता में अनेक बिंबों के माध्यम से प्रकट किया है। कवि बालक को मुसकुराते देख कहता है-हे बालक!तेरी चोटी-चोटी दांतों वाली मुसकान निराश से निराश व्यक्ति को भी सजीव कर देता है। तुम्हारे धूल-धूसरित शरीर को देखकर लगता है जैसे किसी झोपड़ी में कमाल के फूल खिल उठे हों। तुम्हारा स्पर्श पाकर पत्थर हृदय भी द्रवित हो गया। छोटे बालक ने कवि को नहीं पहचाना। जब उसकी माँ ने उसे कवि से परिचय करवाया तो बालक कवि को देखकर मुस्कुराने लगा।

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुमहरे यह गात ....
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
पारस पाकर तुम्हारा ही प्राण ,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे के झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बांस था कि बबूल ?
तुम मुझे पाये नहीं पहचान ?
देखते ही रहोगे अनिमेष!
थक गए हो ?
आँख लू में फेर ?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार ?
यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न सकता देख
मैं न पाता जान
तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!

इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा सम्पर्क
अँगुलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान !

। बहुविकल्पी प्रश्न उत्तर सहित -

1.कविता में झोपड़ी में कमल खिलने का क्या आशय है?

(क)झोपड़ी में फूल खिलना (ख)पैसे कमाना

(ग)अमीर होना (घ) गरीब में आनंद

2.कवि को एकटक कौन निहार रहा है?

(क)लड़की (ख)किसान

(ग)शिशु (घ)मेहमान

3.बच्चे की मुस्कान में किसे पिघलाने की शक्ति है?

(क) बर्फ (ख)क्रोध

(ग) कठोर व्यक्ति का मन (घ)पत्थर

4.किसकी मुस्कान इतनी मनमोहक है कि यह मुर्दे में भी जान दाल सकती है?

(क) नन्हें शिशु की (ख)गुड़िया की

(ग) पक्षियों की (घ)इनमें से कोई नहीं

5.बच्चे कि मुस्कान मुर्दे में जान डाल देती है, इसका क्या अर्थ है?

(क) बीमार व्यक्ति को ठीक कर देती है। (ख) मुर्दे को जीवित कर देता है।

(ग) हताश व्यक्ति में आशा का संचार करती है। (घ) इनमे से कोई नहीं

6. नन्हें शिशु का शरीर किसकी तरह खिल उठता है?

(क) सूरज (ख) कमल

(ग) चाँदनी (घ) इनमे से कोई नहीं

7 'यह दंतुरित मुस्कान' नामक कवि का क्या नाम है?

क) तुलसीदास
ख) नागार्जुन
ग) निराला
घ) सूरदास

8.'जलजात 'किसे कहते हैं?

(क) बादल
(ख) कमल
(ग) वर्षा
(घ) मछली

9. किससे छूने में शेफालिका के फूल झरने लगे थे?

(क) बादल क
(ख) जल को
(ग) हवा को
(घ) दंतुरित मुस्कान को

10. 'अनिमेष देखना' का अर्थ है?

(क) रुक-रुककर देखना
(ख) कभी-कभी देखना
(ग) लगातार देखना
(घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर

1(घ) गरीब में आनंद
2 (ग)शिशु
3(ग)कठोर व्यक्ति का मन
4) (क) नन्हें शिशु की
5)(ग) हताश व्यक्ति में आशा का संचार करती है।
6) (ख) कमल
7) ख) नागार्जुन
8) (ख) कमल
9(घ) दंतुरित मुस्कान को
10) (ग) लगातार देखना

प्रश्नोत्तर

1.'यह दंतुरित मुसकान" को स्पष्ट करते हुए बताइए कि वह मरे हुए व्यक्ति में भी जान कैसे डाल देती है?

उ) यह मुसकान इतनी मनोहर होती है कि मारे हुए व्यक्ति में जान डाल देती है अर्थात जीवन से निराश, हताश तथा उदासीन व्यक्ति के मन को खुशी से भर देती है।

2. नए निकले हुए दांतों वाले बच्चे कि मुसकान देखकर कवि को क्या लगता है?
उ) कवि को लगता है कि बच्चे कि मुसकान मरे हुए व्यक्ति को जीवित करने कि क्षमता रखती है। यह मुसकान इतनी मधुर और मोहक है कि इसमे कठोर हृदय को भी पिघला देने की शक्ति है।

3. बच्चा किसी कों घूरकर क्यों देखता है? कवि बच्चे की और से आँख फेर लेने को क्यों कहता है?

उ) बच्चा जब पहली बार किसी को देखता है, उसे पहचान न पाने के कारण घूरता है। कवि बच्चे की और से आंखे फेर लेने के लिए कहता है क्योंकि बच्चा घूरता घूरता थक जाएगा।

4. मधुपर्क से क्या तात्पर्य है? इसका प्रयोग किस लिए हुआ है?
उ) मधुपर्क दही , घी, शहद, जल और दूध के मिश्रण को कहा जाता है। कविता में इसका प्रयोग बच्चे को जीवन देने वाला आत्मीयता की मिठास से युक्त माँ के प्यार के रूप में हुआ है।

****

कार्य पत्रक

नाम ---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक ----------

I.निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्प से चुनकर लिखिए - (5)

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा सम्पर्क
अँगुलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान !

1. कवि ने चिर प्रवासी किसे कहा है?

(क) बच्चे को (ख) बच्चे की माता को
(ग) स्वयं को (घ) लोगों को

उत्तर ----------

2. किसकी उँगलियाँ बच्चे को मधुपर्क कराती है?

(क)कवि (ख) माता
(ग) बहन (घ) डॉक्टर

उत्तर ----------

3. कवि को क्या छविमान लगती है?

(क) धूप (ख) छाया
(ग) बच्चे की मा (घ) बच्चे की मुस्कान

उत्तर ----------

4. 'पाषाण पिघलने से क्या तात्पर्य है?

(क) कठोर हृदय में दया उत्पन्न होना (ख) पत्थर का गलना

(ग) पत्थर बनना (घ) पत्थर से पानी बनना

उत्तर ----------

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (2+2=4)

1 यदि बच्चे कि माँ उसका परिचय कवि से नहीं कराती तो क्या होता?

_____

_____

_____

2 कवि ने अपने प्रवासी, अतिथि और इत्तर क्यों कहा है?

_____

_____

_____

3) 5. यदि बच्चे की माँ उसका परिचय कवि से नहीं कराती तो क्या होता?

_____

_____

_____

फसल- नागार्जुन

कविता का सार

कवि ने अनेक तत्वों का उल्लेख किया है ,जिसके सहयोग से फसल का निर्माण होता है। किसान की भूमिका और परिश्रम के साथ-साथ मिट्टी,जल,सूर्य ,हवा आदि सभी के योगदान को बताया है। प्रकृति और मनुष्य के परस्पर सहयोग से फसल बनता है ।

I.1. कविता 'फसल' में किसका महिमा पर प्रकाश डाला गया है?

क) कवि की　　ख) पक्षियों की

ग) किसानों की　　घ) फसलों की

2. 'मिट्टी का गुणधर्म' किसे कहा गया है?

क) जल　　ख) फसल

ग) हवा　　घ) धूप

3. वायु का योगदान किन्हे बड़ा करने में होता है?

क) बच्चों को　　ख) फसलों को

ग) पेड़ों को　　घ) जानवरों को

4. फसलों में किसकी महनेत छिपी है?

क) किसानों की　　ख) बच्चों की

ग) कवि की　　घ) इनमे से कोई नहीं

5. कवि के अनुसार फसलें किनका बदला हुआ रूप है?

क) बीजों का　　ख) खनिज लवणों का

ग) पौधों का　　घ) सूर्य की किरणों का

उत्तर

1) फसलों की 2) फसल 3) फसलों को 4) किसानों की 5)सूर्य की किरणों का

प्रश्नोत्तर

1.फसल लहलहाने में किसका हाथ होता है?

कवि का कहना है कि जो फसले हम खाते हैं उनके लिए किसी एक व्यक्ति ,एक नदी या एक खेत का श्रेय नहीं दिया जा सकता। सब नदियों का जल,सब मिट्टियों के गुण ,करोड़ों किसानों के श्रम और खुली हवा धूप से फसलें आती हैं। इसलिए इन सभी का सहज प्राकृतिक अधिकार होना चाहिए।

2.किसानों के स्पर्श को महिमा क्यों माना गया है?

यदि किसान फसल उगाने के लिए श्रम न करें तो फसलें अपने आप इस तरह नहीं उग सकती। इसलिए कवि ने किसान के मेहनत को सम्मान दिया और महिमाशाली बताया।

3.फसलों को सूर्य के किरणों का रूपान्तरण कहना कहाँ तक ठीक है?

फसलें सूरज के किरणों के कारण ही फलती-फूलती हैं, इसलिए उसे सूर्य के किरणों का रूपान्तरण कहना ठीक है।

4.फसल को किसका जादू बताया गया है और क्यों?

फसल को नदियों के पानी का जादू कहा गया है। क्योंकि नदियों के जल से ही फसलों का उत्पादन होता है।

5.कवि के अनुसार फसल क्या है?

कवि के अनुसार फसल पानी,मिट्टी,धूप,हवा और मानव श्रम के मेल से बनी है। इनमें सभी नदियों के पानी का जादू समाया है। सभी प्रकार के मिट्टियों का गुण-धर्म शामिल है। सूरज और हवा का प्रभाव समाया हुआ है। सभी किसानों और मजदूरों का श्रम शामिल है।

6.कवि ने “फसल” के द्वारा किन-किन आपसी सहयोग का भाव व्यक्त किया है?

कवि ने “फसल” के द्वारा फसल उगाने में मनुष्य के शारीरिक बल और परिश्रम तथा प्रकृति में निहित अथाह ऊर्जा के पारस्परिक सहयोग के भाव को व्यक्त किया है। इनके सहयोग में ही महान शक्ति छुपी हुई है।

****

कार्यपत्रक

नाम ---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक ----------

।.निम्नलिखित पद्धयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (5)

फसल क्या है ?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का पानी का जादू है वह
हाथों की स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण-धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की धिरकान का ।

1फसल को उगाने में किन किन चीज़ों का योगदान होता हैं ?
क)नदियों का जल और मिट्टी ख) सूरज की किरणें और हवा
ग)कृषक के हाथों का परिश्रम घ) उपर्युक्त सभी |

उत्तर ----------

2)जलजात का पर्यायवाची हैं ?
क) जलज ख) जल्द
ग) जल घ) जलधि

3) फसले किसके अमृत-भरे प्रभाव से सींचकर पुष्ट हुई है?
क) बादलों के ख) तालाब के
ग) नदियों के घ) नहरों के

4) फसल कविता में कौन सी मिट्टियों के गुण धर्म का उल्लेख किया हैं ?
क) भूरी ख) काली
ग) संदली घ) उपर्युक्त सभी

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (2+2=4)

1.कवि के अनुसार फसल क्या है?

_____

_____

_____

2.किसानों के स्पर्श को महिमा क्यों माना गया है?

_____

_____

_____

आशय स्पष्ट कीजिए - रूपांतरण हैं सूरज की किरणों का

_____

_____

_____

****

संगतकार- मंगलेश डबराल

कविता का सार:

संगतकार हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि श्री मंगलेश डबराल की एक प्रसिद्ध रचना है। इस कविता में उन व्यक्तियों के योगदान को रेखांकित किया गया है ओ पर्दे के पीछे रहकर अपनी भूमिका को बखूबी अंजाम देते है।

संगतकार कविता गायन के मुख्य गायक का साथ देनेवाले संगतकार के महत्व और उसकी अनिवार्यता की ओर संकेत करती हैं। जब मुख्य गायक अपनी भारी - भरकम आवाज में गाता है तो उसका संगतकार अपनी कमजोर कांपती हुई आवाज से उसका साथ देता है। कई बार ऐसा होता है कि मुख्य गायक का गला बैठ जाता है या उसका उत्साह फीका पड़ने लगता है तब निराशा के इन क्षणों में संगतकार उसके स्वर को संभालता है। जब कभी मुख्य गायक किसी अंतरे को गाते -गाते जटिल तालों में उलझ जाता है या अपनी सरगम को लांघकर ऊंचे अनहद स्वर में भटक जाता है, तब संगतकार ही स्थाई पंक्ति को पकड़े रहता है। जब कभी मुख्य गायक तार सप्तक गाते - गाते स्वर को बहुत ऊँचा उठा देता है और उसकी आवाज भी काँपने लगती है तब वह उसकी आवाज में अपनी आवाज को मिलाकर उसे बल प्रदान करता है और उसके खोए विश्वास को वापस लौटा ले आता है तथा फिर उसे गाने की प्रेरणा देता है। वह हमेशा कोशिश करता है कि कहीं उसकी आवाज मुख्य गायक की आवाज से अधिक प्रभावशाली न हो जाए। उसकी इस कोशिश को उसकी असफलता नहीं, मनुष्यता समझा जाना चाहिए यह उसका त्याग है ।

काव्यांश के आधार पर बहुविकल्पीय प्रश्न:

1. मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

क. उपर्युक्त पंक्तियो के रचयिता है-

i) नागार्जुन ii) ऋतु राज

iii) मंगलेश डबराल IV) गिरिजा कुमार माथुर

ख. मुख्य गायक की आवाज़ कैसी है?

i) चट्टान की तरह भारी ii) कमज़ोर

iii) काँपती हुई IV) सुंदर

ग. कवि ने इन पंक्तियों में किसके महत्व को बताया है?

i) संगीतकार की ii) संगतकार की

iii) गीतकार की IV) तबला वादक की

घ. संगतकार और मुख्य गायक का रिश्ता है-

i) छोटा भाई ii) दूर का रिश्तेदार

iii) शिष्य IV) कुछ भी हो सकता है

ङ. मुख्य गायक के भारी स्वर का साथ देती आवाज़ किसकी है?

i) कवि की ii) संगतकार की

iii) संगीतकार की IV) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: क. (iii) ख. (i) ग. (ii) घ. (iv) ङ. (ii)

3. **दो अंक वाले प्रश्न: (25-30 शब्दों में उत्तर)**

क. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?
संगतकार के माध्यम से कवि किसी भी कार्य अथवा कला में लगे सहायक कर्मचारियों और कलाकारों की ओर संकेत कर रहा है। वे सहायक कलाकार स्वयं को महत्त्व न देकर मुख्य कलाकार और मुख्य व्यक्ति के महत्त्व को बढ़ाने में अपनी शक्ति लगा देते है।

ख. संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते है?
संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा बड़े-बड़े नेताओं, अभिनेताओं, संतों-महात्माओं के साथ भी इसी प्रकार सहयोग करते हैं। नेताओं के इर्द-गिर्द रहने वाले सभी सहायक उपनेता अपने बड़े नेता के महत्त्व को बढ़ाने में लगे रहते है।

ग. संगतकार अपने स्वर को ऊँचा न उठाने का प्रयास क्यों करता है?

संगतकार अपने स्वर को ऊँचा न उठाने का प्रयास इसलिए करता है ताकि मुख्य गायक की श्रेष्ठता बनी रहे। संगतकार भी संगीत में अत्यंत प्रवीण होता है, परंतु गायक की गरिमा को ध्यान में रखकर मानवीयता दर्शाते हुए अपने स्वर को धीमा रखता है।

घ. तारसप्तक में गाते समा गायक का गला बैठने लगता है, उस समय उसकी किस प्रकार की मनःस्थिति हो जाती है?
तारसप्तक में गाते समय जब गायक का गला बैठने लगता है, उस समय उसकी प्रेरणा उसका साथ छोड़ने लगती है, उसका उत्साह समाप्त होने लगता है। उस समय ऐसा लगता है जैसे उसकी आवाज़ से राख़ की तरह से कोई चीज़ गिर रही हो। अर्थात गायक की आवाज़ बुझने लगती है और वह निराश हो जाता है।

ङ. सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाते हैं तब उसे सहयोगी किस तरह संभालते हैं?
जब कोई व्यक्ति सफलता के चरम शिखर पर पहुँचकर अचानक लड़खड़ा जाता है तो उसके सहयोगी ही उसे बल, उत्साह, शबाशी और साथ देकर संभालते हैं। वे अपनी शक्ति उसके लिए लगा देते हैं। वे उसकी कमी को पूरा करने का भरसक प्रयास करते हैं।

च) संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?
वे गायक द्वारा और कहीं गहरे चले जाने पर उनकी स्थायी पंक्ति को पकड़े रखते हैं तथा मुख्य गायक को वापस मूल स्वर पर ले आते हैं।
वे मुख्य गायक की थकी हुई, टूटती-बिखरती आवाज को बल देकर सहयोग देते हैं। उन्हें अकेला नहीं पढ़ने देते, बिखरने नहीं देते।

****

कार्य पत्रक

नाम ---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक ----------

1). तारसप्तक में बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज से राख़ जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाढस बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

क) तारसप्तक से तात्पर्य है-
i) सात स्वरों का समूह ii) सात तारों का समूह
iii) सात कवियों का समूह iv) उपरोक्त कोई नहीं

ख) मुख्य गायक का गला कहाँ बैठने लगता है?
i) अपने गुरु के समक्ष ii) मंच में गाते समय
iii) तारसप्तक में जहां स्वरों का अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता है
iv) दर्शकों के समक्ष

ग) मुख्य गायक की बुझती आवाज़ को कौन ढाढ़स बँधाता है?
i) दर्शक ii) कवि
iii) गुरु IV) संगतकार

घ) संगतकार मुख्य गायक को संभालने के लिए क्या करता है?
i) उसे हटाकर गाने लगता है ii) उसके स्वर में अपना स्वर मिला देता है

iii) तुरंत दूसरे गायक को बुलाता है IV) उपरोक्त कोई नहीं

ग. संगतकार अपने स्वर को ऊँचा न उठाने का प्रयास क्यों करता है?

_____

_____

_____

च) संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?

_____

_____

_____

सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाते हैं तब उसे सहयोगी किस तरह संभालते हैं?

_____

_____

_____

अनुपूरक पाठ्यपुस्तक

माता का आँचल - शिवपूजन सहाय

पाठ का सार

'माता का आँचल' नामक इस पाठ में 'भोलानाथ' नामक बालक की बालसुलभ क्रियाओं और ग्रामीण परिवेश का इस प्रकार वर्णन किया गया है कि पढ़ते समय बालक की सभी क्रियाएँ- खेलना-कूदना, रोना-धोना, भयभीत होना तथा समूचा ग्रामीण परिदृश्य हमारी आँखों के सामने साकार हो उठता है। पाठ में बच्चों के उस बाल मनोविज्ञान का भी वर्णन है, जब वे विपदा में भागकर माता की शरण में स्वयं को सुरक्षित समझते हैं।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. प्रस्तुत पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?

उत्तर- यह बात सच है कि बच्चे को अपने पिता से अधिक जुड़ाव था। उसके पिता उसका लालन पालन करने के साथ-साथ उसके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार भी करते थे। परंतु विपदा के समय उसे लाड़-प्यार की ज़रूरत थी। उसे अत्यधिक ममता और माँ की गोद की ज़रूरत थी। माँ के आँचल में वह ज्यादा सुरक्षित महसूस करता। उसे ममतामयी माँ के आँचल में जितना प्रेम और शांति की शीतल छाया मिल सकती ,उतना पिता से नहीं। बाह्य तौर पर माँ से अधिक नाता न रहने पर भी वह हृदय से माँ से जुड़ा था। यही कारण है कि विपदा में बच्चे को माँ या नानी की याद आती है,पिता या नाना की नहीं। माँ का ममत्व घाव पर देने वाले मरहम का काम करता है।

प्रश्न 2. आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ?

उत्तर- बच्चों की यह स्वाभाविक विशेषता होती है कि वे अत्यंत भोले-भाले, निश्छल तथा सरल होते हैं। अपनी मनपसंद की चीजें मिलते ही, अपने साथियों का साथ पाते ही अपने दुख-सुख तथा रोना-धोना भूल जाते हैं। घर में लाख मना करने पर भी भोलानाथ की माँ सिर में कड़वा तेल लगाकर ही छोड़ती है। माथे पर काजल की बिंदी लगाकर फूलदार लट्टू बाँधकर कुर्ता-टोपी पहना देती है। इस प्रकार माँ के हठ से तंग आकर भोलानाथ सिसकने लगता है। घर से बाहर आने पर जब बालकों का झुंड मिल जाता है तब वह साथियों की हुल्लडबाजी,

शरारतें और मस्ती देखकर सब कुछ भूल जाता है। हमारे विचार से भोलानाथ खेलने का अवसर पाकर सिसकना भूल जाता है।

प्रश्न 3. आपने देखा होगा कि भोलानाथ और उसके साथी जब-तब खेलते-खाते समय किसी न किसी प्रकार की तुकबंदी करते हैं। आपको यदि अपने खेलों आदि से जुड़ी तुकबंदी याद हो तो लिखिए।

उत्तर- छात्र अपने बचपन से जुड़ी किसी तुकबंदी के बारे में स्वयं लिखें।

प्रश्न 4. भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर- भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री हमारे खेल और खेलने की सामग्री से पूरी तरह भिन्न है। भोलानाथ जिस ग्रामीण पृष्ठभूमि का और जिस काल का बालक है, उस समय गाँवों में आज जैसे खेल खिलौने उपलब्ध न थे। आज जमाना बदल चुका है। आज माता-पिता अपने बच्चों का बहुत ध्यान रखते हैं वे उसे गली मोहल्ले में बेफिक्र खेलने घूमने की अनुमति नहीं देते। जब से निठारी जैसे कांड होने लगे हैं, तब से बच्चे भी डरे-डरे रहने लगे हैं। न तो हुल्लडबाज़ी, शरारतें और तुकबंदियाँ रही हैं न ही नंग-धड़ंग घूमते रहने की आज़ादी । अब तो बच्चे प्लास्टिक और इलेक्ट्रोनिक्स के महँगे खिलौनों से खेलते हैं। बरसात में बच्चे बाहर रह जाएं तो माँ बाप की जान निकल जाती है। आज न कुएँ रहे, न रहट, न खेती का शौक। इसलिए आज का युग पहले की तुलना में आधुनिक, बनावटी, रसहीन हो गया है।

प्रश्न 5. पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का वर्णन कीजिए जो आपके दिल को छू गए हों ?

उत्तर- 'माता का आँचल' नामक इस पाठ में अनेक ऐसे प्रसंग हैं, जो अनायास ही हमारे मन को छू जाते हैं। ये प्रसंग निम्नलिखित हैं

•भोलानाथ पिता जी की छाती पर चढ़कर उनकी मूँछें उखाड़ने लगता था। उनके चुम्मा माँगने पर जब अपनी मूछें भोलानाथ के पिता जी उसके गाल पर गड़ा देते तब भोलानाथ फिर से उनकी मूँछें उखाड़ने लगता।

•भोलानाथ के प्रत्येक खेल में पिता जी का शामिल होना दिल को छू जाता है।

•भोजन तैयार करके बैठे बच्चों के बीच जब खाने के लिए पिता जी भी पंक्ति में बैठते तो बच्चे हँसते हुए भाग जाते थे।

•भोलानाथ का सौंप से भयभीत होकर भागना तथा पिता जी की शरण में न जाकर माँ के आँचल में छिपने जैसे प्रसंगमन को अनायास छू जाते हैं।

प्रश्न 6. इस उपन्यास के अंश में तीस के दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस तरह के परिवर्तन दिखाई देते हैं।

उत्तर- माता का अँचल' उपन्यास में वर्णित तीस के दशक की संस्कृति और आज की ग्रामीण संस्कृति को देखकर लगता है कि समय के साथ दोनों समय की संस्कृतियों में अत्यधिक बदलाव आ गया है। बच्चों की दुनिया तो पूरी तरह से बदल गई है। अब जगह-जगह नर्सरी और प्री-प्राइमरी स्कूल खुल जाने से बच्चों को जबरदस्ती वहाँ भेजने का रिवाज चल पड़ा है। दोपहर बाद बच्चों को ट्यूशन भेजने में प्रतिष्ठा की झलक दिखने लगी है। बिजली पहुँच जाने से बच्चे अब टीवी पर कार्टून देखकर समय बिताने लगे हैं। ऐसे में मिलजुल खेलने का समय बचता ही नहीं है। खेती के काम अब मशीनों से होने लगे हैं। सिंचाई का काम ट्यूबेल से किया जाने लगा है। लोगों में राजनीतिक उन्माद बढ़ने से सहभागिता, सद्भाव और पारस्परिक प्रेम कम होने लगा है।

7. यहाँ माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- पिताजी का अपने साथ शिशु को भी नहला-धुलाकर पूजा में बैठा लेना, माथे पर भभूत लगाना फिर कागज में राम-राम लिख कर आटे की गोलियाँ बनाना, उसके बाद लेखक को कन्धे पर बैठा कर गंगाजी तक ले जाना और वापस आते समय पेड़ पर बैठा कर झूला झुलाना, यह सब कितना सुंदर दृश्य उत्पन्न करता है। लेखक का अपने पिता जी के साथ कुश्ती लड़ना, पिताजी का बच्चे के गालों में चुम्मा लेना, बच्चे के द्वारा मूँछे पकड़ने पर पिताजी का बनावटी रोना रोने का नाटक करना और शिशु का उस पर हँस पड़ा अत्यंत जीवंत लगता है। माँ के द्वारा गोरस-भात तोता-मैना आदि के नाम पर खिलाना उबटना, शिशु का यह सब शृंगार करना और शिशु का सिसक-सिसक कर रोना बच्चों की टोली को खेलते देखकर सिसकना बंद कर तरह-तरह के खेल खेलना और मूसन तिवारी को चिढ़ाना आदि। ये सभी अद्भुत दृश्य पाठ में उभारे गए हैं। ये सभी दृश्य अपने शैशव अवस्था की याद दिलाते हैं।

9. माता का आँचल शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

शीर्षक की सार्थकता उन बातों पर निर्भर करती है कि शीर्षक संक्षिप्त होना चाहिए. तथा विषय वस्तु से उसे पूरी तरह संबंधित होना चाहिए। इस आधार पर माता का आँचल पूर्णतः सार्थक है क्यों कि पाठ के अंत में हम देखते है कि साँप के डर से लेखक जो हर वक्त पिता के साथ रहता था और माँ से सिर्फ दूध पीने तक का नाता था, भागकर माँ के आँचल में ही शरण लेता है। और खुद को सुरक्षित महसूस करता है।

इस पाठ को अन्य शीर्षक हो सकता है माँ की ममता, बचपन के दिन आदि भी हो सकता है।

10. बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं?

बच्चे का बचपन सामान्यतया उसके माता-पिता के साथ बीतता है। बच्चा अपने माता के व्यवहार से प्रभावित होता है। माता-पिता उसकी हर आवश्यकता का ध्यान रखते हैं। बच्चे भी अपने माता से प्रेम करते हैं और वे अनेक तरीकों से माता-पिता के प्रति अपने प्रेम की अभिव्यक्ति करते हैं; जैसे

•माँ-बाप के न चाहने पर भी वे उनकी गोद में बैठ जाते हैं।

•माँ-बाप से लिपटकर, उन्हें चूमकर

•अपने नन्हें हाथों से माँ-बाप को खाना खिलाकर।

•माता-पिता की बात मानकर अपना प्यार प्रदर्शित करते हैं।

11. इस पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस तरह भिन्न है?

इस पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई, वह 1930 के आसपास की है, तब बच्चे घर के सामान से और साधारण सी चीजों से खेलने का काम चला लेते थे। वे प्रकृति की गोद में रह कर खुश थे। उनके खेल तथा खेल की समाग्री भी साधारण ही होती थी। गुल्ली-डंडा नाटक करना, घरौंदे बनाना, बारात का जुलूस निकालना, मिठाई की दुकान सजाना आदि ही उनके मुख्य खेल होते थे। खेल की सामग्री के नाम पर मिट्टी, पत्थर, सूखे पत्ते, बालू, धूल आदि ही होते थे। आज हमारी दुनिया पूरी तरह से भिन्न है। किंतु हमारा बचपन इक्कीसवीं शताब्दी का बचपन हैं जहाँ दुनिया काफी विकसित हो चुकी है। इक्कीसवीं शताब्दी में तो आधुनिकता की छाप गाँव में भी आ गई है। फिर शहरी जीवन में तो यह अपनी पराकाष्ठा पर है। हमें ढेर सारी चीजें चाहिए। खेल सामग्री में भी बदलाव आ गया है। खाने-पीने की चीजों में भी काफी बदलाव आया है। हमारी दुनिया टी.वी., कोल्डड्रिंग, पीजा, चॉकलेट के इर्द-गिर्द घूमती है।

अतिरिक्त प्रश्न:

प्रश्न 1. चिड़िया उड़ाते-उड़ाते भोलानाथ और उसके साथियों ने चूहे के बिल में पानी डालना शुरू किया। इस घटना का क्या परिणाम निकला ?

उत्तर- खेल से चिड़ियों को उड़ाने के बाद भोलानाथ और उसके साथी को चूहों के बिल में पानी डालने का ध्यान आया। सभी ने एक टीले पर जाकर चूहों के बिल में पानी उलीचनी शुरू किया। पानी नीचे से ऊपर फेंकना था। यह कार्य करते हुए सभी थक गए थे। तभी उनकी आशा के विपरीत चूहे के स्थान पर सौंप निकल आया, साँप से भयभीत होकर सभी रोते चिल्लाते बेतहाशा

भागने लगे। कोई औधा गिरा, कोई सीधा किसी का सिर फूटा, किसी का दाँत टूटा सभी भागते हो जा रहे थे। भोलानाथ को देह लहू-लुहान हो गई। पैरों के तलवे में अनेक काँटे चुभ गए थे।

प्रश्न 2 . माता का अंचल' पाठ में वर्णित समय में गाँवों की स्थिति और वर्तमान समय में गाँवों की स्थिति में आए परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर- पहले गाँवों की स्थिति बहुत अच्छी न थी वहाँ बिजली, पानी, परिवहन जैसी सुविधाएँ नाम मात्र की थी। लोगों की आजीविका का साधन कृषि थी। आज गाँवों में टेलीविज़न के प्रचार-प्रसार से लोगों में एकाकी प्रवृत्ति बढ़ी है। बच्चे परंपरागत खेलों से विमुख होकर वीडियोगेम, टेलीविजन आदि के साथ अपना समय बिताना चाहते हैं। इस बढ़ती आधुनिकता ने ग्रामीण संस्कृति को पतन की ओर उन्मुख कर दिया है।

प्रश्न:3 आजकल बच्चे घरों में अकेले खेलते हैं, पर भोलानाथ और उसके साथी मिल-जुलकर खेलते थे। इनमें से आप भावी जीवन के लिए किसे उपयुक्त मानते हैं और क्यों ?
यह सत्य है कि आजकल के बच्चे कंप्यूटर पर गेम, वीडियो गेम, टेलीविशन पर कार्टून देखते हुए अकेले समय बिताते हैं परंतु भोलानाथ का समय साथियों के साथ खेलते हुए बीतता था। खेत में चिड़ियाँ उड़ाना हो या चूहे के बिल में पानी डालना या खेती करना, बारात निकालना आदि खेल ऐसे थे जिनमें बच्चों का एक साथ खेलना आवश्यक था। मैं मिल जुलकर खेलने को भावों जीवन के लिए उपयुक्त मानता हूँ, क्योंकि
•इससे सामूहिकता की भावन बनती है।
•इस प्रकार के खेलों से सहयोग की भावना विकसित होती है।
•मिल-जुलकर खेलने से सभी बच्चे अपना-अपना योगदान देते हैं, जिससे सक्रिय सहभागिता की भावना का उदय होता है।
•मिल-जु लकर खेलने से बच्चों में हार-जीत को समान रूप से अपनाने की प्रेरणा मिलती है जिनका भावी जीवन में बड़ी उपयोगिता होती है।

प्रश्न:4 भोलानाथ के पिता भोलानाथ को पूजा-पाठ में शामिल करते, उसे गंगा तट पर ले डाल पर झुलाते। उनका ऐसा करना किन-किन मूल्यों को उभारने में सहायक है?
भोलानाथ के पिता उसको अपने साथ पूजा पर बैठाते। पूजा के बाद आटे की गोलियाँ लिए हुए गंगातट जाते। मछलियों को आटे की गोलियाँ खिलाते, वहाँ से लौटते हुए उसे पेड़ की झुकी डाल पर झुलाते। उनके इस कार्य व्यवहार से भोलानाथ में कई मानवीय मूल्यों का उदय एवं विकास होगा।

ये मानवीय मूल्य हैं

•भोलानाथ द्वारा अपने पिता के साथ पूजा-पाठ में शामिल होने से उसमें धार्मिक भावना का उदय होगा।

•प्रकृति से लगाव उत्पन्न होने के लिए प्रकृति का सान्निध्य आवश्यक है। भोलानाथ को अपने पिता के साथ प्रकृति के निकट आने का अवसर मिलता है। ऐसे में उसमें प्रकृति से लगाव की भावना उत्पन्न होगी।

•मछलियों को निकट से देखने एवं उन्हें आटे को गोलियाँ खिलाने से भोलानाथ में जीव-जन्तुओं के प्रति लगाव एवं दया भाव उत्पन्न होगा।

• नदियों के निकट जाने से भोलानाथ के मन में नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने की भावना का उदय एवं विकास होगा।

•वृक्षों से निकटता होने तथा उनकी शाखाओं पर झूला झूलने से भोलानाथ में पेड़ों के संरक्षण को भावना विकसित होगी।

प्रश्न 4. वर्तमान समय में संतान द्वारा माँ-बाप के प्रति उपेक्षा का भाव दर्शाया जाने लगा है जिससे वृद्धों की समस्याएँ बढ़ी हैं तथा समाज में वृद्धाश्रमों की जरूरत बढ़ गई है। 'माता का अँचल' पाठ उन मूल्यों को उभारने में कितना सहायक है जिससे इस समस्या पर नियंत्रण करने में मदद मिलती हो।

उत्तर- वर्तमान समय में भौतिकवाद का प्रभाव है। अधिकाधिक धन कमाने एवं सुख पाने की चाहत ने मनुष्य को मशीन बनाकर रख दिया है। ऐसे में संतान के पास बैठने उसके साथ खेलने और घूमने-फिरने का माता-पिता के पास समय नहीं है। इस कारण एक ओर माता-पिता बूढ़े होने पर उपेक्षा का शिकार होते हैं तो दूसरी ओर वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ रही है। मता का अँचल पाठ में भोलानाथ का अधिकांश समय अपने पिता के साथ बीतता था। वह अपने पिता के साथ पूज में शामिल होता था तो पिता जी भी मनोविनोद के लिए उसके साथ खेलों में शामिल होते थे। इससे भोलानाथ में अपने माता-पिता से अत्यधिक लगाव, सहानुभूति, मिल-जुलकर साथ रहने की भावना, माता-पिता के प्रति दृष्टिकोण में व्यापकता, माता-पिता के प्रति उत्तरदायित्व, सामाजिक सरोकारों में प्रगाढ़ता, आएगी जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं वृद्धाश्रम की बढ़ती आवश्यकता पर रोक लगाने में सहायता मिलेगी।

****

साना साना हाथ जोड़ि- मधु कांकरिया

पाठ का सार- प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत में लेखिका ने महानगरों की भाव-शून्यता, भागमभाग और यंत्रवत जीवन को प्रस्तुत किया है। मधु जी ने अपनी यात्राओं के अनुभवों को अपने यात्रा वृत्तांतों में शब्दबध्द किया है। पाठ में भारत के सिक्किम राज्य की राजधानी गंतोक और उसके आगे हिमालय की यात्रा का वर्णन है। लेखिका हिमालय के सौंदर्य पर मुग्ध ही नहीं होती वहां के निवासियों की मेहनत ,अभाव और गरीबी को भी रेखांकित करती हुई बता रही है कि हिमालय तक पहुंचने के लिए बनाए जाने वाले रास्तों के निर्माण में पहाड़ी लोग कठिन मेहनत कर चुके हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। इस पाठ में पीड़ा और सौंदर्य का अद्भुत मेल है।

प्रश्न - उत्तर

*1. * गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है?

उ) मेहनतकश का अर्थ है कड़ी मेहनत करने वाले। लेखिका व्यक्त करना चाहती हैं कि गंतोक के लोगों को अत्यंत कड़ी मेहनत करनी पड़ती है क्योंकि यह पर्वतीय स्थल है। पर्वतीय क्षेत्र होने के कारण यहां की परिस्थितियां भी अत्यंत कठिन है। उन्हें पहाड़ों को काटकर रास्ता बनाना पड़ता है। पत्थरों पर बैठकर औरतें कुदाल व हथौड़े से पत्थर तोड़ती हैं ।लेखिका ने देखा कि कुछ औरतें पीठ पर बंधी टोकरी में उनके बच्चे भी बंधे रखे हैं। यहां के लोग अत्यंत कठिन परिस्थितियों में जीवन जीते हैं। वे चुनौतियों से डरते नहीं और ऐसी कठिनाइयों के बीच में भी मस्त रहते हैं। इसलिए गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर कहा गया है।

2. जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहां के भौगोलिक स्थिति एवं जन जीवन के बारे में क्या महत्वपूर्ण जानकारियां दी, लिखिए।

उ) जितेन नार्गे उस जीप का गाइड कम ड्राइवर था, जिसके द्वारा लेखिका सिक्किम की यात्रा कर रही थी। जितेन एक समझदार और मानवीय संवेदना से युक्त व्यक्ति था। उसने लेखिका को प्राकृतिक परिदृश्य, भौगोलिक स्थिति और जनजीवन के विषय में अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

प्राकृतिक परिदृश्य- सिक्किम बहुत ही खूबसूरत पहाड़ी इलाका है, जहां जगह-जगह पर धूपी के खूबसूरत नुकीले पेड़ हैं। रास्ते वीरान, संकरे, जलेबी की तरह घुमावदार हैं। थोड़ी थोड़ी दूरी पर झरने बह रहे होते हैं।

भौगोलिक स्थिति - गंतोक के 149 किमी की दूरी पर हिमालय की गहनतम घटियां और फूलों से लदी वादियां थूमथांग में देखने को मिलती हैं। सिक्किम प्रदेश चीन की सीमा से सटा है। पहले यह स्वतंत्र रजवाड़ा था, अब यह भारत का एक अंग है।

जनजीवन -सिक्किम के लोग अधिकतर बौद्ध धर्म को मानते हैं ।यहां के लोग बड़े मेहनती हैं, इसलिए गंगटोक को मेहनतकश बादशाहो का नगर कहा जाता है। यहां की स्त्रियां भी कठोर परिश्रम करती हैं। वे चाय की पत्तियां चुनने बाग में जाती हैं। कई बार बच्चों को पीट पर बंधी 'डोको' में अपने साथ रखती हैं। यहां के लोग रंगीन कपड़े पसंद करते हैं, और उनके परंपरागत परिधान 'बोकु' है। बच्चे पढ़ने के लिए तीन-चार किलोमीटर पहाड़ी चढ़कर स्कूल जाते हैं ।शाम को वे अपनी माताओं के साथ काम करते हैं। उनका जीवन बहुत श्रम साध्य हैं।

3. जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं?

उ) जितेन नार्गे एक कुशल गाइड कम ड्राइवर है।

- एक कुशल गाइड को अपने क्षेत्र की प्राकृतिक एवं भौगोलिक स्थिति विभिन्न स्थानों के महत्व तथा उनसे जुड़ी रोचक जानकारियों का ज्ञान होना चाहिए। इससे पर्यटकों का मनोरंजन होता है और उनकी उस स्थान के प्रति रुचि बढ़ जाती हैं।

-जितेन नेपाली हैं, लेकिन उसे सिक्किम के जनजीवन, संस्कृति, तथा धार्मिक मान्यताओं का पूरा ज्ञान है ।वहां की कठोर जीवन परिस्थितियों से भी वह भली-भांति परिचित हैं। यह एक कुशल गाइड के आवश्यक गुण हैं।

-जितेन का सबसे अच्छा गुण है- मानवीय संवेदनाओं की समझ तथा परिष्कृत संवाद शैली। सिक्किम की सुंदरता का गुणगान ही नहीं करता, वहां के लोगों के दुख-दर्द के बारे में भी लेखिका से बातचीत करता है। उसकी भाषा बड़ी परिष्कृत और संवाद का ढंग अपनत्व से पूर्ण है।

इस प्रकार एक गाइड में आत्मविश्वास, पर्यटन का पूर्ण ज्ञान, यात्रियों को रास्ते में दर्शनीय स्थलों की पूर्ण जानकारी देने वाला और अपनेपन से आकर्षित करने वाला होना चाहिए।

4) कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

उ) यहां पहाड़ी रास्तों पर कतार में लगी श्वेत पताकाएं दिखाई देती हैं । ये सफेद पताकाएं शांति और अहिंसा की प्रतीक है। इस पर मंत्र लिखे होते हैं। ऐसी मान्यता है कि श्वेत पताका यह किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु पर फहराई जाती हैं। उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से बाहर किसी पवित्र स्थान पर 108 श्वेत पताकाएं फहरा दी जाती हैं, जिन्हें उतारा नहीं जाता। वे धीरे-धीरे स्वयं नष्ट हो जाती हैं। किसी शुभ कार्य आरंभ करने पर रंगीन पताकाएं फहराई जाती हैं।

5)" कितना कम लेकर यह समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं" - इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है?

उ) लेखिका ने देखा कि आदिवासी औरतें पहाड़ों के बीच सड़कें चौड़ी करने हेतु अत्यंत दु:साध्य कार्य पत्थर तोड़ रही हैं । ज़रा सी चूक होने पर उनकी जान भी जा सकती है। लेखिका ने ऐसा दृश्य देखकर यह विचार प्रकट किया कि आदिवासी औरतें कितना कम लेकर कितना अधिक वापस लौटा देती हैं। इतना जोखिम भरा काम और उनका पारिश्रमिक इतना कम । यह बात आम जनता पर भी लागू होती हैं ।हमारे किसान, जो खेतों में काम कर अन्न पैदा करते हैं, मज़दूर जो सड़क के पुल इत्यादि बनाने का कठिन कार्य करते हैं, उसके बदले उन्हें उनकी मज़दूरी भी पूरी नहीं दी जाती। यदि पहाड़ों में यह लोग अपना कार्य करना बंद कर दें तो पर्यटन विभाग ठप्प हो जाएगा। इस प्रकार हमारे देश की आम जनता अपने जीवन की विवशताओं के कारण इतना कम लेकर बहुत कुछ वापस दे देते हैं।

6) लॉन्ग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक सी क्यों दिखाई दी?

उ) सिक्किम में एक जगह का नाम है 'कवी -लांग स्टॉक'। कहा जाता है कि यहां गाइड फिल्म की शूटिंग हुई थी। वहीं एक घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका ने उसके बारे में पूछा तो पता चला कि यह धर्मचक्र है। इसे घुमाने पर सारे पाप धुल जाते हैं ।जितेन की यह बात सुनकर लेखिका को ध्यान आया कि पूरे भारत की आत्मा एक ही है। इस स्थिति को देखकर लेखिका को लगता है कि धार्मिक- आस्थाओं, पाप पुण्य और अंधविश्वासों के बारे में सारे भारत में एक जैसी मान्यताएं हैं।

7) अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में आप किस प्रकार योगदान दे सकते हैं? साना साना हाथ जोड़ि... पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

उ)अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। हम इस कार्य में निम्न प्रकार से अपना योगदान दे सकते हैं-

१. हमें अपने शहर को हरा-भरा तथा प्रदूषण रहित बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

२. हमें सड़कों, गलियों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा कचरा नहीं डालना चाहिए ।सभी को कूड़ा डालने के लिए कूड़ेदान के प्रयोग पर बल देना चाहिए।

३. सभी प्रकार के प्रदूषण को रोकने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने होंगे, जैसे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का प्रयोग करना ,नदियों में कूड़ा न फेंकना, इत्यादि।

४. हमें अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल इको फ्रेंडली सामग्री के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए और प्लास्टिक का पूर्ण रूप से बहिष्कार करना चाहिए।

५. समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण के अभियान चलाकर अपने आसपास के लोगों को जागरूक करना होगा तथा प्रत्येक व्यक्ति की पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी।

8) देश की सीमा पर तैनात सैनिकों के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है?

उ) देश की सीमा पर तैनात सैनिक दिन-रात अपनी जान जोखिम में डालकर हमारी रक्षा करते हैं ।हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। हमारा कर्तव्य है कि हम सैनिकों से जब भी मिले ,उन्हें सदा सम्मान दें ।हमें सैनिकों के परिवारों तथा उनके बच्चों की मदद करनी चाहिए। हमें कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे यह संकेत जाए कि हम देश के सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। हमें अपने देश की जवानों पर गर्व करना चाहिए तथा उनका उत्साहवर्धन करना चाहिए ।संघर्ष के दिनों में हमें उनका हर प्रकार से सहयोग करना चाहिए, जिससे वे अपने कर्तव्य को भलीभांति निभा पाए। दरअसल देश की सेवा में समर्पित जवानों के प्रति अपने कर्तव्य पूर्ण करके हम एक प्रकार से देश सेवा का कार्य ही करते हैं।

9) आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए?

उ)आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ निम्न रूपों में खिलवाड़ किया जा रहा है-

* वृक्षों को अंधाधुन रूप में काटा जा रहा है ।इससे पहाड़ नंगे हो रहे हैं ।इसका पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है ।पर्यावरण प्रदूषण का खतरा निरंतर बढ़ता चला जा रहा है।

* नदियों के जल को प्रदूषित करने में भी आज की पीढ़ी आगे हैं। नदियों में कल-कारखानों की गंदगी डाली जाती है। नगरों शहरों का कूड़ा तथा गंदगी को बहा दिया जाता है।

* पर्यटन क्षेत्रों में आवागमन के बढ़ने से सुख सुविधाओं की पूर्ति के लिए प्राकृतिक सौंदर्य को नष्ट किया जाने लगा है ।इससे प्रदूषण फैलने के साथ-साथ क्षेत्र विशेष में अपसंस्कृति को भी बढ़ावा मिलता है।

इसे रोकने के लिए हमारी भूमिका यह होनी चाहिए - वृक्षों को काटने से रोकें। अनेक वृक्ष लगाएं तथा उनकी देखभाल करें। नदियों की स्वच्छता एवं पवित्रता को बनाए रखें उनमें गंदगी न बहाएं। प्लास्टिक- पूर्ण रूप से उपेक्षा करें।

****

कार्यपत्रक

नाम ---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक ----------

1) 'जल -संरक्षण' से आप क्या समझते हैं? हमें जल संरक्षण को गंभीरता से लेना चाहिए, क्यों और किस प्रकार ?'जीवन मूल्यों' की दृष्टि से जल-संरक्षण पर चर्चा कीजिए । (4)

---

10) 'साना-साना हाथ जोड़ी' में कहा गया है कि 'कटाओ' पर किसी दुकान का ना होना वरदान है, ऐसा क्यों? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में नव युवकों की क्या भूमिका हो सकती है? स्पष्ट कीजिए।(4)

उ)आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ निम्न रूपों में खिलवाड़ किया जा रहा है-(4)

मैं क्यों लिखता हूँ ?

(सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय ')

पाठ का सार

प्रस्तुत पाठ " मैं क्यों लिखता हूँ ?" अज्ञेय जी के द्वारा लिखित है। इस पाठ में लेखक ने अपने लिखने के कारणों के साथ-साथ एक लेखक के प्रेरणा-स्त्रोतों पर भी प्रकाश डाला है । लेखक ने स्पष्ट किया है कि लिखने के लिए प्रेरणा कैसे उत्पन्न होती है? लेखक उस पक्ष को अधिक स्पष्टता और ईमानदारी से लिख पाता है जिससे वह स्वयं प्रत्यक्ष रूप से देख सकता है । लेखक विज्ञान के छात्र थे। लेखक ने जापान के शहर हिरोशिमा में हुए रेडियोधर्मी विस्फोट के प्रभाव के बारे में केवल सुना था, जब वह जापान गए वहाँ एक पत्थर पर आदमी की शक्ल में काली छाया को देखा तो उस रेडियोधर्मी के विस्फोट की भयावह रूप उनकी आँखों के सामने प्रत्यक्ष रूप में प्रतीत होने लगा और उस याद को लेखक ने भारत आकर रेल में बैठे-बैठे उसे कविता के रूप में उतारा ।लेखक-'मैं क्यों लिखता हूँ 'का उत्तर देते हुए कहते हैं कि मैं इसलिए लिखता हूँ क्योंकि मैं स्वयं को जानना चाहता हूँ । बिना लिखे मैं इस प्रश्न का उत्तर नहीं जान सकता हूँ ।

प्रश्न - उत्तर

प्रश्न 1- लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में अधिक मदद करती है ,क्यों ?

उत्तर- लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में अधिक मदद करती है क्योंकि उनका मानना था कि अनुभूति अनुभव से गहरी चीज़ है । अनुभव केवल घटित होता है , लेकिन अनुभूति संवेदना और कल्पना के सहारे उस सत्य को आत्मसात कर लेती है जो वास्तव में प्रतिकार के साथ घटित नहीं हुआ हैं ।

प्रश्न 2- लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

उत्तर- अपनी जापानी यात्रा के दौरान लेखक ने एक पत्थर में मानव की उजली छाया देखी। वे विज्ञान के विद्यार्थी थे इस कारण समझ गए कि विस्फोट के समय पत्थर के पास कोई व्यक्ति खड़ा होगा । विस्फोट से विसर्जित रेडियोधर्मी पदार्थ ने उस व्यक्ति को भाप बना दिया और पत्थर को झुलसा दिया ।इस प्रत्यक्ष अनुभूति ने लेखक को झकझोर दिया ।इस प्रकार लेखक हिरोशिमा का भोक्ता बन गया ।

प्रश्न 3- पाठ के आधार पर बताइए कि -

(क) लेखक को कौन-सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं?
उत्तर- लेखक यह जानना चाहता है कि वह क्यों लिखता है और इस प्रश्न को जानने की इच्छा ही उसे लिखने के लिए प्रेरित करती है । लेखक लिख कर अपनी आन्तरिक विवशता को जानने का प्रयास करता है ।निम्नलिखित दो चीजें उसके लिखने का मुख्य कारण है-
* उसके मन की स्थिति तथा विवशता * बाहरी दबाव

प्रश्न 4- क्या बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्र से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं , कैसे ?
उत्तर- बाह्य दबाव लेखन से जुड़े रचनाकारों के अलावा अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं जैसे अभिनेता -अभिनेत्री पर निर्देशक का दबाव रहता है ताकि वे अच्छी फिल्म का निर्माण कर सकें । गायक - गायिका, नर्तक-नर्तकी पर आयोजकों के साथ-साथ श्रोताओं का दबाव रहता है । चित्रकारों पर उनके ग्राहकों का दबाव रहता है ताकि वह अच्छा चित्र बनाएँ। खिलाड़ियों पर उनके प्रबंधकों तथा दर्शकों का दबाव रहता है ।

प्रश्न 5-हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानक दुरुपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहां-कहां और किस तरह हो रहा है?

उत्तर:- आज के आधुनिक युग में विज्ञान का भयानक दुरुपयोग किया जा रहा है विज्ञान का दुरुपयोग निम्नलिखित चीजों में हो रहा है-
* तरह-तरह के हथियार, विस्फोटक व परमाणु-बम बनाने के लिए, जो किसी भी देश को नष्ट करने में सक्षम है।
* लिंग जांच करवाकर भ्रूण हत्या करने के लिए ।
* ऐसे उपकरणों का निर्माण करने के लिए जो प्रकृति व वातावरण को नष्ट कर रहे हैंआदि

प्रश्न 6- कुछ रचनाकारों के लिए आत्मानुभूति/स्वयं के अनुभव के साथ-साथ बाह्य दबाव भी महत्वपूर्ण होता है। ये बाह्य दबाव कौन-कौन से हो सकते हैं?
उत्तर कुछ रचनाकारों के लिए आत्मानुभूति / स्वयं के अनुभव के साथ -साथ बाह्य दबाव भी महत्वपूर्ण होता है । यह दबाव हैं -

- सामाजिक परिस्थितियाँ का दबाव होता है।
- आर्थिक लाभ की आकांक्षा का दबाव होता है।
- प्रकाशकों और सम्पादकों का बार-बार आग्रह का दबाव होता है।
- विशिष्ट के पक्ष में विचारों को प्रस्तुत करने का दबाव होता है।

प्रश्न- 7 हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है आप कैसे कह सकते हैं?

उत्तर- हिरोशिमा के पीड़ितों को देखकर लेखक को पहले ही अनुभव हो चुका था परन्तु जले पत्थर पर किसी व्यक्ति की उजली छाया को देखकर उसको हिरोशिमा में विस्फोट से प्रभावित लोगों के दर्द की अनुभूति कराई, लेखक को लिखने के लिए प्रेरित किया । यह लेखक का आंतरिक दबाव था ।चूंकि लेखक विज्ञान के छात्र थे तो हिरोशिमा की त्रासदी को अच्छे ढ़ंग से बता सकते थे। इसलिए कुछ अलग लिखने की चाह बाह्य दबाव हो सकता है ।

प्रश्न 8 -पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को लिखने की प्रेरणा कहाँ से प्राप्त होती है?

उत्तर - 'मैं क्यों लिखता हूँ 'पाठ में अज्ञेय जी अपनी आंतरिक विवशता को प्रकट करने के लिए लिखते हैं । वे तटस्थ होकर यह देखना चाहते है कि उनका मन क्या सोचता है । वे लिखकर मन की बेचैनी और उसकी छटपटाहट से मुक्ति पाने के लिए लिखते हैं । वे स्वयं को जानने और समझने व पहचानने के लिए लिखते हैं । वे यह भी मानते हैं कि कई बार कुछ लेखक आर्थिक कारणों से भी लिखते हैं या कुछ संपादक के दबाव ,प्रसिद्धि की कामना के लिए भी लिखते हैं ।

प्रश्न 9 - एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका हैं ?

उत्तर- विज्ञान के दुरूपयोग को रोकने में निम्नलिखित तरीकों से योगदान दे सकते हैं-

* लोगों को इंटरनेट, उस पर होने वाली धोखाधड़ी के बारे में जागरूक करना ।
* विज्ञानों द्वारा बनाए गए हथियारों का प्रयोग केवल जीवों की भलाई के लिए करना ।
* हमारे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों का सीमित प्रयोग करके तथा प्रदूषण रोक कर।
*लोगों को बेटियों का महत्व समझाकर, उन्हें लिंग जाँच और भ्रूण हत्या न करने का संदेश देकर ।

****

कार्यपत्रक

नाम ---------- कक्षा ---------- प्राप्तांक ----------

1) " मैं क्यों लिखता हूँ "प्रश्न का लेखक ने क्या उत्तर दिया है? पाठ के आधार परबताइए(4)

_____

_____

_____

_____

_____

_

प्रश्न-2 लेखक ने हिरोशिमा कविता कब और कहाँ लिखी?

_____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न 3- ' मैं क्यों लिखता हूँ ' पाठ का प्रतिपाद्य अपने शब्दों म

उत्तर

_____

_____

_____

_____

_____

रचनात्मक लेखन

अनुच्छेद-लेखन की परिभाषा

किसी एक भाव या विचार को व्यक्त करने के लिए लिखे गये सम्बद्ध और लघु वाक्य-समूह को अनुच्छेद-लेखन कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - किसी घटना, दृश्य अथवा विषय को संक्षिप्त (कम शब्दों में) किन्तु सारगर्भित (अर्थपूर्ण) ढंग से जिस लेखन-शैली में प्रस्तुत किया जाता है, उसे अनुच्छेद-लेखन कहते हैं।

'अनुच्छेद' शब्द अंग्रेजी भाषा के 'Paragraph' शब्द का हिंदी पर्याय है। अनुच्छेद 'निबंध' का संक्षिप्त रूप होता है। इसमें किसी विषय के किसी एक पक्ष पर 100 से 150 शब्दों में अपने विचार व्यक्त किए जाते हैं।

अनुच्छेद लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए -

(1) अनुच्छेद लिखने से पहले रूपरेखा, संकेत-बिंदु आदि बनानी चाहिए। (कुछ प्रश्न-पत्रों में पहले से ही रूपरेखा, संकेत-बिंदु आदि दिए जाते हैं।)

(2) अनुच्छेद में विषय के किसी एक ही पक्ष का वर्णन करें। (ऐसा इसलिए करना आवश्यक हो जाता है क्योंकि अनुच्छेद में शब्द सीमित होते हैं और हमें अनुच्छेद संक्षेप में लिखना होता है।)

(3) भाषा सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली होनी चाहिए। ताकि समीक्षक या पढ़ने वाला आपके अनुच्छेद से प्रभावित हो सके।

(4) एक ही बात को बार-बार न दोहराएँ। क्योंकि एक ही बात को बार-बार दोहराने से आप अपने अनुच्छेद को दिए गए सीमित शब्दों में पूरा नहीं कर पाएँगे और अपने सन्देश को लोगों तक नहीं पहुँचा पाएँगे।

(5) अनावश्यक विस्तार से बचें, लेकिन विषय से न हटें। आपको भले ही संक्षेप में अपने अनुच्छेद को पूरा करना है, परन्तु आपको ये भी ध्यान रखना है कि आप अपने विषय से न भटक जाएँ।

(6) शब्द-सीमा को ध्यान में रखकर ही अनुच्छेद लिखें। ऐसा करने से आप अपने अनुच्छेद में ज्यादा-से-ज्यादा महत्वपूर्ण बात लिखने की ओर ध्यान दे

(7) पूरे अनुच्छेद में एकरूपता होनी चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि कही कोई बात विषय से अलग लगे और पढ़ने वाले का ध्यान विषय से भटक जाए।

(8) विषय से संबंधित सूक्ति अथवा कविता की पंक्तियों का प्रयोग भी कर सकते हैं। इससे आपका अनुच्छेद बहुत अधिक प्रभावशाली और रोचक लगेगा।

(9) अनुच्छेद के अंत में निष्कर्ष समझ में आ जाना चाहिए यानी विषय समझ में आ जाना चाहिए।

अनुच्छेद की प्रमुख विशेषताएँ -

(1) अनुच्छेद किसी एक भाव या विचार या तथ्य को एक बार, एक ही स्थान पर व्यक्त करता है। इसमें अन्य विचार नहीं रहते।

(2) अनुच्छेद के वाक्य-समूह में उद्देश्य की एकता रहती है। अप्रासंगिक बातों को हटा दिया जाता है। केवल बहुत अधिक महत्वपूर्ण बातों को ही अनुच्छेद में रखा जाता है।

(3) अनुच्छेद के सभी वाक्य एक-दूसरे से गठित और सम्बद्ध होते है। वाक्य छोटे तथा एक दूसरे से जुड़े होते हैं।

(4) अनुच्छेद एक स्वतन्त्र और पूर्ण रचना है, जिसका कोई भी वाक्य अनावश्यक नहीं होता।

(5) उच्च कोटि के अनुच्छेद-लेखन में विचारों को इस क्रम में रखा जाता है कि उनका आरम्भ, मध्य और अन्त आसानी से व्यक्त हो जाए और किसी को भी समझने में कोई परेशानी न हो।

(6) अनुच्छेद सामान्यतः छोटा होता है, किन्तु इसकी लघुता या विस्तार विषयवस्तु पर निर्भर करता है। लेखन के संकेत बिंदु के आधार पर विषय का क्रम तैयार करना चाहिए।

(7) अनुच्छेद की भाषा सरल और स्पष्ट होनी चाहिए।

अनुच्छेद लेखन एक कला है। किसी भी विषय पर स्वतंत्र रूप से लिखने की कला विकसित करने का अर्थ होता है 'भाषा पर सम्पूर्ण अधिकार, शब्दावली आदि का सहज, सार्थक प्रयोग।'

अत: अनुच्छेद गद्य लेखन की वह विधा है, जिसके अंतर्गत किसी निर्धारित विषय पर संक्षेप में संक्षेप में बातें कही जाती है। बोर्ड परीक्षा में 100-150 शब्दों में अनुच्छेद लिखने के लिए आता है। इसकी अंक योजना इस प्रकार है--

भूमिका (आरम्भ एवं समापन)	1 अंक
विषय वस्तु	2 अंक
भाषा	2 अंक
कुल अंक	5 अंक

अनुच्छेद - लेखन के कुछ उदाहरण

१। स्वास्थ्य और व्यायाम

संकेत बिंदु -•स्वास्थ्य का महत्त्व•शारीरिक स्वास्थ्य के लिए व्यायाम•मानसिक स्वास्थ्य •निष्कर्ष

एक स्वस्थ शरीर से ही आनंदमय जीवन की शुरुआत होती है। तन मन से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन का आनंद उठा सकता है।

व्यायाम एक ऐसी क्रिया है जो आपके शरीर को मजबूत करने, आपके तंत्रिका तंत्र को मजबूत करने और आपकी आंतरिक शक्तियों को तेज करती हैं। व्यायाम निश्चित रूप से आपके शरीर को लाभान्वित करते हैं। व्यायाम करने से मानव शरीर तंदुरूस्त, स्वस्थ, सुंदर और सुडौल बनता

है। भौतिक शरीर वाले व्यक्ति को हजारों की भीड़ से आसानी से पहचाना जा सकता है। व्यायाम करने से शरीर का अंग स्वस्थ रहता है। शरीर स्वस्थ और तंदुरुस्त बनता है। आलस्य भाग जाता है। दिन भर ऊर्जा और उत्साह बना रहता है। .

व्यायाम का प्रभाव मन पर भी पड़ता है। शरीर के दुर्बल और रोगी होने से मन भी शिथिल हो जाता है। एक स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन और आत्मा रहती है। व्यायाम करने के बाद दिमाग तेज हो जाता है। उनके हाथ में जो भी काम होता है, जोश और उत्साह के साथ वह पूरा होता है।

स्वस्थ समाज में स्वस्थ लोग होते हैं। व्यक्ति स्वस्थ और सुखी रहेगा, तो समाज भी स्वस्थ और सुखी रहेगा तथा मजबूत होगा। वह किसी भी बीमारी से लड़ने में सक्षम होंगे आज की कोविड महामारी से बचने केलिए भी स्वस्थ और मज़बूत रहने की आवश्यकता है। वह पुरे जीवन का आनंद ले सकेंगे।

२। शहरी जीवन में बढ़ता प्रदूषण

संकेत बिंदु -•शहरीकरण•बढ़ती जनसंख्या•विविध प्रकार के प्रदूषण•प्रदूषण को रोकने के उपाय

आज ग्रामीण इलाकों से लोग धीरे-धीरे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। जिसके पास मौका होता है वह शहर में बस जाता है । इस वजह से कई छोटे कस्बे कुछ वर्षों में शहर बन गए हैं।

जनसंख्या घनत्व बढ़ने से महानगरों में तरह-तरह के प्रदूषण बढ़ रहे हैं। वही जमीन, वही आसमान, वही नदी, वही पहाड़, लेकिन तीन गुना आबादी यानी तीन गुना उपभोक्ता। इसका सीधा असर बढ़ते प्रदूषण पर पड़ रहा है।

शहरों में प्रदूषण कई तरह से बढ़ रहा है। सबसे भीषण वायु प्रदूषण है। बड़े शहरों में लोग स्वस्थ हवा में सांस नहीं ले सकते। लोगों को सड़क पर चलते समय वाहनों का काला धुंआ पीना पड़ रहा है। भीड़ अधिक होने के कारण जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। फैक्ट्री का धुआं पर्यावरण को जहरीला बनाता है, इसलिए मनुष्य भी स्वच्छ हवा के लिए तरसता है। बड़े शहरों में जल प्रदूषण एक बड़ी समस्या बन गया है। फैक्ट्री का पानी प्रदूषित होने से भूजल भी लाल और काला हो गया। ध्वनि प्रदूषण की वर्तमान स्थिति यह है कि महानगरों के निवासियों के लिए बहरापन और तनाव आम समस्या हो गई है, और शांत स्थानों की जगह शोर ने ले ली है।

इस संबंध में वैज्ञानिक साधनो की तरह आम लोग भी समान रूप से दोषी हैं। हमें प्रदूषण के कारणों और इससे बचने के तरीकों को समझना होगा । लोगों को सचेत करें और उपायों को

व्यापक रूप से प्रचारित करें। सरकार और जनता का संयुक्त सहयोग ही प्रदूषण मुक्त वातावरण का निर्माण हो सकता है।

३। बेरोजगारी : समस्या और समाधान

संकेत बिंदु -•अर्थ•कारण•दुष्परिणाम•समस्या का समाधान

बेरोजगारी का तात्पर्य योग्य नौकरियों की कमी से है। भारत में बेरोजगारों को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में बांटा गया है। एक व्यक्ति जिसके पास जीविकोपार्जन का कोई साधन नहीं है। ये पूरी तरह से खाली हैं। दूसरा, जो कुछ समय से काम कर रहे हैं, लेकिन सीजन या काम का समय खत्म होने के बाद बेकार हो जाते हैं। ऐसे लोगों को बेरोजगार कहा जाता है। तीसरे पक्ष ऐसे हैं जिन्हें योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिली।

बेरोजगारी का मुख्य कारण जनसंख्या विस्फोट है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश में रोजगार सृजन की सारी योजनाएँ बेकार हो गई हैं। दूसरा कारण पढ़े- लिखे युवको में छोटे काम न करने की लालसा है। बेरोजगारी का तीसरा प्रमुख कारण भ्रष्ट शिक्षा व्यवस्था है। हमारी शिक्षा प्रणाली लगातार नए बेरोजगार लोगों को पैदा कर रही है।

हमारी शिक्षा में पेशेवर प्रशिक्षण का अभाव है। सरकार को लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना चाहिए। मशीनीकरण की डिग्री को इस हद तक बढ़ाया जाना चाहिए कि इससे रोजगार के अवसर कम न हों। इसलिए गांधी जी ने मशीन का विरोध किया, क्योंकि इसने कई शिल्पकारों के हाथ बेकार कर दिए।

बेरोजगारी के परिणाम भयानक हैं। बेरोजगार युवा कुछ भी गलत करने को तैयार हैं। वे शांति भंग करने में सबसे आगे हैं। जो लोग सोचते हैं कि शैक्षिक वातावरण धूमिल है, वे शैक्षिक वातावरण को भी चोट पहुँचाते हैं।

जब जनसंख्या की रफ़्तार धीमी होगी तभी बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो सकता है। युवा शारीरिक श्रम करें। सरकार को छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए। औद्योगिक प्रशिक्षण, शिक्षा में शामिल हों ताकि युवा आत्मनिर्भर बन पाए ।

४। भारत का किसान•सरल जीवन•मेहनती•गरीबी•दयनीय अवस्था के मूल कारण •निष्कर्ष

भारतीय किसान बड़ा ही सरल होता है । वह स्वर्गीय सुख की कामना नहीं करता। वह तो रुखा - सूखा खाकर भी आनंदित रहता है। वह स्वभाव से ही दयालु और सात्विक मानसिकता का होता है।

एक भारतीय किसान बहुत मेहनती होता है। गर्मी, सर्दी और बारिश के बावजूद वह काम में व्यस्त रहता हैं। किसान को गरजते बादल या तूफानी हवाएं कोई उसे उसके कर्म करने से नहीं रोक सकती । भारतीय किसानों का जीवन कठिन और चुनौतीपूर्ण होता है। दिन-रात काम करने पर भी वह जीवन की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता है। उसके पास न तन ढकने के लिए कपड़ा होता है और न ही पर्याप्त भोजन ।

गरीबी और अशिक्षा भारतीय किसानों के पतन का मूल कारण है। शिक्षा की कमी के कारण, वह कई बुराइयों से घिरा हुआ है । अंधविश्वास और रीति-रिवाज उनके जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। आज भी वह शोषण का शिकार है। आपकी मेहनत दूसरों के लिए सुख-समृद्धि लाती है पर खुद अभावग्रस्त है।

देश की प्रगति किसानों के जीवन में सुधार से जुड़ी है। किसान इस देश की आत्मा हैं। इसलिए हमें इसे सुधारने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। किसानों के महत्व को जानकर लाल बहादुर शास्त्री ने “जय जवान जय किसान” का नारा दिया। यदि जवान देश की सीमाओं की रक्षा करता है, तो किसान उस सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को समृद्धि प्रदान करते हैं ।

५। छात्र और अनुशासन

संकेत बिंदु -•महत्त्व•पहला अनुशासन का प्रभाव•व्यक्ति और समाज पर प्रभाव•जीवन पर प्रभाव

“अनुशासन” शब्द का अर्थ है -नियमों को व्यवस्था के अनुसार जीना। यदि कोई व्यवस्था तय है, तो उस पर जियो। व्यवस्था ठीक न हो तो जीवन में कोई भी नियम अपने लिए बना लें। अनुशासन जीवन को उपयुक्त बनाता है। इससे दक्षता में सुधार होता है। समय का पूरा सदुपयोग होता है।

पहले अनुशासन का पाठ सबसे पहले परिवार से ही सीखा जाता है। परिवार का सारा काम व्यवस्थित तरीके से होगा तो बच्चा भी अनुशासन पर ध्यान देगा। इसलिए लोगों को पहले अपने घर को अनुशासित करना चाहिए।

अनुशासन न केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए आवश्यक है, बल्कि सामाजिक जीवन के लिए भी नितांत आवश्यक है। व्यक्तिगत जीवन में अनुशासन का अर्थ है कि छात्रों को प्रत्येक कार्य को समय पर और क्रम से पूरा करने की आदत विकसित करनी चाहिए। अपने काम के घंटे निर्धारित करने होंगे। दिनचर्या निश्चित होनी चाहिए।

सामाजिक जीवन में अनुशासन आवश्यक है। जैसे ट्रेन, बस, स्कूल और कार्यालय हमेशा खुले रहते हैं, वैसे ही कर्मचारियों को अपने-अपने स्थानों पर समय पर काम करने के लिए तैयार

रहना चाहिए। कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही विद्यार्थी समय पर सामाजिक कार्यों में भाग लेने के तत्पर हों।

अनुशासन एक महत्वपूर्ण जीवन मूल्य है, वास्तव में अनुशासन एक प्रकार का स्वभाव है। एक विज्ञान है। अनुशासन का लक्ष्य जीवन को आरामदायक और सुविधाजनक बनाना है। एक अनुशासित व्यक्ति को सुशिक्षित और सभ्य माना जाता है। एक अनुशासित विद्यार्थी अपने जीवन में सफलता तो प्राप्त करता है ही साथ ही साथ समाज में ऊँचा दर्जा भी प्राप्त करता है।

अनुच्छेद - लेखन के कुछ अन्य विषय -

1.भारतीय संस्कृति: अनेकता में एकता

संकेत बिंदु- भारतीयता का भाव - समानता - समान भाषा-पहनावा- संस्कृति व् भोजन विभिन्नता में एकता

2.भारतीय नारी

संकेत बिंदु -समर्पण का स्वभाव -पश्चिमी नारी-भारतीय नारी- वर्त्तमान नारी

3. पर्यटन का महत्त्व संकेत बिंदु -पर्यटन क्या है? विकास एक उद्योग के रूप में-लाभ और शौक

4.समाचार पत्र का महत्त्व

संकेत बिंदु -समाज का सम्बन्ध -प्रचार का माध्यम- व्यापार में- उपयोगी मनोरंजन के लिए

5आदर्श विद्यार्थी संकेत बिंदु -अर्थ-जानने की इच्छा -परिश्रमी-अनुशासित-

6. ग्लोबल वार्मिंग-मनुष्यता के लिए खतरा -

संकेत बिंदु -ग्लोबल वार्मिंग क्या है? ग्लोबल वार्मिंग के कारण- ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव समस्या का समाधान।

7 नर हो न निराश करो मन को

संकेत बिंदु - आत्मविश्वास और सफलता की आशा से संघर्ष -विजय- कुछ भी असंभव नहीं महापुरुषों की सफलता का आधार।

8 सबको भाए मधुर वाणी

संकेत बिंदु -मधुर वाणी -सबको प्रिय-मधुर वाणी एक औषधि-मधुरवाणी का प्रभाव- मधुर वाणी की प्रासंगिकता।

9 बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भूमिका

संकेत बिंदु -शिक्षा और माता-पिता -शिक्षा की महत्ता -उत्तरदायित्व-शिक्षाविहीन नर पशु समान।

10.जीवन में सरसता लाते त्योहार

संकेत बिंदु - त्योहारों का देश भारत- नीरसता भगाते त्योहार-त्योहारों के लाभ
त्योहारों पर महँगाई का असर।

11.दिनोंदिन बढ़ती महँगाई

संकेत बिंदु - महँगाई और आम आदमी पर प्रभाव - कारण- महँगाई रोकने के उपाय- सरकार के कर्तव्य।

12.समाचार-पत्र एक : लाभ अनेक

अथवा

समाचार-पत्र : ज्ञान और मनोरंजन का साधन

संकेत बिंदु - जिज्ञासा पूर्ति का सस्ता एवं सुलभ साधन- रोज़गार का साधन- समाचार पत्रों के प्रकार- जानकारी के साधन ।

13. सबसे प्यारा देश हमारा

अथवा

विश्व की शान-भारत

संकेत बिंदु - भौगोलिक स्थिति -प्राकृतिक सौंदर्य- विविधता में एकता की भावना- अत्यंत प्राचीन संस्कृति।

14 सुरक्षा का आवरण: ओजोन

अथवा

पृथ्वी का रक्षक : अदृश्य ओजोन

संकेत बिंदु - ओजोन परत क्या है ? मनुष्य की प्रगति और ओजोन परत- ओजोन नष्ट होने का कारण -ओजोन बचाएँ जीवन बचाएँ।

15भ्रष्टाचार का दानव

अथवा

भ्रष्टाचार से देश को मुक्त बनाएँ

संकेत बिंदु - भ्रष्टाचार क्या है? देश के लिए घात- भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव- लोगों की भूमिका।

16भारतीय नारी की दोहरी भूमिका

अथवा

कामकाजी स्त्रियों की चुनौतियाँ

संकेत बिंदु -प्राचीनकाल में नारी की स्थिति- वर्तमान में नौकरी की आवश्यकता-दोहरी भूमिका और चुनौतियां- सुरक्षा और सोच में बदलाव की आवश्यकता।

17.बढ़ती जनसंख्या: प्रगति में बाधक

अथवा

समस्याओं की जड़ : बढ़ती जनसंख्या

संकेत बिंदु -जनसंख्या वृद्धि बनी समस्या - संसाधनों पर असरवृद्धि के कारण- जनसंख्या रोकने के उपाय।

18मोबाइल फ़ोन: सुखद व दुखद भी

अथवा

विज्ञान की अद्भुत खोज : मोबाइल फ़ोन

संकेत बिंदु -विज्ञान की अद्भुत खोज- फ़ोनों की बदलती दुनिया में - संचार क्षेत्र में क्रांति सस्ता और सुलभ साधन -लाभ और हानियाँ।

19 सांप्रदायिकता का फैलता जहर

अथवा

मानवता के लिए घातक : सांप्रदायिकता का जहर

संकेत बिंदु - सांप्रदायिकता-अर्थ एवं कारण -सांप्रदायिकता का जहर - सांप्रदायिकता की रोकथाम -हमारी भूमिका।

20सुविधाओं का भंडार: कंप्यूटर

अथवा

कंप्यूटर : आज की आवश्यकता

संकेत बिंदु - विज्ञान की अद्भुत खोज -बढ़ता प्रयोग- ज्ञान एवं मनोरंजन का भंडार- अधिक प्रयोग हानिकारक।

21विपति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत

अथवा

विपत्ति का साथी : मित्र

संकेत बिंदु मित्र की आवश्यकता - मित्र का स्वभाव- सन्मार्ग पर ले जाते मित्र -मित्र के चयन में सावधानियाँ।

22महानगरों की यातायात को सुखद बनाती-मैट्रो रेल

अथवा

यात्रा सुखद बनाती-मैट्रो रेल संकेत बिंदु - महानगरों का भीड़भाड़ युक्त जीवन - मैट्रो रेल की आवश्यकता- मैट्रो रेल के लाभ -सुखद यात्रा का साधन।

23जल है तो जीवन है

अथवा

जल ही जीवन है

अथवा

जल संरक्षण-आज की आवश्यकता

संकेत बिंदु -जीवन दायी जल- जल प्रदूषण के कारण- जल संरक्षण कितना ज़रूरी जल संरक्षण के उपाय।

****

पत्र-लेखन

पत्र लेखन एक विशेष कला - वास्तव में पत्र मानव के विचारों के आदान-प्रदान का अत्यंत सरल और सशक्त माध्यम है। पत्र हमेशा किसी को संबोधित करते हुए लिखे जाते हैं, अतः यह लेखन की विशिष्ट विधा एवं कला है। पत्र-लेखन के निम्नलिखित गुण आवश्यक हैं |

1. सरलता - पत्र सरल भाषा में लिखना चाहिए। भाषा सीधी, स्वाभाविक व स्पष्ट होनी चाहिए। अतः पत्र में व्यक्ति को पूरी आत्मीयता और सरलता दर्शानी चाहिए।

2. स्पष्टता - जो भी हमें पत्र में लिखना है यदि स्पष्ट, सुमधुर होगा तो पत्र प्रभावशाली होगा। सरल भाषा-शैली, शब्दों का चयन, वाक्य रचना की सरलता पत्र को प्रभावशाली बनाने में हमारी सहायता करती है।

3. संक्षिप्तता - पत्र में हमें अनावश्यक विस्तार से बचना चाहिए। अनावश्यक विस्तार पत्र को नीरस बना देता है। पत्र जितना संक्षिप्त व सुगठित होगा उतना ही अधिक प्रभावशाली भी होगा।

4. शिष्टाचार - पत्र प्रेषक और पत्र पाने वाले के बीच कोई न कोई संबंध होता है। आयु और पद में बड़े व्यक्ति को आदरपूर्वक, मित्रों को सौहार्द से और छोटों को स्नेहपूर्वक पत्र लिखना चाहिए।

5. आकर्षकता व मौलिकता - पत्र का आकर्षक व सुंदर होना भी महत्त्वपूर्ण होता है। मौलिकता भी पत्र का एक महत्त्वपूर्ण गुण है। पत्र में घिसे-पिटे वाक्यों के प्रयोग से बचना चाहिए। पत्र-लेखक को पत्र में स्वयं के विषय में कम तथा प्राप्तकर्ता के विषय में अधिक लिखना चाहिए।

6. उद्देश्य पूर्णता - कोई भी पत्र अपने कथन या मंतव्य में स्वतः संपूर्ण होना चाहिए। उसे पढ़ने के बाद किसी प्रकार की जिज्ञासा, शंका या स्पष्टीकरण की आवश्यकता शेष नहीं रहनी चाहिए। पत्र लिखते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कथ्य अपने आप में पूर्ण तथा उद्देश्य की पूर्ति करने वाला हो।

पत्र के प्रकार : 1. अनौपचारिक पत्र 2. औपचारिक पत्र

अनौपचारिक पत्र

बधाई पत्र

शुभकामना पत्र

निमंत्रण पत्र

विशेष अवसरों पर लिखे गये पत्र

सांत्वना पत्र

किसी प्रकार की जानकारी देने के लिए

कोई सलाह आदि देने के लिए....आदि

औपचारिक पत्र

प्रार्थना पत्र

आवेदन पत्र

बधाई पत्र

शुभकामना पत्र

धन्यवाद पत्र

सांत्वना पत्र शिकायती पत्र

संपादकीय पत्र

व्यावसायिक पत्र .....आदि

अनौपचारिक पत्र

1.अपने मित्र को परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए -

3/15 लाल नगर

आगरा

प्रिय मित्र भरत

नमस्ते

तुम्हारे पिता को फोन किया तो उन से ज्ञात हुआ कि तुमने बोर्ड की परीक्षा में अपने संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह समाचार सुनकर मेरा मन खुशी से भर गया। मुझे तो पहले से ही विश्वास था कि तुम परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हो जाओगे, लेकिन यह जानकर कि तुमने परीक्षा में प्रथम श्रेणी के साथ-साथ अपने संभाग में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है, मेरी खुशी की सीमा नहीं रही।

इस परीक्षा के लिए तुम्हारी मेहनत और नियमित अनुशासन पूर्वक पढ़ाई में ही तुम्हें इस सफलता तक पहूंचाया है।। मुझे पूरी आशा थी कि तुम्हारी मेहनत रंग लाएगी और मेरा अनुमान सच साबित हुआ।। तुम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से जीवन में कोई भी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

मैं सदा ही यह कामना करूंगा कि तुम्हें जीवन में हर परीक्षा में प्रथम आने का सौभाग्य प्राप्त हो और तुम इसी प्रकार परिवार और विद्यालय का गौरव बढ़ाते रहो। इतना ही नहीं,। इसी प्रकार मेहनत करते रहो और अधिक से अधिक अंक प्राप्त कर जीवन की सभी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करो।

शेष मिलने पर

तुम्हारा मित्र
क ख ग

2.अपने छोटे भाई को सुबह घूमने के लाभ से अवगत कराते हुए पत्र लिखो
11, सुंदर नगर
सहारनपुर

प्रिय भाई संजीव

स्नेहाशीष
हम सभी यहां पर कुशल पूर्वक हैं। आशा है तुम सब भी वहां पर स्वस्थ एवं कुशल होंगे। मां के पत्र से पता चला कि तुमने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस सफलता के लिए तुम्हें हार्दिक बधाई। माँ ने यह भी लिखा है कि तुम अपनी अगली परीक्षा की तैयारी में लगे हुए हो और रात को बहुत देर तक पढ़ते हो। रात को देर तक जगने की वजह से सुबह देर से उठते हो। अपने स्वास्थ्य के प्रति तुम्हारी लापरवाही साफ दिखाई दे रही है।
देखो संजीव, तुम जानते हो स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। यदि शरीर स्वस्थ नहीं होगा तो मन कैसे स्वस्थ रहेगा? यदि मन अस्वस्थ है तो विचार भी स्वस्थ नहीं होंगे। शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम की आवश्यकता होती है। तुम यदि व्यायाम नहीं कर सकते तो कम से कम सुबह उठकर घूमने अवश्य जाया करो।
प्रातः काल सूर्योदय से पूर्व बिस्तर छोड़कर खुली हवा में घूमने से शरीर का सारा आलस्य भाग जाता है। अंग अंग खुल जाता है और इस समय नदी पार्क या बगीचे की सैर मन को आनंद देती है। जल्दी सोने और जल्दी उठने से मनुष्य स्वास्थ्य, धनवान और बुद्धिमान बनता है। शुभम घूमने से मस्तिष्क तरोताजा हो जाता है और सारा दिन शरीर में स्फूर्ति का संचार होता रहता है। प्रातः भ्रमण आयु बढ़ाने के लिए हितकर है।। अतः तुम्हें प्रतिदिन सुबह घूमने अवश्य जाना चाहिए।
मुझे विश्वास है कि मेरा यह सुझाव तुम्हें पसंद आएगा और तुम इस पर अमल भी करोगे। मैं चाहता हूं कि तुम जितना अपनी पढ़ाई के लिए सचेत हो उतना ही ध्यान अपने स्वास्थ्य का भी रखो। मेरी कामना है कि तुम स्वस्थ और दीर्घायु हो।
घर पर मां और पिता को मेरा प्रणाम कहना और अपना ध्यान रखना।
तुम्हारा भाई
क ख ग
3. विदेश यात्रा पर जाने वाले मित्र को उसकी मंगलमय यात्रा की कामना के लिए पत्र लिखिए

12 नेहरू नगर,
प्रयागराज

प्रिय मित्र अमित

सस्नेह नमस्ते
तुम्हारा पत्र अभी अभी प्राप्त हुआ। यह जानकर खुशी हुई कि तुम 15 मार्च को अमेरिका जा रहे हो।। विदेश जाने का सपना तुम बचपन से ही देखा करते थे। सपना तुम्हारा साकार होने जा रहा है।। तुम्हारी इस अमेरिका यात्रा में मेरी अनेकों शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं। ईश्वर करे तुम्हारी यात्रा सफल हो। वह जाकर मुझे पत्र लिखते रहना और अपने अमेरिका में निवास के अनुभवों से परिचित कराते रहना।
मेरे मित्र अमित, इस बात का ध्यान रखना कि तुम भारतीय हो, अपनी सभ्यता और संस्कृति को मत भूलना।। विदेशी प्रभाव तुम्हारे व्यवहार और स्वभाव को प्रभावित ना करें।। तुम जैसे हो वैसे के वैसे ही लौट कर भारत वापस आना। मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

तुम्हारा मित्र
क ख ग

4.जन्मदिन पर उपहार भेजने के लिए मामाजी को धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए
12 नेहरू नगर,
प्रयागराज

आदरणीय मामा जी
सादर प्रणाम

अपने जन्मदिन पर आपके द्वारा भेजी गई घड़ी प्राप्त हो गई। मुझे आपका यह उपहार कितना सुंदर और उपयोगी लगा इसका वर्णन करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। घड़ी का अभाव मुझे कई वर्षों से खड़क रहा था पापा भी मेरी घड़ी की मांग को डालते जा रहे थे पर जाने कैसे आपने मेरे मन की बात जान ली।
कई बार स्कूल आने जाने में देर हो जाती थी। अब मैं अपने आप को अनुशासित बनाने का पूरा प्रयत्न करूंगा। इस घड़ी को उपहार में पाकर मैं कितना खुश हूं, आप उसका अनुमान ही नहीं लगा सकते। इतने सुंदर और मनचाहे उपहार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

आदरणीय मामी जी को मेरा प्रणाम कहिए। छोटी बहन रितु की बहुत याद आती है। उसे मेरा प्यार दीजिए।

आप का भांजा

क ख ग

5.छोटी बहन को पत्र लिखकर पढ़ाई के प्रति सजग होने की सलाह दीजिए

12 जवाहर नगर

मेरठ 17 दिसंबर 2021

प्रिय सुनीता

शुभाशीष

दो दिन पहले तुम्हारी छात्रावास की मित्र का पत्र प्राप्त हुआ। शायद तुम समझ गई होंगी तो उसने यह पत्र क्यों लिखा था। आजकल तुम गलत लड़कियों के साथ अपना समय अधिक बता रही हो तथा तुम्हारा ध्यान पढ़ाई से हटकर दूसरे विषयों की ओर जा रहा है। यह जानकर हमें अत्यधिक दुख हुआ।

तुम यह बहुत अच्छी तरह जानती हो कि छात्रावास में भेजने का मूल कारण क्या था? माँ और पिताजी दोनों ही चाहते हैं कि तुम पढ़ लिखकर अपना कैरियर बनाओ और इसके लिए तुम्हें अध्ययन की तरफ ध्यान लगाना होगा। अध्ययन शील व्यक्ति ही जीवन में कुछ बन सकता है। अध्ययन केवल ज्ञान बुद्धि नहीं करता बल्कि सही रास्ता दिखाकर कुसंगति से भी बचाता है। पढ़ाई का भी अपना एक अलग ही आनंद होता है। पढ़ाई हमे साधारण व्यक्तियों की श्रेणी से ऊपर उठा देती है। नियमित रूप से पढ़ाई में ध्यान लगाने वाले व्यक्ति जीवन में बहुत आगे बढ़ते हैं और उच्च स्थान को प्राप्त करते हैं।

मैं भी चाहती हूं कि तुम मेरी बातों पर ध्यान दो और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर पढ़ाई करो। तुम जीवन में निश्चित ही सफल होगी और अपने माता-पिता को गर्व करने का अवसर दोगी।

तुम्हारी बड़ी बहन

क ख ग

औपचारिक पत्र

1. अपने प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिए |

सेवा में
प्रधानाचार्य
प्रभात इंटर कॉलेज
आरा

महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा ग्यारहवीं का छात्र हूँ । मैं अपनी कक्षा में प्रतिवर्ष अच्छे अंको से उत्तीर्ण होता रहा हूँ । मैं विद्यालय की क्रिकेट टीम का एक सदस्य भी हूँ । इसके अतिरिक्त मैं विद्यालय की ओर से विभिन्न वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनेकों पुरस्कार ले चुका हूँ । मेरा प्रयास रहा है कि मैं विद्यालय का गौरव बढ़ा सकूँ। मैं अपनी कक्षा का मॉनिटर भी हूँ । अपने अनुशासन और अच्छे स्वभाव के कारण सभी अध्यापकों और विद्यार्थियों का स्नेह प्राप्त करता रहा हूँ ।
महोदय, मेरे पिताजी एक प्राथमिक विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। मेरी पढ़ाई का भर उठाने में असमर्थ सा महसूस कर रहे हैं। मेरा एक छोटा भाई और दो छोटी बहनें भी हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण आप को छात्रवृत्ति देने की कृपा करें। अपनी पढ़ाई को नियमित रखने के लिए छात्रवृत्ति की बहुत आवश्यकता है। पढ़ाई छूट जाने पर मेरा भविष्य अंधकार में हो जाएगा।
मैं उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने पिता का सहारा बनना चाहता हूँ ताकि अपने छोटे भाई और बहनों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग कर सकूँ । आप ही मेरे इस प्रयास में मेरी मदद कर सकते हैं। मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा।
धन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य
क ख ग

2.प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिए |
सेवा में
प्रधानाचार्य
जागरण कॉलेज
जालंधर

विषय - छात्रवृत्ति के संबंध में

महोदय,

सविनय निवेदन इस प्रकार है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं “स” की छात्रा हूँ । मैंने कक्षा 9 में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। सभी विषयों में मेरे अंक 90% से अधिक थे। मैं विद्यालय की और से अंतर विद्यालयी वाद विवाद प्रतियोगिता में अनेकों पुरस्कार भी जीत चुकी हूँ । पिछले वार्षिक उत्सव में मेरे द्वारा किए गए शास्त्रीय नृत्य के प्रदर्शन को सभी शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों द्वारा सराहा गया था।

मेरे पिताजी फायर ब्रिगेड विभाग में कार्यरत थे जिनका विगत वर्ष सुंदर नगर बाजार में लगी आग को बुझाते समय झुलस जाने के कारण देहांत हो गया था। मेरी माता जी एक गृहणी हैं। मेरे अतिरिक्त मेरा एक छोटा भाई और एक छोटी बहन भी है जो आपके विद्यालय में ही कक्षा पाँच और कक्षा तीन मैं अध्ययनरत हैं।

पिता की पेंशन सीमित होने के कारण घर का घर और हम तीनो भाई बहनों की विद्यालय की फीस जमा करना कठिन है। अतः आपसे निवेदन है कि मुझे छात्रवृत्ति प्रदान करें ताकि मैं आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रख सकूँ। मैं उच्च शिक्षा प्राप्त कर डॉक्टर बनकर अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन करना चाहती हूँ ।

आपकी इस कृपा के लिए मैं सदैव आपकी आभारी रहूंगी।

धन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या

क ख ग

कक्षा - दस “स”, अनुक्रमांक-3

दिनांक - 12 जुलाई, 2021

3.प्रधानाचार्य को पुस्तकालय में नवीनतम विषयों से संबन्धित पुस्तकें और पत्रिकाएँ मंगाने के लिए निवेदन पत्र लिखिए |

सेवा में

प्रधानाचार्य महोदय

लाल बहादुर कॉलेज

जवाहर नगर

विषय - पुस्तकालय में हिंदी पुस्तकें और पत्रिकाएं उपलब्ध कराने के संबंध में|

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में अधिकांश पुस्तकें कई वर्ष पुरानी है। इंटरनेट और कंप्यूटर आदि नवीन विषयों से संबंधित पुस्तकें बहुत ही कम है। साथ ही प्रतियोगी

परीक्षाओं और समसामयिक विषयों से संबंधित पत्रिकाएं हमारे पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है। विशेषकर हिंदी में तकनीकी पुस्तकों की कमी है। आज के समय में नवीनतम तकनीकी और समसामयिक विषयों का ज्ञान होना विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।
आशा है, आप हमारी इस प्रार्थना को स्वीकार कर विद्यालय प्रभारी को नवीनतम पुस्तक और पत्रिकाओं को मनाने के लिए निर्देश देंगे।
आपकी इस कृपा के लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
क ख ग
कक्षा - दस "ग", अनुक्रमांक-23
दिनांक - 22 जुलाई, 2021

4. अपने क्षेत्र में वर्षा के कारण उत्पन्न जलभराव की समस्या के लिए नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखिए
सेवा में,
नगर पालिका अधिकारी,
मंगल नगर पालिका
प्रमोद नगर

विषय - जलभराव की समस्या के समाधान हेतु|

महोदय,
निवेदन है कि मैं नेहरू कॉलोनी शामली का निवासी हूँ । पिछले कई दिनों से यहाँ के कुछ सीवर बंद पड़े हैं। गंदा पानी गलियों और सड़कों पर बह रहा है। निरंतर बारिश से हालात और भी खराब हो गए हैं। सड़कों पर जगह-जगह पर गड्ढे बन गए हैं जिसमें वर्षा का पानी भर गया है। यह पानी और सड़ता जा रहा है।
पिछले दिनों की वर्षा के कारण जगह जगह पर नगर पालिका क्षेत्र में छोटे छोटे तालाब बन गए हैं। इन तालाबों में मक्खी मच्छर आदि कीटाणु पैदा होकर बीमारियों के फैलने को बढ़ावा दे रहे हैं।
मेरा आपसे निवेदन है कि आप रुके हुए पानी को निकालने के लिए कोई उचित प्रबंध कराएं। बंद सीवर लाइनों को खुलवाएं और सड़कों पर बने गड्ढों को भरवाने की व्यवस्था करें जिससे मच्छर आदि ना फैले। इसके लिए हम आपके सदैव आभारी रहेंगे।

धन्यवाद
प्रार्थी
क ख ग
नेहरू कॉलोनी, शामली
16 अगस्त 2021

5.अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का ध्यान दैनिक समाचार पत्र के संपादक को लिखे पत्र के माध्यम से आकर्षित कराइए|
सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
हल्द्वानी रोड, बरेली

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से अपने नगर में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों की और अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । मैं बीबीनगर क्षेत्र में रहने वाला नागरिक हूँ । आज कल होने वाली बिजली संकट ने यहाँ के निवासियों को परेशान कर रखा है। इससे पहले कभी भी इतनी परेशानी नहीं हुई थी।
इस संकट का सामना सबसे अधिक आम लोगों को दुकानदारों को और छात्रों को करना पड़ रहा है। शाम होते ही सब सब जगह अंधेरा हो जाता है। पढ़ने वाले छात्र-छात्राएँ कुछ भी पढ़ने में असमर्थ हो जाते हैं।
पानी की समस्या तो और भी अधिक गंभीर हो गई है। बिजली के अभाव में पानी मोटर से ऊपर की मंजिल तक नहीं पहुंच पा रहा है। हैरानी वाली बात यह है कि नगर में रहने वाले उद्योगपतियों और अधिकारियों के घर के क्षेत्र में बिजली एक मिनट के लिए भी नहीं नहीं जाती है। उन्हें आम आदमियों की परेशानियों का अंदाजा कैसे लगेगा?
मैं आपके पत्र द्वारा इन भ्रष्ट अधिकारियों की पोल खोलना चाहता हूं। इस कार्य में आपके सहयोग के लिए मैं आपका सदा आभारी रहूंगा।

धन्यवाद
क ख ग
बीबी नगर
19 नवंबर 2021

अभ्यास पत्रक { अनौपचारिक पत्र }

छात्रावास की दिनचर्या एवं अपना कुशल-क्षेम बताते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए ।

.....

पूज्य----------

आपका .....

.....

अभ्यास पत्रक {औपचारिक पत्र }

अपने क्षेत्र में चोरी की बढ़ती हुई घटनाओं पर खेद और रोष प्रकट करते हुए स्थानीय समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

सेवा में

.....

विषय : .....

महोदय,

भवदीय

दिनांक

स्ववृत्त लेखन

" राजमार्ग पर चलने वाले रास्ता नहीं चुनते; रास्ता उन्हें चुनता है| "

-सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय|

स्ववृत्त लेखन का तात्पर्य है-स्वयं अपने बारे में संक्षिप्त रूप से आवश्यक सूचना प्रदान करना|स्ववृत्त व्यक्ति की विशेषता का परिचायक होता है|यह एक बना बनाया प्रारूप होता है,जिसे विज्ञापन के प्रत्युत्तर में आवेदन पत्र के साथ भेजा जाता है|इसमें व्यक्तिगत विवरण देने के साथ-साथ शैक्षणिक योग्यता,अनुभव,प्रशिक्षण,उपलब्धियाँ,कार्येतर गतिविधियाँ आदि का भी उल्लेख होना ज़रूरी है|स्ववृत्त का आकार अति संक्षिप्त अथवा ज़रूरत से ज़्यादा लंबा नहीं होना चाहिए|अंग्रेज़ी में इसे Bio-data या Resume कहते है|स्ववृत्त सुन्दर और आकर्षक होना चाहिए|भाषा सरल-सीधी,सटीक और साफ़ होनी चाहिए ताकि एक नज़र में सारी बातें स्पष्ट हो जाएँ|

व्यक्तिगत सूचनाएँ:

नाम :
पिता का नाम :
माता का नाम :
जन्म तिथि : २५ अगस्त १९८०
वर्त्तमान पता : बी-३५,गोपाल पूरी,बाली गंज,कोलकत्ता,प.बं. १२३४५६
स्थायी पता : जनक पुरी,माधव पुर,जिला आज़म गढ़,उ.प्र.-१२००७५
मोबाईल नं. : २२२२२२२२२२
ई-मेल : २९कखग@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ:

क्रम.सं.	परीक्षा का नाम	वर्ष	विद्यालय /बोर्ड का नाम	परीक्षा के विषय	श्रेणी	प्रतिशत अंक
01	दसवीं		जवाहर नवोदय विद्यालय	हिन्दी,अंग्रेज़ी,गणित,विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	९४%
02	बारहवीं		राजकीय इंटर कोलेज	हिन्दी,अंग्रेज़ी,गणित,भौतिकी, रसायन विज्ञान	प्रथम	९३%
03	बी.एस.सी.		दिली विश्व विद्यालय	गणित,भौतिकी, रसायन विज्ञान	प्रथम	८९%

अन्य सम्बंधित योग्यताएँ:

1.कम्पूटर का अच्छा ज्ञान एवं अभ्यास

2.हिन्दी एवं अंग्रेज़ी के साथ जर्मन भाषा का कार्यसाधक ज्ञान

उपलब्धियाँ:

1.अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता [वर्ष २००१]में प्रथम पुरस्कार,

2.विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम का कप्तान[वर्ष २००३-२००४]

कार्येतर गतिविधियाँ और अभिरुचियाँ:-

1.आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं एवं अखबारों का नियमित पठन

2.फ़ुटबाल देखना एवं क्रिकेट खेलना

प्रतिष्टित व्यक्तियों का सन्दर्भ:

1.श्री रामनाथ,पोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

2.श्री सुशील वर्मा,प्रोफेसर एवं मुख्या नियंता,दिली विश्वविद्यालय

उद्घोषणा

मैं यह लिखित घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा प्रदत्त उपरोक्त सभी सूचनायें मेरे ज्ञान और विश्वास के आधार पर सत्य और पूर्ण हैं|

तिथि: 30 अगस्त २०२१

स्थान: जनक पुरी हस्ताक्षर:.....

ई-मेल लेखन

आज के आधुनिक समय में ई-मेल लेखन बहुत ज़रूरी हो गया है|जल्दी जानकारी प्राप्त करने के लिए या आवश्यक सूचना एवं करवाई के लिए,अंग्रेज़ी की तरह हिन्दी में भी ईमेल लिखा जाता है| ई मेल 20 से 30 शब्दों से अधिक ना होना बहत्तर है|

जिला अस्पताल की अव्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एक ई मेल भेजिए:-

प्रेषक (From)	२९कखग@gmail.com
सेवा में (To)	१२३चछज@gmail.com
विषय- सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था के विषय में:-	

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं एक जागरूक नागरिक हूं और इस ईमेल के माध्यम से सरकारी अस्पताल में अव्यवस्था के बारे में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। क ख ग सरकारी अस्पताल में चिकित्सक मरीजों को देख नहीं रहे हैं। देर से आते हैं और जल्दी चले जाते हैं। इलाज के नाम पर बाहरी दवा लिखते हैं और निजी प्रयोगशाला से जांच कराने के लिए कहते हैं। इसके अलावा अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था भी उचित नहीं है। अस्पताल में चिकित्सकों और वहां के कर्मचारियों की मनमानी चल रही है। अतः हम आपसे अनुरोध कर रहे हैं कि सरकारी अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को सुधारने का कष्ट करें ताकि हमारे क्षेत्र के लोगों को सही चिकित्सा सेवा मिल सके। इसके लिए हम आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद!
भवदीय

अ० ब० स०

<u>कार्यपत्रक</u>

1.आपने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना अध्ययन पूरा कर लिया है और किसी प्रसिद्ध अखबार में पत्रकार पद के लिए आवेदन भेजना है|इस केलिए एक स्ववृत्त तैयार कीजिए|

नाम :
पिता का नाम :
माँ का नाम :
जन्म तिथि :
वर्तमान पता :
स्थायी पता :
मोबाइल नं :
ई-मेल :
शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा का नाम	वर्ष	विद्यालय /बोर्ड का नाम	परीक्षा के विषय	श्रेणी	प्रतिशत
1.						
2.						

3.						
4.						

अन्य सम्बंधित योग्यताएँ:-

1.

2.

उपलब्धियां:

1

2

कार्येतर गतिविधियाँ और अभिरुचियाँ:

1.

2.

प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सन्दर्भ :

1.

2.

उद्घोषणा

मैं यह लिखित घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा प्रदत्त उपरोक्त सभी सूचनायें मेरे ज्ञान और विश्वास के आधार पर सत्य और पूर्ण हैं|

स्थान:

दिनांक: **हस्ताक्षर:.....**

2.वन-महोत्सव के अवसर पर पौधारोपण की इच्छा प्रकट करते हुए एवं पौधों की व्यवस्था करने का अनुरोध करते हुए अपने नगर के उद्यान अधिकारी को एक ई-मेल लिखिए:-

प्रेषक (From)	
सेवा में (To)	
विषय-	
महोदय, ...	

.....
.....
.....
.....

धन्यवाद|
भवदीय
.....

****

संदेश लेखन

अर्थ एवं परिभाषा- किसी व्यक्ति विशेष या समूह द्वारा अन्य व्यक्ति तक पहूंचाएँ जानेवाले सुखद,दुखद ,आवश्यक तथा सामान्य सूचना या समाचार संदेश लेखन कहलाता है ।

संदेश-लेखन में इस बात का ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि संदेश देनेवाले का भाव स्पष्ट तथा सही रूप में प्रकट हो जाए । संदेश चाहे व्यक्तिगत रूप में हो या सामूहिक रूप में हो ,उसक संप्रेषण उचित एवं सटीक होना है अति आवश्यक है ।

संदेश के प्रकार -

1 राष्ट्रीय संदेश- जो संदेश राष्ट्र को संबोधित करके दिए जाते हैं,"राष्ट्रीय संदेश"कहलाते है जिनका एक निश्चित समय, दिनांक तथा आकर होता है ।

2 शुभकामना संदेश -किसी पर्व/त्योहार, मांगलिक कार्य,बधाई आदि देनेवाले संदेश शुभकामना संदेश कहलाते है ।

3 विशेष अवसर पर दिए जानेवाले संदेश -कुछ संदेश किसी विशिष्ट उपलब्धि या विशेष अवसर पर भी दिए जाते है ।

4 सुखद संदेश-मन को प्रसन्नता देनेवाले, सुखद अहसास करानेवाले संदेश "सुखद संदेश"कहलाते है ।

5 शुभप्रभात संदेश-प्रतिदिन सुबह-सुबह अपने सगे-संबंधियों, रिश्तेदारों, मित्रों, को दिए जानेवाले सुप्रभात संदेश इसके अंतर्गत आते है ।

6 प्रेरणादायक संदेश-जिन संदेशों से जीवन में प्रेरणा प्राप्त होती है,ऐसे संदेश प्रेरणादायक संदेश कहलाते है;

7 व्यक्तिगत संदेश -माता-पिता, भाई-बहन, संबधियों को देनेवाले संदेश व्यक्तिगत संदेश कहलाते है ।

8 मिश्रित संदेश -देशभक्ति, बीमारी, भूकंप, सूखा, बारिश, तूफान, आदि से संबंधित संदेश मिश्रित संदेश कहलाते है ।

संदेश लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें-

किसी भी प्रकार के संदेश को लिखते समय निम्न बतों का ध्यान रखना अति आवश्यक है -

*संदेश लिखते समय अपनी तरफ से कोई नई बात नहीं जोड़नी चाहिए ।

*उचित शब्दों एवं वक्यों का प्रयोग करना चाहिए ।

*निर्धारित प्रारूप(Format) के अनुसार ही लिखना चाहिए ।

*संदेश की विषय-वस्तु में उन्हीं बातों को सम्मिलित किया जाना चाहिए जो अति आवश्यक हो ।

*संदेश लिखे जाने का समय एवं तिथि अवश्य दिया जाना चाहिए ।

*व्याकरणिक एवं वर्तनी संबंधी अशुद्धियॉ नहीं होनी चाहिए ।

*संदेश लिखते समय शब्द-सीमा का ध्यान अवश्य रखें ।

*जिस व्यक्ति को संदेश देना है, प्रारंभ में उसका नाम तथा अंत में संदेश लेखक के हस्ताक्षर अवश्य होने चाहिए ।

संदेश की विशेषताएँ-

1 किसी भी प्रकार का संदेश संक्षिप्त तथा तथ्यपरक होना चाहिए ।

2 संदेश औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों प्रकार का हो सकता है ।

3 संदेश लिखते समय कोई भी प्रमुख बात छूट्नी नहीं चाहिए ।

4 संदेश कम शब्दों में उचित तथा अधिक बात कहनेवाला होना चाहिए ।

संदेश का प्रारूप

समय् :----------

तिथि:----------

---------- (संबंधित व्यक्ति का नाम)

---------- विषय वस्तु(संदेश)

प्रेषक का नाम

1. आपका मित्र विदेश मे रहता है, उसे होली की शुभकामनाएँ देते हुए एक संदेश लिखिए-

मित्र को संदेश

संदेश

अपराह्न 3.30 बजे

17/12/2021

पवन

रंग-बिरंगे रंगों और भाईचारे से भरपूर खुशियों और उल्लास का त्योहार होली तुम्हारे जीवन में उत्साह और उमंग का संचार कर दे ।

परिवार के सभी लोगों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ ।

--(रजत)

2 अपने चाचाजी को सुप्रभात संदेश लिखिए ।

संदेश

प्रात: 5.00 बजे

18/12/2021

चाचाजी

नई सुबह.....खुशियों का घेरा,

सूरज की किरणें ,चिडियों का बसेरा,

ऊपर से आपका ये खिलता हुआ चेहरा ,

मुबारक हो आपको ये सुहाना सवेरा ।

सुप्रभात

(राकेश)

---

3. आपके मित्र को तीरंदाज़ी प्रतियोगिता में स्वर्ण-पदक मिलने पर शुभकामना संदेश लिखिए

मित्र को संदेश

संदेश

अपराह्न 3.00 बजे

20/12/2021

सुशांत

सुमेश से तुम्हारी उपलब्धि के विषय में पता चला ।राष्ट्रीय तीरंदाज़ी प्रतियोगिता में तुम्हें स्वर्ण पदक मिला । इस कामयाबी में तुमने अपने परिवार,समाज और देश का नाम रोशन कर दिया ।मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ ।

मनोज

---

4 शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने प्रिय अध्यापक केलिए संदेश लिखिए

संदेश

पूर्वाह्न 10.00 बजे

21/12/2021

आदरणीय अध्यापक जी

आप मेरे जीवन की प्रेरणा है,गाइड है,आप ही मेरे प्रकाश-स्तंभ है।मैं मन की गहराइयों से आपका आभारी हूँ ।शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ।

शिवानि

---

5. देशभक्ति की प्रेरणा देते हुए अपने छोटे भाई को संदेश लिखिए-

संदेश

अपरह्न 2 बजे

27/12/2021

अमन

जो देश के लिए शहीद हुए उनको मेरा सलाम ।अपने खून से जिस ज़मीन को सींचा,उन बहादुरों को सलाम है ।एकता और अखंडता हमारी पहचान है ।मेरा देश मेरी जान है ,हमें हिंन्दुस्तानी होने पर अभिमान है ।

(पवन)

---

6. प्रधानमंत्री जी का "कोरोना वायरस"से बचाव को लेकर राष्ट्र के नाम संदेश लिखिए -

संदेश

सायं -7.00 बजे

14 मई 2020

मित्रों।

:कोरोना वायरस"से बचाव के लिए सोशल डिस्टंसिंग रखें ।मुँह और नाक को ढककर रखें ।मास्क लगाएँ तथा बार-बार साबुन से हाथ धोते रहें। बिना ज़रूरत के घर से बाहर न निकले ।घर के अंदर रहें ,सुरक्षित रहे ।पना ध्यान रखें ।

(आपका अपना)

---

7. अपनी मॉ के जन्मदिन के अवसर पर संदेश लिखिए

संदेश

प्रात:6.00 बजे

27/12/2021

प्यारी मॉ

लोग मंदिर-मस्जिद में जन्नत तलाश करते हैं।मेरी मॉ के चरण ही मेरी जन्नत है।मेरा आदर्श,मेरी पहचान मेरी मॉ है।मैं बहुत खुश्किस्मत हूँ कि मुझे भगवान जैसी मॉ मिली।तुम मेरी सबसे प्रिय मित्र हो।प्यारी मॉ जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर तुम्हें सदा स्वस्थ रखें ।

(नेहा)

****

कार्यपत्रक

1 अपने मित्र को दीपावली की शुभकामना -संदेश लिखिए

अपने मित्र को हिन्दी दिवस पर संदेश लिखिए -

विज्ञापन लेखन

विज्ञापन का अर्थ है ¬--सूचना देना या धुआँधार प्रचार करना | विज्ञापन लेखन केलिए आवश्यक है कि वह ध्यानाकर्षक हो | वि (विशेष)+ज्ञापन (जानकारी देना) अर्थात किसी के बारे में विशेष रूप से जानकारी देना | आधुनिक समय में विज्ञापनों से प्रभावित होकर ही अधिकांश लोग किसी वस्तु को खरीदते हैं | इस से उस वस्तु की बिक्री बढ़ जाती हैं |

विज्ञापन लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातें -

*सबसे अधिक ध्यान विज्ञापित वस्तु पर होना चाहिए |

*जिस चीज़ का विज्ञापन करना है, उसका नाम एक से अधिक बार आना चाहिए |

*विज्ञापित वस्तु के सबसे आकर्षक गुणों का बार-बार उल्लेख करना चाहिए | जिस गुण में वह सबसे अनूठी है, उसका उल्लेख अवश्य होना चाहिए |

*विज्ञापन की भाषा में उत्तेजक प्रेरणा वाला एकाध स्लोगन (नारा) अवश्य होना चाहिए | जैसे -

* आज ही खरीदें!

* सफलता की सर्वोत्तम कुंजी!

* अवसर न चूकें!

* स्टॉक सीमित है |

* देख, कहीं पछताना न पड़ें!

* सुनहरा अवसर!

* बंपर सेल!

* पहले आओ, पहले पाओ!

* जल्दी कीजिए!

* धमाका!

* बचत ही बचत !

* सफलता की गारंटी!

* विज्ञापन को हमेशा नए पृष्ठ से शुरू करें |

* विज्ञापन में सारी बातें आकर्षक रूप से लिखें |

* भाषा बहुत ही सटीक और प्रभावशाली होनी चाहिए |

* विज्ञापन की शब्द सीमा अधिकतम 50 शब्द होनी चाहिए |

* दैनिक अखबारों में आनेवाले तथा दूरदर्शन पर आनेवाले विज्ञापन पढ़ते रहना चाहिए |

* विज्ञापन में कभी भी अपने मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी का ज़िक्र न करें | (काल्पनिक रूप का प्रयोग करें) जैसे -+91***9338**9 ,तथा www.123xyz.com आदि |

विज्ञापन के कुछ उदाहरण

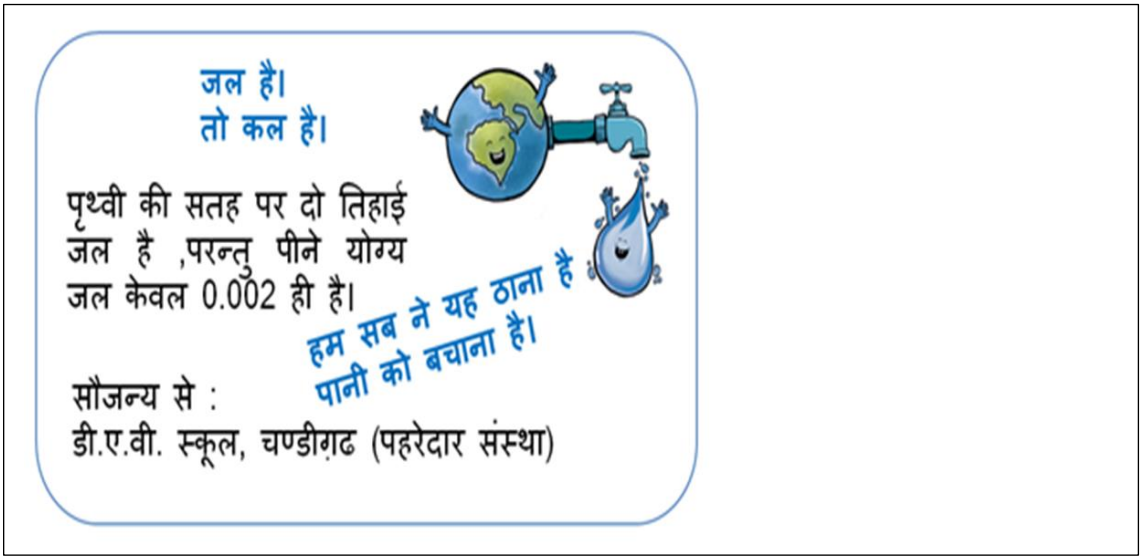

विज्ञापन लेखन के लिए छात्र यह उदाहरण देखें -

1 'रक्षक' हेलमेट बनाने वाली-कंपनी' की बिक्री बढ़ाने के लिए विज्ञापन तैयार करना -

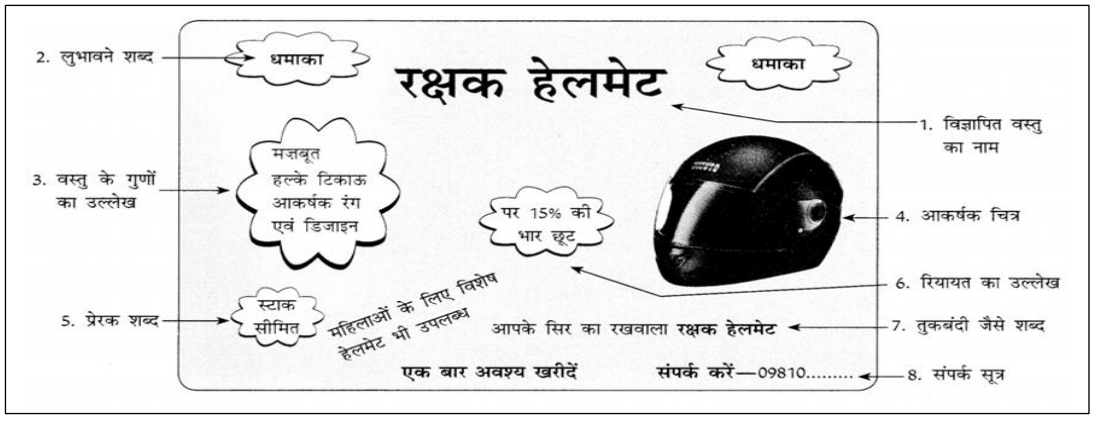

2 मॉडर्न स्कूल ,चंडीगढ़ की रंग रचना सभा द्वारा बनाए गए चित्रों एवं कलाकृतियों की बिक्री एवं प्रदर्शिनी का उल्लेख करते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए|

3 ... ्र के लिए एक
वि...

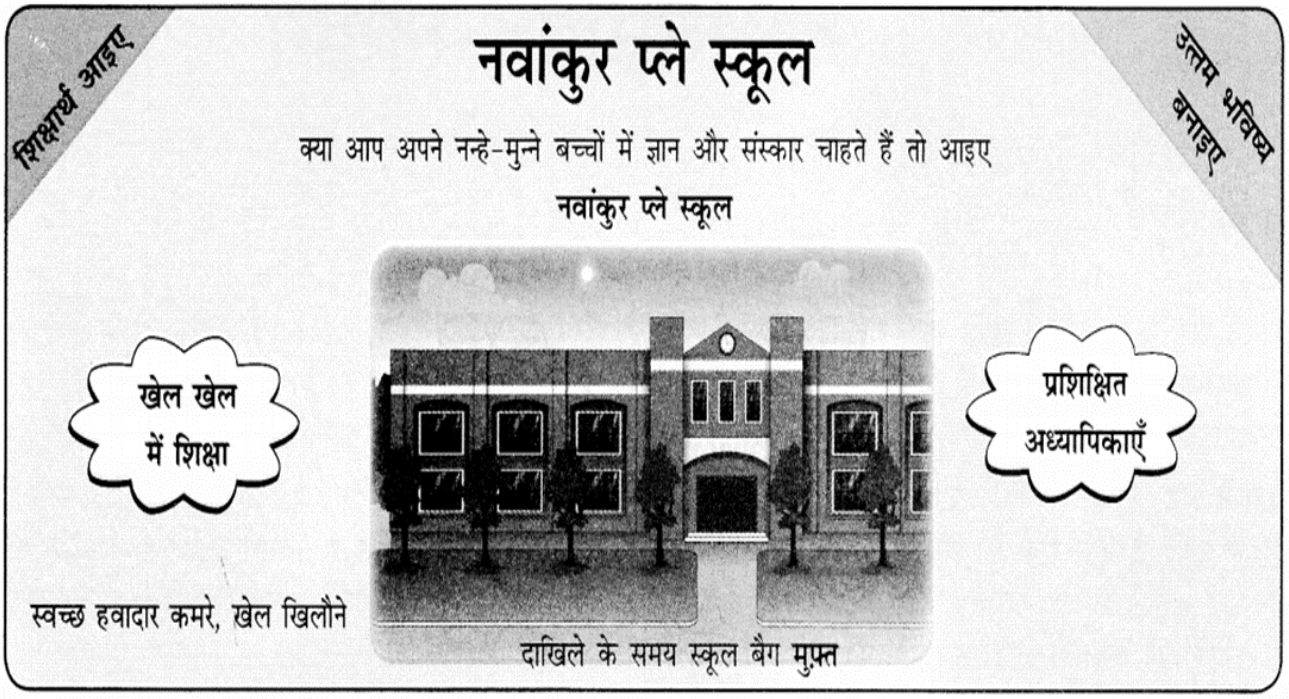

'रुचिकर परिधान शो रुम' को अपने परिधानों की बिक्री बढ़ानी है। वे सभी परिधानों पर 20% की छूट दे रहे हैं। इस संबंध में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

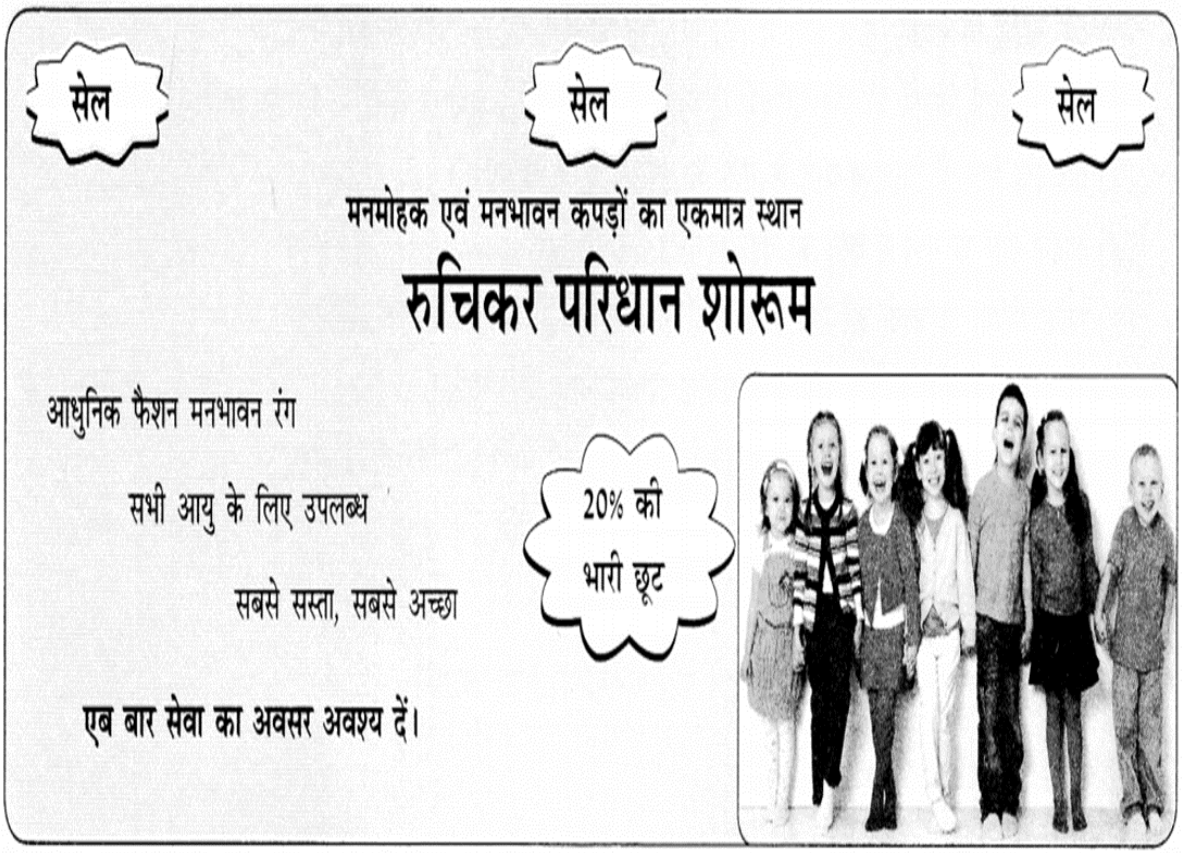

उत्तर प्रदेश पर्यटन निगम पर्यटकों की संख्या बढ़ाना चाहता है। उसके लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

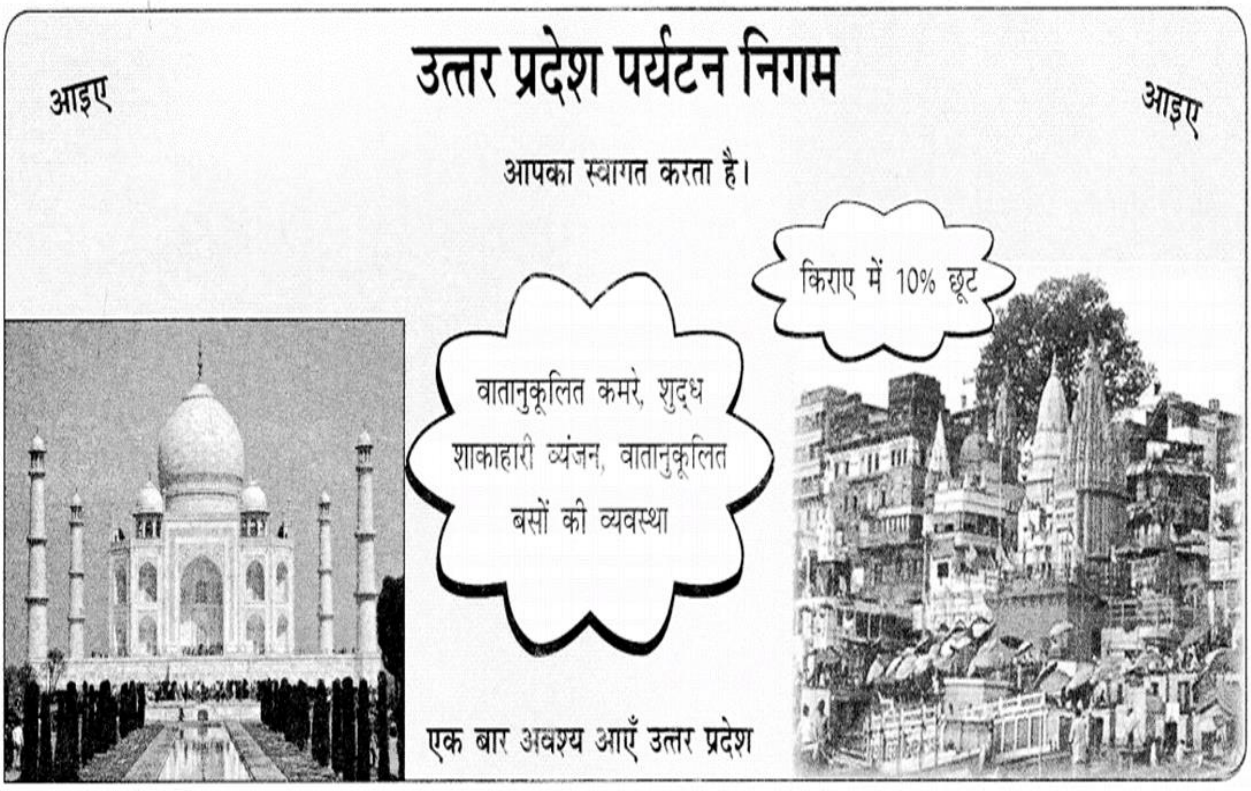

अभ्यास-प्रश्न

1‘सरस्वती पुस्तक भंडार’ पुस्तक की बिक्री बढ़ाने हेतु विज्ञापन तैयार करवाना चाहता है। आप उसके लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

2आपको अपनी पुरानी मोटर साइकिल बेचनी हैं। इसके लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।

3आप एक योग प्रशिक्षण केंद्र खोलना चाहते हैं। इस संबंध में युवाओं को आकर्षित करने वाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

4‘प्रकाश’ एल.ई.डी. बल्ब बनाने वाली कंपनी की बिक्री बढ़ाने हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।

5आपने अपना नया कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र खोला है। यहाँ प्रवेश लेने के लिए शिक्षार्थी आकर्षित हों, इसके लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

****

प्रतिदर्श

प्रश्न पत्र

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

एरनाकुलम संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र विषय: हिंदी (००२)

अधिकतम अंक : 80 **समय 3 घंटे**

सामान्य निर्देश :

(i)इस प्रश्न के तीन अंक के तीन खंड है-खंड क,ख और ग |

(ii)प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं |

(iii)प्रत्येक खंड में निर्देशानुसार परीक्षार्थियों द्वारा पहले उत्तर किये गए वंचित प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा |

(iv)बहु विकल्पीय प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही सही विकल्प हैं | एक विकल्प से अधिक उत्तर देने पर अंक नहीं दिए जायेंगे |

खंड -अ

(बहु विकल्पी प्रश्न)

1.नीचे दिए अपठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए |1x5=5

हमारी सभ्यता साहित्य पर आधारित है और साहित्य में हित अर्थात कल्याण के भाव का समाविष्ट होना आवश्यक है | मनुष्य सौन्दर्य चेतना को धारण करता हुआ कल्याण के मार्ग से विमुख न हो जाए, इस दृष्टि से साहित्य में हित की भावना रखी गई है | साहित्य में हित चिंतन समष्टिगत होता है ,लोक कल्याण की भावना पर आधारित होता है | उसमें विश्व प्रेम एवं लोकरंजन की भावना समाहित होती है |साहित्यकार साहित्य का सृजन अपने स्वार्थ के लिए नहीं, अपितु समाज के उपयोग के लिए करता है |प्रत्येक समाज का अपना अलग रहन-सहन, परंपरा ,संस्कृति ,संस्कार और इतिहास है पर साहित्य इन सभी बातों को समेट कर प्रत्येक समाज के घटना को दूसरे समाज से आदान प्रदान करता है | इस प्रकार साहित्य शब्द और अर्थ संयुक्त रचना है जिसमें कल्याण की भावना निहित होती है | साहित्य में जीवन की उपयोगिता के विषय में कभी -कभी संदेह किया जाता है | कहा जाता है कि जो स्वभाव से अच्छे हैं वह अच्छे ही रहेंगे ,चाहे कुछ भी पढ़े| जो स्वभाव से बुरे हैं बुरे ही रहेंगे चाहे कुछ भी पढ़े ।

इसे सत्य मान लेना मानव चरित्र को बदल देना होगा इस कथन में सत्य की मात्रा बहुत कम है | हम कितने भी पतित हो जाए ,पर असुंदर की ओर हमारा आकर्षण नहीं हो सकता |मनुष्य स्वभाव से देव तुल्य है | जमाने के छल प्रपंच और परिस्थितियों के वशीभूत होकर अपना देवत्व खो बैठता है | साहित्य इसी देवत्व को अपने स्थान पर प्रतिष्ठित करने की चेष्टा करता है | साहित्य उप देशों से नहीं , नसीहतो से नहीं ,अपितु हृदय के कोमल भावों से भावों को स्पंदित करके और मन के कोमल तारों को झनझना कर अपना अभीष्ट प्राप्त करता है |

1.उपर्युक्त गद्यांश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक हो सकता है | 1

क .कल्याण भाव का समावेश ख.साहित्य के कल्याण भावना

ग.साहित्य और समाज घ.परोपकार

2.कल्याण का भाव होता है - 1

क.विचारों से ख. विदेशों से

ग. साहित्य से घ. देवता से

3.मनुष्य अपना देवत्व कब नहीं खोता?

1

क. छल प्रपंच से वशीभूत होकर ख. सद मार्ग से विमुख होकर

ग.परिस्थितियों के वशीभूत होकर घ.कल्याण भाव समाविष्ट कर

4.गद्यांश के अनुसार मानव का स्वभाव है- 1

क. छल प्रपंचयुक्त ख. परोपकारी

ग. देव तुल्य घ.राक्षसी

5.गिरा हुआ मनुष्य भी आकर्षित नहीं होता -

1

क.असुंदर की ओर ख.दूसरे मनुष्य की ओर

ग.लूट के धन की ओर घ.देश प्रेमी की ओर

II.नीचे दो अपठित काव्यांश दिए हैं | किसी एक काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए |

1x5=5

तरुणाई है नाम सिंधु की उठती लहरों के गर्जन का
चट्टानों से टक्कर लेना लक्ष्य बने जिसके जीवन का
विफल प्रयासों से भी दूना वेग भुजाओं में भर जाता
जोड़ा करता जिनकी गति से नव उत्साह निरंतर नाता
पर्वत के विशाल शिखरों सा यौवन उसका ही है अक्षय
जिसके चरणों पर सागर के होते अनगिनत ज्वार सदा लय|
अचल खड़े रहते जो ऊंचा शीश उठाए तूफानों में
सहनशीलता दृढ़ता हसती जिनके यौवन के प्राणों में
वही पंथ-बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हो निर्झर
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर
आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगह है लहराई |
आज विगत युग के पतझर तुमको नव मधुमास खिलाना
नवयुग के पृष्ठों पर तुमको नूतन इतिहास लिखाना
उठो राष्ट्र के नव यौवन तुम दिशा- दिशा का सुन आमंत्रण
जगो देश के प्राण , जगा दो नए प्रात का नया जागरण
आज विश्व को यह दिखला दो ,हमें भी जागी तरुणाई
नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अंगड़ाई |

1.कविता के अनुसार तरुणाई की विशेषता है - 1

क.साहस ख. जुझारूपन
ग. संकटों से टकराने ,लड़ने और उन्हें जीतने का प्रबल वेग घ. उपर्युक्त सभी

2.नवयुवक उदित रहता है - 1
क.मुसीबतों की चट्टानों से भिड़ने को ख.विफलताओं से जूझने को
ग.तूफानों और बाधाओं से लड़ने को घ. उपर्युक्त सभी

3.कभी युवकों का आह्वान करता है - 1
क.जीवन की बाधाओं और चुनौतियों का सामना करने के लिए ख.भूतकाल के पराजय से अनुभव लेकर नई राह विकसित करने के लिए
ग.उपर्युक्त दोनों घ.उपर्युक्त कोई नहीं

4.कवि युवाओं को शिक्षा लेने को कह रहा है - 1

क.भूतकाल की कमियों से ख.ह्रासों से
ग.पराजय के पतझड़ से घ.उपरोक्त सभी से

5,उपयुक्त काव्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक हो सकता है 1

क.तरुणाई ख. उत्साह
ग.तरुणाई का उत्साह घ.प्रगति का मंत्र

अथवा

तिनका तिनका लाकर चिड़िया
रचती है आवास नया |
इसी तरह से रच आता है
सृजन का आकाश नया
मानव और दानव में यूं तो
भेड नजर नहीं आएगा
एक पोंछता बहते आंसू
जी भर कर एक रुलाएगा
रचने से ही आ पाता है
जीवन में विश्वास नया
कुछ तो इस धरती पर केवल
खून बहाने आते हैं
आग बिछाते हैं राहों में
फिर खुद भी जल जाते हैं
जो खुद मिटने वाले होते
वे रचते इतिहास नया
मंत्र नाश का पढ़ा करें कुछ
द्वार- द्वार पर जा कर के
फूल खिलाने वाले रहते
घर-घर फूल खिला कर के

1.घर में फूल कौन खिलाता है ? 1

क.मानव और दानव　　ख.परोपकारी लोग
ग.धार्मिक व्यक्तियों का समूह　　घ.मंत्र पढ़ने वाले

2.राह में आग बिछा वालों के साथ क्या हुआ? 1
क.वे नष्ट हो गए　　ख .वे खुश हुए
ग.वे उसी आग में जल गए　　घ.वे इतिहास रच गए

3.मानव और दानव में क्या अंतर है? 1
क. एक दुख घटाता है दूसरा बैठता है　　ख.एक मानव है दूसरा राक्षस है
ग.राक्षस और मनुष्य में बहुत अंतर है　　घ.एक डराता है दूसरा डरता है

4. 'सृजन का आकाश' का आशय है - 1
क.नए आकाश का बनना ख. चिड़िया की तरह नवनिर्माण
ग.आकाश का फिर से सृजन घ.चिड़िया का घोंसला

5.कविता का संदेश है - 1
क.मानव और दानव दोनों ही इस संसार में है ख.राहों में आग नहीं बिछानी चाहिए
ग.घर-घर में फूल खिलने चाहिए घ.खुद मिट कर भी दूसरों का भला करना चाहिए

(व्यावहारिक व्याकरण)

निर्देश : प्रश्न संख्या III से लेकर VI तक के सभी प्रश्नों में पांच -पांच उप-प्रश्न दिए गए हैं | उनमें से प्रत्येक से चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए |

III. 1. बादल घिर आए और वर्षा होने लगी | (रचना के आधार पर वाक्य भेद है)
क.सरल वाक्य `　　ख.मिश्र वाक्य
ग .संयुक्त वाक्य　　घ. साधारण वाक्य

III.2. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य का उदाहरण है- 1
क.उसने परिश्रम किया और उसे सफलता भी मिली |
ख.परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है|
ग.जिसने भी परिश्रम किया वह अवश्य सफल होगा|
घ.परिश्रम करने और सफल होने में सीधा संबंध है |

III.3.जब बालगोबिन भगत खेतों में रोपाई कर रहे थे तब लोग उन्हें कनखियों से देख रहे थे | 1

यहां रेखांकित आश्रित उपवाक्य के भेद होगा-

क.संज्ञा उपवाक्य ख. क्रिया विशेषण उप वाक्य

ग. विशेषण उपवाक्य घ. क्रिया उप वाक्य

III.4.वह जहां भी जाता है, एक नई समस्या खड़ी कर देता है - रेखांकित में कौन सा उपवाक्य है ? 1(क)संज्ञा आश्रित उपवाक्य (ख) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(ग) क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य (घ) प्रधान उपवाक्य

III.5. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा आश्रित उपवाक्य कौनसा है? 1

(क) यद्यपि बारिश हो रही है तथापि खेल होगा।

(ख)जब तुम दिल्ली जाओगे तब लाल किला देखना।

(ग)जहां खड़े हों वहाँ चींटियाँ हैं।

(घ)रोहन ने कहा कि वह बाज़ार जाएगा।

IV निम्नलिखित पांच में से किन्ही 4 प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए |

IV.1.निम्नलिखित में कौन सा कर्तृवाच्य का उदाहरण है- 1

क.तुलसीदास के द्वारा रामचरितमानस की रचना की गई

ख.तुलसीदास से रामचरितमानस रचा गया

ग.तुलसीदास द्वारा रामचरितमानस रची गई

घ.तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की

IV. 2.पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़े |उपर्युक्त वाक्य का भाव वाच्य में रूपांतरित रूप क्या होगा

क.पक्षी बाग छोड़कर नहीं उठ सके

ख. पक्षियों से बाग छोड़कर उड़ा नहीं गया

ग. पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़ सकते

घ.पक्षियों से भाग छोड़कर उड़ा नहीं जाता

IV. 3. निम्नलिखित में से कौन सा भाववाचक का सही विकल्प है - 1

क.आओ यहां बैठे ख.आओ यहां बैठा जाए

ग .आओ यहां बैठते हैं घ. चलो अब यहां बैठे

IV. 4. लड़का चित्र बनाता है - वाक्य किस वाच्य से संबंधित है?

क.कर्तृ वाच्य ख.अकर्त्र वाच्य

ग.भाववाचक घ .कर्मवाच्य

IV. 5. किसान खेतों में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करते हैं -में कौन सा वाच्य है? 1

(क) कर्म वाच्य (ख) भाव वाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) तीनों

निम्नलिखित पांच में से किन्ही 4 प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए | (रेखांकित पद का परिचय दीजिये) 4x1=4

V.1.जो अपने वचन का पालन नहीं करता, वह विश्वास के योग्य नहीं है । 1

(क) सर्वनाम, संबंधवाचक, पुल्लिंग, एकवचन (ख)सर्वनाम, निजवाचक, पुल्लिंग,एकवचन

(ग) सर्वनाम, संबंधवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन (घ) सर्वनाम, प्रश्नवाचक,पुल्लिंग,एकवचन

V.2.सीता ने कहा कि मैं अपना काम खुद करती हूँ । 1

(क)सर्वनाम, निजवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(ख)सर्वनाम, पुरुषवाचक,अन्यपुरुष,पुल्लिंग, एकवचन।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन।

V.3.उस छात्र ने निर्धन छात्र को पुस्तक दी ।

(क) विशेषण, संकेतवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन,'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

(ख) सर्वनाम, संबंधवाचक, पुल्लिंग, एकवचन।

(ग) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, एकवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग ।

V.4.मैं धीरे-धीरे चलता हूँ । 1

(क) क्रिया-विशेषण, कालवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया।

(ख) क्रिया-विशेषण, स्थानवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया।

(ग) क्रिया-विशेषण, रीतिवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया।

(घ) क्रिया-विशेषण, परिमाणवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया।

V.5.दिल्ली भारत की राजधानी है। 1

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक ।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग।

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(घ)सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

VI.निम्नलिखित पांच में से किन्ही 4 प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प 4x1=4

VI.1.'बीती विभावरी जागरी, अंबर पनघट में डुबो रही तारा- घट उषा नागरी' इसमें कौन- सा अलंकार है?

क. मानवीकरण अलंकार ख. उपमा अलंकार

ग. अनुप्रास अलंकार घ. यमक अलंकार

2.आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार।

राणा ने सोचा इस पार, तब तक घोड़ा था उस पार।।

क. अनुप्रास अलंकार ख. अतिशयोक्ति अलंकार

ग. मानवीकरण अलंकार घ. उपमा अलंकार

3जिसमें कई और चिपके हो उसे ..... अलंकार कहते हैं।

क)श्लेष ख) उपमा

ग) अर्थालंकार घ) अतिशयोक्ति

4.मंगन को देखि पट देत बार-बार है। यह उदाहरण है:

क)यमक अलंकार का ख)अनुप्रास अलंकार का

ग) श्लेष अलंकार का घ)अतिशयोक्ति अलंकार का

5.कलियाँ दरवाज़े खोल खोल जब झुरमुट में मुस्काती हैं।' में कौन सा अलंकार है।

क). अनुप्रास अलंकार ख). मानवीकरण अलंकार

ग.) उपमा अलंकार घ) रूपक अलंकार

VII.निम्नलिखित पठित गदयांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए । 5x1=5

किन्तु खेतीबारी करते,परिवार रखते भी,बालगोविन भगत साधु धे - साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले । कबीर को 'साहब' मानते थे , उन्हीं के गीतों को गाते , उन्हीं के आदेशों पर चलते । कभी झूठ नहीं बोलते , खरा व्यवहार रखते । किसी से भी दो - टूक बात करने में संकोच नहीं करते . न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते । किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते । इस नियम को कभी - कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता ! - कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते । वह गृहस्थ थे । लेकिन उनकी सब चीज़ साहब 'की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता , सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते- जो उनके घर से चार कोस दूर पर था- एक कबीरपंथी मठ से मतलब । वह दरबार में भेंट रूप रख लिया जाकर प्रसाद रूप में जो उन्हें मिलता , उसे घर लाते और उसी से गुजर चलाते ।

1-गद्यांश के लेखक का नाम है-

क-स्वयं प्रकाश ग-रामवृक्ष बेनीपुरी

ख-महादेवी वर्मा घ-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

2-गृहस्थ होते हुए भी बालगोबिन भगत साधु धेः क्योंकि

क-वे पीले वस्त्र पहनते थे ग-साधु की सब परिभाषाओं पर खरे उतरने वाले थे

ख-सिर पर जटा धारण करते थे घ-प्रतिदिन मदिर जाते थे ।

3-बालगोबिन भगत 'साहब 'मानते थे

क-श्रीराम ग-कबीर को

ख-श्रीकृष्ण को घ-तुलसीदास को

4-बालगोबिन के विषय में कौन - सा कथन सत्य नहीं है

क-कभी झूठ नहीं बोलते ग-दो - टूक बात करते

ख-खरा व्यवहार रखते घ-खामखाह झगड़ा मोल ले लेते ।

5-साहब के दरबार से मतलब है

क-मंदिर से ग-गुरुद्वारे से

ख-मस्जिद से घ-कबीरपंथी मठ से ।

VIII.निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तरवाले विकल्प चुनिये |2x1=2

1) नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य स्थानीय कलाकार को क्यों सौंपा गया होगा?
1

क) अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी न होने के कारण

ख) शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में

ग) मूर्ति की लागत अनुमान उपलब्ध बजट से ज्यादा होने के कारण

घ) उपरोक्त सभी

2.लेखक संस्कृत व्यक्ति की संतान को संस्कृत क्यों नहीं मानता? 1

क) क्योंकि उन्हें वह खोज अपने पूर्वजों से प्राप्त हुई है ।

ख.)क्योंकि उन्हें बहुत परिश्रम करना पडा ।

ग)क्योंकि मेहनत उनके पूर्वजों ने की ।

घ)इनमें से कोई नहीं ।

IX. निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए |1x5=5

नाथ संभुधनु भंजनिहारा | होइहि केऊ एक दास तुम्हारा ||
आयेसु काह कहिअ किन मोही | सुनि रिसाई बोले मुनि कोही ||
सेवकु सो जो करे सेवकाई | अरिकरनी करि करिअ लराई ||
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा | सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ||
सो बिलगाऊ बिहाई समाजा | न त मारे जैहहिं सब राजा ||
सुनी मुनिबचन लखन मुसुकाने | बोले परसुधरहि अवमाने ||
बहु धनुही तोरी लरिकाई | कबहूँ न असि रिस करहिं गोसाईं ||
येहि धनु पर ममता केहि हेतु | सुनि रिसाई कह भृगकुलकेतु ||

1.धनुष को तोड़ने वाला आपका कोई दास ही होगा - राम चन्द्रजी ने ऐसा क्यों कहा -

क-परशुराम जी से क्षमा मांगने के लिए ख-परशुरामजी को क्रोधित करने के लिए

ग-परशुरामजी को शांत करने के लिए घ-इनमें से कोई नहीं ।

2-रामचन्द्रजी की बात सुनकर परशुरामजी की क्या प्रतिक्रिया हुई

क. वे शांत हो गए
ख उनका क्रोध और अधिक हो गया
ग वे सभा से चले गए
घ क और ख दोनों

3- प्रस्तुत काव्यांश की भाषा क्या है?

क .ब्रज
ख- राजस्थानी मिश्रित ब्रज
ग- मैथिली
घ- अवधी

4- भृगकुलकेतु - किसे कहा गया है -

क-रामचन्द्रजी को
ख-परशुरामजी को
ग-लक्ष्मण और राम दोनों को
घ-तुलसीदासजी को

5- शिवधनुष तोड़ने वाले को परशुराम जी ने क्या कहा -

क. सहसबाहु के समान अपना शत्रु
ख शत्रुता का कार्य करने वाला
ग क और ख दोनों
घ इनमे से कोई नहीं

X.निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तरवाले विकल्प चुनिये |2x1=2

1.क्रोधित होते हुए भी परशुराम ने लक्ष्मण का वध क्यों नहीं किया? 1

(क) लक्ष्मण ने शिव धनुष भंग नहीं किया था ।

(ख) लक्ष्मण को कम आयु का बालक जानकर।

(ग) सभा में सब उपस्थित थे ।

(घ) लक्ष्मण ब्राह्मण थे ।

2.गोपियों ने उद्धव के योग को कड़वी ककड़ी क्यों कहा है? 1

(क)क्योंकि उद्धव का योग ककड़ी के समान है ।

ख.ककड़ी कड़वी होती है

(ग)क्योंकि उद्धव का योग मार्ग उनके लिए कृष्ण से विरक्ति का मार्ग था, जिसे वह अपनाना नहीं चाहती थी।

(घ) उद्धव के योग मार्ग मिलन का मार्ग था।

खंड ब

वर्णनात्मक प्रश्न

XI.गद्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए-शब्द सीमा-25 से 30 शब्द | 2x3=6

1.नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूँधकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?

2.लेखिका मन्नू भंडारी की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए |

3.काशी में हो रहे कौन कौन से परिवर्तन बिस्मिल्लाह खां को व्यथित करते थे?

4.पानवाले का एक शब्द चित्र प्रस्तुत कीजिए |

XI. काव्य पाठ के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए-शब्द सीमा-25 से 30 शब्द | 2x3=6

1.फसल कविता में लाखों -करोड़ों हाथों के स्पर्श की गरिमा किसे कहा गया हेई और क्यों?

2.कवि ने बच्चे के मुस्कान के सौंदर्य को किन किन बिम्बों के माध्यम से व्यक्त किया है?

3.'उत्साह' कविता में बादल किन-किन अर्थों की और संकेत करता है ?

4.आत्मकथ्य कविता की काव्य भाषा की विशेषताएं उदाहरण सहित लिखिए |

XII.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए | 2x4=8

1. माता का अंचल पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?

2.आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है |इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए |

3.आज का युवा कल के देश के भविष्य है, देश के भावी कर्णधार होने के नाते विज्ञान के दुरुपयोग को रोकने में आपकी क्या भूमिका हो सकता है?

XIII.दिए गए संकेत बिंदुओ के आधार पर किन्ही एक विषय पर 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए (1x 6=6)

क.आतंकवाद की समस्या :आखिर कब तक[

संकेत बिन्दु-आतंकवाद का अर्थ, इसके दुष्प्रभाव, आतंकवाद को नष्ट करने के उपाय -विश्व स्तर पर इसके विरूद्ध हो रहे प्रयास

(ख) समय किसी के लिए नहीं रुकता

संकेत बिन्दु - समय के मोल- समय बीत जाने पर पश्चाताप- विद्यार्थी जीवन में समय का महत्व

(ग) जैसी संगति बैठिये तैसे ही फल होत

संकेत बिन्दु - संगति का प्रभाव-संगति का महत्त्व -संगति और कुसंगति का मानव जीवन पर असर

XIV.निम्नलिखित में से कोई एक पत्र लगभग 100 शब्दों में लिखिए |

आपका दाखिला नए विद्यालय में करवाया गया है| यहाँ आपके लिए सब कुछ नया है तथा आपका मन भी नहीं लग रहा| आपके भाई-बहन दूसरे शहर में रहते हैं| पत्र द्वारा उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराएँ| 5

अथवा

आपके गांव धीरपुर में चिकित्सा के लिए दुसरे गांव जाना पड़ता है |लोगों को बहुत असुविधा होती है | चिकित्सा की व्यवस्था हेतु जिला चिकित्सा अधिकारी को पात्र लिखाकर गांव में एक डिसपेंसरी खुलाने की प्रार्थना करते हुए पत्र लिखिए |

XV.सहायक अध्यापक पद के लिए अपना एक आकर्षक स्ववृत्त लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए | 5

अथवा

आप पिछले दो दिनों से विद्यालय नहीम गए हैं | अत:अपनी अनुपस्थिति का कारण बताते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखें |

XVI.प्रदूषण से बचने के लिए जनहित में जारी लगभग 60 शब्दों का एक विज्ञापन पर्यावरण विभाग की और से तैयार कीजिए | 4

अथवा

आप अपने पापा के कार्यालय के समस्त कर्मचारियों के लिए दीपावली का बधाई सन्देश लिखें |

केन्द्रीय विद्यालय एरणाकुलम संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र -2022

कक्षा 10वीं विषय: हिन्दी पूर्णांक: 80

सामान्य निर्देश:

1. प्रश्न-पत्र में कुल चार खण्ड है ।
2. पहले10 प्रश्नों के लिए बहु विकल्पीय उत्तर है ।
3. 11 - 17 तक के प्रश्नों के लिए आंतरिक विकल्प प्रश्न दिये गए है ।
4. निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पुछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए- (5×1=5)

किसी भी जीव के शरीर के ऊपर मस्तिष्क है। इस मस्तिष्क का स्वभाव कैसे तैयार हो जाता है ? बुद्धि में होनेवाले विचार से। इसका मतलब यह है किसी भी व्यक्ति के वंशानुगत स्वभाव को उसकी बुद्धि, उसका विवेक बदल सक्ता है। इसका मतलब यह है कि हमारा बर्ताव हमारे कर्म पर हमारा वश है, चाहे दुनिया भर पर न भी हो। हम अपने स्वभाव को बदल सक्ते हैं, अपनी बुद्धि में बारीक बदलाव लाकर। इसके लिए हमें मस्तिष्क की रूपरेखा पर एक नज़र दौडानी होगी।

हमारे मस्तिष्क के दो विभिन्न अंश है-चेतन और अचेतन।दोनों ही अलग अलग प्रयोजनों के लिए ज़िम्मेदार है और दोनों के सीखने के तरीके भी अलग अलग है। मस्तिष्क का चेतन विभाग हमें विशिष्ट बनाता है, वही हमारी विशिष्टता है। इसकी वजह से एक व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से अलग होता है। हमारा कुछ अलग- सा स्वभाव,हमारी अनोखी सृजनात्मक शक्ति - ये सब मस्तिष्क के इसी हिस्से से संचालित होती हैं,तय होती है। हर व्यक्ति की चेतन रचनात्मकता ही उसकी मनोकामना , उसकी इच्छा और महत्वाकांक्षा तय करती है। इसके विपरीत मस्तिष्क का अवचेतन हिस्सा एक ताकतवर प्रतिश्रुति यंत्र जैसा ही है। यह अब तक के रिकार्ड किए गए अनुभव दोहराता रहता है।इसमें रचनात्माता नहीं होती। यह उन स्वचलित क्रियाओं और उस सहज स्वभाव को नियंत्रित करता है, जो दुहरा- दुहराकर हमारी आदत का एक हिस्सा बन चुका है ।

1) हम अपने स्वभाव को कैसे बदल सकते हैं:

क) अपने आचरन में बारीक बदलाव लाकर

ख) अपनी बुद्धि में बारीक बदलाव लाकर

ग) किसी भी व्यक्ति के वंशानुगत स्वभाव देखकर

घ)उपर्युक्त तीनों

2) हमारे मस्तिष्क के कौन कौन से अंश होते हैं?

क) चेतन व अवचेतन

ख) चेतन व अचेतन

ग) चेतन व अवचेतन

घ) इनमें से कोई नहीं

3) मस्तिष्क के चेतन भाग का क्या कार्य है?

क) यह हमें कमज़ोर बनाता है

ख) यह हमें विशिष्ट बनाता है

ग) यह हममें महत्वाकांक्षा पैदा करती है ।

घ) 'ख' और 'ग' दोनों

4) अवचेतन मतिष्क की क्या भूमिका है?

क) यह हमें आगे बढने की भुमिका तैयार करता है

ख) यह हमें अपनी आदत को दोहराने की शक्ति देती है ।

ग) यह हमारे सहज स्वबाव को नियंत्रित करता है ।

घ) उपर्युक्त सभी

5) हमारी सृजनात्मक शक्ति के विकास के उपाय सुझाइए।

क) चिंता करना

ख) चिंतन -मनन करना

ग) सचेतन मन को सजीव रखना

घ) 'ख' और 'ग' दोनों

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूच्छे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

कोलाहल हो,

या सन्नाटा। कविता सदा सृजन करती है,

जब भी आँसू,

हुआ पराजित, कविता सदा जंग लड़ती है।

जब भी कर्ता हुआ अकर्ता

कविता ने जीना सिखलाया
यात्राएँ जब मौन हो गई
कविता ने चलना सिखलाया।
जब भी तम का
जुल्म चढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है,
जब गीतों की फसलें लूटतीं
शीलहरण होता कलियों का,
शब्दहीन जब हुई चेतना
तब-तब चैन लुटा गलियों का
जब कुर्सी का
कंस गरजता, कविता स्वयं कृष्ण बनती है।
अपने भी हो गए पराए
यूँ झूठे अनुबंध हो गए
घर में ही वनवास हो रहा
यूँ गूंगे संबंध हो गए।

1. कवि द्वारा कविता को क्या कहा गया है?

क) सृजनात्मक ख) कलात्मक

ग) विनाशक घ) सभी विकल्प सही है

2. कविता संघर्ष की प्रेरणा देती हैं- यह भाव किस पंक्ति में व्यंजित हुआ है?

क) यूँ झूठे अनुबंध हो गए ख) घर मे ही वनवास हो रहा

ग) यूँ गूंगे अंबन्ध हो गए घ) कविता सदा जंग लड़ती है

3. कविता जीना कब सिखलाती है?

क) जब व्यक्ति जीना चाहता है

ख) जब व्यति अकर्मण्य और आलस्य से भर जाता है

ग) जब व्यक्ति की मृत्यु हो जाता है

घ) सभी विकल्प सही है

4. कविता उत्साह का संचार कब करती है?

क) जब व्यक्ति निराश हो जाता है ख) जब व्यक्ति को सर्वत्र अंधकार नज़र आता है।

ग) जब व्यक्ति हतोत्साहित हो जाता है घ) सभी विकल्प सही है

5. 'घर में ही वनवास हो रहा, यूँ संबंध गूंगे हो गए'- पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यक्त किया है?

क) घर में सबका वनवास हो गया ख) घर में सब गूंगे हो गए

ग) परस्पर संबंधों में दूरियाँ बढ़ गई है घ) सब वन में जाकर गूंगे हो गए

अथवा

2)निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनिए -5

भारत माता का मंदिर यह, समता को संवाद जहाँ।
सबका शिव कल्याण यहाँ पाएँ सभी प्रसाद यहाँ।
जाति-धर्म या संप्रदाय का, नहीं भेद व्यवधान यहाँ।
सबका स्वागत, सबका आदर, सबका सम्मान यहाँ।
राम-रहिम, बुद्ध-ईसा का, सुलभ एक-सा ध्यान यहाँ।
भिन्न-भिन्न भव संस्कृतियों के, गुण-गौरव का ज्ञान यहाँ।
नहीं चाहिए बुद्धि वैर की, भला प्रेम उन्माद यहाँ।
सब तीर्थों का एक तीर्थ यह, हृदय पवित्र बना लें हम।
रेखाएँ प्रस्तुत हैं, अपने मन के चित्र बना लें हम।
सौ-सौ आदर्शों को लेकर, एक चरित्र बना लें हम।
कोटि-कोटि कंठों से मिलकर, उठे एक जयनाद यहाँ।
सबका शिव कल्याण यहाँ है, पाएँ सभी प्रसाद यहाँ।

क)कवि यहाँ किस मंदिर की बात कर रहे है?

[क] शिव मंदिर [ख] शक्ति मंदिर

[ग] राम सीता मंदिर [घ] भारत माता की मंदिर

ख)भारत देश में निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता है?

[क] यहाँ सबका स्वागत है [ख] यहाँ सबका आदर है

[ग] यहाँ सबका सम्मान है [घ] उपर्युक्त सभी

ग)यहाँ किसको लेकर एक चारित्र बनाने की बात कही गई है?

[क] सौ-सौ आदर्शों को लेकर [ख] सौ-सौ रेखाएँ लेकर

[ग] कोटि-कोटि कंठों को लेकर [घ] सब तीर्थों को लेकर

घ)यहाँ हृदय को क्या बनाने के लिए कहा गया है ?

[क] भेद-भाव [ख] पवित्र

[ग] उन्माद [घ] वैर

ङ) राम-रहिम का समास विग्रह है-

[क] राम तथा रहिम [ख] राम और रहिम

[ग] राम द्वारा रहिम [घ] राम के साथ रहिम

अथवा

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो
चट्टानों की छाती से दूध निकालो |
है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो |
चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे !
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे !
छोडो मत अपनी आन, सीस कट जाए
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए |
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है
मरता है जो भी एक ही बार मरता है |
नत हुए बिना जो अशनि घात सहती है
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है |

क) इन पंक्तियों में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है ?

(क) आन-बान की रक्षा करने की (ख) जीवन की रक्षा करने की

(ग) धन संपत्ति की रक्षा करने की (घ) उपर्युक्त सभी

ख) कवि किसके समान जीने को कहता है ?

(क) योगियों के (ख) भोगियों के

(ग) विजयी व्यक्तियों के (घ) राजाओं के

ग) भले व्योम फट जाए' का भावार्थ है -

(क) कितनी ही मुसीबत आ जाए | (ख) मूसलाधार वर्षा हो जाए |

(ग) आसमान दो टुकड़ों में बंट जाए | (घ) आसमान से फूलों की वर्षा हो जाए |

घ)जो बिना झुके मुसीबतों का सामना करते हैं, वे किसका उपभोग करते हैं ?

(क) दुखों का (ख) सुखों का

(ग) परतंत्रता का (घ) स्वतंत्रता का

ङ) कवि क्या छोड़ने की बात कर रहा है ?

(क)मोह- माया (ख) वैराग्य

(ग) सांसारिक सुख (घ) बाँहों की शक्ति

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए:- 4×1=4

3.1) जो परिश्रम करता है उसे अधिक समय तक निराश नहीं होना पडता। - रेखांकित में कौन-सा उपवाक्य है?

(क) संज्ञा आश्रित उपवाक्य (ख)विशेषण आश्रित उपवाक्य

(ग) क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य (घ)प्रधान उपवाक्य

3.2) अधोलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटिए :

(क) कम रोशनी में पढने की कारण विद्यार्थी अपनी आँख गँवा बैठा ।

ख) जो कमरे मे सो रहा है वह मेरा भाई है

(ग) वे दिन याद आते हैं जब वे एक पारिवारिक रिश्ते में बंधे थे।
(घ) राधा योग्य है और शशि उदार है।

3.3) दोपहर के तीन बजे है और वह घूमने चला गया । मिश्र वाक्य में सही परिवर्तन है-
क) दुपहर के तीन बजकर वह घूमने चला गया |
ख) दुपहर हुआ , तीन बज गया और वह घूमने चला गया |
ग) जब दुपहर के तीन बज गया तब वह घूमने चला गया |
घ) दुपहर का तीन बज गया और वह घूमने चला गया |

3.4) आप खाना खाकर आराम कीजिए - रचना की दृष्टि से कौन सा वाक्य है ?

क) संयुक्त वाक्य ख) मिश्र वाक्य

ग) सरल वाक्य घ) इनमें से कोई नहीं

3.5) रेखांकित में संज्ञा आश्रित उपवाक्य कौन सा है ?
क) यद्यपि बारिश हो रही है तथापि खेल होगा
ख) जब तुम दिल्ली जाओगे तब लालकिला देखना
ग) तुम जहाँ खड़े हों वहाँ चीतियाँ हैं।
घ) रोहन ने कहा कि वह बाज़ार जाएगा।

4.निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: -

4.1) निम्नांकित में से कर्तृवाच्य वाले वाक्य का चयन कीजिए :
क) अब चला जाए।
ख) नौकर द्वारा घर की सफाई की जाती है।
ग) राम द्वारा आज स्वादिष्ट भोजन किया जाएगा।
घ) वह हम लोगों का विरोध कर रहा था

4.2)निम्नलिखित वाक्यों में कर्मवाच्य का सही उदाहरण कौन सा है :
क) नौकर द्वारा घर की सफाई करनी थी।
ख) नौकर घर की सफाई करेगा।
ग) नौकर ने घर की सफाई की थी।
घ) नौकर द्वारा घर की सफाई की जाएगी।

4.3) जिन वाक्यों में क्रिया का मुख्य विषय कर्ता होता है उन्हें ..... कहते हैं :

क) सरल वाक्य　　ख) कर्तृ वाच्य

ग) कर्मवाच्य　　घ) भाववाच्य

4.4) भगवान हमारी रक्षा करता है। वाक्य का कर्मवाच्य में सही परिवर्तन है-

क) भगवान द्वारा हमारी रक्षा कर्राता है।

ख) भगवान द्वारा हमारी रक्षा किया जाता है।

ग) भगवान द्वारा हमारी रक्षा की जाती है।

घ) भगवान द्वारा हमारी रक्षा की जाएगी। ।

4.5) शीला उपन्यास लिखेगी ।

(क) कर्मवाच्य　　(ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य　　घ) तीनों

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 4×1=4

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद परिचय के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए-

5.1) जो अपने वचन का पालन नहीं करता वह विश्वास के योग्य नहीं है।

क) एकवचन, पुल्लिंग, संबंधवाचक सर्वनाम

ख) एकवकन, पुल्लिंग, निजवाचक सर्वनाम

ग) बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधवाचक सर्वनाम

घ) एकवचन, पुल्लिंग, प्रश्नवाचक सर्वनाम

5.2) सत्य की सदा जीत होती है ।

क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, होती है क्रिया का कर्ता

ख) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, होती है क्रिया का कर्ता

ग) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, होती है क्रिया का कर्ता

घ) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिंग, होती है क्रिया का कर्ता

5.3) उस छात्र ने निर्धन छात्र को पुस्तक दी।

क) बहुवचन, पुल्लिंग, संकेतवाचक विशेषण

ख) एकवचन पुल्लिंग संबंधवाचक सर्वनाम

ग) एकवचन, पुल्लिंग, सार्वनामिक विशेषण

घ) एकवचन, पुल्लिंग, अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम

5.4) मैं धीरे-धीरे चलता हूँ।

क) कालवाचक क्रियाविशेषण, चलता हूँ क्रिया की विशेषता बताता है।

ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण चलता हूँ क्रिया की विशेषता बताता है।

ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण चलता हूँ क्रिया की विशेषता बताता है।

घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण चलता हूँ क्रिया की विशेषता बताता है।

5.5) दिल्ली भारत की राजधानी है ।

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक ।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग ।

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन ।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग ।

6. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में से किन्हीं चार में समाहित अलंकार में का सही विकल्प चुनकर लिखिए। 4×1=4

क) बिरहा की आँच लगी तन में, तब जाय परी जमुना जल में।
बिरहानल से जल सूखि गयौ, मछली बह धाय गई तल में।
जब रेत फटी पाताल गई, तब शेष जरौ धरणी में ।

क) श्लेष ख) उपमा

ग) मानवीकरण घ) अतिशयोक्ति

ख) चमचमात चंचल नयन बिच घूँघट पट झीन।
मानहु सुर सरिता विमल जल उछलत जुग मीन।

क) उत्प्रेक्षा ख) श्लेष

ग) मानवीकरण घ) अतिशयोक्त

ग)उषा सुनहरा तीर बरसती,लयलक्ष्मी सी उदित हुई ।

क) उपमा ख) श्लेष

ग)मानवीकरण घ)अतिशयोक्त

घ) जो रहीम गति दीप की , कुल कपूत गति सोय।

बारे उजियारो करो,बढे अंधेरो करो॥

क) अतिशयोक्ति ख) श्लेष

ग) मानवीकरण घ) रूपक

ड.) हँसते-हँसते चल देते हैं पथ पर ऐसे

मानो भास्वर भाव वही हों कविताओं के

क) मानवीकरण ख) श्लेष

ग) अतिशयोक्ति घ) उत्प्रेक्षा

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

(अ) एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है, किंतु उसकी संतान को वह वस्तु अपने अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है।जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी सम्तान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु सहज से प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भांति सभ्य भले ही बन जाए संस्कृत नहीं कहला सक्ता ।एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत का आविष्कार किया था। वह संस्कृत मानव था। आज के युग में भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत से तो परिचित है ही लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी की न्यूटन की अपेक्षा अधिक भले ही कह सकें पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते ।

1.वास्तविक अर्थ में संस्कृत व्यक्ति किसे माना जाता है?

क) सभ्य वक्ति को

ख) बनी बनाई सिद्धांतों के बल पर नई खोज करनेवाले को

ग) अपनी बुद्धि एवं विवेक के बल पर नई बातें सोचनेवाले को

घ) अपनी बुद्धि एवं विवेक के बल पर नए आविष्कार करनेवाले को

2. न्यूटन कौन था?

क) चिंतक　　ख) दार्शनिक

ग) वैज्ञानिक　　घ) इनमें से कोई नहीं

3. संस्कृत व्यक्ति की संतान को संस्कृत क्यों नहीं माना जा सक्ता?

क) वह संस्कृत व्यक्ति जैसी क्रियात्मक नहीं होता

ख) वह खुद आविष्कार नहीं करता

ग) उसके आविष्कार का आधार संस्कृत व्यक्ति की बुद्धि और विवेक है

घ) ख और ग दोनों

4. न्यूटन को लेखक ने संस्कृत व्यक्ति क्यों माना है?

क) वह वैज्ञानिक था

ख) उसने गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत का आविष्कार किया था

ग) उसका आविष्कार मौलिक था

घ) उपर्युक्त तीनों

5. सहज रूप से किस प्रकार के लोग आविष्कार कर सकते है?

क) जिसमें तथ्य की खोज की प्रवृत्ति हो

ख) जिसमें बुद्धि एवं विवेक हो

ग) उपर्युक्त दोनों

घ) इनमें से कोई नहीं

ब).निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए।

i) . खीर को काटना, नमक - मिर्च बुरकना और सूँघकर फेंक देना नवाव साहब के चरित्र के कौन से पक्ष को उजागर करता है ?

क) सनकी आचरण

ख) दिखावे की प्रव्रुत्ति

ग) लेखक के प्रति उसकी उदासीनता

घ) क और ख दोनों

ii) बिस्मिल्ला खां काशी के प्रति इतने अनुरक्त क्यों थे?

क) वे अपने धर्म पर निष्ठावान नहीं थे।

ख) उनको धर्म के प्रति कोई आस्था नहीं थी

ग) वे हर धर्म को मानते थे

घ)वे जिस प्रकार अपने धर्म को मानते थे उसी प्रकार काशी विश्वनाथ को भी मानते थे।

ब) निम्नलिखित काव्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

हमारैं हरि हारिल की लकरी|
मन क्रम बचन नन्द-नन्दन, यह दृढ़ करि पकरी |
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि ,कान्ह-कान्ह जक री |
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी|
सु तौ ब्याधि हमकौ लै आए, देखी सुनी न करी|
यह तौ सूर तिनहिं लै सौंपी, जिनके मन चकरी ||

1.गोपियाँ किसको हारिल की लकड़ी के समान माना है?

क)हारिल पक्षी को ख)योग साधना को

ग)श्रीकृष्ण को घ)अपने मन को

2.गोपियों के मन में योग साधना के प्रति कौन सा भाव है?

क) स्वीकार का ख) उपेक्षा का

ग) अवरोध का घ) इनमें से कोई नहीं

3. गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?

क) भक्तों को ख) ज्ञानियों को

ग) कृष्ण -भक्तो क घ) चंवल मनवालों को

4. गोपियाँ स्वप्न और जागृति में किसकी याद करती रहती है?

क) गोपकुमारों की ख) अपनी संतान की

ग)योग साधना की घ) श्रीकृष्ण की

5.कविता में ब्याधि शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

क) बीमारी के लिए ख) योग साधना के लिए

ग) श्रीकृष्ण के लिए घ) इनमें से कोई नहीं

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए। 2X1-2

i) अयमय खांड न ऊखमय कथन से क्या अभिप्राय है?

क) राम उतना कमज़ोर नहीं है जिसे आसानी से पराजित कर सक्ता है।

ख) लक्ष्मण उतना कमज़ोर नहीं है जिसे आसानी से पराजित कर सक्ता है।

ग) लक्ष्मण परशुराम के सामने बहुत कमज़ोर है जिसे आसानी से पराजित कर सक्ता है।

घ) क और ख दोनों

ii) शिशु कवि को कनखियों से क्यों देखता है?

क)अपरिचितता के कारण ख) उत्सुकता के कारण

ग) माँ की संगति के कारण घ) उपर्युक्त तीनों

9. पढित पाठों के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: - 3X2=6

क) बेटे के देहांत के बाद बालगोबिन भगत ने पतोहू को किस बात के लिए बाध्य किया? उनका यह व्यवहार उनके किस प्रकार के विचार का प्रमाण है?

ख) 'पड़ोस कल्चर' से लेखिका का तात्पर्य क्या है?वर्तमान परिस्थिति में यह कैसे बदल गया है?

ग) यह क्यों कहा गया है कि महत्त्व मूर्ति के रंग रूप या कद का नहीं उस भावना का है'- स्पष्ट कीजिए|

घ) पानवाले ने कैप्टन चश्मेवाले के बारे में क्या कहा जिससे हालदार साहब दुखी हो गए?

10. पठित काव्य पाठों के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: - 3X2=6

क) कवि प्रसाद जी आत्म कथा लिखने से क्यों बचना चाहते है ?

ख) उत्साह कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

ग) कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है ?

घ) संगतकार हमेशा पर्दे के पीछे रहकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन क्यों करता है?

11.पूरक पाठ्यपुस्तक के आधार पर किन्हीं दो सवालों का जवाब 50-60 शब्दों में लिखिए। 2X4=8

क) देश की सीमाओं पर फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं? उनके प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए।

ख) माता का अंचल पाठ के आधार पर बताइए कि माता-पिता के वात्सल्य में कौन-कौन गुणों का विकास होगा?

ग) 'हिरोशिमा पर लिखी निबंध लेखक के अंत: व वाह्य दबाब का परिणाम है' - यह आप कैसे कह सकते हैं ?

खण्ड घ

12.किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं केआधार पर 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। 6

क) 'आत्मनिर्भर भारत'

आशय, उद्देश्य, भारत की पृष्ठभूमि, किए गए कदम, अब तक की सफलता

ख)आज़ादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी -अर्थ, स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न आयाम,अमृत महोत्सव से जुडे विभिन्न कार्यक्रम, देशवासियों में देश भक्ति का संचार

ग)सांप्रदायिकता :एक अभिशाप:

सांप्रदायिकता का अर्थ, विश्वव्यापी समस्या, समस्या से मुक्ति

13.आपके क्षेत्र में प्रतिदिन महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने हेतु प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने विद्यालय की ओर से दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित पुस्तक प्रदर्शिनी में जाने के अपने अनुभव को अपने पिताजी को बताते हुए एक पत्र लिखिए।

14.अध्यापकों के रिक्त पद केलिए अपना स्ववृत्त तैयार किजिए:- 5

अथवा

शैक्षिक संस्थाओं में नशीले पदार्थों के वितरण संबंधी सूचना देते हुए पुलिस आधीक्षक के नाम ईमेल संदेश तैयार कीजिए।

15. पर्यावरण मंत्रालय की ओर से जल संरक्षण पर एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 4

अथवा

केरल के निवासी अपने मित्र को ओणम के अवसर पर एक बधाई संदेश लिखिए

****

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)
हिन्दी पाठ्यक्रम अ (कोड-002)
कक्षा दसवी

निर्धारित समय 3 घंटे अधिकतम अंक-80

सामान्य निर्देश:
इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं खंड अ और खंड ब |
खंड-अ में 49 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
खंड-ब में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएंगे।

खंड अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

प्रश्न 1 (अ) नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।1x5=5

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, बाल श्रम को इस प्रकार परिभाषित किया गया है- "वह काम जो बच्चों को उनके बचपन, उनकी क्षमता और उनकी गरिमा से वंचित करता है, और जो शारीरिक और मानसिक विकास के लिए हानिकारक है।" एक सामाजिक बुराई के रूप में संदर्भित, भारत में बाल श्रम एक अनिवार्य मुद्दा है जिससे देश वर्षों से निपट रहा है। लोगों का मानना है कि बाल-श्रम जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का दायित्व सिर्फ सरकार का है। यदि सरकार चाहे तो कानून का पालन न करने वालों एवं कानून भंग करने वालों को सजा देकर बाल-श्रम को समाप्त कर सकती है, किंतु वास्तव में ये केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसे सभी सामाजिक संगठनों, मालिकों, और अभिभावकों द्वारा भी समाधित करना चाहिए। हमारे घरों में, ढाबों में, होटलों में, कारखानों में अनेक बाल-श्रमिक मिल जाएँगे, जो कड़ाके की ठंड और तपती धूप की परवाह किए बिना काम करते हैं। विकासशील देशों में गरीबी और उच्च स्तर की बेरोजगारी बाल श्रम का मुख्य कारण है। बाल मजदूरी इंसानियत के लिये अपराध है जो समाज के लिये श्राप बनती जा रही है तथा जो देश की वृद्धि और विकास में बाधक के रूप में बड़ा मुद्दा है। हमें सोचना होगा कि सभ्य समाज में यह अभिशाप क्यों मौजूद है ? जिस उम्र में बच्चों को सही शिक्षा मिलनी चाहिए. खेल कूद के माध्यम से अपने मस्तिष्क का विकास करना चाहिए उस उम्र में बच्चों से काम करवाने से बच्चों का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास रुक जाता है। शिक्षा का अधिकार मूल अधिकार होता है। शिक्षा से किसी भी बच्चे को वंचित रखना अपराध माना जाता है। आज आवश्यकता

इस बात की है कि सरकारी स्तर से लेकर व्यक्तिगत स्तर तक सभी लोग इसके प्रति सजग रहें और बाल-श्रम के कारण बच्चों का बचपन न छिन जाए, इसके लिए कुछ सार्थक पहल करें। आम आदमी को भी बाल मजदूरी के विषय में जागरुक होना चाहिए और अपने समाज में इसे होने से रोकना चाहिए। बालश्रम को खत्म करना केवल सरकार का ही कर्तव्य नहीं है हमारा भी कर्तव्य है कि हम इस अभियान में सरकार का पूरा साथ दें।

(i) बाल-श्रम जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए लोगों की सोच कैसी है?
(क) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल समाजसेवी संस्थाओं का दायित्व हैं
(ख) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल जनता का दायित्व है
(ग) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल सरकार का दायित्व है।
(घ) बाल-श्रम को समाप्त करना केवल अभिभावकों का दायित्व है।

(ii) घरों में, ढाबों में, होटलों में, खानों, कारखानों में अनेक बाल श्रमिकों को काम करता देखकर भी हम उदासीन क्यों बने रहते हैं?
(क) हम सिर्फ अपने बारे में ही सोचते हैं।
(ख) हम जागरूक बनना नहीं चाहते।
(ग) हम उनकी सहायता करना नहीं चाहते ।
(घ) हम संवेदना शून्य हो चुके हैं।

(iii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि बाल-श्रम को रोकने के लिए सार्थक प्रयास क्यों किए जाने चाहिए?
(क) बाल-श्रम के कारण बच्चों का बचपन छिन जाता है।
(ख) बाल-श्रम के कारण वे जल्दी बड़े हो जाते हैं।
(ग) बाल-श्रम के कारण बच्चों को घर पर ही रहना पड़ता है।
(घ) बाल-श्रम के कारण बच्चों को विद्यालय आना नहीं पड़ता ।

(iv) बच्चों को बाल-श्रम के लिए क्यों विवश किया जाता है?
(क) जागरूकता का अभाव |
(ख) निर्धनता और भुखमरी
(ग) शिक्षा का अभाव |
(घ) लोगों की मनोवृति

(v) बाल-श्रम जैसे सामाजिक अभिशाप से देश को क्या नुकसान होता है?

(क) बाल श्रम एक बच्चे को बचपन के सभी लाभों से दूर रखता है।

(ख) लाखों बच्चे उचित शिक्षा से वंचित हो जाते हैं।

(ग) बच्चों का शारीरिक मानसिक और सामाजिक विकास अवरुद्ध हो जाता है

(घ) बाल-श्रम से देश का आने वाला कल अंधकार की ओर जाने लगता है।

ब) निम्नलिखित दो में से किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए

1x5=5

लक्ष्य तक पहुंचे बिना, पथ में पथिक विश्राम कैसा।
लक्ष्य है अति दूर दुर्गम, मार्ग भी हम जानते हैं,
किंतु पथ के कंटकों को, हम सुमन नहीं मानते हैं,
जब प्रगति का नाम जीवन, यह अकाल विराम कैसा।
धनुष से जो छूटता है, बाण कब मग में ठहरता,
देखते ही देखते वह, लक्ष्य का भी भेद करता,
लक्ष्य प्रेरित बाण हैं हम, ठहरने का काम कैसा।
बस वही है पथिक जो पथ पर निरंतर अग्रसर हो,
हो सदा गतिशील जिसका, लक्ष्य प्रतिक्षण निकटतर हो।
हार बैठे जो डगर में पथिक उसका नाम कैसा।
बाल रवि की स्वर्ण किरणें, निमिष में भू पर पहुंचती
कालिमा का नाश करती, ज्योति जगमग जगत धरती,
ज्योति के हम पुंज, फिर हमको अमा से भीत कैसा।
आज तो अति ही निकट है, देख लो यह लक्ष्य अपना,
पग बढ़ाते ही चलो, बस शीघ्र होगा सत्य सपना।
धर्म पथ के पथिक को फिर देव दक्षिण वाम कैसा।

(i) सच्चा पथिक कौन है?

(क) जो बहुत यात्राएं करता है (ख) जो अपने पथ पर निरंतर अग्रसर रहता है

(ग) जो हमेशा सत्य बोलता है (घ) जो सही रास्ते पर चलता है

(ii) पथ के कंटक को सुमन मानने का अभिप्राय क्या है?

(क) दुर्गम को भी सुगम मानना (ख) फूलों में कांटे होना

(ग) पथ पर हर पल कांटों का मिलना (घ) उपर्युक्त सभी

(iii) ज्योति के पुंज किन्हें कहा गया है?

(क) जो सदा राह के अंधकार से लड़ते रहे (ख) जो निरंतर अपने पथ पर अग्रसर रहते हैं

(ग) उपर्युक्त दोनों सही हैं (घ) उपर्युक्त दोनों गलत है

(iv) अपने कर्म द्वारा बाल रवि हमें क्या प्रेरणा देता है?

(क) सदा गतिशील रहने की (ख) बिना घबराए बाधाओं से लड़ने की

(ग) रात को जल्दी सो जाने की (घ) इनमें से कोई नहीं

(v) उपर्युक्त पद्यांश में आए हुए ' निमिष' शब्द का अर्थ है

(क) अंधकार में (ख) संध्या समय

(ग) पलक झपकते ही (घ) मध्य रात्रि में

अथवा

देश के आजाद होने पर बिता लंबी अवधि
अब असहय इस दर्द से हैं धमनियाँ फटने लगी
व्यर्थ सीढ़ीदार खेतों में कड़ी मेहनत किए
हो गया हूँ और जर्जर, बोझ ढोकर थक गया अब मरूँगा तो जलाने के लिए मुझको,
अरे दो लकड़ियाँ भी नहीं होगी सुलभ इन जंगलों से
वन कहाँ है ? जब कुल्हाड़ों की तृषा है बढ़ रही
काट डाले जा रहे हैं मानवी के बंधु तरुवर
फूल से, फल से, दलों से मूल से तरुल से
सर्वस्व देकर जो मनुज को लाभ पहुँचाते सदा
कट रहे हैं ये सभी वन, पर्वतों की दिव्य शोभा हैं निरंतर हो रही विद्रूप।

(i) 'अब असहय इस दर्द से में असहय दर्द का कारण क्या है?

(क) आजादी के बाद लंबी अवधि बिता देना ।। (ख) खेतों में कड़ी मेहनत करना

(ग) वनों का न रहना (घ) जर्जर हो जाना ।

(ii) 'जब कुल्हाड़ों की तृषा है बढ़ रही कथन से क्या तात्पर्य है ?

(क) हिंसा बढ़ना (ख) सामाजिक क्रांति होना ।

(ग) युद्ध का अवसर आना |(घ) पेड़ों को काटकर भी तृप्त न होना

(iii) अंत्येष्टि के लिए लकड़ियाँ सुलभ न होने का कारण है

(क) वन काटे जा रहे हैं। (ख) वर्षा के अभाव में वनों का सूखना

(ग) वन महोत्सव (घ) मुनाफाखोरी।

(iv) पेड़ों को मानव बंधु क्यों कहा गया है?

(क) मानव पेड़ों का व्यापार करता है। (ख) पेड़ हमें अपना सर्वस्व देते हैं

(ग) पेड़ हमें ईधन देते है (घ) मानव पेड़ों का रक्षक है।

(v) इस कविता में क्या प्रेरणा दी गई है?

(क) स्वच्छता की (ख) स्वार्थी बनने की।

(ग) वन कटाई की। (घ) वन संरक्षण की ।

व्याकरण

प्रश्न2 निर्देशानुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए अंक-1×16

I. किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए 1× 4= 4

(i) बादल घिर आए और वर्षा होने लगी।

रचना के आधार पर वाक्य भेद है

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य |

(ग) संयुक्त वाक्य | (घ) साधारण वाक्य |

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है.

(क) अवनि आई और पढ़ने बैठ गई (ख) बच्चे दूध पीकर सो गए

(ग) अध्यापक के सामने सब शांत रहते हैं। (घ) जो झूठ बोलते हैं, उन पर विश्वास मत करो |

(iii) आनंद चार दिन गाँव में रहा। वह सबका प्रिय हो गया। इस वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण होगा

(क) आनंद चार दिन गाँव में रहा और सबका प्रिय हो गया |

(ख) जब आनंद चार दिन गाँव में रहा, तब वह सबका प्रिय हो गया

(ग) आनंद चार दिन गाँव में रहकर सबका प्रिय हो गया |

(घ) आनंद जब चार दिन गाँव में रहा तो वह सबका प्रिय हो गया |

(iv) वह पुस्तक कहाँ है, जो कल खरीदी थी?
रेखांकित उपवाक्य का भेद है
(क) संज्ञा आश्रित उपवाक्य | (ख) प्रधान उपवाक्य
(ग) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य (घ) विशेषण आश्रित उपवाक्य |

(v) निम्नलिखित में सरल वाक्य है
(क) जैसे ही वर्षा हुई वैसे ही मोर नाचने लगे (ख) वर्षा हुई और मोर नाचने लगे |
(ग) वर्षा होते ही मोर नाचने लगे । (घ) जब वर्षा होती है तब मोर नाचते हैं।

II.निर्देशानुसार किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए 1× 4= 4

(i) निम्नलिखित वाक्य का वाच्य लिखिए

पर्यटकों द्वारा तीर्थ यात्रा की जाएगी।
(क) कर्तृ वाध्य | (ख) भाव वाच्य |
(ग) कर्म वाच्य (घ) करण वाच्य

(ii) हालदार साहब ने पान खाया।उपर्युक्त वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए
(क) हालदार साहब द्वारा पान खाया जाता है (ख) हालदार साहब से पान नहीं खाया जाता |
(ग) हालदार साहब पान खा रहे हैं। (घ) हालदार साहब द्वारा पान खाया गया ।

(iii) पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़े। उपर्युक्त वाक्य को भाव वाच्य में बदलिए
(क) पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़ सके । (ख) पक्षियों से बाग छोड़कर उड़ा नहीं गया।
(ग) पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़ सकते । (घ) पक्षियों से बाग छोड़कर उड़ा नहीं जाता।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छोटिए
(क) छात्रों द्वारा सभी का स्वागत हुआ। (ख) छात्रों से सभी का स्वागत करवाया गया |
(ग) छात्रों ने सभी का स्वागत किया।(घ) छात्रों द्वारा सभी का स्वागत किया जाएगा |

(v) निम्नलिखित में से कौन सा भाव वाच्य का सही विकल्प है?

(क) आओ, वहाँ बैठे । (ख) आओ वहाँ बैठा जाए ।

(ग) अब वहाँ बैठते हैं। (घ) चलो अब वहाँ बैठे।

III.निर्देशानुसार किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए 1× 4= 4

(i) हम कल <u>बंगाल</u> जा रहे हैं। रेखांकित पद का परिचय है

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक ।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक ।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक

(ii) <u>यह</u> बालक बहुत मेधावी है। रेखांकित पद का परिचय है

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक ।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक ।

(ग) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य ' बालक' ।

(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'बालक'।

(iii) <u>अचानक</u> वर्षा होने लगी । रेखांकित पद का परिचय है

(क) कालवाचक क्रिया विशेषण, 'होने लगी' क्रिया की विशेषता

(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'होने लगी' क्रिया की विशेषता ।

(ग) स्थानवाचक क्रिया विशेषण, होने लगी क्रिया की विशेषता ।

(घ) परिमाणवाचक किया विशेषण, होने लगी क्रिया की विशेषता ।

(iv) <u>वाह!</u> भारत मैच जीत गया। रेखांकित पद का परिचय है

(क) समुच्चयबोधक अव्यय ।

(ख) विस्मयादि सूचक अव्यय, शोकसूचक भाव की अभिव्यक्ति ।

(ग) संबंधबोधक अव्यय ।

(घ) विस्मयादि सूचक अव्यय प्रसन्नतासूचक भाव की अभिव्यक्ति ।

(v) शाबाश! तुमने बहुत अच्छा कार्य किया। रेखांकित पद का परिचय है

(क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक ।

(ख) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक ।

(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक ।

IV. निर्देशानुसार किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए 1× 4= 4

(i) ' मेघ आए बड़े बन ठन के संवर के' में अलंकार है-

(क) उपमा (ख) यमक

(ग) मानवीकरण (घ) श्लेष

(ii)'अंबर के तारे मानो मोती अनगन हों' में अलंकार है-

(क) उत्प्रेक्षा (ख) रूपक

(ग) उपमा (घ) श्लेष

(iii) 'मंगन को देखि पट देत बार बार' में अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उपमा

(ग) अतिशयोक्ति (घ) मानवीकरण

(iv) 'हनुमान की पूंछ में लगन न पाई आग, लंका सिगरी जल गई गए निशाचर भाग' में अलंकार है-

(क) अतिशयोक्ति (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) उपमा। (घ) यमक।

(v) ' जो नत हुआ वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झड़कर कुसुम' में अलंकार है-

(क) उपमा (ख) रूपक

(ग) श्लेष (घ) उत्प्रेक्षा

(पाठ्य पुस्तक)

गद्य खंड

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5=5

काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। यह आयोजन पिछले कई वर्षों से संकटमोचन मंदिर में होता आया है। यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है व

हनुमान जयंती के अवसर पर यहां 5 दिनों तक शास्त्रीय एवं उप शास्त्रीय गायन वादन की उत्कृष्ट सभा होती है। इसमें बिस्मिल्ला खां अवश्य रहते हैं। अपने मजहब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खां की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है। वे जब भी काशी से बाहर रहते हैं तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुंह करके बैठते हैं, थोड़ी देर ही सही, मगर उसी ओर शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है और भीतर की आस्था रीड के माध्यम से बजती है। खां साहब की एक रीड 15 से 20 मिनट के अंदर गीली हो जाती है तब वे दूसरी रीड का इस्तेमाल कर लिया करते हैं।

(i) काशी की अद्भुत और प्राचीन परंपरा कौन सी है?

(क) कुश्ती आयोजन (ख) गंगा मेल का आयोजन

(ग) संगीत आयोजन (घ) पारंपरिक पर्वों का आयोजन

(ii)संगीत आयोजन कहां होता है?

(क) (क)विश्वनाथ मंदिर के प्रांगण में (ख) संकट मोचन मंदिर में

(ग) गंगा मैया के घाटों पर (घ) शहर के बीच बने मैदान में ।

(iii) इस आयोजन में क्या कार्यक्रम होते हैं?

(क) शास्त्रीय एवं उप शास्त्रीय गायन वादन की सभा (ख) कथक नृत्य का आयोजन

(ग) भरतनाट्यम नृत्य का आयोजन (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) काशी से बाहर के कार्यक्रमों में बिस्मिल्ला खां किनके प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं?

(क) काशी विश्वनाथ के प्रति (ख) काशी विश्वनाथ और बालाजी के प्रति

(ग) अपने गुरु के प्रति (घ) अपने माता पिता के प्रति

(v) इस गद्यांश का संदेश एवं मूल भाव क्या है?

(क) बिस्मिल्ला खां के योगदान को दर्शाना (ख) काशी की सांस्कृतिक परंपरा का वर्णन

(ग) बिस्मिल्लाह खान के सांप्रदायिक सद्भाव और संगीत के प्रति आसक्ति को दर्शाना

(घ) ख और ग दोनों सही हैं

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×2=2

(i) बेटे की मृत्यु के पश्चात् बालगोबिन भगत का आखिरी निर्णय क्या था?

(क) पतोहू को संन्यास दिलवाना (ख) पतोहू को शिक्षा दिलवाना

(ग) पतोहू को घर से निकालना (घ) पतोहू का पुनर्विवाह करवाना

(ii) "एक कहानी यह भी" किस शैली में लिखी गई है?

(क) आत्मपरक (ख) विवरणात्मक

(ग) व्याख्यात्मक (घ) कथन शैली

पद्य खंड

5. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प पुनकर लिखिए 1x5=5

एक के नहीं,
दो के नहीं,
ढेर सारी नदियों के पानी का जादू,
एक के नहीं,
दो के नहीं,
लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा,
एक की नहीं, दो कि नहीं,
हजार हजार खेतों की मिट्टी का गुणधर्म।

(i) कवि ने फसल को नदियों के जल का जादू क्यों कहा है?

(क) नदियों का पानी जादू करता है।
(ख) नदियों के जल में सिंचित होकर फसलें जीवंत हो उठती हैं।
(ग) नदियों का जल अपने आप बह कर फसल में आ जाता है ।
(घ) इनमें से कोई नहीं ।

(ii) कवि के अनुसार फसल किस का जादू है?

(क) किसान के हाथों का जादू ।
(ख) मिट्टी का जादू ।
(ग) ढेर सारी नदियों के पानी का जादू।
(घ) हवा का जादू ।

(iii) पानी, धूप और वायु के अतिरिक्त फसल अपने अस्तित्व के लिए किस पर आधारित होती है?

(क) मिट्टी के गुणों पर।
(ख) उसको खरीदने वाले व्यापारियों पर।
(ग) उसकी देखभाल करने वाले लोगों पर ।
(घ) उपर्युक्त सभी पर।

(iv) लाख- लाख कोटि-कोटि में कौन सा अलंकार है?
(क) रूपक (ख) पुनरुक्ति प्रकाश
(ग) यमक (घ) श्लेष

(v) काव्यांश में दिए गए दो तत्सम और तद्भव शब्द बताइए।

(क) तत्सम- लाख, स्पर्श/तद्भव- कोटि, पानी
(ख) तत्सम- लाख, स्पर्श/तद्भव- कोटि, गुण
(ग) तत्सम- कोटि, स्पर्श/तद्भव- लाख, पानी
(घ) इनमें से कोई नहीं।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×2=2

(i) लक्ष्मण ने कायर पुरुषों का क्या लक्षण बताया है?

(क) शत्रु के सामने वीरता का प्रदर्शन नहीं करते हैं।
(ख) अपनी वीरता की डीगें हांका करते हैं।
(ग) युद्ध में कायरता दिखा कर भाग जाते हैं
(घ) उपर्युक्त सभी

(ii) आत्मकथ्य कविता में वर्णित "थकी सोई है मेरी मौन व्यथा" पंक्ति का क्या आशय है?
(क) कवि की व्यथा थक कर सो गई है
(ख) कवि ने अपनी पीड़ा को कभी प्रकट नहीं किया है
(ग) कवि अभी चुप रहना चाहता है
(घ) इनमें से कोई नहीं

खंड ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

(पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठ्य पुस्तक)

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए। 2×3=6

(क) मानवता का विनाश करने के साधनों का अविष्कार करने की योग्यता संस्कृति है अथवा असंस्कृति? उचित कारण बताते हुए उत्तर दीजिए।
(ख) बिस्मिल्ला खां के काशी न छोड़ने के क्या कारण हो सकते हैं?
(ग) लेखिका मनु भंडारी अपने ही घर में हीन भावना का शिकार क्यों हो गई?
(घ)" लखनवी अंदाज" शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित सिद्ध कीजिए

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए 2×3=6

(क) संगतकार की आवाज को कमजोर क्यों कहा गया है?
(ख) फसल कविता में हाथों के स्पर्श की गरिमा किसे कहा गया है?
(ग) यह दंतुरित मुस्कान कविता में कवि ने मानव जीवन के किस सत्य को प्रकट किया है?
(घ) आत्मकथ्य कविता में पाथेय शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि कवि ने किसे अपना पाथेय माना है?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50- 60 शब्दों में लिखिए 4×2=8

(क) माता का अंचल पाठ के आधार पर बताइए कि एक बच्चा किस प्रकार अपने पारिवारिक वातावरण से मूल्यों को सीखता है? आज के समय में मूल्यों का विघटन किस प्रकार हो रहा है?
(ख) नदियां और झरने हमारे लिए देवता समान हैं। साना-साना हाथ जोड़ि पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।
(ग)आज के दौर में विज्ञान का दुरुपयोग कैसे हो रहा है? "मैं क्यों लिखता हूं" पाठ के आधार पर लिखिए ।

(रचनात्मक लेखन खंड)

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।(6)

(क) जंक फूड

संकेत बिंदु :- जंक फूड क्या होता है? युवा पीढ़ी और जंक फूड, जंक फूड खाने के दुष्परिणाम।

(ख) खेल और स्वास्थ्य

संकेत बिंदु:- खेलों की उपयोगिता, खेल और स्वास्थ्य का संबंध, हमारा कर्तव्य।

(ग) मेरे जीवन की आकांक्षा

संकेत बिंदु:- मेरी आकांक्षा, आवश्यक योग्यता, विशेष तैयारी

5. अपनी सहेली के खराब स्वास्थ्य के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उसकी कुशलक्षेम पूछने के लिए लगभग 100 शब्दों मैं एक पत्र लिखिए।(5)

अथवा

आपके क्षेत्र में बिजली कटौती के कारण बढ़ती हुई परेशानियों के बारे में बताने के लिए किसी अखबार के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

6.विद्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी के लिए एक स्ववृत्त 80 शब्दों में लिखिए।(5)

अथवा

ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु एक औपचारिक ईमेल 80 शब्दों में लिखिए।

7.लैपटॉप बनाने वाली कंपनी के लिए लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।(4)

अथवा

नई कार खरीदने पर भैया- भाभी को लगभग 60 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

अभ्यास प्रश्न पत्र

कक्षा : 10

हिंदी - 'अ'

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए ओर उनका अनुपालन कीजिए-

- इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' ओर 'ब'
- खंड 'अ' में कुल 10 प्रश्न पूछे गए हैं। जिनके अन्तर्गत सभी प्रश्न बहुविकल्पी हैं।
- खंड 'ब' में कुल वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।
- प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'अ'

I निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [1x5=5]

निज भाषा उन्नति अहे, सब भाषण को मूल-हिन्दी साहित्य के इतिहास को एक सृष्टी देने वाले, अत्यन्त अल्पायु में भी साहित्य एवं समाज को उत्कृष्टि देने वाले, विलक्षण प्रतिभाओं के धनी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म सन् 1850 ई में हुआ था। पिता बाबू वंशानुगत 'गिरधरदास' उपनाम से कविता लिखने बाले श्रेष्ठ कवि थे। पाँच वर्ष की अवस्था में ही उत्कृष्ट कविता लिखकर भारतेन्दु जी ने वंशानुगत प्रभाव को सिद्ध कर दिया। बाल्यावस्था में ही माता-पिता की छत्रछाया सिर से उठ जाने के कारण शिक्षा सुचारु रूप से न चल सकी। अतः स्वाध्याय से ही हिन्दी, अंग्रेज़ी, संस्कृत, मराठी, फारसी, गुजराती आदि भाषाओं का गहन ज्ञान प्राप्त करके तन-मन-धन से भाषा एवं साहित्य की सेवा में समर्पित हो गए। अत्यन्त उदार एवं दानशील होने के कारण इन्होंने अनेक सभाओं एवं पुस्तकालयों आदि की स्थापना तथा साहित्यकारों की सहायता की व अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। इनकी विद्धतमंडली में बदरीनारायण चोधरी 'प्रेमधन', बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र आदि प्रमुख थे।

भारतेन्दु हरिचन्द्र ने जीवनपर्यन्त माँ भारती की अथक् सेवा की। उनकी उत्कृष्टतम समर्पित सेवा वृत्ति एवं प्रखर राष्ट्रीय भावों के कारण ही हिन्दी साहित्य के युग विशेष का नामकरण उनके नाम के आधार पर किया गया। भारतेन्दु जी देश ओर समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करना चाहते थे, इसलिए उनकी कविताओं, नाटकों, निबन्धों आदि में स्त्री शिक्षा, समाज-सुधार, राष्ट्रीयता एवं देशप्रेम की अद्भुत संगत दिखाई देती हे। इन्होंने अपना रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन रूढ़ियों, विसंगतियों एवं अन्धविश्वासों पर भी करारा प्रहार किया हे। इन्होंने कविता को रीतिकालीन परिवेश से निकालकर समसामयिक जीवन से जोड़ने का स्तुत्य प्रयास किया। इसीलिए उन्हें 'आधुनिक काल का जनक' कहा जाता हे।

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म कब ओर कहाँ हुआ?

   (i) 1850 ई में काशी में (ii) 1851 ई में काशी में

   (iii) 1853 ई में काशी में (iv) 1852 ई में काशी में

2. भारतेन्दु जी को आधुनिक काल का जनक क्यों कहा जाता हे?

   (i) क्योंकि आधुनिक काल को उन्होंने जन्म दिया था

   (ii) क्योंकि साहित्य को उन्होंने समसामयिक जीवन से जोड़ा हे।

   (iii) क्योंकि उनका जन्म आधुनिक काल में हुआ हे।

   (iv) सभी विकल्प सही हैं।

3. भारतेन्दु जी किस प्रकार के साहित्यकार थे?

(i) स्वछन्द (ii) स्वतंत्र (iii) युगनिर्माता (iv) इनमें से कोई नहीं

4. भारतेन्दु जी को आधुनिक काल का जनक क्यों कहा जाता हे?

(i) क्योंकि इन्होंने कविता को प्रगतिवाद से जोड़ा था।

(ii) क्योंकि इन्होंने कविता को रीतिकालीन परिवेश से निकाला था।

(iii) क्योंकि इन्होंने कविता को आधुनिक काल में लिखा था।

(iv) क्योंकि इन्होंने कविता को छायावाद से जोड़ा था।

5. गद्यांश केलिए उचित शीर्षक लिखिए

(i) भारतेन्दु : आधुनिक काल के जनक (ii) भारतेन्दु : आधुनिक युग

(iii) भारतेन्दु : रीतिकालीन युग (iv) इनमें से कोई नहीं

II निम्नलिखित दो काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिजिए। [1x5=5]

पेदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
ओर प्रज्जवलित देश क्या कभी मरेगा मारे?
लहू गर्म करने को रक्खो मन में ज्जवलित विचार,
हिंसक जीव से बचने को चाहिए किंतु तलवार।
एक भेद हें ओर जहाँ निर्भय होते नर-नारी
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिगारी
जहाँ मनुष्यों के भीतर हरदम जलते हें शीले,
बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले।
जहाँ लोग पालते लहू में हालाहल की धार
क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार?

1. कलम किसका प्रतीक हे?

(i) क्रांति का (ii) लिखने का (iii) पढ़ने का (iv) बोलने का

2. तलवार की आवश्यकता क्या पड़ती हे?

(i) मारने में (ii) हिंसक पशु से बचने के लिए (iii) उत्साह के लिए (iv) इनमें से कोई नहीं

3. केसे व्यक्ति को तलवार की आवश्यकता नहीं होती हे?

(i) जिसमें जोश हे (ii) जिसमें वेचारिक शक्ति हे (iii) जिसमें उत्साह हे (iv) सभी विकल्प सही हे

4. कलम केसे क्रांति लाती हे?

(i) तर्कहीन (ii) साधनहीन (iii) तलवारहीन (iv) वेचारिक

5. पद्यांश का उचित शीर्षक होगा-

(i) क्रांति (ii) विचार (iii) कलम की आग (iv) विचारों की आग

अथवा

काव्यांश-2

टकराएगा नहीं आज उद्धत लहरों से,
कोन ज्वार फिर मुझे पार तक पहूँचाएगा?
अब तक धर ती अचल रही पेरों के नीचे,
फूलों की देर ओट सुरभी के धीरे खींचे,
पर पहूँचेगा पथी दुसरे तट पर उस दिन
जब चरणों के नीचे लहराएगा।
गर्त शिखर बन, उठे लिए भंवरों का मेला,
हुए पिघल ज्योतिष्क तिमिर की निष्चल बेला,
तू मोती के द्वीप स्वप्न में रहा खोजता,
तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा,
घूल पोंछ काँटे मत गिन छाले मत सहला
मत ठंडे संकल्प आँसुओं से तू बहला,
तुझ से हो यदि अग्नि-स्नात यह प्रलय महोत्सव
तभी मरण का स्वस्ति-गान जीवन गाएगा
टकराएगा नहीं आज उन्मद लहरों से
कोन ज्वार फिर तुझे दिवस तक पहूँचाएगा

निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार सहसे उचित विकल्प का चयन कीजिए

1. दिये काव्यांश का क्या उद्देश्य प्रतीत होता हे?

   (i) आत्मविश्वास जगाने हेतु द्रष्टान्त प्रस्तुति। (ii) हर हाल में कार्य करने की प्रेरणा।
   (iii) जगृति व उत्साहित करने हेतु प्रेरणा। (iv) जीवन दर्शन के विषय में प्रोत्साहन।

2. तू मोती के द्वीप स्वप्न में खोजता-पंक्ति का भाव हे?

   (i) मोतियों के समान आँसुओं को स्वप्न में आने वाले सुंदर द्वीपों पर नष्ट नहीं करना चाहिए।

   (ii) मोती के द्वीप खोजने के लिए सागर में दूर-दूर जाकर कष्टदायी विचरण करना होगा।

   (iii) जीवन संसाधनों के लिए यथार्थ में रहकर प्रयत्न करना होगा।

   (iv) यदि ऐसा होगा तो जीवन शिला-सा जम जाएगा।

3. तुझसे हो यदि अग्नि-स्नात-पंक्ति का क्या अर्थ ह?

   (i) यदि तुम जीवन को कष्टतम परिस्थिति झेल लोगे तो जीवन तुम्हारे बलिदान की प्रशंसा करेगा।

   (ii) यदि तुम आग के दरिया में डूबकर जाने को तेयार हो तो जीवन मरण के बंधन से मुक्त हो सकोगे।

   (iii) जीवन प्रलय के महोत्सव में आग लगाने वाला ही सफलतम वीर कहलाएगा।

   (iv) यदि तुम जीवन में बलिदान करोगे तो जग सदा तुम्हारे जीवन की सराहना करेगा।

4. समय को गतिशील करने के लिए क्या आवश्यक है?

(i) समय का सदुपयोग कर मानव कल्याण में लगे रहना

(ii) तुच्छ कार्यों में संल्गन न रहकर समय नष्ट होने से बचाना

(iii) अपने हाल की परवाह ना करते हुए सकारात्मक भाव से कार्य करते रहना

(iv) 'टाल-मटोल समय का चोर' कथानुसार स्वस्ति (शुभ) कार्य करने में टाल-मटोल न करना।

5. काव्यांश के अनुसार फूलों की ओट व सुरभी के घेरे - व्यक्ति के जीवन में क्या कार्य कर सकते हैं?

(i) वे व्यक्ति के जीवन को अपनी सुगंध से शांत व एकाग्र कर सकते हैं।

(ii) वे अपने ओषधीय गुणों से व्यक्ति का जीव व्याधिमुक्त कर सकते हैं।

(iii) वे उसे लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग से विर्तालीत कर सकते हैं।

(iv) फूल उर्वरता व समृद्धि का प्रतीक है। वे जीवन में ईश्वर के प्रति निकटता लाने में सहायक हो सकते हैं।

III निम्नलिखित प्रश्नों केलिए उचित विकल्प चुनिए

(क) "मूर्ति की आँखों पर एक चरमा रखा था जो सरकंडे से बना था।" - रचना के आधार पर प्रस्तुत वाक्य का भेद होगा

(i) मिश्र वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य (iii) सरल वाक्य (iv) कठिन वाक्य

(ख) निम्नलिखित में कोन-सा वाक्य सरल वाक्य नहीं है?

(i) अंतरा अपने विद्यालय नहीं जाने के बारे में बता रही थी।

(ii) अंतरा विद्यालय न जाने के कारण पर बात कर रही थी।

(iii) अंतरा विद्यालय नहीं गई पर क्यों वह पता नहीं

(iv) अंतरा ने किसी को अपने विद्यालय न जाने के बारे में नहीं बताया।

(ग) <u>जब बालगोबिन भगत खेतों में रोपाई कर रहे थे, तब लोग उन्हें कनखियों से देख रहे थे</u> – यहाँ रेखांकित आश्रित उपवाक्य का भेद होगा?

(i) संज्ञा आश्रित उपवाक्य (ii) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य

(iii) विशेषण आश्रित उपवाक्य (iv) क्रिया आश्रित उपवाक्य

(घ) वह पुस्तक कहाँ है, <u>जो कल खरीदी थी?</u> रेखांकित उपवाक्य का भेद है-

(i) संज्ञा आश्रित उपवाक्य (ii) सर्वनाम आश्रित उपवाक्य

(iii) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य (iv) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(ङ) निम्नलिखित में सरल वाक्य है

(i) जैसे ही वर्ष हुई वैसे ही मोर नाचने लगे। (ii) वर्ष हुई और मोर नाचने लगे।

(iii) वर्ष होते ही मोर नाचने लगे। (iv) जब वर्ष होती है तब मोर नाचने हैं।

IV निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए [1x4=4]

(क) मेरे द्वारा समय की पाबन्दी पर निबन्ध लिखा गया। (वाक्य के लिए कर्तृवाच्य का रूप होगा)

(i) कर्तृवाच्य (ii) कर्मवाच्य (iii) भाववाच्य (iv) इनमें से कोई रूप नहीं होगा।

(ख) मेरे मित्र से चला नहीं जाता (वाक्य के लिए कर्तृवाच्य का रूप होगा)

(i) चल नहीं सकता मेरा मित्र। (ii) मेरा मित्र चल नहीं सकता।

(iii) दोनों विकल्प सही हैं। (iv) इनमें से कोई नहीं।

(ग) उनके सामने कौन बोल सकेगा। (वाक्य का भाववाच्य में रूप होगा)

(i) उनके सामने किससे बोला जा सकेगा। (ii) कौन बोल सकता है उनके सामने।

(iii) बोल सकता है कौन उनके सामने। (iv) इनमें से कोई नहीं।

(घ) भाई साहब ने मुझे पतंग दी। (वाक्य का कर्मवाच्य रूप होगा)

(i) पतंग दी गई भाई साहब द्वारा मुझे। (ii) भाई साहब द्वारा पतंग दी गई मुझे।

(iii) भाई साहब द्वारा मुझे पतंग दी गई। (iv) सभी विकल्प सही हैं।

(ङ) निम्नलिखित में से कौन-सा भाववाच्य का सही विकल्प नहीं है।

(i) मुझसे अब देखा नहीं जाता। (ii) आईए चला जाए।

(iii) हमें धोखा दिया जा रहा है। (iv) राधा से बोला नहीं जाता।

V निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए **[1x4=4]**

रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए-

<u>सुंदर</u> गृहिणी की तो <u>मुझे</u> याद नहीं, <u>लेकिन</u> उनके बेटे और पतोहु को तो मैंने <u>देखा था</u>।

(क) **<u>सुंदर</u>**

(i) निजवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग। (ii) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग।

(iii) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग। (iv) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग।

(ख) **<u>मुझे</u>**

(i) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ii) प्रश्नवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(iii) सम्बन्धवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(iv) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(ग) **<u>लेकिन</u>**

(i) संबंधबोधक अव्यय। (ii) क्रियाविशेषण अव्यय।

(iii समुच्चयबोधक अव्यय। (iv) विस्मयादिबोधक अव्यय।

(घ) **<u>देखा था</u>**

(i) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन। (ii) द्विकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन।

(iii अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन। (iv) प्रेरणार्थक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन।

(ङ) 'प्रधानाचार्य ने <u>आपको</u> बुलाया।' - रेखांकित पद का परिचय है।

(i) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक।

(ii) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(iii) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।

(iv) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।

VI काव्य पंक्तियों में निहित अलंकार को पचाहन कर उचित विकल्प का चयन कीजिए [1x4=4]

(क) हनुमान की पूँज में, लग न पाई आग।

सारी लंका जल गई, गए निशाचर भाग।

(i) मानवीकरण (ii) उत्प्रेक्षा (iii) अतिशयोक्ति (iv) इनमें से कोई नहीं।

(ख) उषा उदास आती हे।

मुख पीला ले जाती हे।

(i) श्लेष (ii) मानवीकरण (iii) अतिशयोक्ति (iv) उत्प्रेक्षा

(ग) मंगन के देखि पट देत बार-बार हे।

(i) उत्प्रेक्षा (ii) मानवीकरण (iii) अतिशयोक्ति (iv) श्ले

(घ) उस काल मारे क्रोध के, तनु काँपने उनका लगा।

मानो हवा के ओर से, सोता हुआ सागर जगा।

(i) उत्प्रेक्षा (ii) श्लेष (iii) मानवीकरण (iv) अतिशयोक्ति

(ङ) 'लो यह लतिका भी भर आई

मधु मुकुल रवल रस गागरी' – निहित अलंकार बताईए।

(i) उत्प्रेक्षा (ii) श्लेष (iii) अतिशयोक्ति (iv) मानवीकरण

VII निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिये प्रश्नों के उत्तरार्थ सबसे उचित विकल्प लिखिए [1x5=5]

आषाढ़ की रिमझिम हे। समुचा गाँव खेतों में उतर पड़ा हे। कहीं हल चल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही हे। धान के पानी भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। ओरतों कलेवा लेकर मेंड पर बेठी हे।

आसमाना बादलों से घिरा हे, धूप का नाम नहीं । ठंडी पुरवाई चल रही हे। ऐसे ही समय में आपके कानों में एक स्वर तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या हे – यह कोन हे। यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत का समूचा शरीर कीचड़ में लिपटा हे व खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी उँगली धान के एक-एक पोधे को, पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही हे। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा हे ओर कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर।

1. आषाढ़ की रिमझिम में समुचा गाँव खेतों में क्यों उमड़ पड़ता हे?

(i) धान की रोपनी के लिए (ii) भगत के संगीत को सुनने के लिए

(iii) गाना गाने के लिए (iv) इनमें से कोई नहीं

2. 'एक स्वर तरंग झंकार-सी कर उठी'- का क्या तात्पर्य हे?

(i) भगत के स्वर को मिठास लोग सुनने लगे (ii) भगत का संगीत सम्पूर्ण वायुमंटल में फेल गया

(iii) उनका संगीत झंकार कर रहा था (iv) सभी विकल्प सही हैं।

3. भगत जी खेतों में क्या कर रहे थे?

(i) शरीर को कीचड़ में लपेट रहे थे। (ii) गीतों को पंक्तिबद्ध बेठा रहे थे।

(iii) धान की रोपनी कर रहे थे। (iv) हल चला रहे थे।

4. किसका शरीर कीचड़ में लिपटा हुआ हे?

(i) लेखक का (ii) गाँववालों का (iii) बच्चों का (iv) भगत का

5. कानों में किसका स्वर तरंग झंकार उठा?

(i) भगत का (ii) बच्चों का (iii) स्त्रियों का (iv) इनमें से कोई नहृ

VIII निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए [1x2=2]

1. नवाब ने खीरा केसे खाया?

(i) सूँघकर (ii) चबाकर (iii) निगलकर (iv) देखकर

2. बालगोबिन भगत का संगीत था ?

(i) जादू (ii) कर्णप्रिय (iii) मंन्त्र मुग्ध करने वाला (iv) उपरोक्त सभी

IX निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिये प्रश्नों के उत्तरार्थ सबसे उचित विकल्प लिखिए। [1x5=5]

हरि हें राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलें ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-संदेस पठाए।

ऊधो भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपने मन फेर पाइहें, चलत जु हुते चुराए।

तो क्यों अनीति करें आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तो यहे 'सुर' जो प्रजा न जाहिं सताए।

1. गोपियों ने क्या कहकर कृष्ण पर व्यंग्य किया हे?

(i) वे अब पहले जेसे नहीं रहे (ii) उन्होंने अब राजनीति पढ़ ली हे

(iii) वे अब मधुरा से नहीं आएँगे (iv) इनमें से कोई नहीं

2. गोपियों अपना मन वापिस क्यों पा लेना चाहती हैं?

(i) क्योंकि कृष्ण में अब छल कपट आ गया हे (ii) क्योंकि कृष्ण उन्हें योग साधना का संदेश दे रहे थे

(iii) क्योंकि वे अब कृष्ण से प्रेम नहीं करती थीं (iv) सभी विकल्प सही हे

3. प्राचीन राजा क्यों भले होते थे?

(i) क्योंकि वे महान होते थे (ii) क्योंकि उन्हें राजनीति का ज्ञान था

(iii) क्योंकि प्रजा की भलाई के लिए वे दोड़े आते थे (iv) इनमें से कोई नहीं

4. गोपियों के अनुसार कृष्ण क्या कर रहे थे?

(i) अनीति (ii) प्रेम (iii) मर्यादा का पालन (iv) इनमें से कोई नहीं

5. 'हरि हें राजनीति पढ़ि आए' - पंक्ति किसके लिए कही गई हे?

(i) कृष्ण के लिए (ii) उद्धव के लिए (iii) गोपियों के लिए (iv) किसी के लिए नहीं

X निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए [1x2=2]

1. क्रोधित होते हुए भी परशुराम जी ने लक्ष्मण का वध क्यों नहीं किया?

(i) लक्ष्मण ने शिव-धनुष भंग नहीं किया था। (ii) लक्ष्मण को कम आयु का बालक जानकर

(iii) सभा में सब उपस्थित थे। (iv) वे ब्राह्मण थे।

2. कवि बादल की किसका प्रतीक माना हे?

(i) क्रांति का (ii) शांति का (iii) हरियाली का (iv) उपयुक्त सभी का

खंड 'ब'

XI निम्नलिखित चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए [2x3=6]

(i) बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से जुडी उन घटनाओं ओर व्यक्तियों का उल्लेख करें जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया

(ii) बालगोबिन भगत जा अपना पतोहु को उत्सव मनाने को क्यों कहते हैं?

(iii) 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने खीरा खाने से मना क्यों किया?

(iv) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया हे?

XII निम्नलिखित चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए [2x3=6]

(i) 'निराला' की कविता 'उत्साह' में जिस सामाजिक बदलाव की अपेक्षा की गई हे उसकी प्रांसगिकता पर उपने विचार व्यक्त कीजिए?

(ii) 'अट नहीं रही हे' कविता के आधार पर फागुन में उमड़े प्राकृतिक सोदर्य का वर्णन अपने शब्दों कीजिए।

(iii) धनुष भंग करने वाली सभा में एकत्रित जन 'हाय- हाय' क्यों पुकारने लगे थे? 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।?

(iv) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर बताइए कि एक बच्चे की मुसकान ओर एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर हे?

XIII निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए [4x2=8]

(i) 'माता का ऊँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि तत्कालीन व वर्तमान समय में बच्चों की खेल-सामग्रियों में क्या परिवर्तन आए हैं? बच्चों के खेलों में हुए परिवर्तनों का उनके मूल्यों पर कितना प्रभाव पड़ा हे?

(ii) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में कहा गया हे कि 'कटाओं' पर किसी दूकान का न होना वरदान हे, ऐसा क्यों? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में युवा नागरिक की क्या भूमिका हो सकती हे?

(iii) 'में क्यों लिखता हूँ' पाठ से आधार बताइए कि प्रत्यक्ष अंतर ओर अनुभूति में क्या अंतर होता हे?

XIV निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए [6]

1. **बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भूमिका**

(i) शिक्षाविहीन नर पशु समान (ii) शिक्षा ओर माता-पिता (iii) शिक्षा की महता

2. **कोराना वायरस**

(i) कोराना का संक्रमण (ii) बचाव के उपाय (iii) लॉकडाउण के सकारात्मक प्रभाव

3. **आँखों देखी सड़क दुर्घटना**

(i) कारण (ii) दुर्घटना स्थल (iii) पुलिस का आना

XV एक दैनिक समाचार पत्र के संपादक को अपनी कविता प्रकाशित करवाने का अनुरोध करते हुए एक पत्र लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने परिवार से दूर रहकर नोकरी कर रहे पिता का हाल-चाल जानने के लिए पत्र लिखिए।

XVI मान लीजिए पत्रकारिता के श्रेत्र में अपना अध्ययन पूरा करने के बाद आप किसी समाचार पत्र में पत्रकार पद के लिए आवेदन करना चाहते हैं। पद सम्बन्धी योग्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक स्ववृत लगभग 80 शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

नोकरी से त्याग-पत्र देने के लिए एक ई-मेल लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

XVII पर्यावरण विभाग की ओर से जल-संरक्षण का आग्रह करते हुए एक विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तेयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आपके क्षेत्र में एक नया पब्लिक स्कूल खुला हे उसके लिए लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तेयार कीजिए।

* * * * *

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी/ वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(1x5=5)**

'घर' जैसा छोटा-सा शब्द भावात्मक दृष्टि से बहुत विशाल होता है। इस आधार पर मकान, भवन, फ़्लैट, कमरा, कोठी, बँगला आदि इसके समानार्थी बिलकुल भी नहीं लगते हैं क्योंकि इनका सामान्य संबंध दीवारों, छतों और बाहरी व आंतरिक साज-सज्जा तक सीमित होता है, जबकि घर प्यार-भरोसे और रिश्तों की मिठास से बनता है। एक आदर्श घर वही है, जिसमें प्रेम व भरोसे की दीवारें, आपसी तालमेल की छतें, रिश्तों की मधुरता के खिले-खिले रंग, स्नेह, सम्मान व संवेदनाओं की सज्जा हो। घर में भावात्मकता है, वह भावात्मकता, जो संबंधों को महकाकर परिवार को जोड़े रखती है। यह बात हमें अच्छी तरह याद रखनी चाहिए कि जब रिश्ते महकते हैं, तो घर महकता है, प्यार अठखेलियाँ करता है, तो घर अठखेलियाँ करता है, रिश्तों का उल्लास घर का उल्लास होता है, इसलिए रिश्ते हैं, तो घर है और रिश्तों के बीच बहता प्रेम घर की नींव है। यह नींव जितनी मज़बूत होगी, घर उतना ही मज़बूत होगा। न जाने क्यों, आज का मनुष्य संवेदनाओं से दूर होता जा रहा है, उसके मन की कोमलता, कठोरता में बदल रही है; दिन-रात कार्य में व्यस्त रहने और धनोपार्जन की अति तीव्र लालसा से उसके अंदर मशीनियत बढ़ रही है, इसलिए उसके लिए घर के मायने बदल रहे हैं; उसकी अहमियत बदल रही है, इसी कारण आज परिवार में आपसी कलह, द्वंद्व आदि बढ़ रहे हैं। आज की पीढ़ी प्राइवेसी (वैयक्तिकता) के नाम

पर एकाकीपन में सुख खोज रही है। उसकी सोच 'मेरा कमरा, मेरी दुनिया' तक सिमट गई है। एक छत के नीचे रहते हुए भी हम एकाकी होते जा रहे हैं। काश, सब घर की अहमियत समझें और अपना अहं हटाकर घर को घर बनाए रखने का प्रयास करें।

(1) भावात्मक दृष्टि से घर जैसे छोटे-से शब्द की 'विशालता' में निहित हैं-

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) प्रेम, विश्वास, नातों का माधुर्य व संवेदनाएँ

(ii) आकर्षक बनावट, सुंदर लोग, वैभव व संपन्नता

(iii) सुंदर रंग संयोजन, आंतरिक सजावट एवं हरियाली

(iv) स्नेह, सम्मान, सरसता, संवेदनाएँ, संपन्नता व साज-सज्जा

विकल्प

(क) कथन i सही है।

(ख) कथन i व ii सही है।

(ग) कथन ii व iii सही हैं।

(घ) कथन iii व iv सही हैं।

(2) सामान्य रूप में मकान, भवन, फ़्लैट, कमरा, कोठी आदि शब्दों का संबंध किससे होता है?

(क) हृदय की भावनाओं से

(ख) वैभव और समृद्धि से

(ग) स्थानीय सुविधाओं से

(घ) बनावट व सजावट से

(3) आज की पीढ़ी को सुख किसमें दिखाई दे रहा है?

(क) निजी जीवन व एकांतिकता में

(ख) पारिवारिक भावात्मक संबंधों में

(ग) बिना मेहनत सब कुछ मिल जाने में

(घ) धन कमाने के लिए जी तोड़ मेहनत करने में

(4) गद्यांश में प्रेम को घर का क्या बताया गया है?

(क) आभूषण (ख) आधार

(ग) भरोसा (घ) उल्लास

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A) - आदमी के अंदर संवेदनाओं की जगह मशीनियत बढ़ती जा रही है।

कारण (R) - व्यस्तता और अर्थोपार्जन की अति महत्वाकांक्षा ने उसे यहाँ तक पहुँचा दिया है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी <u>एक</u> पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(1x5=5)**

सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज़ संघर्ष ही।।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ, वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झरकर कुसुम
जो पंथ भूल रुका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं,
जिसने मरण को भी लिया हो जीत, है जीवन वही।। सच हम नहीं...

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें,
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें,
टूटे नहीं इनसान, बस संदेश यौवन का यही।। सच हम नहीं....

अपने हृदय का सत्य अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर अपने आप हमको पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं,
धरती पसीजी है कहीं!
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।। सच हम नहीं...

-जगदीश गुप्त

(1) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए-

कथन

(i) प्रतिकूलता के विरुद्ध जूझते हुए बढ़ना ही जीवन की सच्चाई है।

(ii) परिस्थितियों से समझौता करके जोखिमों से बचना ही उचित है।

(iii) लक्ष्य-संधान हेतु मार्ग में भटक जाने का भय त्याग देना चाहिए।

(iv) जीवन में 'अपने छाले, ख़ुद सहलाने' का दर्शन अपनाना चाहिए।

विकल्प

(क) कथन ii सही है।

(ख) कथन i व iii सही हैं।

(ग) कथन i, iii व iv सही हैं।

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही हैं।

(2) मरण अर्थात मृत्यु को जीतने का आशय है-

(क) साधुता व साधना से अमरत्व प्राप्त करना

(ख) योगाभ्यास व जिजीविषा से दीर्घायु हो जाना

(ग) अर्थ, बल व दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवन को कष्टमुक्त करना

(घ) जीवन व जीवन के बाद भी आदर्श रूप में स्मरण किया जाना

(3) 'आकाश सुख देगा नहीं, धरती पसीजी है कहीं...' का अर्थ है कि-

(क) आकाश और धरती दोनों में संवेदनशीलता नहीं है।

(ख) ईश्वर उदार है, अतः वही सुख देता है, वही पसीजता है।

(ग) जुझारू बनकर स्वयं ही जीवन के दुख दूर किए जा सकते हैं।

(घ) सामूहिक प्रयत्नों से ही संकट की स्थिति से निकला जा सकता है।

(4) अपने आप से लड़ने का अर्थ है-

(क) अपनी अच्छाइयों व बुराइयों से भलीभाँति परिचित होना

(ख) किसी मुद्दे पर दिल और दिमाग़ का अलग-अलग सोचना

(ग) अपने किसी ग़लत निर्णय के लिए स्वयं को संतुष्ट कर लेना

(घ) अपनी दुर्बलताओं की अनदेखी न करके उन्हें दृढ़ता से दूर करना

(5) युवावस्था हमें सिखाती है कि-

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) स्वयं को चैतन्य, गतिशील, आत्मआलोचक व आशावादी बनाए रखें।

(ii) सजग रहें; जीवन में कभी कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न ही न होने दें।

(iii) सुख-दुख, उतार-चढ़ाव को भाग्यवादी बनकर स्वीकार करना सीखें।

(iv) प्रतिकूल परिस्थितियों के आगे घुटने न टेकें; बल्कि दो-दो हाथ करें।

विकल्प

(क) कथन i व ii सही हैं।

(ख) कथन i व iv सही हैं।

(ग) कथन ii व iii सही हैं।

(घ) कथन iii व iv सही हैं।

अथवा

'फ़सल' किसान के कच्चे-अधपके

सपनों की लहलहाती आस है

यह उसके हृदय की गहराइयों में

अंकुरित एक विश्वास है

यह विश्वास है-

ढही हुई दीवार की चिनाई का

अट्ठारह पार कर चुकी बेटी की सगाई का

परचूनिए की उधारी चुकाने का

मन के सपनों को नए परिधान पहनाने का

इसी विश्वास की सलामती के लिए

वह मूँदता है आँखें

दिन में न जाने कितनी बार...

और दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक

भरोसे और आशंका की रस्साकशी में

न जाने कितनी बार वह जागता है नींद से

और जगा देना चाहता है उस परमात्मा को भी

जिसके बारे में सुनता आया है कि सभी कुछ उसके ही हाथ है...

और इसीलिए जब फ़सल सौंधियाती है

असल में, किसान के सपने सौंधियाते हैं

और फ़सल घर आ जाने पर, सपने पक जाते हैं...

-डॉ. विनोद 'प्रसून'

(1) फ़सल को किसानों के कच्चे-अधपके सपनों की लहलहाती आस कहने का कारण है-

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) फ़सल देखकर बैंकों से सस्ते ब्याज पर ऋण सरलता से मिल जाना

(ii) फ़सल से किसान के स्वप्नों की संबद्धता और भावात्मक लगाव होना

(iii) फ़सल से जुड़े निराई, सिंचाई, कटाई, गहाई, भंडारण आदि के सपने देखना

(iv) फ़सल से ही जीवन की ज़रूरी इच्छाओं के साकार होने की संभावना जुड़ी होना

विकल्प

(क) कथन i व ii सही हैं।

(ख) कथन ii व iii सही हैं।

(ग) कथन ii व iv सही हैं।

(घ) कथन iii व iv सही हैं।

(2) किसान के हृदय की गहराइयों में अंकुरित हुए विश्वास की परिधि में आते हैं-

(क) कुछ पाकर सामाजिक कार्य करने की इच्छाएँ

(ख) अति आवश्यक कार्य एवं मन के भावात्मक सपने

(ग) आधुनिक कृषि यंत्र आदि जुटा लेने की अभिलाषाएँ

(घ) कठिन समय के लिए कुछ बचाकर रखने की योजनाएँ

(3) 'दुआएँ प्रेषित करता है ऊपर तक' का आशय है-

(क) ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए व्रत-उपवास रखना

(ख) सामूहिक यज्ञ करके फ़सल की कुशलता की कामना करना

(ग) फ़सल की कुशलता हेतु मन ही मन ईश्वर से प्रार्थना करना

(घ) निवेदन को ग्राम्य विकास से जुड़े अधिकारियों तक पहुँचाना

(4) 'भरोसे और आशंका की रस्साकशी में' पंक्ति के आधार पर किसान की मनोदशा से जुड़ा सही विकल्प है-

(क) ईश्वर पर अटूट विश्वास कि वे फ़सल को कोई हानि नहीं होने देंगे

(ख) ईश्वर पर विश्वास, किंतु फ़सल की कुशलता को लेकर मन आशंकित रहना

(ग) परिश्रम पर पूर्ण विश्वास, किंतु 'भाग्य में क्या लिखा है' इससे सदा आशंकित रहना

(घ) स्वयं पर भरोसा करना, किंतु प्राकृतिक आपदाओं की आशंका से सदैव भयभीत बने रहना

(5) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A) - किसान अपनी फ़सल के साथ भावात्मक रूप से जुड़ा होता है।

कारण (R) - व्यवसाय और व्यवसायी के बीच ऐसे संबंध स्वाभाविक हैं।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **(1x4=4)**

(1) 'न तो तुम वहाँ जा सके, न ही मैं।' इसका सरल वाक्य होगा-

(क) तुम और मैं दोनों ही वहाँ नहीं जा सके।

(ख) तुम भी वहाँ नहीं जा सके और मैं भी वहाँ नहीं जा सका।

(ग) यद्यपि तुम और मैं वहाँ जा सकते थे, फिर भी नहीं जा सके।

(घ) चूँकि तुम वहाँ नहीं जा सके, इसलिए मैं भी वहाँ नहीं जा सका।

(2) 'सूर्योदय होते ही प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।' इसका संयुक्त वाक्य होगा-

(क) सूर्योदय होने पर प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(ख) सूर्योदय होता है और प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(ग) जब सूर्योदय होता है, तब प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(घ) क्योंकि सूर्योदय होता है, इसलिए प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।

(3) आपके आवाज़ उठाने पर सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे। इसका मिश्र वाक्य होगा-

(क) आपके आवाज़ उठाते ही सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(ख) आप आवाज़ उठाएँगे, तो सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(ग) आप आवाज़ उठाएँगे और सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(घ) आप आवाज़ उठाएँगे इसलिए सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनिए-

(i) आप कह सकते थे कि यह गलती आपने नहीं की है।

(ii) यदि आप अपना पक्ष रखते, तो अवश्य ही निर्दोष सिद्ध होते।

(iii) जब आपने गलती की ही नहीं है, तो उसका दंड आपको क्यों मिलेगा?

(iv) चूँकि दोषी कोई और है इसलिए आप यह दोष अपने ऊपर बिलकुल मत लीजिए।

विकल्प

(क) केवल कथन i सही है।

(ख) कथन ii व iii सही हैं।

(ग) कथन iii व iv सही हैं।

(घ) कथन i, ii, iii व iv सही हैं।

(5) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कॉलम 1	**कॉलम 2**
(1) बिल्ली आई और दूध पी गई।	(i) सरल वाक्य
(2) यदि दूध बाहर न रखा होता, तो बिल्ली ऐसा नहीं कर पाती।	(ii) संयुक्त वाक्य
(3) हमें बिल्ली का जूठा दूध फेंकना पड़ा।	(iii) मिश्र वाक्य

विकल्प

(क) 1-iii, 2-i, 3-ii

(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i

(ग) 1-ii, 2-i, 3-iii

(घ) 1-ii, 2-i, 3-iii

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **(1x4=4)**

(1) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कॉलम 1	कॉलम 2
(1) भारत द्वारा मैच जीत लिया गया।	(i) कर्तृवाच्य
(2) गेंदबाज़ों ने मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया।	(ii) कर्मवाच्य
(3) विपक्षी बल्लेबाज़ों से क्रीज़ पर रुका नहीं जा सका।	(iii) भाववाच्य

विकल्प

(क) 1-ii, 2-i, 3-iii

(ख) 1-i, 2-iii, 3-ii

(ग) 1-ii, 2-iii, 3-i

(घ) 1-i, 2-ii, 3-iii

(2) इनमें कर्मवाच्य का उदाहरण है-

(क) रवीना ग़ज़ल नहीं गा पाती है।

(ख) रवीना से ग़ज़ल नहीं गाई जाती है।

(ग) रवीना पैदल नहीं चल पाती है।

(घ) रवीना से पैदल नहीं चला जाता है।

(3) इनमें कर्तृवाच्य का उदाहरण है-

(क) चलो, अब घर चलें।

(ख) चलो, अब घर चला जाए।

(ग) कैरम के बाद अब शतरंज खेली जाए।

(घ) हमारे द्वारा शतरंज खेली जा सकती है।

(4) 'दादी जी पढ़ नहीं सकतीं।' इसका भाववाच्य होगा-

(क) दादी जी कुछ भी पढ़ नहीं पाएँगी।

(ख) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकेगा।

(ग) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकता।

(घ) दादी जी कुछ भी पढ़ नहीं पाती हैं।

(5) 'बिना सहारे बूढ़ी माँ से अब चला नहीं जाता है।' इसका कर्तृवाच्य होगा-

(क) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं सकेंगी।

(ख) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाती हैं।

(ग) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाएँगी।

(घ) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं सकती हैं।

प्रश्न 5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1x4=4)

(1) 'चारों ओर छाई हरियाली मनमोहक लग रही थी।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा-

(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(2) 'ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा-

(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया-मारे

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया-मारे

(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया- मारे

(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया- मारे

(3) 'यह पुस्तक मैंने तब खरीदी थी, जब मैं पंद्रह वर्ष का था।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा-

(क) संकेतवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग

(ख) सार्वनामिक विशेषण, विशेष्य- पुस्तक

(ग) निपात, वाक्य के अर्थ को बल दे रहा है

(घ) परिमाणवाचक विशेषण, विशेष्य-पुस्तक

(4) 'हालदार साहब ने पान खाया।' रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा-

(क) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(ख) सकर्मक क्रिया, कर्म-पान, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(ग) प्रेरणार्थक क्रिया, कर्म-पान, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(घ) द्विकर्मक क्रिया, कर्म-पान, हालदार साहब, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य

(5) कुछ लड़के बाहर खेल रहे हैं। चाय में कुछ पड़ा है। दोनों वाक्यों के कुछ का सामान्य पद-परिचय होगा-

(क) पहला कुछ- सार्वनामिक विशेषण, दूसरा कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ख) पहला कुछ- अनिश्चयवाचक सर्वनाम, दूसरा कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ग) पहला कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कुछ- अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(घ) पहला कुछ- अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, दूसरा कुछ- निश्चयवाचक सर्वनाम

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1x4=4)

(1) "अर्थ बिना कब पूर्ण हैं, शब्द, सकल जग-काज।
अर्थ अगर आ जाए तो, ठाठ-बाट औ' राज।।" इस दोहे में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(2) "कैसे कलुषित प्राण हो गए।
मानो मन पाषाण हो गए।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(3) "इधर उठाया धनुष क्रोध में और चढ़ाया उस पर बाण।
धरा, सिंधु, नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(4) "एक दिवस सूरज ने सोची, छुट्टी ले लेने की बात।
सोचा कुछ पल सुकूँ मिलेगा, चलने दो धरती पर रात।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

(5) "कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।

हिमकणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) मानवीकरण (घ) अतिशयोक्ति

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

कुछ नहीं पूछ पाए हालदार साहब। कुछ पल चुपचाप खड़े रहे, फिर पान के पैसे चुकाकर जीप में आ बैठे और रवाना हो गए। बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे। कस्बे में घुसने से पहले ही ख़याल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा।...क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।...और कैप्टन मर गया। सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे। लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गईं। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको! जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे। रास्ता चलते लोग देखने लगे। जीप रुकते-न-रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज़-तेज़ कदमों से मूर्ति की तरफ़ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए। मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं।

(1) हालदार साहब क्या सोचकर दुखी हो गए?

(क) नेता जी की मूर्ति की आँखों पर चश्मा न देखकर

(ख) देशभक्तों का मज़ाक उड़ाने वाली बिकाऊ कौम को देखकर

(ग) घर-गृहस्थी, जवानी-ज़िंदगी आदि की बीती हुई बातें सोचकर

(घ) देश में अलग-अलग कौमों की विचारधारा में बहुत अंतर देखकर

(2) 'सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं होगा...।' हालदार साहब ऐसा क्यों सोच रहे थे?

(क) कैप्टन के सारे चश्मे बिक जाने के कारण

(ख) कैप्टन के गंभीर रूप से बीमार हो जाने के कारण

(ग) मूर्तिकार मास्टर की भूल और कैप्टन की मृत्यु के कारण

(घ) नटखट बच्चों द्वारा चश्मा बार-बार उतार दिए जाने के कारण

(3) हालदार साहब की आदत से मजबूर आँखों ने क्या किया?

(क) चौराहे पर आते ही पान की दुकान खोजने लगीं

(ख) उन्होंने कैप्टन का स्मरण किया और वे नम हो गईं

(ग) चौराहे पर आते ही स्वभावतः मूर्ति की ओर उठ गईं

(घ) बाँस पर चश्मे लगाकर उन्हें बेचते हुए कैप्टन को खोजने लगीं

(4) हालदार साहब क्यों चीख पड़े?

(क) पानवाले का बदला हुआ व्यवहार देखकर

(ख) नेता जी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा देखकर

(ग) नेता जी की मूर्ति के पास बहुत सारे बच्चों को एकत्र देखकर

(घ) ड्राइवर के द्वारा उनके आदेश का पालन न किए जाने के कारण

(5) सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा किस बात का प्रतीक था?

(क) राष्ट्रीय धरोहरों को संरक्षण देने का

(ख) हस्तकला के प्रति बढ़ रहे अनुराग का

(ग) देशभक्तों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का

(घ) सरकंडे जैसी वनस्पति को संरक्षित करने का

प्रश्न 8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(1x2=2)**

(1) बालगोबिन भगत साधु की सभी परिभाषाओं पर किन गुणों के कारण खरे उतरते थे?

(क) मधुर गायन, खेतीबाड़ी करना, गांधीवादी दर्शन, सारा समय पूजा पाठ में बिताना

(ख) मृत्यु से न घबराना, हर समय भजन में लीन रहना, बेटे व बहू से बहुत प्रेम करना

(ग) सात्विक गृहस्थ जीवन, सत्यवादिता, शुद्ध व्यवहार, कबीर दर्शन से सज्जित आत्मा

(घ) आस्तिकता, समाज-सेवा, प्रतिदिन मंदिर जाना, रास्ते में जो भी मिले, उसे उपदेश देना

(2) काशी को संस्कृति की पाठशाला इसलिए कहा गया है क्योंकि -

(क) यहाँ के लोग अपने बच्चों को धार्मिक संस्कार देते हैं।

(ख) यहीं से सांस्कृतिक संरक्षण अभियान का शुभारंभ हुआ था।

(ग) यहाँ गली-गली में पाठशालाएँ हैं, जिनमें संस्कार सिखाए जाते हैं।

(घ) यह विद्वानों, कला-मर्मज्ञों, कलाकारों, स्नेह व सद्भावना की पावन स्थली है।

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1x5=5)

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला

प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ

आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ

तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता

कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ

यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है

और यह कि फिर से गाया जा सकता है

गाया जा चुका राग

और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है

या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है

उसे विफलता नहीं

उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

(1) 'तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला' इस पंक्ति में 'उसका' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

(क) संगतकार के लिए (ख) प्रधान गायक के लिए

(ग) गाने के इच्छुक संगीत प्रेमियों के लिए (घ) वाद्ययंत्र बजाने वाले कलाकारों के लिए

(2) संगतकार का स्वर मुख्य गायक की सहायता कब करता है?

(क) जब ऐसा करने के लिए उसका मन उससे कहता है

(ख) जब गायन को प्रभावी बनाकर वह वाहवाही लूटना चाहता है

(ग) गायक के द्वारा किसी पंक्ति विशेष को गाने का आग्रह किए जाने पर

(घ) गायक का कंठ कमज़ोर होने तथा प्रेरणा व उत्साह में गिरावट आने पर

(3) 'संगतकार' किसका प्रतीक है?

(क) संगीत को पागलपन की हद तक चाहने वाले जज़्बात का

(ख) स्वर को साधने के लिए अनवरत की जाने वाली साधना का

(ग) किसी की सफलता में निस्स्वार्थ सहयोग करने की भावना का

(घ) मनोरंजन, माधुर्य, मनुष्यत्व, अपनत्व, प्रतिबद्धता व प्रेरणा का

(4) कभी-कभी संगतकार गायक का यूँही साथ क्यों देता है?

(क) अपने आप को उसके समकक्ष प्रदर्शित करने के लिए

(ख) उसे यह संदेश देने के लिए कि वह स्वयं को अकेला न समझे

(ग) वह मुख्य गायक की कमज़ोरियों से पूरी तरह परिचित होता है

(घ) उसे विश्वास होता है कि बीच-बीच में गाने से गाने की मधुरता बनी रहेगी

(4) संगतकार की 'मनुष्यता' किन कार्यों से प्रकट होती है?

(क) प्रधान गायक की सेवा में सदैव श्रद्धापूर्वक जुटे रहने से

(ख) गाने से पहले प्रत्येक कार्य को करने की पूर्व योजना बनाने से

(ग) स्वयं को विशिष्ट न बनाकर प्रधान गायक की विशिष्टता बढ़ाने से

(घ) कार्यक्रम से पहले एवं उसके उपरांत प्रधान गायक के चरण स्पर्श करने से

प्रश्न 10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(1x2=2)**

(1) 'फ़सल' कविता में 'फ़सल' की श्रेष्ठ परिभाषा के साथ प्रकाश में आए अन्य बिंदु हैं-

(क) जैविक खेती को प्रोत्साहन एवं कृषि विज्ञान की समझ द्वारा खेती

(ख) पर्यावरण संरक्षण तथा उपभोक्तावाद, प्रकृति और मनुष्य के संबंध

(ग) कृषि संस्कृति से निकटता, प्रकृति एवं मनुष्य के सहयोग से सृजन

(घ) कर्मवाद एवं भाग्यवाद, वैज्ञानिक तरीके से कृषि करने का आह्वान

(2) गोपियों को उद्धव का शुष्क संदेश पसंद न आने का मुख्य कारण था-

(क) उद्धव के कठोर शब्द एवं अति कटु व्यवहार

(ख) उद्धव में वाक्-पटुता की कमी एवं हृदयहीनता

(ग) गोपियों का प्रेम मार्ग के स्थान पर ज्ञान मार्ग को पसंद

(घ) गोपियों का ज्ञान मार्ग के स्थान पर प्रेम मार्ग को पसंद करना

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) नवाब साहब की सनक नकारात्मक थी, किंतु हर सनक नकारात्मक नहीं होती। सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि किस सनक को सकारात्मक कहा जा सकता है?

(ख) महानगरों की 'फ़्लैट-कल्चर' और लेखिका मन्नू भंडारी के परंपरागत 'पड़ोस कल्चर' में आपको क्या अंतर दिखाई देता है? विचार करके लिखिए।

(ग) मंगलध्वनि किसे कहते हैं? बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) सच्चे अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) 'क्रोध से बात और अधिक बिगड़ जाती है।' 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता के आलोक में इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ख) आपके पाठ्यक्रम की किस कविता में कवि ने बादल से फुहार, रिमझिम तथा बरसने के स्थान पर गरजने के लिए कहा है? इस आह्वान का क्या कारण है? अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण।' यह पंक्ति किस कविता से ली गई है और इसके माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(घ) आत्मकथा लिखने के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है? कवि के लिए यह कार्य कठिन क्यों था? सोचकर लिखिए।

प्रश्न 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **(4x2=8)**

(क) "वहीं सुख, शांति और सुकून है, जहाँ अखंडित संपूर्णता है। पेड़, पौधे, पशु और आदमी सब अपनी-अपनी लय, ताल और गति में हैं। हमारी पीढ़ी ने प्रकृति की इस लय, ताल और गति से खिलवाड़ कर अक्षम्य अपराध किया है।" 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि इस अक्षम्य अपराध का प्रायश्चित मनुष्य किस प्रकार कर सकता है?

(ख) रचनाकार की भीतरी विवशता ही उसे लेखन के लिए मजबूर करती है और लिखकर ही रचनाकार उससे मुक्त हो पाता है। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर हिरोशिमा घटना से जोड़ते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ग) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ का अपने माता-पिता से बहुत लगाव है। बचपन में हर बच्चा एक पल के लिए भी माता-पिता का साथ नहीं छोड़ना चाहता है, किंतु माता-पिता के बूढ़े हो जाने पर इनमें से ही कुछ उन्हें साथ न रखकर वृद्धाश्रम में पहुँचा देते हैं। ऐसे लोगों को आप किन शब्दों में समझाएँगे? विचार करके लिखिए।

प्रश्न 14. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए- **(6)**

(क) जीवन का कठिन दौर और मानसिक मज़बूती

संकेत-बिंदु-

- मानसिक दृढ़ता से मुश्किल हालातों का सामना संभव
- कठिन हालातों से दो-दो हाथ करने की शक्ति
- अनेक संघर्षशील व्यक्तियों के उदाहरण
- मानसिक दृढ़ता का संकल्प

(ख) साइबर युग, साइबर ठगी : सावधानियाँ एवं सुरक्षा उपाय

संकेत-बिंदु-

- बढ़ते ऑनलाइन कार्य
- साइबर ठगी की बढ़ती घटनाएँ
- सावधानियाँ
- इससे बचने के उपाय

(ग) बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय

संकेत-बिंदु-

- दूसरों की कमियाँ देखना स्वाभाविक प्रवृत्ति
- इस प्रवृत्ति का समाज पर प्रभाव
- अपने अंदर झाँकना आवश्यक
- आत्मनिरीक्षण का संकल्प

प्रश्न 15. आप मनस्वी मौर्य/ मनस्विता मालवीय हैं। बरसात के दिनों में दुर्घटना को दावत देते खुले पड़े सीवर लाइन के मैनहोलों के संदर्भ में दैनिक जागरण, अ ब स नगर के संपादक को एक समाचार प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

आप श्रेयस राजपूत/ श्रेयसी सिंह हैं। आप छात्रावास में रहते हैं। आपको पिता जी से पता चला है कि आपकी माता जी पूरे परिवार का तो ध्यान रखती हैं, किंतु अपने स्वास्थ्य की अक्सर अनदेखी करती हैं। माता जी को समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 16. आप तरुण वैश्य/ तरुणा वैश्य हैं। आप बी.एड कर चुके हैं। आपको विवेक इंटरनेशनल स्कूल, अ ब स नगर में हिंदी अध्यापक/ अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **(5)**

अथवा

आप रॉबर्ट पॉल/ डॉली डिसूजा हैं। आपने अ ब स प्रकाशन, क ख नगर से ऑनलाइन कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं। प्रकाशन द्वारा उनमें से दो पुस्तकें किसी अन्य लेखक की भेज दी गई हैं और एक पुस्तक के पहले कुछ पेज फटे हुए हैं। इसकी शिकायत करते हुए तथा इन पुस्तकों को शीघ्र लौटाने और नई पुस्तकें भिजवाने के लिए प्रकाशन के वरिष्ठ प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

प्रश्न 17. आपके चाचा जी ने रेडीमेड कपड़ों की एक दुकान खोली है। वे प्रचार-प्रसार के लिए स्थानीय समाचारपत्र में उसका विज्ञापन देना चाहते हैं। आप उनके लिए लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **(4)**

अथवा

आप सौम्य गर्ग/ सौम्या गर्ग हैं। आपके भैया-भाभी की पहली वैवाहिक वर्षगाँठ (एनिवर्सरी) है। इस अवसर पर उनके लिए लगभग 60 शब्दों में शुभकामना एवं बधाई संदेश लिखिए।